वार्षिक रिपोर्ट 1998 - 99

एन सी ई आर टी

वार्षिक रिपोर्ट 1998 - 99

एन सी ई आर टी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) डॉ. मुरली मनोहर जोशी, परिषद् के अध्यक्ष और केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री, के प्रति उनके परामर्श और मार्गदर्शन के लिए आभारी है। परिषद् विद्यालय के गुणात्मक सुधार के कार्यक्रमों में गहन रुचि लेने और समर्थन प्रदान करने के लिए अपने सामान्य निकाय, कार्यकारिणी, कार्यक्रम सलाहकार समिति और अन्य कार्यक्रम कार्यविधि समितियों के विशिष्ट सदस्यों के प्रति कृतज्ञ है।

परिषद् उन विशेषज्ञों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करती है, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर इसकी विभिन्न समितियां में कार्य किया तथा अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की है। वे सभी राज्य शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा संस्थान/राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और विश्वविद्यालय सहित सभी संगठन और संस्थान भी धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने शिक्षा में भागीदारी के उद्देश्य की भावना से परिषद् को सहयोग देकर उनके कार्यकलापों को कार्यान्वित करने में पूरी सहायता की है।

एन.सी.ई.आर.टी., यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए., विश्व बैंक आदि के प्रति भी सम्मान व्यक्त करती है जिन्होंने अपने प्रायोजित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सहयोग प्रदान किया। परिषद् अपने सभी स्तर के स्टाफ के सदस्यों के प्रति भी आभार प्रकट करती है, जिनके सहयोग और कर्तव्यनिष्ठा के विना कार्यक्रम का कार्यान्वयन असंभव था। परिषद् उन हजारों अध्यापकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और ऐसे अनेक व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करती है जिन्होंने परिषद् के 1998-99 के प्रकाशनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए परिषद् के विभिन्न संघटकों को पत्र भेजे और निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणा के स्रोत बने रहे।

इस रिपोर्ट का प्रारूप योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग के डॉ. जे.पी. मित्तल, रीडर ने संकाय सदस्यों और कार्यालय के स्टाफ की सहायता से तैयार किया है। इसका प्रकाशन कार्य प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा संपन्न हुआ है। इस रिपोर्ट को यह कलेवर प्रदान करने में इन सभी का बहुमूल्य सहयोग रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

मोनोग्राम में परस्पर आवेष्टित हंस,
रा.शै.अ.प्र.प. के कार्य के तीनों पहलुओं
के एकीकरण के प्रतीक हैं
अर्थात (i) अनुसंधान और विकास
(ii) प्रशिक्षण और (iii) विस्तार और प्रसार।
यह डिज़ाइन, कर्नाटक के रायचूर जिले
में मस्के के निकट हुई खुदाई से प्राप्त
ईसा पूर्व तीसरी सदी के अशोक युगीन भग्नावशेष
के आधार पर बनाई गई है।

'विद्ययाऽमृतमश्नुते' आदर्श वाक्य ईशावास्य
उपनिषद् से लिया गया है जिसका अर्थ है
विद्या से अमरत्व मिलता है।

विषय सूची

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा ? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) विद्यालयी शिक्षा का शीर्षस्थ संसाधन संस्थान है। इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षिक मसलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता और परामर्श देने के लिए की गई। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

परिषद् विद्यालयी शिक्षा के सुधार के लिए शैक्षिक और तकनीकी सहायता अपने निम्नलिखित घटकों के माध्यम से करती है।
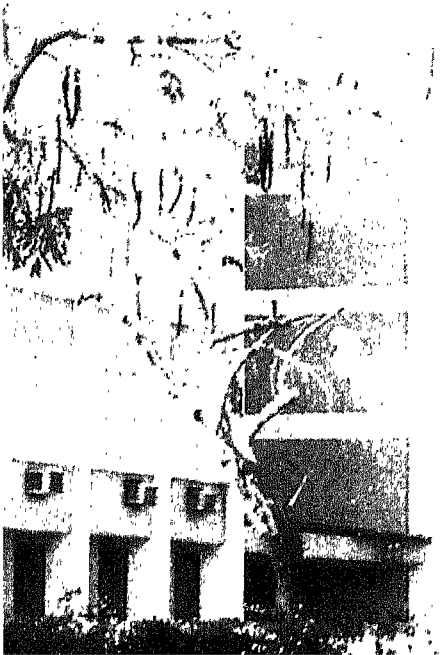
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) विद्यालयी शिक्षा का शीर्षस्थ संसाधन संस्थान है। इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षिक मसलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता और परामर्श देने के लिए की गई। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

परिषद् विद्यालयी शिक्षा के सुधार के लिए शैक्षिक और तकनीकी सहायता अपने निम्नलिखित घटकों के माध्यम से करती है :

1. राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.), नई दिल्ली
2. केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), नई दिल्ली
3. पंडित सुन्दरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.), भोपाल
4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.), अजमेर
5. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.), भोपाल
6. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.), भुवनेश्वर
7. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.), मैसूर
8. उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.ई.आर.आई.ई.), शिलांग
9. राज्यों में क्षेत्र सलाहकार कार्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.)

नई दिल्ली में स्थित राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान अपने विभिन्न विभागों, प्रभागों के माध्यम से पाठ्यचर्या के विभिन्न पहलुओं से संबंधित शोध और विकास कार्य करता है, आद्य-पाठ्यचर्यात्मक और दूसरी पूरक अनुदेश सामग्री तैयार करता है, विद्यालयी शिक्षा से संबंधित आँकड़ा-आधार विकसित करता है तथा विद्यालय-पूर्व, प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों पर छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए प्रायोगिक और नवाचारी कार्य करता है। एन.आई.ई. केंद्र द्वारा प्रायोजित विद्यालय सुधार योजनाओं के कार्यान्वयन से संबद्ध प्रमुख संसाधन व्यक्तियों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। एन.आई.ई. के विभागों के शैक्षिक कार्यक्षेत्र पृष्ठ 3-4 पर दिए गए हैं :

केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.)

केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) भी नई दिल्ली में ही स्थित है। यह शैक्षिक माध्यमों से संबंधित अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, उत्पादन और विस्तार के कार्यक्रम आयोजित करता है तथा राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों को अकादमिक तथा तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.

पंडित सुंदर लाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) भोपाल में स्थित है। यह संस्थान
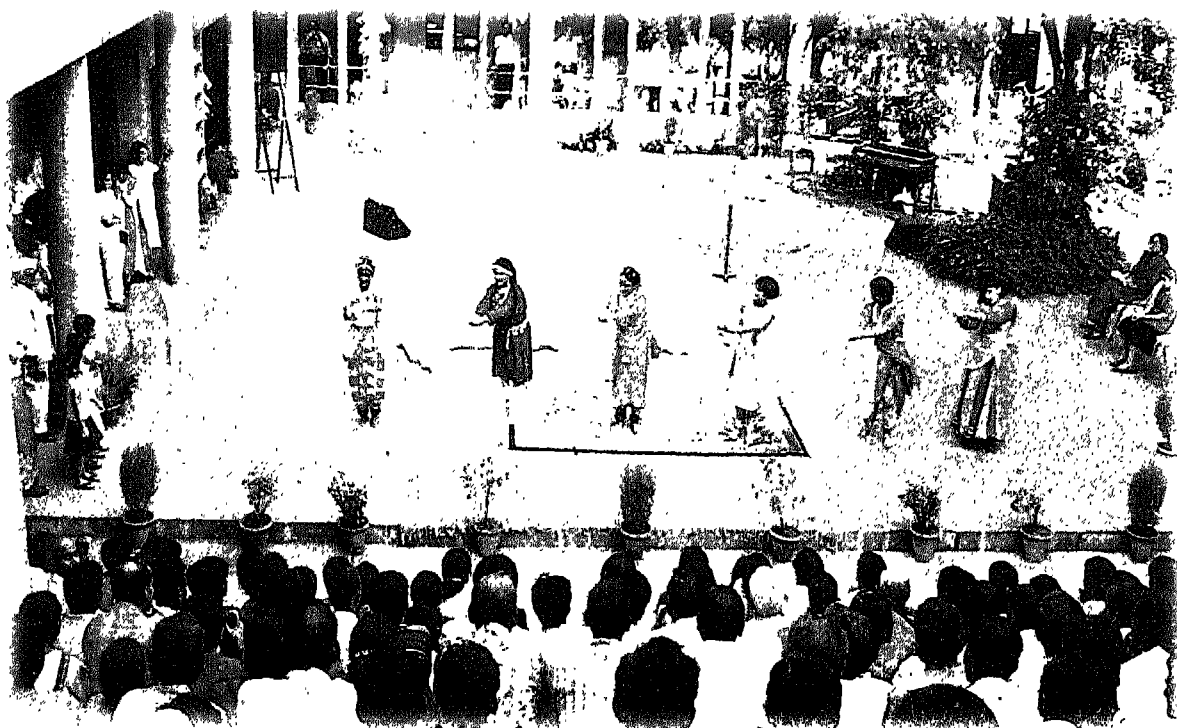
एन.सी.ई.आर.टी. का स्थापना दिवस समारोह

विभाग/प्रभाग	*शैक्षिक कार्यक्षेत्र*
विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)	विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा संबंधी विषय और समस्याओं पर शोध कार्य और आदर्श शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास कार्य तथा जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) के एक भाग के रूप में अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग के साथ मिलकर राष्ट्रीय संसाधन समूह, अध्यापक प्रशिक्षण, शिक्षण और पाठ्यचर्या संबंधी कार्य।
अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक विद्यालयी शिक्षण विभाग (डी.ई.एन.एफ.ए.एस.)	गैर नामांकित और विद्यालय त्यागी बच्चों से संबंधित मुद्दे और समस्याओं सहित अनौपचारिक शिक्षा वैकल्पिक शिक्षण के आद्य मॉडलों के लिए अनुसंधान और उनका विकास, अनौ. शि. वैकल्पिक शिक्षण के लिए खुला विद्यालय संबंधी अध्ययन अनुदेशी सामग्री और अनौ. शि. के कार्मिकों के प्रशिक्षण की कार्यनीतियों का निर्धारण।
विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डी.ई.जी.एस.एन.)	अनुसूचित जातियों/जनजातियों (अ.जा./अ.ज.जा.) अल्पसंख्यकों, विकलांगों और अन्य विशेष जरूरतमंद समूहों की शिक्षा से संबंधित मुद्दे और समस्याएँ।
महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)	बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित मुद्दे और समस्याएँ तथा संबंधित अनुसंधान और विकास कार्यकलाप।
विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)	विज्ञान और गणित शिक्षा के मुद्दे और समस्याएँ तथा आद्य-पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री पर अनुसंधान और विकास कार्य तथा विज्ञान उपकरणों की डिजाइन और विकास का कार्य।
अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.)	राज्य/क्षेत्र के अध्यापक शिक्षा संस्थानों की क्षमता के विकास के कार्यक्रम और अध्यापक शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना को शैक्षिक, समर्थन, विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण, शिक्षाशास्त्र और पाठ्यचर्या पर राष्ट्रीय संसाधन समूह का कार्य करना, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) के साथ समन्वयन तथा विस्तार शिक्षा से संबंधित विषय।
सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)	सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा संबंधी मुद्दे और समस्याएँ, आद्य-पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री पर अनुसंधान और विकास कार्य, राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.) के एक भाग के रूप में जनसंख्या शिक्षा के कार्यक्रम।
शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग (डी.ई.पी.एफ.ई.)	शिक्षा के मनोवैज्ञानिक, सामाजशास्त्रीय और दार्शनिक आधारों से संबंधित अध्ययन, तुलनात्मक शिक्षा और विद्यालयी शिक्षा के लिए उनके निहितार्थ।
शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग (डी.ई.एम.ई.)	विद्यालय शिक्षा से संबंधित मापन और मूल्यांकन, परीक्षा सुधार सहित सतत् और सम्यक् शिक्षा पर अनुसंधान और विकास कार्यकलाप।
मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.ई.एस.डी.पी.)	आवधिक मूल विषयी शैक्षिक अध्ययन जिसमें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण और कंप्यूटर संसाधन केंद्र के कार्य भी शामिल हैं।
शैक्षिक अनुसंधान और नीतिगत संदर्श विभाग (डो.ई.आर.पी.पी.)	शिक्षा में नीतिगत अनुसंधान को बढ़ावा देना, "विचार बैंक" को कारगर बनाने के लिए संबंधित कार्यकलाप आयोजित करना, विद्यालयी शिक्षा में अनुसंधान और नवाचारी अध्ययन शुरू करना, समन्वयन करना और प्रायोजित करना तथा एरिक सचिवालय का कार्य करना।

विभाग/प्रभाग	*शैक्षिक कार्यक्षेत्र*
कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी सहायता विभाग (डी.सी.ई.टी.ए.)	कंप्यूटर शिक्षा संबंधी विषय और समस्याएँ तथा आधुनिक तकनीकी सहायता/बहुमाध्यम शिक्षा समर्थन में अनुसंधान और विकास तथा कंप्यूटर संसाधन केंद्र के कार्य।
योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.)	एन.सी.ई.आर.टी. के घटकों को कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में समन्वय करना कार्यक्रम के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण करना, लक्ष्य समूह द्वारा कार्यक्रमों की उपयोगिता का मूल्यांकन करना तथा कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग (आई.आर.डी.)	अन्य देशों में शैक्षिक संस्थानों के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का समन्वयन करना और राष्ट्रीय विकास समूह (एन.डी.जी) के लिए शैक्षिक सचिवालय के रूप में कार्य करना।
प्रकाशन प्रभाग (पी.डी.)	विद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तकों, पूरक सामग्रियों, पत्रिकाओं और अनुसंधान मोनोग्राफों का प्रकाशन कार्य।
पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.)	शैक्षिक सूचनाओं का प्रलेखन और पुस्तकालय सुविधाएँ प्रदान करना।

विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित अनुसंधान और विकास कार्य आयोजित करता है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित हैं। ये संस्थान राज्य और जिला स्तर के अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों को विद्यालयी शिक्षा संबंधी सेवाकालीन प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करते हैं।

ये संस्थान एक सीमा तक विज्ञान और गणित के अध्यापन के लिए विद्यालय अध्यापकों तथा प्रारंभिक अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थाओं के लिए अध्यापक शिक्षकों को सेवा-पूर्व वृत्तिक प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं। उत्तर-पूर्व राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, और सिक्किम) की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से दिसंबर 1995 में शिलांग में एक नया उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.ई.आर.आई.ई.) स्थापित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. के अधिकतर क्षेत्रीय कार्यालय राज्यों की राजधानियों में स्थित हैं। ये राज्यों में विद्यालयी शिक्षा की समस्याओं और मुद्दों पर शिक्षा विभागों और अन्य संबद्ध संस्थाओं के साथ शैक्षिक संबंध स्थापित करते हैं तथा राज्यों को परिषद् की गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी देते हैं।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

एन.सी.ई.आर.टी. निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों का संचालन करती है :

अनुसंधान

विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान की शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था होने के नाते परिषद् अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों के लिए सहायता तथा शैक्षिक अनुसंधान संबंधी प्रशिक्षण देने के महत्वपूर्ण कार्य करती है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई) के विभिन्न विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) और पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान कार्य करते हैं।

परिषद् अपने घटकों में अनुसंधान कार्य करने के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों एवं संगठनों को वित्तीय सहायता तथा अकादमिक़ परामर्श के द्वारा उनके अनुसंधान कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करती है। पीएच.डी. शोध प्रबंधों के प्रकाशन हेतु परिषद् द्वारा विद्वानों को सहायता प्रदान की जाती है। परिषद् विद्यालयी शिक्षा संबंधी अध्यापनों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ भी प्रदान करती है, ताकि विकास प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रमों के लिए शोध का मज़बूत आधार तैयार किया जा सके और सुदक्ष शोधकर्ताओं का कार्यदल विकसित किया जा सके।

परिषद् देश में शैक्षिक अनुसंधानों का आयोजन भी करती है। परिषद् में आँकड़ों के भंडारण, संसाधन एवं उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए कंप्यूटर सुविधाएँ हैं। अंतर्देशीय अनुसंधान परियोजना कार्यों में यह अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के अभिकरणों से सहयोग करती है।

विकास

विद्यालयी शिक्षा के विकास संबंधी कार्यकलाप परिषद् के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। परिषद् के विकास संबंधी मुख्य कार्यों में शामिल हैं : विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री तैयार करना और बच्चों तथा समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें नवीन रूप देना। परिषद् के नवाचार संबंधी विकास के कार्यकलापों में विद्यालय-पूर्व शिक्षा, औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा, शिक्षा का व्यावसायीकरण और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री का विकास भी सम्मिलित है। इसके अलावा शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जनसंख्या शिक्षा और विकलांगों तथा विशेष वर्गों की शिक्षा के विकास के लिए अपेक्षित कार्य किए जाते हैं।

प्रशिक्षण

परिषद् का एक प्रमुख कार्य पूर्व-प्राथमिक, प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्चतर स्तरों पर तथा व्यावसायिक शिक्षा मार्गदर्शन, परामर्श तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में भी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आर.आई.ई.) के सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में विषयवस्तु और शिक्षण विधि का एकीकरण, वास्तविक कक्षा व्यवस्था और समुदाय कार्यों में छात्रों की प्रतिभागिता जैसी नवीन विशेषताओं को भी शामिल किया गया है। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राज्यों तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करता है।

विस्तार

एन.सी.ई.आर.टी. व्यापक शैक्षिक विस्तार कार्यक्रम संचालित करती है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान तथा राज्यों में स्थित क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालय विभिन्न प्रकार से कार्यरत हैं। परिषद् राज्यों के विभिन्न संगठनों तथा संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करती है और विभिन्न कार्मिक वर्गों, अध्यापक, अध्यापक प्रशिक्षक, शैक्षिक प्रशासक, प्रश्न-पत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ, पाठ्यपुस्तक लेखक आदि को सहायता प्रदान करने के लिए विस्तार सेवा विभागों, विद्यालयों और महाविद्यालयों के अध्यापक प्रशिक्षण केंद्रों के साथ व्यापक रूप से कार्य करती है।

विस्तार कार्यों के अंतर्गत नियमित रूप से सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि जहाँ विशेष समस्याएँ हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है, वहाँ तक संबंधित शिक्षाकर्मी पहुँच सकें। परिषद् विकलांगों और समाज के सुविधाविहीन वर्गों की शिक्षा के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करती है। देश के सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में विस्तार कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

प्रकाशन और प्रसार

परिषद् कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। यह अभ्यास पुस्तिकायें, अध्यापक-संदर्शिकाएँ, पूरक पाठमालाएँ, अनुसंधान रिपोर्ट आदि भी प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त यह अध्यापक शिक्षकों, अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों तथा सेवारत अध्यापकों के लिए उपयोगी शिक्षा सामग्री भी प्रकाशित करती है। निरंतर शोध और विकास कार्य से तैयार अनुदेशी सामग्री राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के विभिन्न संगठनों के लिए आदर्श सामग्री के रूप में काम करती है। यह सामग्री राज्य स्तरीय संगठनों के प्रयोगार्थ एवं/या अनुकूलन हेतु उपलब्ध कराई जाती है। ये पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं।

शैक्षिक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए परिषद् छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है। *प्राइमरी टीचर* अंग्रेजी और हिंदी दोनों में प्रकाशित की जाती है और इसका उद्देश्य प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को कक्षा में सीधे उपयोग के लिए सार्थक एवं उपयुक्त सामग्री प्रदान करना है। *स्कूल साइंस* विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के लिए एक खुला मंच प्रदान करती है, *जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन* समकालीन शैक्षिक विषयों पर चर्चा के माध्यम से शिक्षा में मौलिक और आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करती है। *इंडियन एजुकेशनल रिव्यू* में शोध लेख होते हैं और यह शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधानकर्ताओं को एक मंच प्रदान करती है। *भारतीय आधुनिक शिक्षा* हिंदी में प्रकाशित की जाती है तथा समकालीन विषयों पर शिक्षा में आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने तथा शैक्षिक समस्याओं और व्यवहारों को प्रसारित करने के उद्देश्य से एक व्यापक मंच प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त परिषद् की पत्रिका *एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज लैटर* हर मास अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित की जाती है। इसका हिंदी संस्करण 'शैक्षिक दर्पण' के नाम से निकलता है।

आदान-प्रदान कार्यक्रम

एन.सी.ई.आर.टी. विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन तथा विकासशील देशों के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था

करने के लिए यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी. और यू.एन.एफ. पी.ए. जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कार्य करती है। यह एपिड के सहयोगी केंद्रों में से एक है। यह शैक्षिक नवाचार के लिए राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) के सचिवालय के रूप में कार्य करती है। परिषद् विकासशील देशों के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संबद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती है।

परिषद् विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रों के बीच निर्धारित द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। इस क्षेत्र में परिषद् भारतीय आवश्यकताओं से संबद्ध विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करने के लिए अन्य देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजती है तथा अन्य देशों के विद्वानों के लिए प्रशिक्षण और अध्ययन दौरों की व्यवस्था करती है। अन्य देशों के साथ शैक्षिक सामग्री का अदान-प्रदान भी किया जाता है। इसके अलावा दूसरे देश व संगठनों के अनुरोध पर परिषद् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, बैठकों, परिसंवादों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को भेजती है।

सांगठनिक संरचना

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री परिषद् के महानिकाय के अध्यक्ष हैं। सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री इस निकाय के सदस्य होते हैं। इस निकाय के अन्य सदस्य हैं: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग के सचिव, चार विश्वविद्यालयों के उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के निदेशक, श्रम मंत्रालय के प्रशिक्षण और रोजगार निदेशालय के प्रशिक्षण निदेशक, योजना आयोग के शिक्षा प्रभाग का एक प्रतिनिधि, परिषद् की कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (जो उपर्युक्त में सम्मिलित नहीं हैं) तथा भारत सरकार द्वारा नामित अधिकतम 6 अन्य व्यक्ति (जिनमें कम से कम 4 सदस्य विद्यालयों के अध्यापक हों), सचिव, एन.सी.ई.आर.टी. इस महानिकाय के संयोजक के रूप में कार्य करते हैं।

कार्यकारी समिति परिषद् का मुख्य शासी निकाय है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री इसके अध्यक्ष (पदेन) और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उपमंत्री उपाध्यक्ष (पदेन) हैं। कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य हैं : भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के सचिव, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाशास्त्री (जिनमें दो विद्यालय अध्यापक हों), संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., परिषद् संकाय के तीन सदस्य (जिनमें से कम से कम दो प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष स्तर के होने चाहिए), मा.सं.वि.मं. का एक प्रतिनिधि और वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि (जो एन.सी.ई.आर.टी. का वित्तीय सलाहकार हो)। सचिव, एन.सी.ई.आर.टी. कार्यकारिणी समिति का संयोजक होता है। कार्यकारी समिति के कार्यों में निम्नलिखित समितियाँ सहायता करती हैं :

1. वित्त समिति
2. स्थापना समिति
3. भवन एवं निर्माण समिति
4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों की प्रबंध समितियाँ
5. केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान का सलाहकार बोर्ड
6. पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान का सलाहकार बोर्ड
7. एन.आई.ई. की शैक्षिक समिति
8. एन.आई.ई. के विभागों के सलाहकार बोर्ड
9. कार्यक्रम सलाहकार समिति
10. शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति

परिषद् मुख्यालय में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. परिषद् सचिवालय
2. लेखा शाखा

परिषद् में पांच वरिष्ठ पदाधिकारियों निदेशक, संयुक्त निदेशक (परिषद्) संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी., संयुक्त निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. और सचिव की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान इन पदों को निम्नलिखित अधिकारियों ने संभाला :

एन.सी.ई.आर.टी. के वरिष्ठ पदाधिकारी

निदेशक	: प्रो. ए.के. शर्मा
संयुक्त निदेशक	: प्रो. ए.एन. माहेश्वरी
संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी.)	: प्रो पी.के. भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.)	: प्रो. ए.के. मिश्रा
सचिव	: श्री बिमल जुल्का, आई.ए.एस.

अन्य कार्यों के साथ-साथ शैक्षिक कार्यों में निदेशक की सहायतार्थ तीन संकायाध्यक्ष हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित ने यह पद संभाला :

एन.सी.ई.आर.टी. के संकायाध्यक्ष

डीन (अनुसंधान)	: प्रो. ए.एन. माहेश्वरी
डीन (अकादमिक)	: प्रो. अर्जुन देव
डीन (समन्वय)	: प्रो. एम.एस. खापर्डे

परिषद् के शैक्षिक सलाहकार राज्यों के शिक्षा अधिकारियों से परामर्श करके राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान करते हैं जिनका राज्य समन्वय समितियों द्वारा संसाधित किया जाता है। इसके बाद इन संसाधित आवश्यकताओं को क्षेत्रीय समन्वय समितियाँ संसाधित करती हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों की प्रबंध समितियाँ उनके अकादमिक कार्यक्रमों को संसाधित करती हैं।

ए.सी.आर.ए.बी., एम.सी. और एरिक द्वारा संसाधित कार्यक्रमों में पुनरावृत्ति व कमियों आदि की जाँच के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति कार्यक्रमों की एक उपसमिति कार्यक्रमों की छान-बीन करती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के परामर्श राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राज्यों के शिक्षा-धिकारियों के संपर्क, केंद्रीय शैक्षिक संगठनों (सी.ए.बी.ई.के.वी.एस., एन.वी.एस.,सी.बी.एस.ई. आदि) द्वारा माँगी गई सहायता तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त ज्ञानों के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के अकादमिक कार्यक्रमों को संसाधित किया जाता है और तदोपरांत संस्थान की शैक्षिक समिति (ए.सी.) इन पर विचार करती है।

उप समिति की छानवीन के बाद परिषद् की कार्यक्रम सलाहकार समिति कार्यक्रमों पर विचार करती है।

पी.ए.सी. द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों को अंततः परिषद् की कार्यकारिणी समिति द्वारा स्वीकृति दी जाती है।

परिषद् के घटकों तथा विश्वविद्यालयों के विभागों और स्वयंसेवी संगठनों सहित दूसरे संगठनों या संस्थाओं द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान कार्यक्रमों पर शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति विचार करती है।

पी.ए.सी. और कार्यकारिणी समिति द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम परिषद् के घटकों द्वारा कार्यान्वित किए जाते हैं।

केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान का सलाहकार बोर्ड (आई.ए.वी.) शिक्षा प्रणाली के लिए अपेक्षित संचार माध्यम सहायता परिषद् के घटकों और एस.आई.ई.टी. की आवश्यकताओं के आधार पर इस संस्थान के कार्यक्रमों को संसाधित करता है।

कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रगति का अनुवीक्षण प्रति माह घटक/विभाग के अध्यक्ष द्वारा और निदेशक की अध्यक्षता में गठित अनुवीक्षण समिति द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के कार्यक्रम उस संस्था में सलाहकार बोर्ड द्वारा संसाधित किये जाते हैं।

शिक्षा प्रणाली में विद्यालयी शिक्षा के गुणात्मक सुधार की दृष्टि से कार्यक्रमों के परिणामों के व्यापक प्रसार के लिए उनका मूल्यांकन घटक/विभाग या पी.पी.एम.ई.डी. द्वारा किया जाता है।

परिषद् के स्तर पर राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं, राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और अंतर्राष्ट्रीय विकासक्रमों को प्रतिबिंबित करते हुए शैक्षिक कार्यक्रमों के निरूपण, विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कार्यक्रमों का कार्यान्वयन, कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण अंतिम उत्पादों/परिणामों का मूल्यांकन तथा शिक्षा प्रणाली के सुधार में उनकी उपयोगिता से संबंधित कार्य प्रणाली को प्रदर्शित करने वाला चार्ट।

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) एन.आई.ई. के विभागों के शैक्षिक कार्यों का समन्वय करते हैं। संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अनुसंधान कार्यक्रमों का समन्वय करते हैं और शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) के कार्य की देखभाल करते हैं। संकायाध्यक्ष (समन्वय) सेवा/उत्पादन विभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के कार्यकलापों का समन्वय करते हैं।

कार्यक्रमों का नियोजन और अनुवीक्षण

एन.सी.ई.आर.टी. के घटक अपने कार्यक्रमों के निरूपण में अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) के प्रावधानों और राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए एन.सी.ई.आर.टी. की अपेक्षित सहायता को ध्यान में रखते हैं। राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान मुख्य रूप से राज्य समन्वय समिति (एस.सी.सी.) की कार्यप्रणाली के माध्यम से की जाती है। यह समिति एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय और राज्य शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच परस्पर अनुक्रिया के लिए एक मंच प्रदान करती है। इस समिति के अध्यक्ष शिक्षा सचिव होते हैं और सदस्य-संयोजक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आर.आई.ई.) के प्राचार्य होते हैं।

राज्यों की जिन शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान की जाती है उन पर आर.आई.ई. की प्रबंध समितियाँ (एम.सी.) विचार करती हैं। इनमें से अनेक शैक्षिक आवश्यकताओं को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अपने स्तर पर पूरा कर देते हैं। जिन शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के घटकों को सहायता अपेक्षित होती है उन्हें संबंधित घटकों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया जाता है। एन.आई.ई. के विभागों के शैक्षिक कार्यक्रमों का संसाधन संबंधित विभागों की विभागीय सलाहकार समितियाँ (डी.ए.बी.) करती हैं और उसके बाद एन.आई.ई. की शैक्षिक समिति (ए.सी.) उस पर विचार करती है। सी.आई.ई.टी. के कार्यक्रम शिक्षा प्रणाली के अनुसार संचार माध्यम पर आधारित हैं। इसके कार्यक्रमों का संसाधन संस्थान का सलाहकार बोर्ड (आई.ए.बी.) करता है। पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी एस.एस.सी.आई.वी.ई.) के कार्यक्रमों का संसाधन भी उसका संस्थान सलाहकार बोर्ड (आई.ए.बी.) करता है। एन.सी.ई.आर.टी. के घटकों और अन्य संस्थानों/संगठनों द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान कार्यक्रमों पर शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विचार करती है। शैक्षिक समितियाँ, संस्थान सलाहकार बोर्डों, आर.आई.ई. की प्रबंध समितियों और शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति से संसाधित कार्यक्रमों की पुनरावृत्ति और कमियों आदि की जाँच के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति की उप-समिति उनकी छान-बीन करती है।

विभिन्न कार्यक्रमों की समितियों द्वारा संसाधित और संस्तुत कार्यक्रमों पर अंतिम रूप से कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी.ए.सी.) विचार करती है। इसके साथ ही एन.सी.ई.आर.टी. की कार्यकारिणी समिति की पी.ए.सी. यह भी सिफारिश करती है कि किन विषयों पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, विस्तार और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए और देश में विद्यालयी शिक्षा को उन्नत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के सर्वोत्तम माध्यम कौन से होंगे।

वर्ष 1998-99 के दौरान 19 मार्च 1999 को कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी. ए. सी.) की बैठक हुई और इसमें विभिन्न सलाहकार बोर्डों/समितियों की सिफारिशों पर विचार किया गया।

अनुवीक्षण और कार्यक्रम कार्यान्वयन

कार्यक्रम के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण करने का दायित्व मुख्यतः एन.सी.ई.आर.टी. के प्रत्येक घटक/एकक/विभाग के अध्यक्ष पर ही होता है। निदेशक/संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., समय-समय पर एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय स्थित घटकों/विभागों के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हैं।

परिषद् के विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों के नियोजन, कार्यान्वयन, अनुवीक्षण और मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया परिषद् और राज्यों का एक सहयोगमूलक संयुक्त प्रयास है। एन.सी.ई.आर.टी. के लगभग सभी शैक्षिक कार्यक्रमों में राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के अकादमिक सदस्यों व शिक्षा कर्मियों तथा व्यावसायिकों को विभिन्न स्तरों पर शामिल किया जाता है अर्थात् कार्यक्रम की योजना से लेकर परिणामों के व्यापक संचरण तक में इनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। इस संपूर्ण प्रक्रिया से एन.सी.ई.आर.टी. संकाय सदस्यों को राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के साथ घनिष्ठ सहयोग व प्रतिबद्धता से कार्य करने का अवसर मिलता है। एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के संबंध में सूचना एन.सी.ई.आर.टी. कार्यक्रम एन.सी.ई.आर.टी. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेण्डर तथा "एन.सी.ई.आर.टी. की वार्षिक रिपोर्ट" आदि प्रलेखों के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित की जाती है।

प्रतिवेदन और विवरणिका

एन.सी.ई.आर.टी. विभिन्न प्रयोजनों से अपने कार्यक्रमों तथा गतिविधियों की आवधिक रिपोर्टें तथा विवरणिकाएं तैयार करती है। इस दौरान निम्नलिखित रिपोर्टें तथा विवरणिकाएँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) को भेजी गई :

1. प्रमुख गतिविधियों और महत्वपूर्ण घटनाओं की मासिक रिपोर्ट।

2. प्रमुख गतिविधियों और महत्वपूर्ण घटनाओं का मासिक सारांश।
3. मंत्रिमंडल सचिवालय के लिए मुख्य घटनाओं की रिपोर्ट।
4. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों की शिक्षा के संबंध में मासिक प्रगति रिपोर्ट।
5. राष्ट्रीय एकता परिषद् की संस्तुतियों के कार्यान्वयन के लिए की गई कार्रवाई की त्रैमासिक रिपोर्ट।
6. पी.ओ.ए.-92 के कार्यान्वयन पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट।
7. सांप्रदायिकता को समाप्त करने तथा अल्पसंख्यकों के कल्याण हेतु किए गए कार्यों की त्रैमासिक कार्रवाई रिपोर्ट।
8. शिक्षा विभाग (मा.सं.वि. मंत्रालय) के लिए वार्षिक रिपोर्ट हेतु मसौदा सामग्री।
9. बजट निष्पादन

प्रशासन

31 मार्च, 1999 को एन.सी.ई.आर.टी. के संस्वीकृत स्टॉफ की संवर्गवार स्थिति परिशिष्ट II में दी गई है।

वित्त

एन.सी.ई.आर.टी. के वर्ष 1998-99 से संबंधित वार्षिक प्राप्ति और भुगतान लेखा संबंधी सूचना परिशिष्ट III में दी गई है।

अध्याय 2

1998-99 में विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. के योगदान का सिंहावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) वर्ष भर विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार की दिशा में प्रयासरत रही। अपने उद्देश्यों को साकार रूप प्रदान करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने विभिन्न संघटकों के माध्यम से अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, विस्तार तथा शैक्षिक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष 1998-99 के दौरान एन.सी.ई. आर.टी. ने अपने कार्यक्रमों को नया रूप देने के लिए विद्यालयी शिक्षा के राष्ट्रीय सरोकारों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) पर आधारित कार्रवाई योजना (पी.ओ.ए.) के कार्यान्वयन की गति को त्वरित किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) वर्ष भर विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार की दिशा में प्रयासरत रही। अपने उद्देश्यों को साकार रूप प्रदान करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने विभिन्न संघटकों के माध्यम से अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, विस्तार तथा शैक्षिक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए। परिषद् के संघटकों में नई दिल्ली स्थित परिषद् मुख्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के विभिन्न विभागों तथा केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) के अतिरिक्त भोपाल स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) तथा अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, मैसूर व शिलांग स्थित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान एवं विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में स्थित एक दर्जन क्षेत्रीय कार्यालय शामिल हैं। वर्ष 1998-99 के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने कार्यक्रमों को नया रूप देने के लिए विद्यालयी शिक्षा के राष्ट्रीय सरोकारों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों की प्राथमिकी के क्रम में परिवर्तन किया है। प्रारंभिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। विद्यालयी शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) पर आधारित कार्रवाई योजना (पी.ओ.ए.) के कार्यान्वयन की गति को त्वरित किया गया।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) के कार्यान्वयन में शामिल राज्यों और जिला स्तर की एजेंसियों को शैक्षिक सहायता और परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गईं। उत्तर पूर्वी क्षेत्र में विद्यालयी शिक्षा के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। पाँचवें शैक्षिक अनुसंधान सर्वेक्षण तथा छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण को जारी किया गया। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आर.आई.ई.) के माध्यम से राज्य स्तरीय आगतों सहित एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों/विभागों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण, विहंगम दृष्टि से इस भाग में प्रस्तुत किया गया है। किए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों का विवरण विषय संबंधी विभिन्न अध्यायों में दिया गया है।

शैशवकालीन शिक्षा (ई.सी.ई.)

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालय पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संगत संसाधन सामग्री तैयार करके प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों का संचालन कर तथा अनुसंधान अध्ययन आयोजित करके एवं राष्ट्रीय स्तर पर यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं के समन्वयन आदि के माध्यम से ई.सी.ई. के क्षेत्र में शैक्षिक सहायता व महत्वपूर्ण आगतें उपलब्ध करवा रही है। आई.सी.डी. के विद्यालय पूर्व शिक्षा घटकों के अध्ययन तथा इसके अवबोधन और समुदाय द्वारा इसके उपयोग की सीमा की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके परिणामों में शामिल हैं: (1) अपर्याप्त सुविधाएँ (2) अल्पविकसित असमायोजित पाठ्यचर्या (3) विद्यालय पूर्व तथा प्राथमिक विद्यालय के बीच कमजोर संबंध (4) अभिभावकों का अत्यधिक सकारात्मक अवबोधन। उत्तर

डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मंत्री एवं अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. महासमिति की बैठक का उद्घाटन करने के लिए आते हुए

प्रदेश के शिशु शिक्षा केन्द्रों के मूल्यांकन अध्ययन की रिपोर्ट पूर्ण की गई तथा उ.प्र. सबके लिए बेसिक शिक्षा को सौंपी गई। दिल्ली के बालगृहों के स्थिति अध्ययन की रिपोर्ट को भी अंतिम रूप दिया गया तथा इसे जारी किया गया। एन.सी.ई.आर.टी. ने प्रशिक्षण पैकेज के एक भाग के रूप में दो वीडियो फिल्में-एक "प्रशिक्षण प्रविधि" पर तथा दूसरी "एक सार्थक शुरुआत" तैयार की। ई.सी.सी.ई. के कार्मिकों तथा अभिभावकों के लिए ई.सी.ई. में बच्चों की प्रगति के लिए मानीटरिंग दिशानिर्देशों पर एक प्रलेख तथा ई.सी.ई. के क्षेत्र में अभिभावकों की जागृति के लिए छह पोस्टर तैयार किए। आठ हिन्दी भाषी राज्यों के लिए डी.आई.ई.टी./एस.सी.ई.आर.टी. के ई.सी.ई. संकाय के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

प्राथमिक शिक्षा

प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) के संदर्भ में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में प्रयास किए गए। विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित अतिरिक्त सूचना को एकत्र करने, उसे संकलित, प्रलेखबद्ध करने तथा इसका प्रचार-प्रसार करने का कार्य, राष्ट्रीय प्रलेखन एकक में प्रगति के पथ पर है। "ग्लिंप्सिज' नामक त्रैमासिक पत्रिका के चार अंकों में विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा में विकास पर अद्यतन सूचनाएँ प्रदान की गई हैं।

अन्य त्रैमासिक पत्रिकाओं, अंग्रेजी में "दि प्राइमरी टीचर" तथा हिन्दी में "प्राइमरी शिक्षक" का नियमित प्रकाशन, प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ा रहे शिक्षकों और अध्यापक शिक्षकों को प्राथमिक शिक्षा के नवाचारों और विचारों तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मीडिया की जरूरतों को पूरा करता है। प्राथमिक स्तर की पाठ्यचर्या के विचारणीय विषयों पर चर्चा करने के लिए समीक्षा हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया गया। "प्राइमरी इयर्सः टुवर्डस ए करीकुलम फ्रेमवर्क" भाग-1 नामक प्रलेख के संबंध में गहन विचार विमर्श किया गया और इसे मुद्रित करवाया गया। इस प्रलेख के भाग-2 का प्रारूप भी तैयार है। कक्षा 1 तथा 2 के लिए भाषा गणित तथा कला शिक्षा तथा पर्यावरण शिक्षा में अनुदेशी सामग्री विकसित करने के लिए एक नियोजन कार्यशाला की रूपरेखा तैयार की गई तथा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, एन.डी.एम.सी. तथा के.वी.एस. में कार्यशाला की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में एक सर्वेक्षण आयोजित किया गया। 'क्रिटिकल रिव्यूज ऑफ रिसर्चिज इन एलीमेन्ट्री एजुकेशन' नामक अध्ययन की रिपोर्ट जारी की गई। लोक जुम्बिश के अंतर्गत बालिका शिविर कार्यक्रम का मूल्यांकन पूर्ण किया गया तथा इसकी रिपोर्ट लोक जुम्बिश को भिजवाई गई। लद्दाख के शैक्षिक कार्मिकों के लिए प्राथमिक शिक्षा से संबद्ध विभिन्न उदीयमान विषयों के संबध में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राथमिक शिक्षा में क्षेत्रीय स्तर पर आगतों के रूप में अन्य गैर शैक्षिक क्षेत्रों में पाठ्यचर्या सामग्री का विकास तथा परीक्षण, विद्यालयों में दाखिल हुए छोटे बच्चों के समन्वित विकास पर अनुप्रेषित कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन जैसे कार्यक्रम किए गए। आर.आई.ई. संस्थानों द्वारा कक्षा 1 तथा 2 की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा की गई तथा छोटे बच्चों के लिए पाठों और सुपाठ्य कविताओं के रूप में आठ ऑडियो कार्यक्रम तैयार किए गए। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों से संबद्ध डी.एम. स्कूलों ने कार्रवाई अनुसंधान प्रविधि के रूप में सक्षमता आधारित अध्यापन जारी रखे तथा आर.आई.ई. अजमेर में हुए चौथे सम्मेलन में अपने अनुभवों तथा कठिनाइयों के संबंध में चर्चा की।

अनौपचारिक तथा वैकल्पिक विद्यालयी शिक्षा

इस संबंध में निम्नलिखित अध्ययन आरंभ किए गए जो प्रगति के विभिन्न चरणों में है : (1) भारत में उच्च प्राथमिक स्तर पर एन.एफ.ई. की स्थिति (2) अनौपचारिक शिक्षा तथा वैकल्पिक विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में एस सी ई आर टी संस्थानों की स्थिति, (3) प्राथमिक स्तर के अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में हिन्दी के अध्यापन शिक्षण में आने वाली कठिनाइयाँ (4) बिहार, हरियाणा, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश में एन एफ ई कार्यक्रमों की प्रभाविता। जिला संसाधन इकाइयों (डी.आर.यू.) के लिए एक प्रशिक्षण पैकेज तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर एन एफ ई के लिए पाठ्यसामग्री तैयार करने की प्रविधि पर शैक्षिक दिशानिर्देश तैयार किए गए। 9वीं पंचवर्षीय योजना के मुख्य दबाव क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में अनौपचारिक तथा वैकल्पिक विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पक्षों में एस.सी.ई.आर.टी./एस.आर.सी. के संकाय सदस्यों का अभिविन्यास किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे गैर सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) के लिए भी दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न सरकारी तथा स्वैच्छिक संगठनों को एन.एफ.ई. के क्षेत्र में परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गई।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अल्पसंख्यकों की शिक्षा

डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत जनजातीय बच्चों के प्रति गैरजनजातीय अध्यापकों के व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए एक प्रशिक्षण पैकेज के रूप में एक संदर्भ पुस्तिका तैयार की गई और इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए इसे मुद्रित करवाया गया। "सरकार द्वारा सहायता प्राप्त मकतबों/मदरसों में वर्तमान पाठ्यचर्या का विश्लेषण" नामक अध्ययन आयोजित किया गया।

इस अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस अध्ययन में ऐसी संस्थाओं की वर्तमान स्थिति तथा भावी आवश्यकताओं और ऐसी [illegible]रिक संस्थाओं के लिए मॉड्यूल बनाने के लिए कुछ आ[illegible]क सुझाव भी दिए गए हैं।

विकलांग बच्चों की शिक्षा

एकीकृत विद्यालयों और विशेष विद्यालयों में बधिर बच्चों द्वारा महसूस की जा रही कठिनाइयों की पहचान करने के पश्चात प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों, अध्यापक शिक्षकों और एकीकृत स्थिति में ऐसे बच्चों के लिए हिन्दी भाषा के शिक्षण की योजना बनाने के लिए शैक्षिक योजनाकर्ताओं की सहायता हेतु एक पुस्तिका तैयार की गई है। निर्धारित आवश्यकताओं के आधार पर कमजोर दृष्टि वाले बच्चों को मुख्यधारा के वातावरण में एकीकृत करने के लिए अध्यापकों को मुख्य दिशानिर्देश उपलब्ध करवाने हेतु एक पुस्तिका तैयार की गई। एकीकृत स्थिति वाले विद्यालयों में पढ़ने वाले दृष्टिहीन बच्चों के लिए गणित विषय की पाठ्यचर्या के लिए भी एक पुस्तिका तैयार की गई है। एक सामान्य विद्यालय में पढ़ रहे विकलांग बच्चों के लिए सुझाव देने हेतु एक संदर्शिका भी तैयार की गई है। सामान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों को एकीकृत करने के संबंध में डी.पी.ई.पी. राज्यों, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के विद्यालयों और संस्थानों तथा केन्द्रीय विद्यालयों आदि के आई.ई.डी. समन्वयकों को शैक्षिक सहायता उपलब्ध करवाई गई। भारत-आस्ट्रेलियाई क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत आस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 10 मुख्य प्रशिक्षक चुनने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। सामान्य शिक्षा व्यवस्था, अध्यापकों तथा बच्चों पर एकीकृत शिक्षा के प्रभाव के अध्ययन के लिए आई. ई.डी.सी. के मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) को समर्थन

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा "मध्यावधि मूल्यांकन सर्वेक्षण-विद्यार्थियों की संप्राप्ति का मूल्यांकन" नामक प्रलेख निकाला गया। इस प्रलेख में मध्यावधि सुधारों तथा डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत कार्यक्रमों के भावी नियोजन के लिए बिन्दु स्थापित किए गए हैं। डी.पी. ई.पी. की समन्वय समिति द्वारा इसके कार्यकलापों की प्रगति की समीक्षा की गई। श्रेणी बहुल अध्यापन शिक्षण को संसाधन सहायता प्रदान करने के संदर्भ में चार क्षेत्रों में क्रियात्मक अनुसंधान परियोजना आरंभ की गई। प्राथमिक कक्षाओं के लिए भाषा तथा गणित में निदानात्मक परीक्षण मदें तैयार की गईं। डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत तैयार की गई प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन किया गया और इसकी रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय के डी.पी.ई.पी. ब्यूरो को सौंपी गई। कक्षा प्रेक्षण, अध्यापकों के गहन साक्षात्कारों, एक दिन की कक्षा प्रक्रिया की वीडियो रिकार्डिंग तथा संप्राप्ति परीक्षण के माध्यम से कक्षा प्रक्रिया तथा विद्यालय की वस्तुस्थिति का अध्ययन किया गया।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, टी.आई.एफ.आर., मुंबई

द्वारा आयोजित नवाचारी सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया। यह काफी कम खर्च वाला और जनजातीय क्षेत्रों से शिक्षा में गुणवत्ता के सुधार के लिए विशेष रूप से युक्तिसंगत पाया गया। प्राथमिक अध्यापकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के निर्धारण के लिए बहुत से साधन और तकनीकें विकसित की गईं। परीक्षणों और साधनों को तैयार करने और उनका सदुपयोग करने के लिए भी एक स्व-अधिगम पैकेज तैयार किया गया। बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. केन्द्रों को प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए और एक अभिविन्यास कार्यक्रम चलाया गया। प्राथमिक अध्यापकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपलब्ध करवाई गई विविध आगतों की पर्याप्तता के निर्धारण के लिए एक अध्ययन किया गया जिससे पता चला कि वहाँ भौतिक सुविधाएं अपर्याप्त थीं तथा उपलब्ध तकनीकी सहायता का सदुपयोग नहीं के बराबर

हो रहा था। तथापि पाठ्यक्रम की विषयवस्तु व्यापक थी और प्रशिक्षण के द्वारा सामान्य जानकारी, चर्चा का अवसर अध्यापन सहायकों तथा आनन्दमय अधिगम उपलब्ध करवाया गया था।

15 से 17 जुलाई, 1998 तक प्राथमिक स्तर पर अधिगम संगठन, समुदाय की प्रतिभागिता तथा विद्यालय प्रभाविता में अनुसंधान पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की पूर्व तैयारी के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। वर्ष 1995, 1996 तथा 1997 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए अध्ययनों के आधार पर "सुझावात्मक कार्य बिन्दु" नामक एक प्रलेख तैयार किया गया जिसका उद्देश्य आधारभूत स्तर पर कार्यान्वयन के परिणामों का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना था। चौथी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट में पिछली संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए लेखों को भी प्रलेखबद्ध किया गया। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा प्राथमिक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित पाँच अनुसंधान अध्ययन आयोजित किए गए।

बालिकाओं की शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी महिलाओं की शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में सार्क के क्रियाकलापों के केन्द्र बिन्दु के रूप में कार्य करती है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान करती है। ग्रामीण बालिकाओं के नामांकन, विद्यालयों में पढ़ते रहने तथा संप्राप्ति के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए "माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं को प्रदान की जा रही भोजन व आवास सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण" की केन्द्रीय योजना का मूल्यांकन किया गया। इसकी अंतरिम रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भिजवाई गई। (1) मध्य प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा पर प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभाव और (2) लैंगिक दृष्टिकोण से विद्यालय व्यवहार आदि अध्ययन प्रगति के पथ पर हैं। हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं और सुविधावंचित समूहों की प्राथमिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाली यूनेस्को की नवाचारी पॉयलट परियोजना के अंतर्गत प्रतिभागी विद्यालयों को उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान करने के लिए एक प्रमुख शिक्षा उत्सव मनाया गया। प्राथमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के संबंध में विचार-विमर्श के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील जीवन कौशलों के उपागमों पर तिन्नारी नामक संस्था के सहयोग से एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह एक गैर सरकारी संगठन है जो प्रजातिगत जीवन कौशलों का संग्रह करने, लैंगिक परंपराओं को तोड़ने तथा प्राथमिक स्तर पर पाठ्यचर्या में इन कौशलों को शामिल करने की मुख्य कार्यनीतियों की पहचान करने के लिए ही बनाई गई है। एन.सी.ई.आर.टी. ने लोक जुम्बिश परियोजना तथा शिक्षा कर्मी परियोजना के मूल्यांकन के संयुक्त पर्यवेक्षण मिशन में भी सहयोग दिया।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा

कक्षा 5 के अन्त में अरुणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी भाषा में प्राप्त की गई भाषिक क्षमता की परियोजना का क्षेत्रीय कार्य सम्पन्न किया गया और इसी प्रकार की परियोजना दिल्ली नगर निगम (एम.सी.डी.) के विद्यालयों के लिए भी आरंभ की गई। माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में मानचित्र कौशल को समझने और उसके अनुप्रयोग से संबंधित एक सर्वेक्षण का कार्य भी पूर्ण किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर भारत में उच्च प्राथमिक स्तर पर विद्यालय शिक्षा के कुछ पहलुओं का अध्ययन किया गया और इसकी मसौदा रिपोर्ट का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया गया। जो नई पाठ्यपुस्तकें बनाई गईं/संशोधित की गई उनमें शामिल हैं: सामाजिक विज्ञान में कक्षा 9 तथा 10 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक में संशोधन, भाषाओं में कक्षा 3 तथा 4 के लिए पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 8 के लिए सरस भारती तथा अभ्यास पुस्तिका, कक्षा 9 (हिन्दी बी कोर्स) के लिए "पूर्वा तथा कथा कलश" और सामान्य अध्ययन के लिए उर्दू व्याकरण की पुस्तक (उर्दू कवायद) प्रकाशित की गई। सामाजशास्त्र में पाठ्यचर्या का नया संस्करण तथा उपभोक्ता शिक्षा की पाठ्यचर्या का प्रारूप भी तैयार किया गया। "सबके लिए सभी मानव अधिकार" विषय पर 30वीं राष्ट्रीय बाल साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता आयोजित की गई। 5-8 आयु वर्ग तथा 9-15 आयु वर्ग के बच्चों से संबंधित बहुत सी पुस्तकें तथा पाण्डुलिपियाँ प्राप्त हुईं जिनका प्रक्रियन किया जा रहा है। मानव अधिकारों की सार्वजनीन घोषणा (यू.डी.एच.आर.) की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में मानव अधिकारों पर एक अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा राष्ट्रीय स्तर के समारोह में प्रधानमंत्री द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जवाहर नवोदय विद्यालयों के पी.जी.टी. (हिन्दी व अंग्रेजी) अध्यापकों, मस्कट तथा शारजहा में स्थित सी बी एस ई से संबद्ध विद्यालयों के टी.जी.टी. अध्यापकों तथा केन्द्रीय तिब्बतन विद्यालय प्रशासन (सी.टी.एस.ए.) के लिए सामाजिक विज्ञान में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.)

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.) के चौथे चरण का कार्य "विद्यालयों में जनसंख्या और विकास शिक्षा" (पापूलेशन एण्ड डिवलपमेंट एजूकेशन इन स्कूल्स) के नाम से प्रारंभ किया

गया। राष्ट्रीय परियोजना प्रलेख तथा गोवा सहित 30 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के परियोजना प्रलेख तैयार किए गए और इन्हें नए चरण के लिए अंतिम रूप दिया गया। युवा शिक्षा पर आधारभूत सामग्री का एक पैकेज मुद्रणाधीन है। राज्य परियोजना कार्मिकों तथा राज्य संसाधन व्यक्तियों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर एक प्रशिक्षण पैकेज को अंतिम रूप दिया गया और इसे प्रयुक्त किया गया। व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में जनसंख्या शिक्षा के अध्यापन के लिए अनुदेशक पुस्तिका, पाठ्यविवरण तथा पोस्टर और जनसंख्या शिक्षा में पारदर्शिता से संबंधित सामग्री तैयार की गई।

29 एस.सी.ई.आर.टी. संस्थानों तथा राज्य शिक्षा बोर्डों के राज्य परियोजना कार्मिकों के लिए विद्यालयों में जनसंख्या और विकास शिक्षा में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थान राज्य में अंतरराज्यीय दौरे का एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

1000 पोस्टरों के नमूने पर आधारित पोस्टरों के माध्यम से जनसंख्या और विकास से संबंधित मुद्दों पर विद्यार्थियों के दृष्टिकोण पर एक मूल्यांकनपरक अध्ययन आयोजित किया गया। आर.आई.ई. भोपाल में युवा शिक्षा की सामग्री की क्षमता पर एक अध्ययन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के दौरों के माध्यम से परियोजना कार्यकलापों के कार्यान्वयन की मानीटरिंग की गई। कार्य योजनाएँ तथा बजट प्राक्कलन तैयार करने के लिए परियोजना प्रगति समीक्षा बैठकें आयोजित की गई। "जनरेशन्स लिविंग टुगेदर" नामक विषय पर अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता 1998 आयोजित की गई। आर आई ई संस्थानों ने विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित कर "जनसंख्या शिक्षा सप्ताह" तथा "विश्व जनसंख्या दिवस" मनाया। जनसंख्या शिक्षा बुलेटिन के दो अंक निकाले गए और उनका प्रचार-प्रसार किया गया। डी.एल.डी.आई. के जनसंख्या शिक्षा केन्द्र ने जनसंख्या शिक्षा से संबंधित सामग्री का संग्रह तथा प्रचार-प्रसार जारी रखा।

विज्ञान और गणित शिक्षा

विभिन्न वर्गों, विज्ञान, कला तथा वाणिज्य के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर गणित विषय के लिए एक नया पाठ्यविवरण तैयार किया गया। गणित के नए पाठ्यविवरण के आधार पर कक्षा 11 और 12 के लिए चार (प्रत्येक के लिए दो-दो) अनुपूरक निकाले गए। प्रयोगशाला अभिमुखीकरण कार्यक्रमों के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा कक्षा 12 के व्यावहारिक पाठ्यक्रम के लिए रसायन विज्ञान में एक वर्कशीट, कक्षा 12 के लिए ही जैविकी में कार्यकलाप मैन्युअल, रसायन विज्ञान में औपचारिक स्तर के चुनिंदा अध्यायों के लिए कम कीमत के उन्नत प्रयोगों के डिजाइन बनाने तथा उनका विकास करने के संदर्भ में चालीस प्रयोग तथा गणित प्रयोगशाला के साठ कार्यकलाप/मॉडल तैयार किए गए हैं।

वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.एस.) के पुरस्कार प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों के भौतिकी में प्रतिभा प्रोत्साहन कार्यक्रम का एक मॉडल तैयार किया गया और इसका 15-15 दिन की अवधि में दो चरणों में परीक्षण किया गया। इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए भौतिकी परियोजना की एक बैटरी तैयार की गई। "पढ़ें और सीखें" परियोजना के अंतर्गत विज्ञान के विभिन्न नवीन विषयों जैसे "हमारा अद्भुत आकाश मैला क्यों", "सौर ऊर्जा" "बबलू बोले अपनी बात", मौसम क्या, क्यों और कैसा" "ग्लिम्पसिज ऑफ प्लान्ट लाइफ" पार्ट 1 तथा पार्ट 2 आदि पर नई पुस्तकें लिखने का कार्य प्रारंभ किया गया। "सम इंट्रेस्टिंग टॉपिक्स इन केमिस्ट्री" नामक परियोजना के अंतर्गत "एलॉप" पर एक मॉड्यूल तैयार किया जा रहा है जिसे शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

नवोदय विद्यालय समिति के पी.जी.टी. अध्यापकों के लिए रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। रसायन विज्ञान में अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए सहयोगी अधिगम कार्यनीति का मॉडल तैयार किया गया और इसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया।

पंजब सरकार के सहयोग से अमृतसर में 7-11 दिसंबर 1998 तक "सूचना युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी" नामक विषय पर 25वीं जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी 1998 (जे.एन.एन.एस.ई.सी. 98) आयोजित की गई। "स्ट्रक्चर एण्ड वर्किंग साइन्स मॉडल्स" नामक पुस्तिका भी निकाली और वितरित की गई। 29 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का केन्द्रीय विषय "विज्ञान प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण" था। इनके आयोजन के लिए एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा 14.00 लाख रु. की सहायता अनुदान राशि उपलब्ध करवाई गई।

विज्ञान शिक्षा पर एक स्थिति अध्ययन पूर्ण किया गया। इसकी "सम आस्पेक्ट्स ऑफ साइंस एजूकेशन इन इण्डिया" नामक रिपोर्ट में विज्ञान शिक्षा के लिए आधारभूत आँकड़े उपलब्ध करवाए गए हैं जो नई विज्ञान पाठ्यचर्या तथा अनुदेशी सामग्री तैयार करने में विज्ञान पाठ्यचर्या नियोजकों तथा प्रशासकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

"स्कूल साइंस" नामक त्रैमासिक पत्रिका ने अध्यापकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा विद्यार्थियों को विज्ञान और गणित शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने अवबोधन, अनुभवों तथा नवाचारों का प्रचार-प्रसार करने के लिए एक मंच उपलब्ध करवाना जारी रखा।

विज्ञान की प्रकृति, विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण तथा दैनिक जीवन में इसकी तार्किकता के संदर्भ में माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के विश्लेषण का कार्य किया गया तथा पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए दिशानिर्देश बनाए गए। इसकी मसौदा रिपोर्ट अंतिम चरण में है। "मीरांबिका में शिक्षण : एक अध्ययन" के आंकड़ों के गुणात्मक विश्लेषण से विद्यालय प्रक्रियाओं के आंतरिक विचारों तथा विद्यालय प्रतिभागियों के परिप्रेक्ष्यों का पता चला। इस रिपोर्ट का पुनर्गठन किया जा रहा है। भारत में शैक्षिक मनोविज्ञान के भारतीयकरण के अनुसंधानिक रुझान नामक अध्ययन के अंतर्गत भारतीय मनोवैज्ञानिक सारांश से 1090 अनुसंधान सार तथा 641 लेखों के पूर्ण पाठ एकत्रित किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। इसकी मसौदा रिपोर्ट तैयार है। अन्य अध्ययन जो जारी हैं तथा जिनकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है उनमें शामिल हैं: (1) प्रतिष्ठा तथा विकास निर्माण में परामर्शदाता की भूमिका (2) सामाजिक मूल्यों के संबंध में किशोरों के बोध/विचार का अध्ययन (3) परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्य स्थल पर निष्पादन में अनुपालन के लिए चयन प्रक्रिया की भविष्य सूचक संभाव्यताओं का अध्ययन, (4) भारत में मार्गदर्शन अनुसंधान : एक गहन अध्ययन (5) भारत में प्राथमिक अध्यापक शिक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान पाठ्यचर्या का आलोचनात्मक अध्ययन।

प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान की आदर्श पाठ्यचर्या तथा "कक्षा में अध्यापक द्वारा प्रश्न पूछने" पर संसाधन सामग्री और 'परामर्श कार्य प्रबंधन' पर व्यावहारिक संदर्शिका तैयार की जा रही है। विभिन्न राज्य शिक्षा बोर्डों द्वारा +2 स्तर पर प्रयुक्त की जा रही मनोविज्ञान की पाठ्यचर्या का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि मनोविज्ञान की आदर्श पाठ्यचर्या तैयार की जा सके। राष्ट्रीय शैक्षिक तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षण पुस्तकालय में 20 भारतीय परीक्षणों को शामिल कर उसे संबंधित किया गया। भारत में योग्यता के मापन पर एक पुस्तक की प्रारंभिक पाण्डुलिपि तैयार की गई जिसमें 90 समीक्षाएँ तथा 45 योग्यता परीक्षण शामिल हैं। भारत में मूल्य/व्यवहार/रुचि मापन की एक पुस्तिका तैयार की जा रही है जिसमें भारतीय परीक्षणों की समीक्षाएँ भी शामिल हैं।

मार्गदर्शन और परामर्श के 9 माह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत 16 राज्यों के 28 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। डी. आई. ई. टी. संस्थानों में शैक्षिक मनोविज्ञान पढ़ाने वाले अध्यापक शिक्षकों के लिए मनोविज्ञान का संवर्धन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

आजीविका सूचना केन्द्र तथा मार्गदर्शन प्रयोगशाला ने मार्गदर्शन और परामर्श के पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय की आवश्यकताओं की पूर्ति की। शैक्षिक मनोविज्ञान और परामर्श के क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों को परामर्श सेवाएँ और अनुसंधान सहायता उपलब्ध करवाई गई।

परीक्षा सुधार

महाराष्ट्र, तमिलनाडु, त्रिपुरा तथा हिमाचल प्रदेश के बोर्डों के +2 स्तर पर गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविकी तथा राजनीति शास्त्र के प्रश्नपत्रों की विशेषताओं तथा कमियों को पहचानने के लिए विश्लेषण किया गया। देश भर में रसायन विज्ञान के प्रायोगिक कार्य की वर्तमान पद्धतियों का मूल्यांकन किया गया तथा इनमें द्विअर्थकता, सामंजस्य अथवा विरोधाभास की दृष्टि से इनके मूल्यांकन की विधियों में कमियां पाई गई। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के प्रश्नपत्र चयनकर्ताओं/परीक्षकों को अंग्रेजी, हिन्दी, विज्ञान, गणित तथा सामाजिक विज्ञान में शैक्षिक मूल्यांकन का प्रशिक्षण दिया गया। पंजाब शिक्षा बोर्ड तथा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड असम के प्रश्नपत्र निर्धारकों के लिए विभिन्न विषयों में संतुलित प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मिजोरम विद्यालय शिक्षा बोर्ड के विज्ञान और गणित के पी.जी.टी. अध्यापकों को प्रश्नपत्र तैयार करने और इनका मूल्यांकन करने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागी अध्यापकों द्वारा सभी विषयों में कुल मिलाकर 700 मदें (प्रश्न) सुझाए तथा भौतिकी, रसायनशास्त्र, जैविकी तथा गणित प्रत्येक विषय के दो-दो संतुलित प्रश्नपत्र तैयार किए।

अध्यापक शिक्षा

अध्यापक शिक्षा के कार्यक्रम और कार्यकलाप, डी.पी.ई.पी. तथा सॉफ्ट कार्मिकों के प्रशिक्षण सहित राज्यों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की प्रभावशाली प्रतिक्रिया को व्यक्त करने के लिए उनकी क्षमताओं के विकास पर केन्द्रित रहे। (1) हरियाणा और मध्य प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों की सेवा शर्तों तथा (2) प्राथमिक स्तर पर बड़े आकार की कक्षाओं में अनुदेशी अभ्यास तथा कक्षा प्रबंधन पर अध्ययन आयोजित किए गए। एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा पुरस्कृत नवाचारी प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों तथा दिल्ली के स्वायत्त एस.सी.ई.आर.टी. के अध्यापकों पर विषयी अध्ययन किया गया। "डी.आई.ई.टी. की योजना के क्रियान्वयन" तथा एस.सी.ई.आर.टी/एस.आई.ई. की स्थिति पर अध्ययन जारी है। अध्यापक शिक्षा में नवाचारी प्रयोग तथा व्यवहार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 1993-94 से 1997-98 तक की अवधि के दौरान चुने गए अध्यापक प्रशिक्षकों के पुरस्कृत

लेखों का विश्लेषण किया गया और एक प्रवृत्ति मूलक रिपोर्ट तैयार की गई।

''भारत में अध्यापक शिक्षा के पचास वर्ष'' नामक प्रलेख तथा ''अध्यापकीय मूल्यांकन के प्रतिभागिता मूलक तथा डाटा वेस व्यवस्था के लिए ढाँचे'' को तैयार करने का कार्य जारी है। इग्नू के सहयोग से प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा के लिए स्व-अधिगम सामग्री तैयार की गई है।

केन्द्र द्वारा प्रायोजित प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम (सॉप्ट) योजना के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. ने विभिन्न राज्यों में सॉप्ट कार्यक्रमों को शैक्षिक समर्थन उपलब्ध करवाने और उनकी मानीटरिंग करने का कार्य जारी रखा। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों और क्षेत्र सलाहकारों ने सॉप्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया और अपने-अपने क्षेत्रों में सॉप्ट संबधी दिशानिर्देश प्रदान करने के लिए आवश्यक आगतें उपलब्ध करवाईं। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष लगभग 3 लाख अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। इस योजना के आरंभिक वर्ष 1993-94 से लेकर अब तक लगभग 13 लाख अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

शिक्षा तथा दूरसंचार विभाग, यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आई.टी.यू.) की सहायता से मध्य प्रदेश तथा गुजरात राज्यों में, कंप्यूटर की सहायता से दो तरफा ऑडियो तथा दो तरफा वीडियो व्यवस्था का प्रयोग करते हुए, अनुक्रियात्मक दूरदर्शन के माध्यम से सेवाकालीन प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण (आई.पी.टी.टी. आई.टी.वी.) के लिए एक पायलट परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. के संकाय के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम तथा सी.टी.ई. के लिए गुणात्मक अनुसंधान प्रविधियों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. के निदेशकों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें उन्हें भारतीय शिक्षा में नवीनताओं के संदर्भ में एस.सी.ई.आर.टी. की बदलती भूमिका तथा एस.सी.ई.आर.टी. संकाय की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान के लिए विचार-विमर्श किया गया। अध्यापक शिक्षा और विद्यालय शिक्षा में नवाचारी अभ्यास और कार्यपद्धतियों की योजना के अंतर्गत 71 लेख प्राप्त हुए। इनमें से 27 लेख राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुने गए जिनमें 19 लेख पूर्व प्राथमिक स्तर के अध्यापक शिक्षा तथा माध्यमिक अध्यापक शिक्षा स्तर के 7 लेख शामिल थे। एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ये पुरस्कार प्रदान किए गए।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आर.आई.ई.) अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर तथा मैसूर ने चार वर्षीय वी.एस.सी.वी.एड./बी.एससी/एड. समेकित पाठ्यक्रम जारी रखा तथा एक वर्षीय एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) पाठ्यक्रम आरंभ किया। वर्ष 1999-2000 में आरंभ किए जाने वाले विज्ञान और मानविकी के दो वर्षीय बी एड (माध्यमिक) पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी तैयार की। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की पूर्व तैयारी के रूप में प्राथमिक स्तर पर अधिगम संगठनों, समुदाय की प्रतिभागिता तथा विद्यालय प्रभाविता के संबंध में अनुसंधानों पर संगोष्ठी आयोजित की। *क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर* ने इतिहास में प्रशिक्षण पैकेज, विज्ञान में प्रश्नपत्र निर्धारित करने के लिए रूपरेखा, व्यावसायिक लेखांकन के लिए अध्यापक संदर्शिका तथा शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर गैर-शैक्षिक सहपाठ्यचर्या सामग्री और भाषा तथा गणित में सक्षमताओं के मूल्यांकन के लिए साधन तैयार किए। सामाजिक विज्ञान, भाषा (हिन्दी और उर्दू), विज्ञान तथा गणित शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर डी.आई.ई.टी. संकाय/शीर्ष संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। डी.आई.ई.टी./एस.आई.ई. संकाय को भी अनुदेशों के मनोविज्ञान, जिला स्तरीय नियोजन और प्रबंधन तथा अनुसंधान कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न शैक्षिक योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू करने के लिए प्रशिक्षण विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा सहकारी विद्यालयों के मुख्याध्यापकों का अभिविन्यास किया गया। लेखांकन, विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, गणित, रसायन विज्ञान, जैविकी तथा अंग्रेजी के शिक्षण के लिए +2 स्तर के अध्यापकों को भी सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया गया। माध्यमिक अध्यापकों को बिजली, कृषिकार्य तथा बढ़ईगिरी के क्षेत्रों में एस यू पी डब्ल्यू कार्यकलापों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संस्थान ने उत्तर राज्यों द्वारा आरंभ किए गए मूल्य शिक्षा कार्यक्रमों पर स्थिति रिपोर्ट भी तैयार की तथा सह-पाठ्य कार्यकलापों के माध्यम से मूल्यों के विकास पर एक क्षेत्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) भोपाल ने (1) आई.ए.एस.ई./सी.टी.ई. संकाय के लिए प्रबंधन और पर्यवेक्षण (2) डी.आई.ई.टी. के प्रधानाचार्यों तथा जी.सी.ई.आर.टी. संकाय के लिए प्रवेशीय (3) पी.टी.सी./डी. आई.ई.टी. के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए अंग्रेजी (4) इतिहास में अध्यापन कार्यनीति तथा (5) भौतिकी, रसायन, जैविकी तथा गणित में प्रश्नपत्र बनाने आदि के संबंध में प्रशिक्षण पैकेज तैयार किए। +2 स्तर पर भूगोल तथा माध्यमिक स्तर पर उर्दू के प्रभावी अध्यापन के लिए अध्यापकों हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार की गई। संस्थान ने +2 स्तर पर वाणिज्य और लेखांकन के आयोजन के लिए निदानात्मक परीक्षण मदें भी तैयार कीं। (1) डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए प्रकार्यात्मक सांख्यिकी तथा अनुसंधान प्रविधि (2) एम.एस.सी.ई.आर.टी. संकाय के लिए कंप्यूटर शिक्षा (3) मार्गदर्शन परामर्श (4) सी.टी.ई./आई.ए.एस.ई. संकाय के लिए अनुसंधान प्रविधि तथा (5) के.वी.एस. के अध्यापकों के लिए

जैविकी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) भुवनेश्वर द्वारा आदर्श सामग्री की तैयारी, संकल्पना केन्द्रित अध्यापन पर प्रशिक्षण प्रविधि तैयार करने के लिए संकल्पनाओं/विशेष कौशलों की पहचान करने तथा +2 स्तर पर रसायन शास्त्र तथा जैविकी में और माध्यमिक स्तर पर विज्ञान में विशिष्ट विषय संप्राप्ति कौशलों पर सामग्री तैयार की। माध्यमिक स्तर पर बीस नमूना पाठ योजनाएँ भी विकसित कीं। बिहार के माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी में प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यनीतियों सहित नमूना प्रशिक्षण योजनाएँ भी तैयार कीं। रेलवे बोर्ड के विद्यालयों के अड़तालीस पी जी टी अध्यापाकों का राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य में अभिविन्यास किया गया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) मैसूर ने अध्यापक शिक्षकों के लिए भूगोल शिक्षण तथा जैविकी में प्रयोगशाला अभ्यासों पर कार्रवाई तथा प्रायोगिक अनुसंधान के प्रशिक्षण पैकेज तैयार किए। संस्थान ने गणित विषय की पुस्तिका, भौतिकीय विज्ञान में नवाचारी कक्षा प्रयोगों की पुस्तिका तथा +2 स्तर पर जैविकी शिक्षण के लिए अध्यापक मैन्युअल भी विकसित किए। डी.आई.ई.टी. संकाय के लिए (1) शैक्षिक आँकड़ों के प्रक्रमण में कंप्यूटर की उपयोगिता तथा जागरूकता (2) क्रियात्मक अनुसंधान का अयोजन और (3) पुस्तकालय अनुरक्षण के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

उत्तर पूर्वी राज्यों के एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. संकाय सदस्यों के लिए शिलांग में एक परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

व्यावसायिक शिक्षा

मछली संरक्षण प्रौद्योगिकी तथा बीमा और सॉफ़्टवेयर अनुप्रयोग के पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या में संशोधन किया गया। दूर-संचार प्रौद्योगिकी, पी.सी. एसेम्बली तथा हार्डवेयर अनुरक्षण, परिवहन सेवा अनुरक्षण, कृषि व्यवसाय, बायोचिकित्सीय उपकरण अनुरक्षण तकनीशियन तथा कंप्यूटर एसेम्बली तथा अनुरक्षण पर नई व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यचर्या तैयार की गई।

व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श पर एक पाठ्यचर्या तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल, इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक पाठ्यचर्या के साथ पर्यावरण घटक को शामिल करने पर पाठ्यचर्या परिशिष्ट तथा फसल उत्पादन तथा भवन निर्माण में राष्ट्रीय व्यावसायिक योग्यताओं की रूपरेखा भी तैयार की गई।

चिकित्सीय प्रयोगशाला तकनीशियन पाठ्यक्रम पर अनुदेशी सामग्री संशोधित की गई। मृत्तिका शिल्प कार्य के नौसिखियों के लिए पूर्व व्यावसायिक शिक्षा की अनुदेशी सामग्री तैयार की गई।

रेशम-पालन, लेखांकन और लेखापरीक्षा, विपणन और विक्रय अभिकर्ता, व्यापारिक कपड़े बनाना और उनके डिजाइन तैयार करना, उद्यमिता विकास तथा व्यावसायिक विद्यालयों में उत्पादन-सह-प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना आदि क्षेत्रों में अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के संबंध में संकल्पनात्मक स्पष्टता लाने के लिए महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों के शीर्ष कार्मिकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उत्तर पूर्वी राज्यों के 18 अध्यापकों के लिए, गोवा के 210 व्यावसायिक अध्यापकों के लिए कृषि, गृह विज्ञान, और वाणिज्य, तथा इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी में, ए.पी. में विकलांग व्यक्तियों के लिए तथा कर्नाटक राज्य के व्यावसायिक शिक्षा के 37 शीर्ष कार्मिकों के लिए व्यावसायिक शिक्षा के सात अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कृषि कार्य से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार (2) खाद्य संरक्षण और प्रक्रियन के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने व इसका तंत्र स्थापित करने (3) परिवहन क्षेत्र (4) कार्य अनुभव/एस.यू.पी.डब्ल्यू. +2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को उच्च शिक्षा से जोड़ने (6) महिलाओं को आर्थिक सशक्तता प्रदान
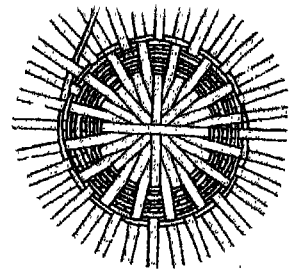
करने में रुकावटों पर काबू पाने के लिए (7) विकलांग व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा तथा (8) +2 स्तर की व्यावसायिक शिक्षा को उच्च कृषि शिक्षा के साथ संबद्ध करने से संबंधित 25 क्षेत्रों आदि के लिए आठ राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/बैठकें आयोजित की गई।

स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती की क्षेत्रीय संगोष्ठियों की शृंखला के अंतर्गत चार संगोष्ठियाँ – पूर्व, पश्चिम, दक्षिण तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र प्रत्येक में एक-एक, आयोजित की गई जिसमें 207 प्रतिभागियों ने भाग लिया। केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई.) के पाँचवें स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वोत्तम व्यावसायिक संस्थान, सर्वोत्तम व्यावसायिक अध्यापक तथा सर्वोत्तम विद्यालय उद्योग संबंध के लिए पुरस्कार (प्रत्येक राज्य में एक) प्रदान किए गए। उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के परिणामों के आधार पर प्रति राज्य की दर से पहले दो सर्वोत्तम लक्ष्य प्राप्त कर्ताओं को पुरस्कृत किया गया। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति जागरूकता लाने तथा व्यावसायिक अध्यापकों को इस योजना के वास्तविक प्रशासन के लिए सहायता उपलब्ध करवाने हेतु भोपाल के आसपास के क्षेत्रों के 14 प्रयोगशाला विद्यालयों में वृत्तिक सम्मेलन आयोजित किए गए। व्यावसायिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए 4 प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। "क्वार्टरली बुलेटिन फॉर वोकेशनल एजूकेशन" के 2 अंक प्रकाशित हुए तथा 2 अंक मुद्रणाधीन हैं।

व्यावसायिक शिक्षा की जो अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं उनमें (1) विभिन्न राज्यों में सामान्य आधार पाठ्यक्रम के कार्यान्वियन का तुलनात्मक अध्ययन (2) राज्यों में व्यावसायिक मार्गदर्शन का बेंचमार्क सर्वेक्षण (3) भारत में व्यापार और वाणिज्य पर आधारित व्यावसायिक प्रवेशपत्रों की स्थिति का अध्ययन (4) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा में बालिकाओं की वृत्तिक आकांक्षाएँ (5) माध्यमिक व्यावसायिक विद्यालय क्रियात्मक अनुसंधान में विद्यालय उद्योग संबंधों की स्थापना (6) चुने हुए राज्यों में व्यावसायिक पाठ्यचर्या तथा अनुदेशी सामग्री की गुणवत्ता और स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन (7) कृषि क्षेत्र में व्यावसायिक अध्यापन-अधिगम की प्रभाविता और स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन (8) महाराष्ट्र के कुछ व्यावसायिक संस्थानों में विद्यालय-उद्योग संबंधों पर एक विषयी अध्ययन (9) पंजाब के व्यावसायिक शिक्षा विद्यार्थियों के कार्य निष्पादन पर ओ.जे.टी. का प्रभाव (10) 10+2 स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशलों के विकास में अध्यापकों की व्यवस्था की भूमिका आदि शामिल हैं। तमिलनाडु राज्य के लिए सी.एस.एस. के अंतर्गत वी.ई.पी. के कार्यान्वयन का यथास्थान अध्ययन किया गया जिसमें कार्यक्रम विशेषताओं और कमियों का मूल्यांकन किया गया।

अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम तथा असम राज्यों और वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान, भारत सरकार को क्रमशः विशेष व्यावसायिक विद्यालय स्थापित करने, व्यावसायिक विद्यालयों में उत्पादन सह प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने, पाठ्यविवरण में संशोधन तथा व्यावसायिक कौशलों के प्रशिक्षण के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास से संबंधित परामर्श प्रदान किया गया।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी

एन.सी.ई.आर.टी के एक संघटक के रूप में सी.आई.ई.टी के छह एस.आई.ई.टी. संस्थानों के कार्यकलापों में शैक्षिक और मीडिया उत्पादन कार्यकलापों में सहयोग देना जारी रखा गया। सी.आई.ई.टी., एस.आई.ई.टी. समन्वय समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं।

बच्चों के लिए "तरंग" नामक कार्यक्रम दूरदर्शन (डी डी 1) पर पूरे वर्ष जारी रहा। वर्तमान कार्यक्रम में 473 कार्यक्रम कैप्सूल तथा 92 कड़ियाँ शामिल की गईं। आकाशवाणी के 10 प्रसारण केन्द्रों, इलाहाबाद, लखनऊ, जयपुर, जोधपुर, भोपाल, इन्दौर, पटना, रोहतक, शिमला तथा दिल्ली से "उमंग" नामक साप्ताहिक श्रव्य कार्यक्रम भी पूरे वर्ष प्रसारित होता रहा। विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के लिए विभिन्न विद्यालयी विषयों को समाहित कर पचासी शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की पटकथा लिखी गई और उनका निर्माण किया गया। इसके अतिरिक्त अल्प अवधि के 29 शैक्षिक वीडियो कार्यक्रमों की परिकल्पना, नियोजन व निर्माण किया गया। विभिन्न रागों के सरगम को सिखाने के लिए "राग रस बरसे" नामक कार्यक्रमों की शृंखला भी तैयार की गई।

"लैंड एण्ड पीपुल" शृंखला के अतंर्गत "अवोड ऑफ दि गॉड्स" (इसके हिन्दी रूपान्तर "देव भूमि" सहित) तथा "लैंड ऑफ बैरियर्स" (इसके हिन्दी रूपान्तर वीर भूमि सहित) नामक फिल्में बनाई गईं।

कार्यक्रम उत्पादन, कैमरा प्रचालन, सम्पादन तथा स्टूडियो उपकरणों के सामान्य रख रखाव के लिए अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। शैक्षिक ऑडियो/रेडियो कार्यक्रमों के आलेख लेखकों के लिए एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों तथा आई.ए. एस.ई./सी.टी.ई. को शैक्षिक प्रौद्योगिकी की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूपरेखा से परिचित करवाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। एस.आई.ई.टी. संस्थानों के संकाय सदस्यों का मूल्यांकन में अभिविन्यास किया गया। एस वी राजकीय पालिटेकनिक, भोपाल के तीन वर्षीय वीडियोग्राफी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 18 सप्ताह का गहन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। सॉफ्ट को मीडिया समर्थन प्रदान करने के कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाबी,

बंगला, मलयालम तथा मणिपुरी में डबिंग करने, बच्चों के लिए जीवन्त वस्तुएँ तथा जीवन्त वीडियो कार्यक्रम तैयार करने, व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्रों में ई.टी.वी. कार्यक्रमों के लिए कार्यक्रम संक्षेप तैयार करने आदि के लिए बहुत सी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

कक्षा 6 स्तर पर मापन संकल्पना के अध्यापन पर अनुक्रियात्मक वीडियो कार्यक्रमों का एक मूल्यांकन परक अध्ययन किया गया। प्राथमिक स्तर पर प्रसारित ई.टी.वी. (तरंग) कार्यक्रमों की मानीटरिंग पर एक रिपोर्ट तैयार व समेकित की गई।

एस.आई.ई.टी. हेदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय ऑडियो बिज्युअल (दृश्य श्रव्य) समारोह में एन.सी.ई.आर.टी. ने ई.टी.वी. कार्यक्रमों के वर्ग में सर्वोत्तम उत्पादन, सर्वोत्तम निर्देशन आदि के पुरस्कारों के अतिरिक्त शील्ड भी जीती। सी.आई.ई.टी. की केन्द्रीय फिल्म लाइब्रेरी ने अपने सदस्यों को 2050 फिल्में जारी कीं तथा बच्चों, अनुसंधानकर्ताओं तथा स्थानीय शैक्षिक संस्थानों के लिए बहुत से शो आयोजित किए। वीडियो कार्यक्रमों, फिल्मों कार्मिकों आदि के लिए एक डाटा वेस तैयार किया गया है। नागालैण्ड के एस.सी.ई.आर.टी./डी.आई.ई.टी. संकाय के लिए शैक्षिक प्रसारण हेतु आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए कार्यक्रमों के उत्पादन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता

एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने कार्यक्रमों और कार्यकलापों में आधुनिक तकनीकी सहायता/मीडिया के संबंध में कंप्यूटर शिक्षा में आने वाली समस्याओं तथा संबंधित अनुसंधान और विकास कार्यों की ओर ध्यान देना जारी रखा। एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय में स्थापित कंप्यूटर संसाधन केंद्र (सी.आर.सी) में अन्य बातों के अतिरिक्त, इंटरनेट तथा ई मेल की सुविधाएँ उपलब्ध करवाई गई हैं ताकि शिक्षा के संबंध में पूरी दुनिया से सूचनाएँ प्राप्त की जा सकें।

नाभिकीय रसायन पर कंप्यूटर सहायता प्राप्त अनुदेशी पैकेज का प्रायोगिक संस्करण तथा कंप्यूटर कोर्सवेयर के तीन मॉड्यूल अर्थात् पैथागोरस प्रमेय, हाइड्रोकार्बन तथा रासायनिक गतिज तैयार किए गए। "द इंटरनेट एन एजूकेशनल टूल" नामक पुस्तिका निकाली गई। एन.आई.ई. के शैक्षिक तथा प्रशासनिक स्टॉफ के लिए सी.आर.सी.ई. के शैक्षिक तथा प्रशासनिक स्टॉफ के लिए सी.आर.सी. द्वारा दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यालयों के लिए विज्ञान किट, आद्य प्रारूप (मॉडल) के उत्पादन प्रायोगिक प्रयास तथा नए, डिजाइनों पर अध्यापकों के प्रशिक्षण से संबंधित अनुसंधान और विकास कार्यकलाप जारी रहे। वर्ष 1998-99 के दौरान 50 एकीकृत विज्ञान किट, 500 प्राथमिक तथा 260 मिनी टूल किट निर्मित किए गए। प्राथमिक विज्ञान किट के लिए मैन्युअल का एक अत्यधिक संशोधित रूप सी.आर.सी. में कम्पोज किया गया है।

कंप्यूटर कक्षा

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज

इस योजना का उद्देश्य 10वीं कक्षा के अंत में मेधावी छात्रों की पहचान करना तथा उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि उनकी प्रतिभा और अधिक विकसित हो सके। वर्ष 1998-99 के दौरान कुल 750 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। इनमें अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति के अभ्यर्थियों की 70 छात्रवृत्तियाँ शामिल थीं। इसका चयन दो चरणों में किया जाता है। पहले चरण में राज्यों द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। दूसरे चरण में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाता है।

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों को प्रोत्साहन

एन.सी.ई.आर.टी. बाहरी संस्थाओं/संगठनों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। शैक्षिक अनुसंधान नवाचार समिति (एरिक) द्वारा समर्थित 6 अनुसंधान परियोजनाएँ पूर्ण की गईं। एरिक के अंतर्गत 56 अनुसंधान परियोजनाएँ चल रही हैं। एरिक की सहायता से 2 पीएच.डी. शोध प्रबंध प्रकाशित हुए। एरिक द्वारा प्रायोजित

अनुसंधान अध्ययनों के संबंध में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। एरिक द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति का अनुवीक्षण करने के लिए 5वीं अनुसंधानकर्ता संगोष्ठी आयोजित की गई।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के माध्यम से विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और अन्य विकास कार्यों का प्रचार-प्रसार किया गया :

- जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन
- भारतीय आधुनिक शिक्षा
- इंडियन एजूकेशनल रिव्यू

पाँचवां शैक्षिक अनुसंधान सर्वेक्षण, जिसमें 1800 से भी अधिक लेखों के सारांशों को शामिल किया गया उसका 38 क्षेत्रों में वर्गीकरण किया गया, इसे दो खंडों में जारी किया जा रहा है। इसके रुझानों की रिपोर्ट पर पहला खंड 1997 में प्रकाशित किया गया। दूसरा खंड जिसमें 1988 से 1992 तक की अवधि के दौरान आयोजित अनुसंधानों के सार शामिल हैं, प्रकाशनाधीन है।

शैक्षिक अनुसंधान के अगले सर्वेक्षण की अवधि 1993-97 है। इस सर्वेक्षण के अध्ययनों को पूरा होने और उनके व्यापक प्रचार-प्रसार के बीच समय के अंतराल को न्यूनतम करने के लिए नई प्रविधियाँ अपनाई जा रही हैं। ''इंडियन एजुकेशनल एब्सट्रेक्ट'' (आई.ई.ए.) नामक छमाही अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन जारी रहा। वर्ष 1998-99 के दौरान आई.ई.ए. के दो अंक (भाग-5 तथा 6) निकाले गए।

शैक्षिक सर्वेक्षण

छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण (ए.आई.ई.एस.) के आँकड़ों पर आधारित मुख्य रिपोर्ट के आलेख को पूर्ण कर लिया गया है। विद्यालयों और भौतिक सुविधाएँ (भाग-2) विद्यालयों में अध्यापक (भाग-3), विद्यालयों में नामांकन (भाग-4), शैक्षिक आगतें और विद्यालयों में सुविधाएँ (भाग-5), विद्यालयों में आयु के अनुसार नामांकन, दोहराव, प्रोत्साहन योजनाएँ इत्यादि (भाग-6), अध्यापाकों की अर्हताएं और उनकी सेवा शर्तों (भाग-8), पर राष्ट्रीय सारणियों तथा चुनिंदा सांख्यिकी तथा छठे ए. आई. ई. एस. की तिथि पर आधारित शैक्षिक रूपरेखा के छह भाग प्रकाशित किए गए और वर्ष 1998-99 के दौरान उनका प्रचार-प्रसार किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालय शिक्षा के और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की एक प्रमुख एजेंसी के रूप में कार्य करती रही। वर्ष 1998-99 के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत परिषद् द्वारा इटली, ईराक, लाओस, रोमानिया, यूगांडा, वियतनाम तथा इथियोपिया की सरकारों को शैक्षिक सामग्री/सूचनाएँ भिजवाई गईं। जर्मन गणराज्य की सरकार से विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक रिपोर्टों, सामग्री प्रलेख इत्यादि प्राप्त किए गए। सांस्कृतिक आदान-प्रदान (सी.ई.पी.) कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त सामग्री को एन.सी.ई.आर.टी. स्थित पुस्तकालय प्रलेखन व सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.) के अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक संसाधन केन्द्र में रखा गया। एन.सी.ई.आर.टी. के बहुत से संकाय सदस्यों को अन्य देशों में अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों अथवा देशों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भेजा गया। एन.सी.ई.आर.टी. संकाय द्वारा भारत में आए बहुत से देशों के प्रतिनिधिमंडलों/ शिष्टमंडलों, शिक्षाविदों और अध्यापकों से विचार-विमर्श किया गया।

क्षेत्रीय सेवाएँ

एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय सलाहकारों ने एन.सी.ई.आर.टी., मानव संसाधन विकास मंत्रालय और राज्य शिक्षा विभागों आदि द्वारा किए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए निरंतर संपर्क जारी रखे। आर.आई.ई. के विस्तार शिक्षा विभागों ने राज्य समन्वय समितियों (एस.सी.सी.) के माध्यम से राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान में और एन.सी.ई.आर.टी. से अपेक्षित सहायता से संबंधित कार्यक्रमों के लिए क्षेत्र सलाहकारों द्वारा सहायता प्रदान की गई।

एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्र सलाहकारों ने राज्य शिक्षा विभागों के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए अध्यापकों के चयन, पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास, कार्मिकों के प्रशिक्षण और नीति निर्धारण आदि कार्यों में सहयोग दिया। एम.एच.आर.डी. को अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सहायता प्रदान की गई : (1) राज्यों की केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं का अनुवीक्षण किया गया (2) अनौपचारिक शिक्षा की स्वयंसेवी एजेंसियों द्वारा एन.एफ.ई. पर प्रस्तुत प्रस्तावों का स्वीकृति पूर्व मूल्यांकन किया गया (3) संयुक्त मूल्यांकन दल के माध्यम से चल रही स्वयंसेवी एजेंसियों के अनौपचारिक केन्द्रों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया।

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली के क्षेत्र सलाहकारों की वार्षिक बैठक आयोजित की गई जिसमें राज्यों की आवश्यकताओं और विकास कार्यों से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा इन राज्यों द्वारा महसूस की जा रही आवश्यकताओं को पूरा करने में क्षेत्र सलाहकारों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। 11 राज्यों के क्षेत्र सलाहकारों ने इस बैठक में भाग लिया। उत्तर पूर्वी राज्यों की आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई तथा प्रस्तावित कार्य नीतियों पर विचार किया गया। अन्य राज्यों के

क्षेत्र सलाहकारों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित राज्यों के विकास तथा इस संबंध में किए गए अनुप्रयोगों के संबंध में सूचना दी।

पुस्तकालय और प्रलेखन

एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय में स्थित परिषद् का पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.) एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों के अनुसंधान और विकास कार्यकलापों में सहायता देता रहा। परिषद् के अन्य घटकों ने भी अपने-अपने परिसरों में पुस्तकालय बनाए हुए हैं। वर्षो से यहाँ शिक्षा-शास्त्रियों, अध्यापक शिक्षकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों आदि के लिए शिक्षा और संबंधित विषयों पर पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं का व्यापक संग्रह है।

हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन

एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों के दैनंदिन कार्यो में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "राजभाषा एक नजर में" नामक पुस्तिका प्रकाशित की गई। इसमें राजभाषा नीति, नियम व अधिनियम, दिन प्रतिदिन के कार्यालयी कार्य में राजभाषा के प्रयोग से संबंधित निर्देश तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक लक्ष्यों को शामिल किया गया है। इस पुस्तिका की प्रतियाँ पूरी एन.सी.ई.आर.टी. के स्टाफ को उपलब्ध करवाई गई थीं। एन.सी.ई.आर.टी. में मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयास करने हेतु नीतियाँ निर्धारित की गईं तथा महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। 1-15 सितंबर 1998 के दौरान परिषद् में "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया गया। इस दौरान हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण व पत्र लेखन, टंकण, अनुवाद, कविता, निबंध तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग से पोस्टर व चार्ट प्राप्त कर एन.सी.ई.आर.टी. के सभी संघटकों को भिजवाए गए। एन.सी.ई.आर.टी. के कर्मचारियों के लिए हिन्दी टंकण तथा आशुलिपि प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों के प्रशासनिक प्रलेखों और कागज-पत्रों के हिन्दी अनुवाद संबंधी सहायता भी हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा ही प्रदान की गई।

कार्यक्रम नियोजन, अनुवीक्षण और मूल्यांकन

एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों/विभागों के अध्यक्षों ने अपने-अपने विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान किए गए कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर निगरानी जारी रखी। संघटकों के कार्यक्रमों की समीक्षा परिषद् के निदेशक/संयुक्त निदेशक द्वारा की गई। परिषद् के विभिन्न संघटकों द्वारा कार्यक्रम के नियोजन और कार्यान्वयन की समस्त प्रक्रिया परिषद् और राज्यों के सामूहिक प्रयासों के रूप में चलती रही। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा अपने कार्यक्रमों और कार्यकलापों की आवधिक रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय को निरंतर भेजी जाती रही।

प्रकाशन

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के लिए आदर्श अनुदेशी सामग्री, पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तकें, अनुपूरक पुस्तकें, अध्यापक संदर्शिकाएँ व्यावसायिक शिक्षा में अनुकरणीय अनुदेशी सामग्री, शोध प्रतिवेदन प्रबंध और शैक्षिक पत्रिकाओं के प्रकाशन का कार्य निरंतर जारी रखा। वर्ष 1998-99 के दौरान 305 प्रकाशन निकाले गए। पत्रिकाओं के प्रकाशन की स्थिति इस प्रकार है:

-	इंडियन एजूकेशनल रिव्यू	2 अंक
-	जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन	2 अंक
-	स्कूल साइंस	2 अंक
-	प्राइमरी टीचर	2 अंक
-	प्राइमरी शिक्षक	2 अंक
-	भारतीय आधुनिक शिक्षा	2 अंक
-	इंडियन एजूकेशनल एब्सट्रेक्ट्स	1 अंक

एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज़लेटर/शैक्षिक दर्पण (हिन्दी में समाचार पत्रिका) का एक-एक अंक भी निकाला गया।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशनों की बिक्री संपूर्ण देश में फैले थोक एजेंटों के माध्यम से की गई। उर्दू प्रकाशनों की बिक्री और उनका वितरण उर्दू अकादमी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के माध्यम से किया गया। एन.सी.ई.आर.टी. का प्रकाशन प्रभाग सीधे विद्यालयों और व्यक्तियों को एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तकों आदि की आपूर्ति करता रहा। वर्ष 1998-99 के दौरान विभिन्न पुस्तकें अनुमोदित डाक सूची के अनुसार भिजवाई गईं और प्रकाशनों की बिक्री से कुल 38.67 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। बड़ी संख्या में संस्थानों और अनुसंधानकर्ताओं द्वारा भेजी गई मांगों के आधार पर एन.सी.ई.आर.टी. के मूल्य रहित प्रकाशनों की आपूर्ति की गई। परिषद् के प्रकाशन प्रभाग के क्षेत्रीय उत्पादन सह-वितरण केन्द्रों—अहमदाबाद, कलकत्ता और बैंगलूर, प्रत्येक ने परिषद् के प्रकाशनों की बिक्री और वितरण कार्य अपने-अपने क्षेत्रों अर्थात् पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिण क्षेत्रों में निरंतर जारी रखा। उत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा की गई।

प्रकाशन प्रभाग के प्रकाशनों से संबंधित सूचनाओं के प्रचार

प्रसार के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने निम्नलिखित पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लिया :

1. दिल्ली पुस्तक मेला अगस्त 1998
2. राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन, दिल्ली में अगस्त 1998
3. जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी
4. हैदराबाद पुस्तक मेला दिसम्बर 1998
5. राष्ट्रीय पुस्तक मेला, जयपुर में जनवरी 1997
6. कलकत्ता पुस्तक मेला जनवरी-फरवरी 1999

वर्ष 1998-99 के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्टबुक्स को कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों के अभिग्रहण/अनुकूलन/पुनर्मुद्रण आदि की कापीराइट स्वीकृति प्रदान की गई। नेशनल बुक ट्रस्ट दिल्ली को मानवाधिकारों से संबंधित पुस्तक "ह्यूमन राईट्स—ए सोर्स बुक" के बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, उड़िया, मलयालम, पंजाबी, तमिल तथा तेलुगू भाषाओं में अनूदित व मुद्रित करने के लिए भी परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

जापान की यू.एन.आई. एजेंसी, रोकिया भी एन.सी.ई.आर.टी. की कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक "मेडीवल इंडिया" को जापानी भाषा में अनूदित तथा मुद्रित करवा रही है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मिजोरम, मेघालय तथा गोवा और नवोदय विद्यालयों से प्राप्त पाठ्यपुस्तकों की आवश्यकताओं की भी आपूर्ति की गई। एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशनों का विवरण परिशिष्ट IV में दिया गया है।

कल्याण कार्यकलाप

स्टाफ के विभिन्न संवर्गों की पात्रता और स्थिति के अनुसार विभिन्न वर्ग के क्वार्टरों का आवंटन किया गया। पप्पन कला में टाईप-1 तथा टाइप-2 वर्ग के कुछ और स्टाफ क्वार्टर बन रहे हैं। एल. आई. सी. की सामूहिक बचत जीवन बीमा योजना (जी.एस.एल.आई.सी.) एन.सी.ई.आर.टी. के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों पर लागू है। जी.एस.एल.आई.सी. के अंतर्गत एल आई सी कार्यालय से निपटान के संबंध में 96 मामले प्राप्त हुए और मृतकों के नामितियों/पूर्व सदस्यों के दावों का निपटारा किया गया। जी.एसएल.आई.सी. के अंतर्गत एल.आई.सी. को पूर्ण निपटान करने के लिए कालावधि समाप्ति/आहरण के 112 मामले भिजवाए गए। एन.आई.सी. को इसी योजना के अंतर्गत मृत्यु दावों के 15 मामले भी भिजवाए गए। एक हजार एक सौ अड़तालिस अधिकारी/कर्मचारी तथा 230 पेंशनभोगी सी.जी.एच.एस. सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। सेवानिवृत्ति के समय चालीस कर्मचारियों को एन.सी.ई.आर.टी. की ओर से उपहार दिए गए। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान मैसूर में 20-24 दिसम्बर 1998 तक वार्षिक खेलकूद आयोजित किए गए जिसमें सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., सी.आई.ई.टी. तथा परिषद् मुख्यालय में स्थित एन.आई.ई. के विभागों तथा अनुभागों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। 1 सितम्बर 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. के स्थापना दिवस के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अध्याय / 3

शैशवकालीन शिक्षा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा ई.सी.ई. परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर कार्मिकों को प्रशिक्षण देकर और बच्चों तथा अध्यापकों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में समुचित अध्ययन शिक्षण सामग्री तैयार करके क्षमता विकास का कार्य किया जा रहा है। विद्यालय पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधारात्मक संसाधन के विकास एवं अभिविन्यास कार्यक्रमों के आयोजन तथा अनुसंधान अध्ययन आदि के माध्यम से एन.सी.ई.आर.टी. महत्वपूर्ण समर्थनकारी आगतें एवं अकादमिक सहयोग प्रदान कर रही है।

शैशवकालीन शिक्षा (ई.सी.ई.) के दोहरे लाभ बच्चों के विकास पर पड़ने वाले इसके प्रत्यक्ष प्रभाव तथा प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राज्य स्तरीय विशेषज्ञता का विकास करने तथा इस क्षेत्र में कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ विद्यालय पूर्व तथा पूर्व प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए शैक्षिक और मनोरंजक मूल्यजन्य सस्ते और प्रभावकारी अनौपचारिक साधनों की खोज और विकास को ई.सी.ई. परियोजना में प्रमुख स्थान दिया जाता रहा। विभिन्न स्तरों पर कार्मिकों को प्रशिक्षण देकर और बच्चों तथा अध्यापकों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में समुचित अध्ययन शिक्षण सामग्री तैयार करके क्षमता विकास का कार्य किया जा रहा है। विद्यालय पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संगत संसाधन सामग्री के विकास प्रशिक्षण अभिविन्यास कार्यक्रमों के आयोजन तथा अनुसंधान अध्ययन आदि के माध्यम से एन.सी.ई.आर.टी. महत्वपूर्ण समर्थनकारी आगतें और अकादमिक सहयोग प्रदान कर रही है और राष्ट्रीय स्तर पर यूनेस्को सहायता प्राप्त परियोजनाओं का समन्वय कर रही है।

अनुसंधान

समेकित बाल विकास सेवाओं (आई.सी.डी.एस.) के अंतर्गत विद्यालय पूर्व शिक्षा के घटकों और इसके प्रति समुदाय के दृष्टिकोण तथा इसकी उपयोगिता के विस्तार की अध्ययन रिपोर्ट राज्यों से प्राप्त हो गई हैं। दिल्ली की रिपोर्ट तैयार कर दी गई है। समेकित रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों से इस प्रकार के संकेत मिलते हैं: (1) काफी हद तक सुविधाएँ अपर्याप्त हैं। (2) उपर्युक्त पाठ्यचर्या का विकास नहीं हुआ है। (3) विद्यालय पूर्व और प्राथमिक विद्यालय के बीच निम्नस्तर का संबंध है और (4) आँगनवाड़ी के विद्यालय पूर्व शिक्षा के घटकों के प्रति अभिभावकों के सकारात्मक दृष्टिकोण हैं।

उत्तर प्रदेश में शिशु शिक्षा केंद्रों का मूल्यांकन

उत्तर प्रदेश में सबके लिए बेसिक शिक्षा परियोजना के अनुरोध पर शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) के अंतर्गत वाराणसी, नैनीताल और सीतापुर के शिशु शिक्षा केंद्रों का मूल्यांकन अध्ययन किया गया। इसकी रिपोर्ट संबंधित अभिकरण को प्रस्तुत कर दी गई है।

दिल्ली की बाल वाड़ियों के स्थिति अध्ययन की रिपोर्ट को भी अंतिम रूप दिया गया और समीक्षाधीन वर्ष में प्रकाशित किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्राथमिक अवस्था के पाठ्यचर्या सुधार पर अनुदेशीय सामग्री

विकास

ई.सी.ई. के लिए वीडियो कार्यक्रमों का विकास

ई.सी.ई. प्रशिक्षण पैकेज के रूप में दो वीडियो फिल्में पूरी की गईं। इनमें से एक प्रशिक्षण विधि पर है। यह भाषा विकास पर आधारित है। दूसरी फिल्म है – सार्थक शुरुआत। यह ई.सी.ई. और प्राथमिक शिक्षा के बीच के संबंधों पर है। चार खण्ड (स्पष्ट) तैयार हैं।

ई.सी.ई. कार्यक्रमों में बच्चों की प्रगति की निगरानी के संकेतक

कार्यशाला में (1) ई.सी.सी.ई. कार्यकर्ताओं और (2) अभिभावकों के लिए बच्चों की प्रगति की निगरानी के संकेतक पर तैयार दस्तावेजों की समीक्षा की गई और पर्यवेक्षण/टिप्पणी के लिए संशोधित दस्तावेजों को ई.सी.ई. विशेषज्ञों के पास भेज दिया गया है। विषयक विधि संदर्शिका (ई.सी.सी.ई.) का प्रारूप तैयार है। ई.सी.ई. के क्षेत्र में अभिभावकों की जागरूकता के लिए 6 पोस्टर विकसित किए गए हैं।

प्रशिक्षण

डाइट/एस.सी.ई.आर.टी. के ई.सी.ई. के संबद्ध संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण

नई दिल्ली में 7-18 दिसंबर, 1998 के दौरान आठ हिंदी भाषी राज्यों के डाइट/एस.सी.ई.आर.टी. संकाय सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 26 भागीदार शामिल हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाल विकास से संबंधित सभी पक्षों – शारीरिक और गतिकी (मोटर) वैयक्तिक, सामाजिक, भाषा और संज्ञानात्मक विकास पर चर्चा की गई। भागीदार खेल विधि और बाल केंद्रित पद्धति से अवगत हुए। भागीदारों को सात दिन आँगनवाड़ियों के दौरे कराए गये ताकि वे बच्चों के साथ कार्य करने का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकें। भागीदारों ने प्रशिक्षण के दौरान अनेक अध्ययन-अधिगम प्रशिक्षण सामग्री का विकास किया। इस सामग्री का वे राज्य/जिला स्तर पर ई.सी.ई. कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रयोग करेंगे।

वर्ष 1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. शिशु शिक्षा केंद्र – एन.यू.पी. प्राइमरी बेसिक एजुकेशन प्रोजेक्ट इनिशिएटिव-इवैल्युएशन (फोटो प्रति)
2. रिपोर्ट – नेशनल मीट ऑन अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन इन दि कांटेक्स्ट ऑफ फंडामेंटल राइट टू एलीमेंटरी एजुकेशन (प्रारूप) (फोटो प्रति)
3. ए स्टडी ऑफ प्री-स्कूल एजुकेशन कंपोनेंट ऑफ आई.सी.डी.एस. एण्ड इट्स पर्सेप्शन एण्ड एक्सटेंट ऑफ यूटिलाइजेशन बाई दि कम्युनिटी – ए सिंथेसिस रिपोर्ट (फोटो प्रति)
4. रिपोर्ट ऑफ दि स्टेटस स्टडी ऑफ क्रेचेज इन दिल्ली (फोटो प्रति)

प्राथमिक शिक्षा

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) की व्यापक रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक शिक्षा से जुड़े मुद्दों और समस्याओं पर पर्याप्त बल दिया जा रहा है। पाठ्यचर्या समीक्षा, विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण प्रासंगिक और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन और अनुसंधान अध्ययनों और पत्रिकाओं आदि के द्वारा विचारों, अनुभवों और समाचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करके प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) की व्यापक रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक शिक्षा से जुड़े मुद्दों और समस्याओं पर पर्याप्त बल दिया जा रहा है। पाठ्यचर्या समीक्षा, विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण प्रासंगिक और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन और अनुसंधान अध्ययनों और पत्रिकाओं आदि के द्वारा विचारों, अनुभवों और समाचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करके प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

अनुसंधान

यू.ई.ई. के विशेष संदर्भ में प्रारंभिक शिक्षा के अनुसंधान अध्ययनों की विवेचनात्मक समीक्षा

इस अध्ययन की रिपोर्ट – "यूनिवर्सलाइजेशन ऑफ एलीमेंटरी एजुकेशन: रिसर्च ट्रेंड्स एण्ड एजुकेशन इंप्लीकेशंस" निकाली गई। यह रिपोर्ट एक स्रोत दस्तावेज और इस क्षेत्र में पुनः अनुसंधान के लिए एक आधार सामग्री के रूप में प्रयोग की जा सकती है।

राजस्थान में बालिका शिक्षण शिविर (कैंप्स) के अध्ययन

बालिका शिक्षण शिविर लोक जुंबिश परिषद् का नवाचारी कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम राजस्थान के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में विद्यालय के बाहर की किशोरियों के लिए चलाया जा रहा है। लोक जुंबिश परिषद् के अध्यक्ष के अनुरोध पर यह अध्ययन शुरू किया गया। केस अध्ययन विधि के द्वारा तीन शिविरों – आबू रोड शिविर (सिरोही), नखा शिविर (बीकानेर) और उदय राम सार शिविर (बीकानेर) का अध्ययन किया गया। कक्षा पर्यवेक्षण, क्षेत्र सर्वेक्षण, साक्षात्कार और समुदाय के सदस्यों, परियोजना स्टाफ और अभिभावकों के साथ विषय केंद्रित समूह परिचर्चा के द्वारा गुणात्मक पक्षों का अध्ययन किया गया। संप्राप्ति परीक्षणों के द्वारा मात्रात्मक आँकड़ा एकत्र किया गया। इस अध्ययन की रिपोर्ट के प्रारूप को अंतिम रूप से तैयार करके लोक जुंबिश भेज दिया गया।

विकास

प्रारंभिक स्तर की पाठ्यचर्या की समीक्षा

दस्तावेज–"दि प्राइमरी इयर्स–टूवर्ड्स ए करीकुलम फ्रेमवर्क" के भाग 1 के प्रारूप पर विभिन्न अभिकरणों से विचार-विमर्श किया गया और अंतिम रूप से तैयार करके इसे मुद्रित किया गया। इस दस्तावेज के दूसरे भाग के प्रारूप में उद्देश्यों और अध्यापन-अधिगम कार्यनीतियाँ आदि सहित पाठ्यचर्या के क्षेत्रों का पूरा विवरण प्रस्तुत किया गया है। यह भाग भी निकाला गया है।

प्रारंभिक स्तर की पाठ्यचर्या समीक्षा पर राष्ट्रीय समीक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से अपने परिसर में 14-16 अक्तूबर, 1998 के दौरान प्रारंभिक स्तर की पाठ्यचर्या समीक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में एस.सी.ई.आर.टी., डी.पी.ई.पी. और अन्य गैर सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों सहित 100 से अधिक भागीदार शामिल हुए। इस सम्मेलन के विशिष्ट उद्देश्य थे–पाठ्यचर्या समीक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम सहमति कायम करने की दृष्टि से संवाद/परिचर्चा के लिए मंच प्रदान करना और इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्यरत देश के विभिन्न अभिकरणों के अनुभवों और प्रयोगों का आदान-प्रदान करना। इस सम्मेलन में जो मुख्य सिफारिशें की गईं वे इस प्रकार हैं:

"पाठ्यचर्या कार्य संपादन और बच्चों की संप्राप्ति के निर्धारण में अपेक्षित महत्व के संदर्भ में उचित संप्रेक्षा की दृष्टि से एम. एल. एल. की परिभाषा तय की जाए। मा.सं.वि.मं. द्वारा स्वीकृत संशोधित संप्रेक्षा को आधारभूत स्तरों तक प्रसारित किया जाए।

दस्तावेज "दि प्राइमरी इयर्स" का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके विभिन्न स्तरों पर प्रचार एन.सी.ई.आर.टी., राज्य अभिकरणों द्वारा योजनाएँ विकसित की जाएं। इसके लिए केवल कार्यशालाएँ आयोजित करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में इसके अनुवाद की आवश्यकता है।

चर्चा के बिंदुओं को केंद्र में रखकर दस्तावेज का सार-संक्षेप तैयार किया जाए और केंद्रीभूत चर्चा में सहायता के लिए दस्तावेज के साथ सार-संक्षेप भी वितरित किया जाए।

सम्मेलन की सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्रवाई की व्यापक रूपरेखा का मार्गदर्शन करने के लिए 8 से 10 सदस्यों का एक छोटा केंद्रीय दल गठित किया जाए।

कक्षा 1 से 11 के लिए भाषा, गणित, कला शिक्षा और पर्यावरण शिक्षा की अनुदेशी सामग्री का विकास और परीक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 31 मार्च से 2 अप्रैल, 1998 के दौरान अनुदेशी सामग्री के विकास के उद्देश्य से कार्य की रूपरेखा (ब्ल्यूप्रिंट) तैयार करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दस्तावेज—दि प्राइमरी इयर्स—टुवर्ड्स ए करीकुलम फ्रेमवर्क के विकास की अनुवर्ती गतिविधि के रूप में इस कार्यशाला की योजना बनाई गई थी। एकलव्य, भोपाल बोध शिक्षा समिति, जयपुर, शिक्षा विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, एस.सी.ई.आर.टी. गुड़गांव, केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय, एन.सी.ई.आर.टी., पटना, लक्ष्मण पब्लिक स्कूल दिल्ली के प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया और अध्ययन के पक्षों की तर्कसंगतता और रूपरेखा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। चर्चा के बाद अंतिम रूप से तैयार कार्य की रूपरेखा निम्नलिखित रूप से उभर कर सामने आई :

सी.एच.ए.एम.ए.क्यू.यू.ई.

- परियोजना का शीर्षक सी.एच.ए.एम.ए.क्यू.यू.ई. (चैमेक) गुणात्मक शिक्षा के लिए बाल केंद्रित और बहु-स्तरीय विधि है।
- इससे संबद्ध अभिकरणों द्वारा पहचान किए गए क्षेत्रों की स्थानीय विशिष्ट जरूरतों के आधार पर सामग्री का विकास किया जाए। इस संदर्भ में परियोजना के लिए चुने गए विद्यालयों का सर्वेक्षण अध्ययन संबद्ध अभिकरण करें।
- अभिकरणों के सहयोग से विभाग सर्वेक्षण उपकरणों का विकास करें, उन्हें अभिकरणों को भेजें इसके लिए प्रलेख 1998 में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया। उन उपकरणों को संबद्ध अभिकरणों के पास पहले ही से भेज दिया गया था।
- वर्ष 1998 के अंत तक कक्षा 1-2 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार हो जाएगी। वर्ष 1999-2000 के दौरान इसका परीक्षण किया जाएगा।

कार्यशाला के अनुवर्ती कार्य के रूप में पहले ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, एन.डी.एम.सी. और के.वी.एस. में सर्वेक्षण कार्य किया जा चुका है। अनुदेशी सामग्री के विकास और इस अध्ययन के आगामी कार्य में शामिल किए जाने वाले अध्यापकों तथा दूसरे कार्मिकों के अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रयोग करने के लिए सर्वेक्षण के निष्कर्षों को तालिकावद्ध किया जा रहा है।

विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रलेखन एकक (एन.डी.यू)

विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा के लिए एन.डी.यू. स्थापित करने के उद्देश्य से सूचनाओं का संकलन, विषयानुसार वर्गीकरण, प्रलेखन और प्रचार-प्रसार का कार्य उत्तरोत्तर प्रगति पर है। लगभग 2000 प्रलेखों का वर्गीकरण किया जा चुका है। इसकी प्रयोग विधि को सुगम और सरल बनाने के लिए कंप्यूटर पर आँकड़ा आधार तैयार किया जा रहा है। एन.डी.यू. के बारे में विषय-सूची सहित सूचना विवरणिका निकाली गई।

विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित त्रैमासिक समाचार पत्रिका "ग्लिंप्सेस" का नियमित प्रकाशन हो रहा है। यह पत्रिका शोधन-गृह का कार्य करती है और विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के पारस्परिक लाभों के लिए एक अकादमिक मंच प्रदान करती है। वर्ष 1998-99 के सभी अंक प्रकाशित किए गए और इस क्षेत्र में कार्यरत लगभग 2000 से अधिक संस्थानों/व्यक्तियों को इसका प्रचार-प्रसार किया गया। पाठकों, विशेषकर उत्तरी भारत के पाठकों के अनुरोध पर ग्लिंप्सेस (दिसंबर 1998 अंक) का हिंदी रूपांतरण 'आभास' नाम से प्रकाशित किया गया। आभास के दो अंक (दिसंबर 1998 और मार्च 1999) प्रकाशनाधीन हैं।

मार्गदर्शनकारी विद्यालय रंगमंच

एन.सी.ई.आर.टी. संकाय ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा शिक्षा और रंगमंच पर आयोजित संगोष्ठियों में भाग लिया और इस क्षेत्र में कार्य विशेषज्ञों के साथ विषयक चर्चा की। दिल्ली की राज्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पत्रिकाएँ

एन.सी.ई.आर.टी. अंग्रेजी में प्राइमरी टीचर और प्राइमरी शिक्षक (हिंदी में) नाम से दो त्रैमासिक पत्रिकाओं का नियमित रूप से प्रकाशन कर रही है। ये पत्रिकाएँ प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के बारे में विचार और समाचार के आदान-प्रदान का एक खुला मंच प्रदान करती हैं और मुख्यतः प्राथमिक कक्षाओं में कार्यरत अध्यापकों तथा अध्यापक प्रशिक्षकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। इन पत्रिकाओं में विभिन्न शैक्षिक मुद्दों पर प्रकाश डालने वाले लेख प्रकाशित किए जाते हैं। इनके अप्रैल 1998 और जुलाई 1998 के अंक प्रकाशित किए गए और शेष दो अंक मुद्रणाधीन थे।

लद्दाख के मुख्य संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण

लद्दाख छात्र शैक्षिक सांस्कृतिक आंदोलन (एस.ई.सी.एम.ओ. एल. सेकमोल) के अनुरोध पर नई दिल्ली में 18-29 जनवरी 1999 के दौरान लद्दाख के मुख्य संसाधन व्यक्तियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानाध्यापकों, क्षेत्रीय शिक्षा परियोजना अधिकारियों (जेड.ई.पी.ओ.) और प्राथमिक अध्यापकों समेत 30 भागीदार शामिल हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम प्राथमिक शिक्षा से संबंधित उभरते हुए विभिन्न मुद्दों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था ताकि भागीदारों को इनसे अवगत कराया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निकट भविष्य में काम आने वाली समुचित कार्यनीतियों का विकास करना भी था जिनसे अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों को अकादमिक समर्थन मिल सके।

परामर्शकारी सेवाएँ

पाठ्यचर्या समीक्षा और संशोधन, अनुदेशी सामग्री के विकास और सेवारत अध्यापक प्रशिक्षण के लिए सामग्री के विकास के सिलसिले में विभिन्न राज्यों (केरल, बिहार और उत्तर प्रदेश) को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गई। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बालिका प्राथमिक शिक्षा के लिए वैकल्पिक राजनीति की योजना बनाने में केयर इंडिया को, प्रशिक्षण आगतों की योजना बनाने और उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में ई. सी. ई. परियोजना की रूपरेखा बनाने में परामर्शकारी सेवाएँ दी गई। एक संकाय सदस्य ने योजना के लिए राज्य मूल्यांकन और 17 जिलों (ए.डब्ल्यू.पी.बी.) 1999-2000 के मूल्यांकन कार्य में भागीदारी की।

प्राथमिक शिक्षा को क्षेत्रीय सहायता

क्रियात्मक अनुसंधान विधि के अंतर्गत क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के डी.एम. स्कूलों में क्षमता आधारित अध्यापन जारी रहा। डी.एम. स्कूलों के प्राथमिक अध्यापकों का चौथा सम्मेलन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में जनवरी 1999 में हुआ। इस सम्मेलन में 25 आलेख प्रस्तुत किए गए जिनकी विषयवस्तु इस प्रकार थी। केस अध्ययनों पर आधारित तथ्यपरक आलेख, पहली पीढ़ी के विद्यार्थियों के सामने आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन, अनुदेशी सामग्री का परीक्षण, भाषा कौशल के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की रणनीतियों का प्रयोग और तुलनात्मक अध्ययन भागीदारों ने क्षमता आधारित अनुशिक्षणात्मक कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षमता आधारित पाठ्यपुस्तकें, अनुदेशी सामग्री और अन्य [illegible] आवश्यकता [illegible] अपने [illegible] किए।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर ने प्राथमिक शिक्षा स्तर गैर-शैक्षिक क्षेत्रों में पाठ्यचर्या सामग्री और प्रारंभिक स्तर पर भाषा और गणित की क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए अपेक्षित उपकरणों का विकास किया और उनका परीक्षण किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने "ग्रामीण और अर्ध-नगरीय विद्यालय प्रवेशकों के प्रेरक समन्वयन के विकास पर तत्परता कार्यक्रम का प्रभाव" शीर्षक से एक अध्ययन संचालित किया। यह अध्ययन विद्यालयों में संज्ञानात्मक प्रभावकारी और मनोप्रेरक सामंजस्य के लिए बच्चों को तैयार करने हेतु एक हस्तक्षेपकारी कार्य के रूप में था। विद्यालय प्रवेशकों ने उत्तम प्रेरक समन्वयन दक्षता के विकास में विलंबता का प्रदर्शन किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर ने पश्चिम बंगाल की कक्षा 1 और 2 की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा की। उन्होंने उड़ीसा की गणित पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा की और आदर्श सामग्री का विकास किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान मैसूर ने कर्नाटक के लिए कक्षा 1-2 हेतु पाठों और संगीतमय पाठ्य मूलक कविताओं के रूप में 60 ऑडियो कार्यक्रम तैयार किए। कक्षा 3-4 के बच्चों के लिए तमिल में 10 ऑडियो कैसेट तैयार किए गए हैं। ये कैसेट सुनने और बोलने की क्षमता का विकास करने के लिए तमिलनाडु को प्रदान किए गए।

वर्ष 1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. दि प्राइमारी इयर्स–टुवार्ड्स ए करीकुलम फ्रेमवर्क भाग-1 (एन.सी.ई.आर.टी.) मुद्रित
2. शिक्षा के पहले कदम (प्राइमरी इयर्स का हिंदी रूपांतरण) (फोटोप्रति)
3. दि प्राइमरी इयर्स–टुवार्ड्स ए करीकुलम फ्रेमवर्क भाग 2 (फोटो प्रति)
4. टेक्स्टबुक्स विद डिफरेंस–रिपोर्ट ऑफ दि इवेल्यूएशन स्टडी ऑफ टेक्स्टबुक्स इन केरल एण्ड मध्य प्रदेश (फोटो प्रति)
5. केस स्टडी ऑफ बालिका शिक्षण शिविर इन राजस्थान रिपोर्ट का प्रारूप (फोटो प्रति)
6. प्राइमरी टीचर - 2 अंक
7. प्राइमरी शिक्षक - 2 अंक
8. ग्लिम्पसेस - 4 अंक
9. आभास - 1 अंक
10. ब्रोशर ऑन एन.डी.यू. (फोटो प्रति)
11. यूनिवर्सलाइजेशन ऑफ एलीमेंटरी एजुकेशन रिसर्च ट्रेंड्स एण्ड एजुकेशनल इंप्लिकेशंस – ए रिपोर्ट

अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक शिक्षण

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् अनौपचारिक शिक्षा को अधिकाधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से अध्यापन अधिगम सामग्री के विकास और वैकल्पिक शिक्षण हेतु कार्यनीतियों की पहचान करने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। इसके द्वारा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न सरकारी एवं स्वयंसेवी संगठनों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गईं।

मंत्रालय को प्रस्तुत एन.एफ.ई. प्रस्तावों के मूल्यांकन में भी एन.सी.ई.आर.टी. निरंतर सहयोग प्रदान करती रही।

अनौपचारिक शिक्षा (एन.एफ.ई.) को अधिकाधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से एन.सी.ई.आर.टी. संसाधनों के विकास, अध्यापन-अधिगम सामग्री के विकास और वैकल्पिक शिक्षण हेतु कार्यनीतियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इसके लिए क्षेत्रीय प्रक्रिया अभिमुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य स्तरीय संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों का एक मजबूत संसाधन आधार तैयार करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवी संगठनों को एन.एफ.ई. के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने में मदद दी गई ताकि ये अपने राज्यों में एक संसाधन दल के रूप में कार्य करने में सक्षम हो सकें। उन्हें एन.एफ.ई. सामग्री की छानबीन करने और विश्लेषण करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया और एन.एफ.ई. केंद्रों में अध्यापन अधिगम के प्रभावकारी कार्य निष्पादन के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। आदि प्रारूप के रूप में विकसित समस्त सामग्री में अनुकूलन और संशोधन करने की पूरी छूट है। प्रयोगकर्ता अभिकरणों, सरकारी हों या गैर सरकारी, दोनों ही स्वतंत्ररूप से इस सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। वर्ष 1998-99 में किए गए कार्यों के मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं:

अनुसंधान

भारत में उच्च प्राथमिक स्तर पर एन.एफ.ई. की स्थिति

भारत में उच्च प्राथमिक स्तर पर एन.एफ.ई. की स्थिति का अध्ययन करने के लिए आँकड़ा एकत्र किया जा चुका है। यह एक वैज्ञानिक आँकड़ा है और विशेष स्तर पर योजना के प्रभाव का आगे मूल्यांकन करने में यह बहुत ही उपयोगी होगा।

एन.एफ.ई. और ए.एस. के क्षेत्र में एस.सी.ई.आर.टी. की स्थिति का अध्ययन

आँकड़ों के संग्रह, तालिकाकरण और समेकन से संबंधित कार्य पूरा हो चुका है। आँकड़ा विश्लेषण और व्याख्या संबंधी कार्य चल रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा में प्राथमिक स्तर के एन.एफ.ई. केंद्रों में हिंदी के अध्यापन अधिगम प्रक्रिया के दौरान आने वाली कठिनाइयाँ

कार्यशालाओं में इस अध्ययन से संबंधित परीक्षणों और प्रश्नावलियों का विकास और परिशोधन कर दिया गया है।

बिहार, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एन.एफ.ई. की प्रभावकारिता

इस अध्ययन से एन.एफ.ई. की सफलताओं के कारकों और कमियों पर प्रकाश डालने की अपेक्षा है ताकि कार्यक्रम में आवश्यक संशोधन किया जा सके। उत्तर प्रदेश और बिहार के परीक्षण कार्य के अलावा यह परियोजना अपने नियत कार्यक्रम के अनुसार जारी है।

विकास

उच्च प्राथमिक स्तर पर एन.एफ.ई. कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन

नौवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्वयंसेवी क्षेत्र द्वारा एन.एफ.ई. का उच्च प्राथमिक स्तर तक विस्तार करने की योजना के प्रकाश में एन.सी.ई.आर.टी. ने भाषा, समाज विज्ञान, संस्कृत, गणित कार्य अनुभव, कला, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्रों में उच्च प्राथमिक स्तर पर एन.एफ.ई. के लिए पाठ्यमूलक सामग्री के विकास की विधि के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शनकारी बिंदुओं का विकास किया है।

डी.आर.यू. के लिए प्रशिक्षण सामग्री

कार्य के दौरान प्रयोग के लिए बेसिक साहित्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एन.सी.ई.आर.टी. ने डाइट और एन.जी.ओ. दोनों से संबद्ध जिला संसाधन एककों (डी.आर.यू.) के लिए प्रशिक्षण पैकेज का विकास किया है ताकि वे अपनी क्षमता को मजबूत बना सकें।

प्रशिक्षण

एन.एफ.ई. और ए.एस. में एस.सी.ई.आर.टी./एस.आर.सी. के एन.एफ.ई. संकाय का प्रशिक्षण

नौवीं पंचवर्षीय योजना के अपेक्षित क्षेत्रों के विशेष संदर्भ के साथ अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक शिक्षण के विभिन्न पक्षों के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से पाँच दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से एक कार्यक्रम नई दिल्ली में तथा दूसरा कार्यक्रम हैदराबाद में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों में क्रमशः एस.सी.ई.आर.टी./एस.आर.सी. के 34 और 40 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

राज्यों और स्वयंसेवी अभिकरणों में संसाधन विकास

मा.सं.वि.मं. से अनुदान प्राप्त गैर सरकारी संगठनों के लिए भुवनेश्वर और कोयंबटूर में पाँच दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में क्रमशः पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों के एन.जी.ओ. के 55 और 38 कार्यकर्ता शामिल हुए।

विस्तार

एन.सी.ई.आर.टी. में संगठनात्मक स्तरीय कार्यक्रमों और गतिविधियों

के अलावा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न सरकारी और स्वयंसेवी संगठनों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गई। एन.सी.ई.आर.टी. ने नौवीं योजना दस्तावेज एन.एफ.ई. योजना के संशोधन के लिए ई.एफ.सी. की टिप्पणी और प्रायोगिक तथा नवाचारी योजना के विकास में एक मुख्य केंद्र के रूप में कार्य किया। मंत्रालय को प्रस्तुत एन.एफ.ई. प्रस्तावों के मूल्यांकन में भी एन.सी.ई.आर.टी निरंतर सहयोग करती रही।

अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक शिक्षण को क्षेत्रीय स्तर पर योगदान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने विद्यालयों का ढाँचा, कार्यकलाप और समस्याओं को विशेष रूप से ध्यान में रखकर ग्रेटर मुंबई के रात्रि विद्यालयों का अध्ययन कार्य पूरा किया। अध्यापन अधिगम कार्यनीतियों और सामग्री का विकास किया गया और उन्हें अंतिम रूप दिया गया। मध्य प्रदेश की वैकल्पिक शिक्षण और शिक्षा गारंटी योजना (ई.जी.एस.) के अंतर्गत कार्यरत राजीव गांधी प्राथमिक शिक्षा मिशन (आर.जी.पी.एस.एम.) के अनुरोध पर संस्थान ने मध्य प्रदेश के 10 जिलों में सीखना-सिखाना पैकेज का मूल्यांकन कार्य किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर उड़ीसा के गैर सरकारी संगठनों का सहयोग करता है और संयुक्त मूल्यांकन दल के एक सदस्य के रूप में उनके कार्यकलापों के पर्यवेक्षण में मदद करता है।

वर्ष 1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. डवलपमेंट ऑफ टेक्स्चुवल मैटेरियल इन मैथमेटिक्स (फोटो प्रति)
2. एकेडमिक गाइडलाइंस फॉर दि डवलपमेंट ऑफ टेक्स्चुवल मैटेरियल फॉर एन.एफ.ई. एट अपर प्राइमरी लेवल इन दि एरियाज ऑफ साइंस, सोशल साइंसेज, संस्कृत, मैथमेटिक्स, वर्क एक्सपीरियंस, आर्ट, हेल्थ, फिजिकल एजुकेशन (फोटोप्रति)
3. ट्रेनिंग ऑफ एन.एफ.ई. फैकल्टी ऑफ स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग/स्टेट रिसोर्स सेंटर्स/स्टेट लेवल की रिसोर्स पर्सन्स ऑफ नार्दन रीजन इंप्लिमेंटिंग एन.एफ. ई. प्रोग्राम (फोटो प्रति)
4. रिपोर्ट ऑन दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर सीनियर एन.एफ. ई. फंक्शनरीज ऑफ एन.जी.ओ. फ्राम सदर्न स्टेट्स (फोटो प्रति)

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों की शिक्षा
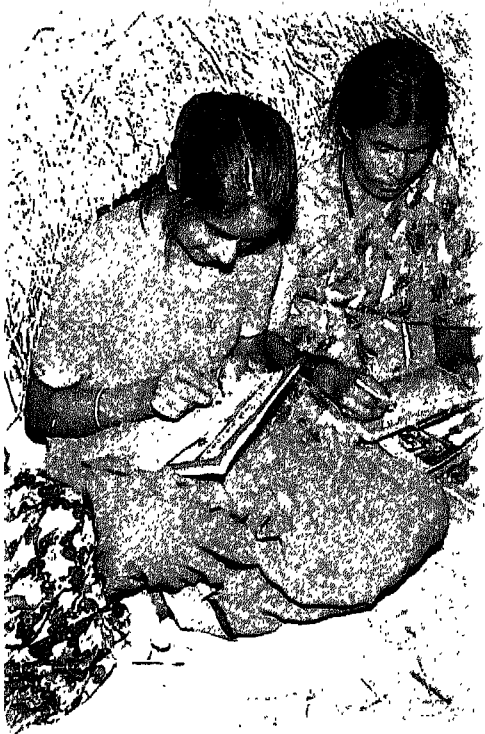
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से विशेष आवश्यकता वाले समूहों जैसे अनुसूचित जातियों (एस.सी.)/ अनुसूचित जनजातियों (एस.टी.) और अल्पसंख्यकों की शिक्षा से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान दे रही है। अल्पसंख्यकों की शिक्षा परियोजना के तहत एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा सरकारी सहायता प्राप्त मकतबों एवं मदरसों की मौजूदा पाठ्यचर्या का विश्लेषण एवं उनकी आवश्यकताओं का निर्धारण करके उनमें प्रयुक्त अनुदेशी सामग्री का भी संग्रह किया गया एवं आधुनिकीकरण की दृष्टि से संस्थागत आगतों के अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से एन.सी.ई.आर.टी. विशेष आवश्यकता वाले समूहों, जैसे अनुसूचित जातियों (एस.सी.), अनुसूचित जनजातियों (एस.टी.) और अल्पसंख्यकों की शिक्षा से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान दे रही है। इस क्षेत्र में वर्ष 1998-99 के दौरान संचालित कार्यक्रमों के मुख्य बिंदु नीचे दिए गए हैं :

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की शिक्षा

गैर-आदिवासी अध्यापकों में मनोवृत्तिक बदलाव लाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

चुनिंदा शिक्षाविदों, मानववैज्ञानिकों, मनोविदों, भाषा वैज्ञानिकों और शिक्षाकर्मियों के सुझावों के आधार पर गैर आदिवासी अध्यापकों में आदिवासी बच्चों के प्रति मनोवृत्तिक बदलाव लाने के लिए उड़ीसा के लिए डी.पी.ई.पी. के तहत विकसित प्रशिक्षण पैकेज में आवश्यक संशोधन किए गए। उड़ीसा में यह पैकेज प्रयोग काफी हद तक सफल रहा। उड़ीसा में आयोजित होने वाली कार्यशाला में आदिवासी क्षेत्र के अध्यापकों और शिक्षाकर्मियों के साथ इस संशोधित प्रशिक्षण पैकेज पर चर्चा की जाएगी। इस पैकेज में विद्यार्थी के रूप में आदिवासी बच्चे, आदिवासियों के सांस्कृतिक पक्ष, आदिवासी भाषा, आदिवासी बच्चों की अधिगम शैली, पाठ्यचर्या और अध्यापन विधियों आदि सहित समुदाय और विद्यालय में शिक्षाशास्त्रीय कार्य व्यवहार पर विविध खण्ड शामिल किए जाएंगे। इस पैकेज का उपयोग प्रतिलिपिकृत पैकेज की बजाय एक संदर्भ पुस्तिका के रूप में किया जाएगा।

अल्पसंख्यकों की शिक्षा

सरकारी सहायता प्राप्त मकतबों/मदरसों की मौजूदा पाठ्यचर्या का विश्लेषण

इस परियोजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश, केरल और मध्य प्रदेश के सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों की पाठ्यचर्या का विश्लेषण करना है। इस परियोजना अध्ययन के लिए मदरसों की मौजूदा आवश्यकताओं के निर्धारण के उद्देश्य से अभिमत प्रश्नावली का विकास किया गया। मदरसों का दौरा किया गया और अभिमत प्रश्नावली के आधार पर आँकड़े एकत्र किए गए। इन मदरसों में प्रयुक्त अनुदेशी सामग्री का भी संग्रह किया गया। विश्लेषण से पता चलता है कि इन पारंपरिक संस्थाओं में कुछ ऐसे आगत हैं जो आधुनिकीकरण की दृष्टि से उनके लिए जरूरी हैं। इस अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

अध्याय / 7
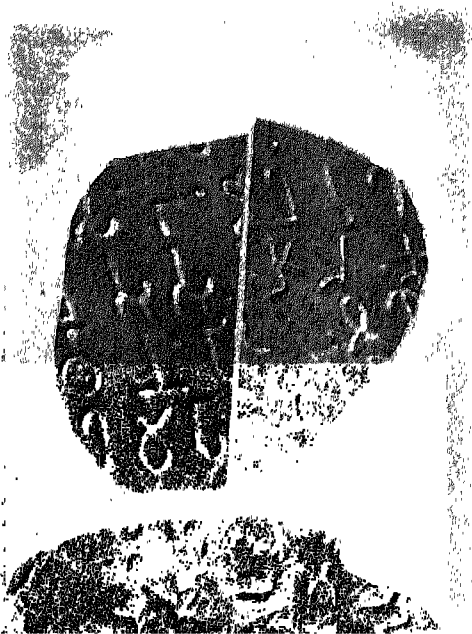
विकलांग बच्चों की शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. शारीरिक और बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है। व्यक्ति की विकलांगता अधिनियम 1995 के कार्यान्वयन के लिए भी प्रयास किया और नियमित विद्यालयों में विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम आरंभ किए।

विकलांग बच्चों की शिक्षा की योजना के लिए शैक्षिक योजनाकारों और शोधकर्ताओं को आँकड़ा आधार उपलब्ध कराना इस अध्ययन का उद्देश्य था।

एन.सी.ई.आर.टी. शारीरिक और बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है। इस क्षेत्र में 1998-99 के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं—क्षमता विकास, विशेष समूहों की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षा की सुलभता में सुधार और इस क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों और दूसरे संस्थानों के नेटवर्क का विकास। एन.सी.ई.आर.टी. ने व्यक्ति की विकलांगता अधिनियम 1995 के कार्यान्वयन के लिए भी प्रयास किया और नियमित विद्यालयों में विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम आरंभ किए। इस क्षेत्र में 1998-99 के दौरान आयोजित प्रमुख कार्यक्रम और गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं :

अनुसंधान

विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा का मूल्यांकन

सामान्य शिक्षा, अध्यापकों, विकलांग और सामान्य दोनों प्रकार के बच्चों पर एकीकृत शिक्षा के प्रभाव का पता लगाना और विकलांग बच्चों की शिक्षा की योजना के लिए शैक्षिक योजनाकारों और शोधकर्ताओं को आँकड़ा आधार उपलब्ध कराना इस अध्ययन का उद्देश्य था। एकीकृत शिक्षा के मूल्यांकन के लिए विभिन्न प्रकार के पाँच अनुसंधान अनुसूची, साक्षात्कार अनुसूची और प्रश्नावलियाँ विकसित की गईं और उन्हें अंतिम रूप दिया गया।

विकास

एकीकृत व्यवस्था में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को गणित पाठ्यचर्या पढ़ाने के लिए पुस्तिका

यह पुस्तिका उन प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के मार्गदर्शन के लिए तैयार की जा रही है जो सामान्य बच्चों के साथ दृष्टिहीन बच्चों को पढ़ाते हैं। जब यह पुस्तिका तैयार हो जाएगी तब विषयवस्तु की दृष्टि से सामान्य और दृष्टिहीन बच्चों के बीच की दूरी को कम करने में इससे मदद मिलेगी। एन.सी.ई.आर.टी. का प्राथमिक स्तर का गणित एक आदर्श सामग्री के रूप में प्रयुक्त किया जा रहा है। इसके आधार पर गणित पाठ्यचर्या को पढ़ाने में दृष्टिहीन बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों का पता किया जा सकता है। गणित की पाठ्यचर्या के कठिन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए विशेष विद्यालयों और एकीकृत व्यवस्था में पढ़ने वाले दृष्टिहीन बच्चों से संपर्क किया गया तथा विषय केंद्रित समूह परिचर्चा आयोजित की गई। इसके साथ-साथ दृष्टिहीन और सामान्य दृष्टि के बच्चों के कठिनाई स्तरों के वर्गीकरण के लिए पाठ्यविवरण पर आधारित एक प्रपत्र विशेष विद्यालयों में दृष्टिहीन बच्चों को पढ़ने वाले और सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने वाले अध्यापकों को दिया गया।

एकीकृत व्यवस्था में बधिर बच्चों को हिंदी भाषा शिक्षण : प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए पुस्तिका

यह पुस्तिका एकीकृत व्यवस्था में बधिर बच्चों को भाषा पढ़ाने के लिए तैयार की गई है। पुस्तिका में तीन खण्ड हैं: खण्ड -1 में सामान्य विद्यालयों में बधिर बच्चों का एकीकरण करने के लिए जरूरी आधारभूत सूचना और ज्ञान के बारे में विवेचन है। खण्ड-2 अनुदेशों के समूहन पर आधारित है। खण्ड-3 अध्यापन-अधिगम विधियों और मूल्यांकन विधियों के अनुकूलन पर आधारित है। इस पुस्तिका की मदद से अध्यापक 6-7 वर्ष की आयु में विद्यालय आने वाले बच्चों की बधिरता की पहचान के बाद उनकी भाषा विकास प्रक्रिया को व्यवस्थित करने में समर्थ होंगे। यह पुस्तिका अभी मुद्रणाधीन है।

प्राथमिक विद्यालय स्तर के कमजोर दृष्टि वाले बच्चों के अध्यापकों के लिए पुस्तिका

प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिए कमजोर दृष्टि के बच्चों की पृष्ठभूमि पर एक पुस्तिका प्रकाशित की गई है। इस पुस्तिका में इन बच्चों की जरूरतों पर प्रकाश डाला गया है। इससे अध्यापकों को पढ़ने, लिखने, सुनने, मनो-सामाजिक क्षेत्र आदि पर कमजोर दृष्टि के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी। इस पुस्तिका से कमजोर दृष्टि के बच्चों की शिक्षा में भारी मदद मिल सकती है और कमजोर दृष्टि के बच्चे सामान्य व्यवस्था में पढ़ सकेंगे। इस तरह उन बच्चों को शिक्षा के मूल अधिकार को प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा।

विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सामान्य विद्यालयों मे संसाधन सुविधाएँ

यह संदर्शिका विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा (आई.ई.डी.सी. कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहे राज्यों के लिए तैयार की गई है। इसमें सबके लिए शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से सामान्य शिक्षा प्रणाली को सुसज्जित करने के लिए विस्तृत रूप से मार्गदर्शन दिए गए हैं। एकीकृत शिक्षा के कार्यान्वयन के किसी भी प्रतिरूप को चुनने में इस संदर्शिका से मदद मिलेगी। इससे विद्यालय स्तर, या क्षेत्र संसाधन केंद्र स्तर पर संसाधन कक्ष विकसित करने में मदद मिलेगी। इसमें विशेष शिक्षा की आवश्यकता वाले विभिन्न प्रकार के बच्चों की जरूरतों के अनुसार वैयक्तिक सामग्री की सूची भी दी गई है।

प्रशिक्षण

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की एकीकृत शिक्षा पर भारत आस्ट्रेलिया क्षमता निर्माण कार्यक्रम

यह कार्यक्रम एन.सी.ई.आर.टी. के सहयोग से आस्ट्रेलिया की वित्तीय सहायता से मा.सं.वि.मं. द्वारा शुरू किया गया। इस परियोजना के लिए तीन राज्यों—उड़ीसा, गुजरात और केरल में अध्यापकों और आई.ई.डी. संयोजकों के प्रशिक्षण को ध्यान में रखकर संसाधन सहयोग दिया गया। आस्ट्रेलिया में मुख्य प्रशिक्षण के रूप में प्रशिक्षण लेने के लिए भेजे जाने वाले 10 अध्यापकों का चयन करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में 14-18 सितंबर, 1998 के दौरान एक प्रशिक्षण सहित मूल्यांकन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 30 भागीदारों ने हिस्सा लिया जिन्हें आस्ट्रेलिया और एन.सी.ई.आर.टी. संकाय के सदस्यों ने प्रशिक्षण दिया।

आई.ई.डी. को संसाधन सहायता

डी.पी.ई.पी. राज्यों के आई.ई.डी. संयोजकों को सामान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों के एकीकरण के क्षेत्र में संसाधन सहायता प्रदान की गई। जिला/प्रखंड/संघटन स्तर पर इस कार्य की योजना बनाने और उसका प्रबंधन करने में संयोजकों को सक्षम बनने के लिए उनके साथ प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। अध्यापक प्रशिक्षण माड्यूलों के विकास और समुदाय में सामान्य चेतना पैदा करने तथा अभिप्रेरणा के लिए संसाधन प्रदान किए गए।

केंद्रीय विद्यालयों में विकलांग बच्चों के एकीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपेक्षित सुविधाएँ प्रदान करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. और केंद्रीय विद्यालय संगठन ने मिलकर 8-12 जून, 1998 के दौरान पाँच दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विभिन्न राज्यों के 60 भागीदारों ने हिस्सा लिया।

विशेष अध्यापकों के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में सेतु पाठ्यक्रम (ब्रिज कोर्स) आयोजित करने वाले विभिन्न विद्यालयों/संस्थानों/गैर सरकारी संगठनों को संसाधन सहायता प्रदान की गई।

परामर्शकारी सेवाएँ

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अध्यापन विधि, विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा की योजना और प्रबंधन तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अनुदेशी विधि के विकास के सिलसिले में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, विद्यालयों और संस्थानों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गईं।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. इवैल्यूएशन ऑफ मल्टी कैटेगरी टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम-2 रिपोर्ट (फोटो प्रतिलिपि)
2. स्ट्रेंग्थनिंग इंटिग्रेटेड एजुकेशन फॉर चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स—ए रिपोर्ट (फोटो प्रतिलिपि)
3. लो विजन चिल्ड्रन—ए गाइड फॉर प्राइमरी टीचर्स (मुद्रित)

अध्याय / 8

एन.सी.ई.आर.टी. ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की केंद्रीय योजना का मूल्यांकन करने के लिए एक विस्तृत मूल्यांकन अध्ययन संचालित किया। इस अध्ययन में गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित विद्यालय लिए गए। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और सुविधाहीन कमजोर तबके की आबादी से विद्यालयों में लड़कियों के नामांकन, प्रतिधारण और संप्राप्ति स्तर में वृद्धि पर इस योजना के प्रभाव का मूल्यांकन करना था।

एन.सी.ई.आर.टी. ने महिलाओं के समता के अधिकार और सशक्तिकरण के लिए अपेक्षित शिक्षा के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) 1986 (1992 में किए गए संशोधनों सहित) के कार्यान्वयन के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता और सलाहकारी सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा। इस क्षेत्र में परिषद् निम्नलिखित कार्य करती है : (1) महिला शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना और संयुक्त राष्ट्र संघ तथा अन्य राष्ट्रीय संगठनों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान करना, और (2) सार्क के कार्यकलापों के अंतर्गत महिला शिक्षा के लिए एक मुख्य केंद्र के रूप मे कार्य करना। लैंगिक भेदभाव और पूर्वग्रह को दूर करने के लिए नीति निर्माण, योजना, पाठ्यचर्या और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्रों में अपेक्षित परिवर्तनकारी कार्य किए जाते हैं।

अनुसंधान

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की केंद्रीय योजना का मूल्यांकन अध्ययन

एन.सी.ई.आर.टी. ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की केंद्रीय योजना का मूल्यांकन करने के लिए एक विस्तृत मूल्यांकन अध्ययन संचालित किया। इस अध्ययन में गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित विद्यालय लिए गए। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और सुविधाहीन कमजोर तबके की आबादी से विद्यालयों में लड़कियों के नामांकन, प्रतिधारण और संप्राप्ति स्तर में वृद्धि पर इस योजना के प्रभाव का मूल्यांकन करना था। सभी 44 संस्थानों का दौरा किया गया और एक अंतरिम रिपोर्ट शिक्षा विभाग, मा.सं.वि.मं. को भेजी गई। इस योजना की शर्तों और दशाओं के अनुसार कार्य न करने वाले 8 संस्थानों को पुनः अनुदान सहायता से वंचित करने की सिफारिश की गई।

दो अनुसंधान अध्ययन—(1) मध्य प्रदेश के दो जिलों में बालिका शिक्षा पर प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन, और (2) लैंगिक परिप्रेक्ष्य में विद्यालय कार्य व्यवहार का अध्ययन अभी जारी हैं।

विकास

पाठ्यचर्या कार्य संपादन में लैंगिक संवेदनशील जीवन कौशल विधि

एक गैरसरकारी संगठन—तिन्नारी ने 2-3 नवंबर 1998 के दौरान भारत सरकार—यू.एन. प्रणाली शिक्षा कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभिक स्तर पर पाठ्यचर्या कार्य संपादन में लैंगिक संवेदनशील कौशल विधि पर दो दिवसीय एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसके आयोजन में एन.सी.ई.आर.टी. ने तिन्नारी को सहयोग दिया। कार्यशाला के निम्नलिखित उद्देश्य थे— (1) प्रजातिगत जीवन कौशल के सारांश का विकास करना, (2) कौशल विकास में लैंगिक पूर्वग्रह और बाधाओं को तोड़ना, (3) प्रारंभिक स्तर की पाठ्यचर्या में इन कौशलों के एकीकरण के लिए व्यापक कार्यनीतियों की पहचान करना। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों और इस क्षेत्र में कार्यरत गैरसरकारी संगठनों के 75 से अधिक शिक्षाविदों और शिक्षाकर्मियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला की सिफारिशें प्राप्त हुईं जिन्हें कई संबंधी अभिकरण और संस्थाएं कार्यान्वित कर रही हैं।

विस्तार
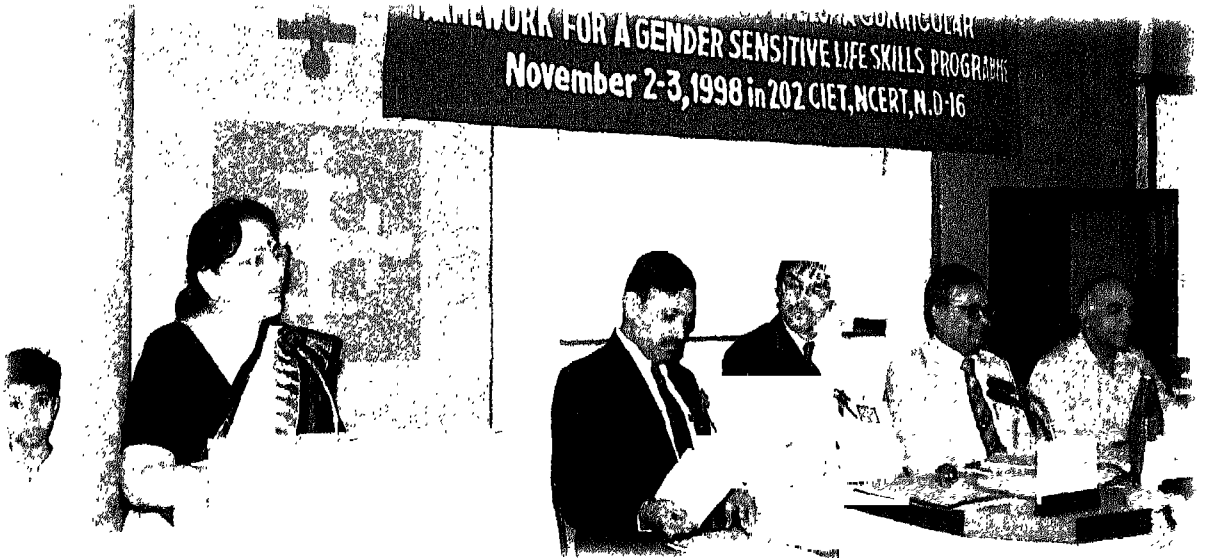
बालिकाओं और सुविधाविहीन समूहों की प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा

ग्रामीण हरियाणा में बालिका और सुविधाविहीन समूहों की प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने से संबंधी यूनेस्को नवाचारी पायलट परियोजना के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. ने भगीदार प्राथमिक विद्यालयों के मुख्य क्षेत्रों—विद्यालय की साफ-सफाई और सजावट, समूह गान और पीटी, विद्यालय पुस्तकालय कार्नर, अध्यापकों के ब्लैक बोर्ड कार्य में सुधार और छात्रों के हस्तलिपि, रचनात्मक लेखन और सामुदायिक भागीदारी में उत्कृष्टता पुरस्कार देने के लिए विराट शिक्षा उत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव में हरियाणा के रिवाड़ी जिले के खोल प्रखंड के 59 गाँवों से बच्चों, अभिभावकों, अध्यापकों, महिला मंडल सदस्यों, सरपंचों और पंचों सहित 3000 भागीदारों ने हिस्सा लिया। इस उत्सव के अवसर पर यूनेस्को दक्षिण एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक, हरियाणा, एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशक और संकाय सदस्य और जिले के वरिष्ठ प्रशासक और अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत सरकार के संयुक्त पर्यवेक्षण मिशन, राजस्थान सरकार और स्वीडन अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण (सीडा) को लोक जुंबिश के मूल्यांकन में सहायता की गई। एन.सी.ई.आर.टी. ने मई 1998 में लोक जुंबिश परियोजना और जनवरी 1998 में शिक्षाकर्मी परियोजना के मूल्यांकन में मदद की।

बालिका शिक्षा को क्षेत्रीय सहायता

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. के सहयोग से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की बाधाओं के उन्मूलन पर 8-10 दिसंबर,1998 के दौरान एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. इवैल्यूएशन स्टडी ऑफ ए सेंट्रल स्कीम फॉर स्ट्रेंग्थनिंग ऑफ बोर्डिंग एण्ड हॉस्टल फेसिलिटीज फॉर गर्ल्स स्टूडेंट्स ऑफ सेकेंडरी एण्ड हायर सेकेंडरी स्कूल्स (अंतरिम रिपोर्ट मिमियोग्राफ)
2. यूनेस्को इन्नोवेटिव पाइलट प्रोजेक्ट ऑन प्रोमोशन ऑफ प्राइमरी एजुकेशन ऑफ गर्ल्स एण्ड डिसएडवांटेज्ड ग्रुप्स इन रूरल हरियाणा (अंतरिम रिपोर्ट - मिमियोग्राफ)
3. ए रिसोर्स डॉक्यूमेंट ऑन वुमेन्स वोकेशनल एण्ड टेक्नीकल एजुकेशन इन इंडिया डी.जी.ई.टी., श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. 21-22 नवंबर, 1998 के दौरान लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संगोष्ठी में देश की ओर से प्रस्तुत आलेख-लैंग्वेज, लिटरेसी एण्ड प्राइमरी एजुकेशन इन इंडिया
5. बालिका शिक्षा में ग्राम शिक्षा समिति का सहयोग—एक दिशा।

विज्ञान और गणित शिक्षा

एन.सी.ई.आर.टी. अपने अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और विस्तार संबंधी कार्यकलापों के द्वारा विज्ञान और गणित की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर और पोषणीय प्रयास कर रही है। इस क्षेत्र में विकास के प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार हैं : छात्रों और अध्यापकों के लिए गणित और विज्ञान शिक्षा में आदर्श पाठ्यचर्या सामग्री का विकास करना, नई विधियों और प्रौद्योगिकी के साथ अध्यापन अधिगम की कार्यनीतियों के प्रयोग संचालित किए जाते हैं। प्रतिभाशाली छात्रों के प्रतिभा पोषण के लिए अपेक्षित कदम उठाए जाते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. अपने अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और विस्तार संबंधी कार्यकलापों के द्वारा विज्ञान और गणित की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर और पोषणीय प्रयास कर रही है। इस क्षेत्र में विकास के प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार हैं: छात्रों और अध्यापकों के लिए गणित और विज्ञान शिक्षा में आदर्श पाठ्यचर्या सामग्री का विकास करना, (2) विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों के लिए विज्ञान और गणित में पाठ्यचर्या का विकास करना, और (3) गणित और विज्ञान के विभिन्न विषयों में मूल पाठ्यसामग्री और अनुदेशी सामग्री का विकास करना। समस्त पाठ्यचर्या में पर्यावरण शिक्षा के तत्व शामिल किए जाते हैं।

नई विधियों और प्रौद्योगिकी के साथ अध्यापन अधिगम की कार्यनीतियों के प्रयोग संचालित किए जाते हैं। नई प्रणालियों और प्रौद्योगिकी के साथ विज्ञान और गणित की संकल्पनाओं के प्रभावी अध्यापन अधिगम के लिए कार्यकलाप उन्मुख तीन-विमितीय (थ्री डाइमेंसन मॉडलों) और प्रयोगशाला कौशलों की रूपरेखा बनाई जाती है और उनका विकास किया जाता है। प्रतिभाशाली छात्रों के प्रतिभा पोषण के लिए अपेक्षित कदम उठाए जाते हैं। प्रतिभा पोषण कार्यक्रमों के संचालन के लिए विभिन्न विषयों में विकसित अध्ययन संदर्शिकाओं और चुनौतीपूर्ण प्रश्न बैंक का प्रयोग भी किया जाता है। मंदगति के विद्यार्थियों के लिए निदानात्मक परीक्षण और उपचारी सामग्री विकसित की जाती है। गणित और विज्ञान शिक्षा के महत्वपूर्ण कार्यकलापों में शामिल हैं— रुचिकर पठन सामग्री पूरक पुस्तकों के विकास द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय बनाना, विद्यालयेत्तर गतिविधि को बढ़ावा देते हुए विज्ञान प्रदर्शन और त्रैमासिक पत्रिका स्कूल साइंस के जरिए वैज्ञानिक नवाचारों, संकल्पनाओं आदि का प्रचार-प्रसार करना। विभिन्न स्तरों के संसाधन व्यक्तियों को इस क्षेत्र के नए और नवाचारी विकास के बारे में सरल और सुबोध तरीके से प्रशिक्षित किया जाता है। 1998-99 में इस क्षेत्र में किए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों के महत्वपूर्ण विवरण निम्नलिखित हैं :

अनुसंधान

भारत में विज्ञान शिक्षा की स्थिति

इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य थे—विभिन्न राज्यों में विज्ञान शिक्षा के ढाँचे का पता लगाना और यह जानकारी करना कि वहाँ पर लागू की गई विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों के द्वारा किस सीमा तक पाठ्यचर्या का कार्यनिष्पादन हो रहा है और अध्यापक प्रशिक्षण की विधि का अध्ययन करना। इस अध्ययन की रिपोर्ट—'सम एस्पेक्ट्स ऑफ साइंस एजुकेशन इन इंडिया', विज्ञान शिक्षा के लिए एक आँकड़ा आधार प्रदान करती है। इससे भविष्य में उपयुक्त विज्ञान पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री की रूपरेखा तैयार करने में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के योजनाकारों और प्रशासकों को बहुत मदद मिलेगी।
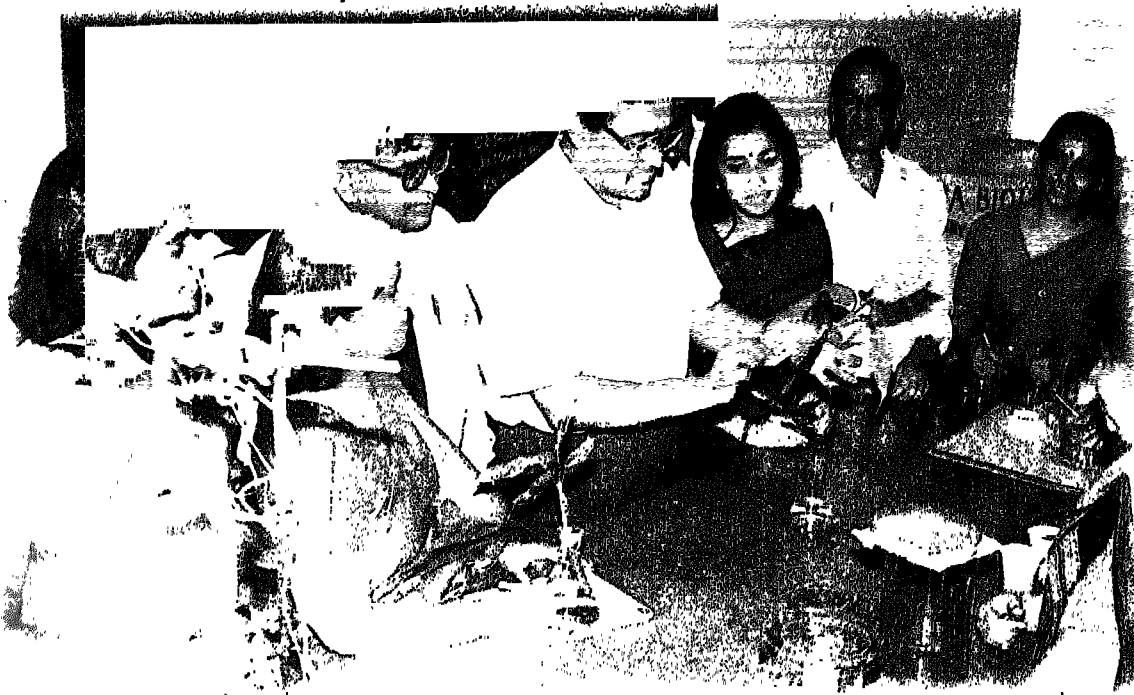
जीवविज्ञान कार्यशाला में प्रतिभागी

उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए गणित पाठ्यचर्या का नवीनीकरण

एन.सी.ई.आर.टी. ने विभिन्न वर्गों – विज्ञान, कला और वाणिज्य के छात्रों की जरूरतों के आधार पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए नए पाठ्यक्रम का विकास किया है। गणित के पूरे पाठ्यक्रम को तीन भागों–भाग क, भाग ख और भाग ग में विभाजित किया गया है। भाग क में सभी वर्गों के लिए आवश्यक पाठ शामिल हैं। भाग ख विज्ञान छात्रों के लिए है। भाग ग, उन छात्रों के लिए है जो आगे गणित मे अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। अब कोई भी छात्र अपनी रुचि के अनुसार इनमें से भाग क और भाग ख या भाग क या भाग ग का चयन कर सकता है और सी.बी.एस.ई. ने इस पाठ्यक्रम को जुलाई 1998 से लागू कर दिया है।

उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए गणित पूरक पाठ्यपुस्तक

एन.सी.ई.आर.टी. ने गणित के नए पाठ्यक्रम के आधार पर कक्षा 11 और 12 के लिए 4 पूरक पाठ्यपुस्तकें तैयार कीं। इनमें प्रत्येक कक्षा के लिए दो पूरक पाठ्यपुस्तकें हैं। कक्षा 12 की दोनों पूरक पाठ्यपुस्तकें (भाग ख और भाग ग) मुद्रित हो गई हैं। कक्षा 11 की दो पूरक पाठ्यपुस्तकें (भाग ख और भाग ग) अभी मुद्रणाधीन हैं।

विज्ञान और गणित को लोकप्रिय बनाना

विज्ञान और गणित को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से एन.सी.ई.आर.टी. दो परियोजनाएँ संचालित कर रही हैः (1) पढ़ो और सीखो (2) रसायन विज्ञान के कुछ रोचक पाठ माड्यूलों का विकास। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और गणित के उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पुस्तकें उपलब्ध कराना है जो प्रायः पाठ्यचर्या में शामिल नहीं है मगर समकालीन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विषय के रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। पढ़ो और सीखो परियोजना के अंतर्गत लगभग 35 पुस्तकें तैयार की जा चुकी हैं। 1998-99 में निम्नलिखित पुस्तकें तैयार की गईं :

- हमारा अद्भुत आकाश मैला क्यों?
  (मौसम और पर्यावरण पर आधारित)
- सौर ऊर्जा (गैर पारंपरिक ऊर्जा)
- बालू बोले अपनी बात (रेगिस्तान की कहानी)
- मौसम – क्या, क्यों और कैसा (मौसम विज्ञान)
- ग्लिम्पसेस ऑफ प्लांट भाग-1
- ग्लिम्पसेस ऑफ प्लांट भाग-2

इस समीक्षाधीन वर्ष में अनेक विषयों पर पुस्तक लेखन कार्य शुरू किया गया है और भूकंप, भूगर्भीय ज्ञान, अंगुली छाप विज्ञान, दूरसंवेदी और पेट्रो रसायन के क्षेत्र में सामग्री विकास का कार्य पूरा हो चुका है।

परियोजना–'रसायन विज्ञान में कुछ रुचिकर पाठ-माड्यूलों का विकास' के अंतर्गत-"अयस्क" पर मॉड्यूल लेखन कार्य चल रहा है और शीघ्र ही यह पूरा होने वाला है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक चार मॉड्यूलों का विकास किया जा चुका है, ये मॉड्यूल पर्यावरण और उसके संरक्षण पर आधारित हैं।

प्रयोगशाला अभिमुख कार्यक्रम

रसायन विज्ञान में कार्यपत्रक (वर्कशीट)

कक्षा 12 के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर कार्य पत्रक विकसित किए गए। ये कार्य पत्रक छात्रों के लिए अन्वेषण कार्य करने के समय प्रायोगिक नोट बुक के रूप में सहायक होंगे और प्रायोगिक कार्यकलापों के विविध पक्षों के प्रति समझ के आत्म मूल्यांकन में छात्रों की सहायता करेंगे।

जीव विज्ञान में कार्यकलाप संदर्शिका

जीव विज्ञान में कक्षा 12 के लिए एक कार्यकलाप संदर्शिका का विकास करने के उद्देश्य से उच्चतर माध्यमिक स्तर की जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों की जाँच-पड़ताल की गई; कार्यकलापों की पहचान की गई और कक्षा-कक्ष में उनकी अनुकूलनता का परीक्षण किया गया। यह संदर्शिका छात्रों को स्पष्ट अवधारणात्मक समझ विकसित करने में सहायक हो सकती है।

मॉडलों और प्रयोगों का विकास

परियोजना "रसायन विज्ञान में औपचारिक स्तर के चुनिंदा पाठों के लिए तत्कालिक सस्ते प्रयोगों का डिजाइन का विकास" के अतंर्गत वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए 40 प्रयोग विकसित किए गए और उनकी प्रभावक्षमता का पता लगाने के लिए कुछ विद्यालयों में उनका परीक्षण किया गया।

गणित प्रयोगशाला के लिए मॉडल और कार्यकलाप

गणित प्रयोगशाला के लिए 60 मॉडल/कार्यकलाप विकसित किए गए। ये मॉडल/कार्यकलाप व्यापक रूप से विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों के लिए हैं। ये कार्यकलाप छात्रों को गणित की कठिन और अमूर्त संकल्पनाओं को समझने में सहायक होंगे। इन कार्यकलापों/ मॉडलों पर लिखित सामग्री भी तैयार की गई ताकि विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकों को उपलब्ध कराई जा सके।

प्रशिक्षण

नवोदय विद्यालय समिति के विद्यालयों के गणित और भौतिक

विज्ञान के पी.जी.टी. अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रत्येक प्रशिक्षण में विषय के 30-35 पी जी टी शामिल हुए। इन अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः नियोजित विषयवस्तु और प्रायोगिक कार्य पर आधारित थे। प्रशिक्षण से पहले प्रश्नावली और सीधे चर्चा करके अध्यापकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के बारे में पता लगाया गया। प्रशिक्षण के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित प्रशिक्षण सामग्री भी वितरित की गई।

रसायन विज्ञान में अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए 'सहकारी अधिगम कार्यनीति—एक मॉडल' विकसित किया गया और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं को पढ़ाने वाले रसायन विज्ञान के अध्यापकों के दस दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में इस मॉडल का उपयोग किया गया। यह कार्यनीति अधिगम प्रक्रिया में प्रत्येक अध्यापक की भागीदारी को सुनिश्चित करती है। इस कार्यक्रम में निर्मित स्थिति के अनुसार अध्यापक सहकारिक और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से कार्य करते हैं। इस कार्यक्रम में रसायन विज्ञान के 5 प्रशिक्षण माड्यूल प्रयोग किए गए और उन पर चर्चा की गई।

विस्तार

स्कूल साइंस पत्रिका

स्कूल साइंस एक त्रैमासिक पत्रिका है। यह अध्यापकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को गणित और विज्ञान के विविध क्षेत्रों में अपने दृष्टिकोण, विचार, अनुभवों और नवाचारों के प्रचार-प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करती है। इसमें गणित और विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम विकास से संबंधित विविध सामग्री, विज्ञान में विषय वस्तु का संवर्द्धन और विज्ञान तथा गणित के अध्यापन/अधिगम में नवाचारी प्रयोगों से संबंधित व्यापक और विविध सामग्री भी प्रकाशित की जाती है। इस पत्रिका का एक संपादकीय सलाहकार मंडल है। प्रख्यात वैज्ञानिक इसके सदस्य हैं। यह सलाहकार मंडल पत्रिका में समस्त सुधार के लिए मार्गदर्शन करता है। सलाहकार मंडल की पिछली बैठक 31 मार्च, 1999 को हुई।

विद्यालयेत्तर कार्यकलाप—विज्ञान प्रदर्शनियाँ

सामान्यतः जनता में और विशेषकर विद्यालय के बच्चों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से विद्यालयों को सलाह दी गई कि वे माडलों की रूपरेखा और प्रदर्शनी, ड्राइंगचार्ट और अन्वेषणकारी परियोजनाओं के जरिए विद्यालयेत्तर कार्यकलापों जैसे-बच्चों की राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें।

बच्चों के लिए जवाहर लाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी

पंजाब सरकार के सहयोग से अमृतसर में 7-11 दिसंबर 1998 के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. ने बच्चों के लिए 25वीं राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का मुख्य विषय था— 'सूचना युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी' प्रदर्शो को निम्नलिखित 4-उपविषयों में वर्गीकृत किया गया था— कृषि, उद्योग, यातायात और संचार तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों सहित देश के विभिन्न भागों के प्रदर्श (राज्य स्तर पर चयनित)

पंजाब सरकार के शिक्षा मंत्री अमृतसर में बच्चों के लिए 25वीं जवाहरलाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

प्रदर्शनी में सम्मिलित किए गए थे। इस विज्ञान प्रदर्शनी में 59 ग्रामीण विद्यालयों सहित 172 विद्यालय और 400 अध्यापक और छात्र शामिल हुए, पंजाब सरकार के लगभग 50 विद्यालयों ने (राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए विद्यालयों के अलावा) भी इस प्रदर्शनी में भाग लिया। एन.सी.ई.आर.टी. ने भी अपना स्टाल लगाया था। प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी कराने के लिए फोल्डर (अंग्रेजी/हिंदी/पंजाबी) प्रकाशित किए गए थे। फोल्डरों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित करने के उद्देश्यों और प्रयोजनों के साथ-साथ प्रदर्शों की सूची भी दी गई थी। ''विज्ञान मॉडलों का ढाँचा और कार्यविधि'' पर भी एक प्रकाशन निकाला गया था। ये प्रकाशन प्रदर्शनी में आए छात्रों अध्यापकों और आगंतुकों को निःशुल्क वितरित किए गए।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियाँ

राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनियाँ राज्य/संघ राज्य में प्रखंड, जिला और मंडल स्तर के विज्ञान प्रदर्शनियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन हैं।

1998-99 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों का केंद्रीय विषय था— विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण। इसके पाँच उप-विषय थे— 1. खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य और पौष्टिकता 2. ऊर्जा 3. प्रौद्योगिकी और पर्यावरण 4. उद्योग और पर्यावरण सुरक्षा, 5. यातायात और संचार और 6. प्रौद्योगिकीय सामग्री। एन.सी.ई.आर.टी. ने केंद्रीय विषय और 34-विषयों पर मॉडल तैयार करने के लिए अपेक्षित मार्गदर्शन दिए। बच्चों के लिए 26वीं जवाहरलाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी-1999 में प्रदर्शन के लिए विभिन्न राज्यों/संघ राज्यों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श के बारे में प्राप्त विवरणों की छानबीन की गई।

1998-99 के दौरान 29 राज्यों/संघ राज्यों में स्थित केंद्रीय विद्यालय संगठन के विद्यालयों में राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। एन.सी.ई.आर.टी. ने इन राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 14 लाख रुपए सहायता अनुदान के रूप में दिए।

प्रतिभापोषण कार्यक्रम

वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ रहे एन.टी.एस.एस. छात्रवृत्ति प्राप्त विद्यार्थियों के लिए भौतिक विज्ञान में प्रतिभा पोषण मॉडल कार्यक्रम का विकास किया गया और इसका दो चरणों में आयोजन किया गया। इसका प्रत्येक चरण 15 दिन का था। पहले चरण में कक्षा 11 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पोषण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया। दूसरे चरण में से उन विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया जो कक्षा 12 की शिक्षा पूरी कर चुके थे।

इस कार्यक्रम का कार्यान्वयन करने के लिए भौतिक विज्ञान की परियोजनाओं की एक शृंखला का विकास किया। भागीदारों को स्थानीय संस्थाओं और प्रयोगशालाओं के दौरे पर ले जाया गया। अनेक विख्यात भौतिकविदों को अभिप्रेरणात्मक व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में रचनात्मकता, कार्य के प्रतिबद्धता और उच्चतर दक्षता के पोषण पर विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम पर छात्रों के विचार जानने के उद्देश्य से एक प्रश्नावली छात्रों में वितरित की गई थी। छात्रों के जवाब से पता चला कि वे इन परियोजनाओं को करने में आनंदित हुए और उन्होंने ऐसे ही और कार्यक्रमों की इच्छा जाहिर की। अब राष्ट्रीय स्तर पर संचालन के लिए यह मॉडल तैयार है।

संसाधन सहायता

एन.सी.ई.आर.टी. ने सी.बी.एस.ई./एस.सी.ई.आर.टी./डाइट/डी.ए.वी. स्कूल प्रबंधक/सी.टी.एस.ए. और कुछ पब्लिक स्कूलों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों के आयोजन में संसाधन सहयोग प्रदान किया। प्रतिभावान छात्रों के पोषण, संसाधन मॉड्यूल/ई.टी.वी. के विकास और अनुदेशी सामग्री के विकास (एन.ओ.एस, एस.सी.ई.आर.टी. इग्नो) और विद्यालय अध्यापकों के चयन (राजकीय विद्यालय, पब्लिक स्कूलों, एन.वी.एस., के.वी.एस.

गणित ओलम्पियाड 1998

और दिल्ली प्रशासन) में भी संसाधन सहायता दी गई।

गणित और विज्ञान शिक्षा को क्षेत्रीय सहायता

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने फरवरी 1999 में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान में आवश्यक कौशलों, +2 स्तर पर भौतिक विज्ञान में नवाचारी प्रयोगों और कौशलों तथा विज्ञान और गणित शिक्षा के पी. जी. डिप्लोमा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या की कार्यनीति का विकास किया गया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर ने अवधारणा केंद्रित अध्यापन और विद्यार्थियों में विज्ञान से संबंधित विशेष कौशलों को आत्मसात कराने के लिए सामग्री विकास करने के उद्देश्य से कठिन अवधारणाओं की पहचान के लिए कक्षा-7 से 8 तक की विज्ञान पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण किया।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. एक्सपेरिमेंट्स ऑन फॉर्मल लेवल टॉपिक्स इन केमिस्ट्री– ए रिपोर्ट ऑफ ट्राइ आउट (मिमियोग्राफ)
2. एक्सपेरिमेंट्स ऑन फॉर्मल लेवल टॉपिक्स इन केमिस्ट्री–ए मोनोग्राफ (मिमियोग्राफ)
3. ग्लासट्यूब एक्सपेरिमेंट्स ऑन फॉर्मल लेवल टॉपिक्स इन केमिस्ट्री–ए मोनोग्राफ (मिमियोग्राफ)
4. टेस्ट आइटम्स इन बायोलोजी फॉर क्लास 11–एक मोनोग्राफ (मिमियोग्राफ)
5. ट्रेनिंग ऑफ केमिस्ट्री पी.जी.टी. ऑफ जवाहर नवोदय विद्यालय – ए रिपोर्ट (मिमियोग्राफ)
6. साइंस एजुकेशन – रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रास्पेक्ट–ए मोनोग्राफ (मिमियोग्राफ)
7. बायोमोलीक्यूल्स – ए मॉड्यूल ऑन मॉलीक्यूल्स ऑफ लाइफ (मिमियोग्राफ)
8. "ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स" ए मॉड्यूल फॉर स्टूडेंट्स एण्ड टीचर्स (मिमियोग्राफ)
9. "सम एस्पेक्ट्स ऑफ साइंस एजुकेशन इन इंडिया" भारत में विज्ञान शिक्षा की स्थिति पर एक रिपोर्ट (मिमियोग्राफ)
10. स्ट्रक्चर्स एण्ड वर्किंग ऑफ साइंस मॉडल्स-कलेक्शन ऑफ आउट स्टैंडिंग एक्ज़ीबिट्स इन साइंस (मुद्रित)
11. लिस्ट ऑफ एक्ज़ीबिट्स (एक द्विभाषी मॉड्यूल सामग्री)
12. स्कूल साइंस 4 अंक (मुद्रित)

अध्याय / 10

सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा
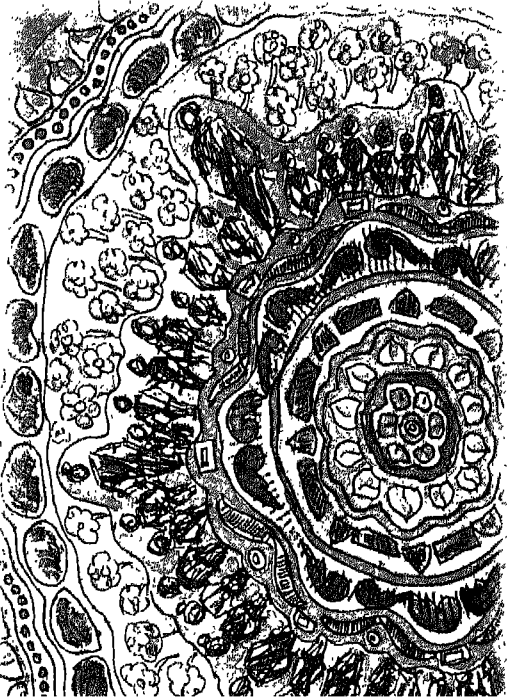
एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक मूल्यांकन, मानवाधिकार शिक्षा और उपभोक्ता शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से संलग्न रही है। मा.सं.वि. मंत्रालय के तत्वावधान में भारत में उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के कुछ पक्षों पर एक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रचालित की गई और इसके प्रमुख निष्कर्षों का प्रचार-प्रसार किया गया। मानवाधिकार शिक्षा के अंतर्गत यह राष्ट्रीय स्तर के समारोहों में पुरस्कार प्रदान भी करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. के सामाजिक विज्ञान और मानविकी के कार्यक्रम पाठ्यचर्या, सेवारत अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्य और राज्यों/संघीय राज्यों के शिक्षा विभागों को विद्यालय शिक्षा के विभिन्न चरणों के लिए अनुसंधान, विकास, अनुदेशी सामग्री और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों में परामर्शकारी/शैक्षिक सहायता प्रदान करने पर केंद्रित रहा है। इसमें निम्नलिखित विषय सम्मिलित हैं: (1) भाषा (हिंदी, उर्दू, संस्कृत और अंग्रेजी) (2) सामाजिक विज्ञान (भूगोल, अर्थशास्त्र, इतिहास, नागरिकशास्त्र, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र (3) वाणिज्य (4) कला शिक्षा (5) जनसंख्या शिक्षा। इसके अलावा एन.सी.ई. आर.टी. पाठ्यपुस्तक मूल्यांकन, मानवाधिकार शिक्षा और उपभोक्ता शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से संलग्न रही है।

अनुसंधान

अरुणाचल प्रदेश में कक्षा 5 की शिक्षा समाप्ति के बाद छात्रों द्वारा अर्जित हिंदी भाषा क्षमता संबंधी अध्ययन परियोजना के लिए क्षेत्र कार्य पूरा कर लिया गया है। इस अध्ययन की रिपोर्ट शीघ्र ही तैयार होने वाली है। दिल्ली के नगर निगम विद्यालयों के लिए भी इस प्रकार का एक दूसरा परियोजना अध्ययन शुरू किया गया। माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में मानचित्र कौशलों की समझ और अनुप्रयोग का सर्वेक्षण कार्य पूरा किया गया। इसके अलावा मा.सं.वि.मं. के तत्वावधान में भारत के उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के कुछ पक्षों पर एक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रचालित की गई और इसके प्रमुख निष्कर्षों का प्रचार-प्रसार किया गया।

विकास

एन.सी.ई.आर.टी. ने पाठ्यचर्या के क्षेत्र में अपना कार्य जारी रखा और छात्रों तथा अध्यापकों से प्राप्त पुनर्निवेशन और मूल्यांकन के आधार पर पाठ्यपुस्तकों के नए/संशोधित संस्करण तैयार किए। सामाजिक विज्ञान में कक्षा 9-10 के लिए नागरिकशास्त्र और कक्षा 12 के लिए भूगोल की नई पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की गईं। इसके अलावा कक्षा 8 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक का संशोधन कार्य शुरू किया गया। भाषा में, कक्षा 3 और 4 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तकें, सरस भारती और पूरक पाठ्यपुस्तकें कक्षा 8 के लिए, कक्षा 9 के लिए पूर्वा और कथा कलश (हिंदी बी पाठ्यक्रम) और सामान्य पठन पाठ्यपुस्तक के रूप में उर्दू व्याकरण (उर्दू कवायद) की एक पुस्तक प्रकाशित हुई। समाजशास्त्र की नई पाठ्यचर्या तैयार की गई। उपभोक्ता शिक्षा के लिए भी पाठ्यचर्या की रूपरेखा का प्रारूप विकसित किया गया।

प्रशिक्षण

जून 1998 में नवोदय विद्यालयों के हिंदी और अंग्रेजी के पी.जी.

समापन समारोह: शारजाह में सामाजिक विज्ञान के भारतीय विद्यालय शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

टी. अध्यापकों के लिए अलग-अलग दो सप्ताह के सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मस्कट और शारजाह में सी.बी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालयों के सामाजिक विज्ञान के टी.जी.टी. और पी.जी.टी. अध्यापकों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा मसूरी में केंद्रीय तिब्बती विद्यालय प्रशासन के विद्यालयों के सामाजिक विज्ञान के टी.जी.टी. अध्यापकों के लिए एक दूसरा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय बाल साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता

अंग्रेज़ी और भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 18 भाषाओं में प्रकाशित/लिखे गए (पांडुलिपि) बाल साहित्य की राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस 30वीं प्रतियोगिता के लिए निर्धारित विषय था—"सबके लिए मानवाधिकार" दो आयु वर्गों—5 से 8 वर्ष और 9 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए अनेक पुस्तकें और पांडुलिपियाँ प्राप्त हुई हैं। इस प्रतियोगिता के परिणाम तैयार किए जा रहे हैं और इसकी घोषणा शीघ्र ही कर दी जाएगी।

मानवाधिकार की सार्वजनिक घोषणा (यू.डी.एच.आर.) की 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर एन.सी.ई.आर.टी. ने मानवाधिकार पर अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। यू.डी.एच.आर. की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 10 दिसंबर 1998 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में भारत के प्रधान मंत्री ने इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी को क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर ने उत्तरी क्षेत्र के राज्यों द्वारा शुरू किए गए नैतिक शिक्षा कार्यक्रम पर स्थितिपरक रिपोर्ट तैयार की और सह पाठ्यचर्यात्मक कार्यकलापों द्वारा मूल्यों के विकास पर एक क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में उत्तरी क्षेत्र के 18 अध्यापक प्रशिक्षकों ने आलेख प्रस्तुत किए। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने एशियाई मानवाधिकार संस्थान के सहयोग से मानवाधिकार पर एक कार्यशाला आयोजित की।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. शिक्षण संदर्शिका—सरस भारती शृंखला (भाग 6-8) की हिंदी पाठ्यपुस्तकों के लिए अध्यापक पुस्तिका
2. सरस भारती भाग-3 (कक्षा 8)
3. पूरक पाठ्यपुस्तकें - संक्षिप्त बुद्धचरित, नया जीवन भाग-3 (कक्षा 8)
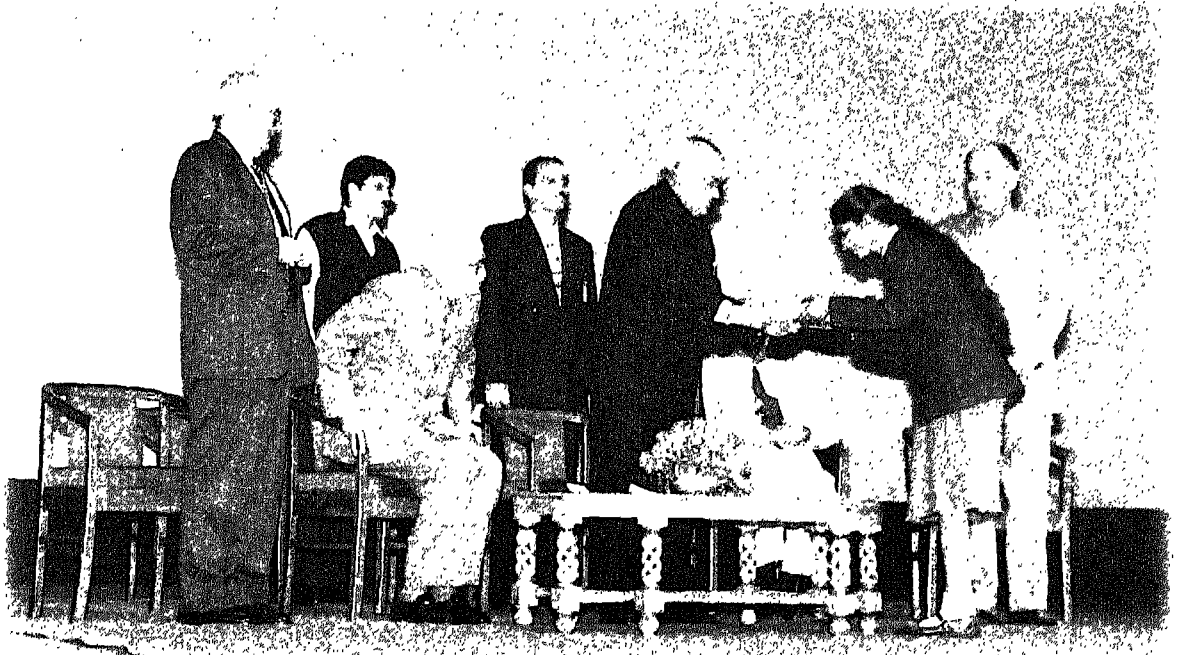
मानवाधिकार पर अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता के अवसर पर प्रधान मंत्री प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए

4. बाल भारती भाग-4 (कक्षा 4)
5. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-4 (कक्षा 4)
6. इंडियन कांस्टिट्यूशन एण्ड गवर्नमेंट (कक्षा 9 और 10) (हिंदी अंग्रेजी)
7. प्राइमरी स्कूल करीकुलम फॉर आर्ट्स (मिमियोग्राफ)
8. आर्ट एजुकेशन इन स्कूल्स बैकग्राउंड एण्ड इट्स प्रजेंट्स स्टेटस—ए रिपोर्ट
9. इंडिया—ए जनरल ज्योग्राफी—ए टेक्स्टबुक फॉर क्लास 12 (हिंदी और अंग्रेजी)
10. उर्दू कवायद (सामान्य अध्ययन के लिए उर्दू व्याकरण)
11. एन्सिएंट स्टोरीज 'पढ़ो और सीखो' शृंखला के अंतर्गत पूरक पाठ्यपुस्तकें
12. 'सम एस्पेक्ट्स ऑफ अवर प्राइमरी स्टेज ऑफ एजुकेशन इन इंडिया—ए स्टेटस स्टडी' की रिपोर्ट

अध्याय / 11

परीक्षा सुधार

एन.सी.ई.आर.टी. परीक्षा सुधार के क्षेत्र में मापन और मूल्यांकन से संबंधित अनेक कार्यकलापों जैसे छात्रों के विकास की प्रभाविता और संज्ञानात्मक पक्षों का निर्धारण एवं मूल्यांकन संबंधी उपकरणों और तकनीकों की रूपरेखा तैयार करना, वैज्ञानिक विधियों का मानकीकरण करना, शैक्षिक परीक्षण, मूल्यांकन, मापन और मुख्य कार्मिकों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना और शैक्षिक मूल्यांकन के क्षेत्र में परामर्शकारी सेवाएँ और समन्वय आदि कार्यकलापों पर केन्द्रित रही है।

एन.सी.ई.आर.टी. परीक्षा सुधार के क्षेत्र में मापन और मूल्यांकन से संबं[illegible]क कार्यकलापों से संलग्न है। इस क्षेत्र के कार्य[illegible] रूप से संज्ञान, छात्रों के विकास की प्रभाविता [illegible]नात्मक पक्षों के निर्धारण और मूल्यांकन के लिए [illegible]णों और तकनीकों की रूपरेखा तैयार करने, उनका विकास करने तथा वैज्ञानिक विधियों का मानकीकरण करने, शैक्षिक परीक्षण, मूल्यांकन, मापन और मुख्य संसाधन कार्मिकों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने और अनुसंधान संचालित करने और शैक्षिक मूल्यांकन के क्षेत्र में परामर्शकारी सेवाएँ और समन्वय तथा शोधन गृह संबंधी कार्यकलापों पर केंद्रित है।

विकास

+2 स्तर के 6 विषयों के बोर्ड प्रश्नपत्रों का विवेचनात्मक विश्लेषण

बोर्डों के प्रश्नपत्रों के विकास के कार्य, विषयवस्तु के घटकों, भाषा, पाठ्यक्रम के साथ अंकों, समय और परीक्षणार्थियों के निर्देशों की उपयुक्तता, प्रश्नपत्रों के मुद्रण और आकार आदि के संदर्भ में प्रश्नपत्रों के गुण और दोषों की पहचान करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने महाराष्ट्र, तमिलनाडु, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश के बोर्डों के +2 स्तर के अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा राजनीति विज्ञान के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण किया। बोर्डों और विद्यालयों के 32 भागीदारों ने प्रश्नपत्रों के विश्लेषण कार्य में योगदान किया जिसका उद्देश्य प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता में सुधार करना और परीक्षण के लिए एक आदर्श उपकरण बनाना था।

देश के विभिन्न बोर्डों में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान के प्रयोगों के मूल्यांकन कार्यों का विश्लेषण

रसायन विज्ञान के प्रयोगशाला कार्य के नवीनतम उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए देश भर के रसायन विज्ञान के प्रयोगों के प्रचलित मूल्यांकन कार्यों का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण से पता चला कि प्रचलित मूल्यांकन कार्यों में अनेक प्रकार की अस्पष्टता, विरोधाभास और असंगतियाँ मौजूद थीं जो इसकी कमजोरी थी। रसायन विज्ञान के प्रयोगशाला कार्य के निर्धारण में उत्पाद भाग की तुलना में प्रक्रिया भाग पर अधिक बल देना होगा। रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का कार्य अंततः कौशलों के विकास का प्रतिफल होना चाहिए इसलिए इसका ठीक प्रकार से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। रसायन विज्ञान के प्रयोगों के मूल्यांकन के संबंध में विभिन्न वरिष्ठ माध्यमिक बोर्डों को पूरी तरह से नई सोच के साथ कार्य शुरू करना चाहिए। महाराष्ट्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, पुणे में 22-26 फरवरी 1999 के दौरान एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 20 व्यक्तियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण

शैक्षिक मूल्यांकन में मुख्य कार्मिकों का प्रशिक्षण

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के प्रश्नपत्र चयनकर्ताओं/परीक्षकों को जुलाई 1998 में गुरुगांव, हरियाणा में अंग्रेजी, हिंदी, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान के शैक्षिक मूल्यांकन कार्य में प्रशिक्षण दिया गया। मिजोरम विद्यालय शिक्षा बोर्ड के 26 पी.जी.टी. अध्यापकों को 21-25 सितंबर 1998 के दौरान एजावल में प्रश्नपत्र का चयन और मूल्यांकन कार्य में अभिविन्यासकारी प्रशिक्षण दिया गया। शैक्षिक मूल्यांकन और मापन पर व्याख्यान प्रस्तुत करने के अलावा अध्यापकों को अच्छा प्रश्नपत्र बनाने में अभिविन्यास किया गया। भागीदार अध्यापकों ने सभी विषयों में 700 प्रश्न तैयार किए और भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित में से प्रत्येक विषय में दो संतुलित प्रश्नपत्र तैयार किए। पंजाब शिक्षा बोर्ड के प्रश्नपत्र चयनकर्ताओं के लिए जनवरी 1999 में चंडीगढ़ में विभिन्न विषयों में संतुलित प्रश्नपत्र तैयार करने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 भागीदारों ने हिस्सा लिया।

असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रश्नपत्र चयनकर्ताओं के लिए विभिन्न विषयों में प्रश्नपत्र तैयार करने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए अक्तूबर 1998 में गुवाहाटी में एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालयों, कालेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 75 भागीदार शामिल हुए।

1998 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. एक्जामिनेशन रिफार्म बुलेटिन (फोटो प्रतिलिपि)
2. एनालिसिस ऑफ इवैल्यूएशन प्रैक्टिसेज इन केमिस्ट्री प्रैक्टिकल्स एट दि सीनियर सेकेंडरी स्टेज इन वैरियस एजुकेशन वोर्ड्स ऑफ दि कंट्री की रिपोर्ट (प्रतिलिपि)
3. क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ क्वेश्चंस पेपर्स ऑफ बोर्ड्स एट +2 स्टेज इन सिक्स सबजेक्ट्स (प्रतिलिपि)
4. ए पायलट स्टडी टू फाइंड आउट दि रीजंस फॉर नान इंप्लिमेंटेशन ऑफ सी.सी.ई.इन स्कूल्स एट एलिमेंटरी लेवल्स (फोटो प्रतिलिपि)

अध्याय / 12

शैक्षिक मनोविज्ञान

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के क्षेत्रों में अनुप्रयोग के द्वारा विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना परिषद् के मुख्य सरोकारों में से एक है। कुछ कार्यक्रम मुख्य रूप से अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों को सशक्त और सक्षम बनाने और इसके परिणामस्वरूप अध्यापक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए तैयार किए जाते हैं। परामर्श और मार्गदर्शन के कार्यक्षेत्र में एक मुख्य संस्था होने के नाते एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालय छात्रों, अध्यापकों और समुदायों को अपनी सेवाएँ प्रदान करने में राज्य स्तर के अभिकरणों को सहायता करती रही है।

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के क्षेत्रों में अनुप्रयोग के द्वारा विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना परिषद् के मुख्य सरोकारों में से एक है। इस क्षेत्र के कार्यक्रमों के परिणामों का विद्यालय छात्रों के शैक्षिक विकास पर ही नहीं बल्कि उनके चहुंमुखी विकास तथा प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों पर उनके सामाजिक, भावात्मक एवं जीवनवृत्तिक विकास पर भी प्रभाव पड़ता है। कुछ कार्यक्रम मुख्य रूप से अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों को सशक्त और सक्षम बनाने और इसके परिणामस्वरूप अध्यापक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए तैयार किए जाते हैं। परामर्श और मार्गदर्शन के कार्यक्षेत्र में एक मुख्य संस्था होने के नाते एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालय छात्रों, अध्यापकों और समुदायों को अपनी सेवाएँ प्रदान करने में राज्य स्तर के अभिकरणों को सहायता करती रही है।

अनुसंधान

परामर्शी प्रशिक्षण : स्थिति और विकास

इस अध्ययन का उद्देश्य एन.सी.ई.आर.टी. के मार्गदर्शन और परामर्श डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित परामर्शदाताओं के प्रशिक्षण की प्रभाविकता का मूल्यांकन करना है। इस अध्ययन से प्रशिक्षित परामर्शदाताओं के रोजगार की स्थिति और सेवा को प्रभावित करने वाली समस्याओं और कठिनाइयों से संबंधित सूचनाएँ प्राप्त होंगी और कार्यक्रम में सुधार के लिए सुझाव दिए जाएंगे। इस अध्ययन के लिए 45 विद्यालय प्रधानाचार्यों/ पर्यवेक्षकों, अध्यापकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों और गैर विद्यालय व्यवस्था में परामर्शदाताओं समेत 135 व्यक्तियों से आँकड़े एकत्र किए गए हैं। (इस अध्ययन के लिए विकसित 6 प्रश्नावलियों के माध्यम से) इस अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

सामाजिक मानदंड के प्रति किशोरों के दृष्टिकोण पर एक अध्ययन

इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों के व्यवहार के प्रति माता-पिता की अपेक्षाओं, मानदंड और माता-पिता की अपेक्षाओं के संबंध में किशोरों के दृष्टिकोण, उनके बीच के अंतर्विरोधों और उनकी प्रकृति का अध्ययन करना है। आँकड़ा विश्लेषण का कार्य पूरा हो चुका है। रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

विज्ञान की प्रकृति और विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति और दैनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता के संदर्भ में माध्यमिक स्तर के विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण

इस परियोजना के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. के माध्यमिक स्तर की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विज्ञान की प्रकृति, उसके प्रति मनोवृत्ति और मूल्य और दैनिक जीवन के लिए उसकी प्रासंगिकता के संदर्भ में विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण के लिए मौजूदा विश्लेषण योजना का प्रयोग किया गया जो इस अध्ययन पर लागू किया गया। इसके निष्कर्षों पर चर्चा की गई और
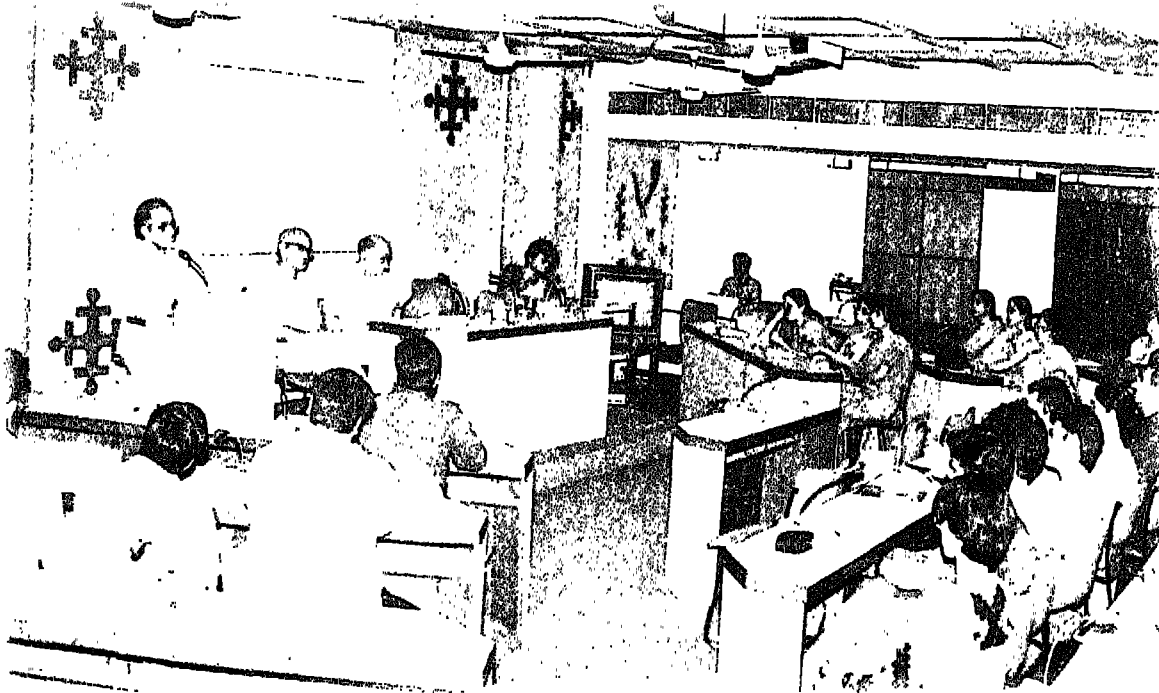
समापन समारोहः मार्गदर्शन और परामर्श में पी.जी. डिप्लोमा

पाठ्यपुस्तकों के विकास के लिए मार्गदर्शिका तैयार की गई। इस अध्ययन की रिपोर्ट के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्य निष्पादन और सेवा कार्य निष्पादन के लिए चयन प्रक्रिया की भावी संभावना का अध्ययन

इस परियोजना का उद्देश्य परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यनिष्पादन और सेवाकार्य निष्पादन के लिए चयन प्रक्रिया की भावी संभावना का निर्धारण करना था। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के चयन में एक लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और आत्म अभिव्यक्ति की तकनीक अपनाई जाती है। इस तकनीक के परिणामों के साथ उम्मीदवारों के प्रशिक्षण और सेवा कार्यनिष्पादनों का सह संबंध स्थापित किया गया। इस अध्ययन में गुणात्मक आँकड़ा विश्लेषण सहित सह संबंधनात्मक विश्लेषण से जो निष्कर्ष प्राप्त हुए उनसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए उम्मीदवारों की मौजूदा चयन प्रक्रिया हेतु प्रयोग की जा रही परीक्षा और साक्षात्कार की तकनीक की पुष्टि होती है।

भारत में प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा की शैक्षिक मनोविज्ञान पाठ्यचर्या का आलोचनात्मक अध्ययन

इस अध्ययन के अंतर्गत देश भर में लागू मौजूदा पाठ्यचर्या के ढाँचे और प्रकृति का आलोचनात्मक मूल्यांकन के लिए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया गया। अध्ययन के सभी तीनों पक्षों के लिए विश्लेषण कार्य किया जा चुका है। रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

मीरांबिका में शिक्षा : एक केस अध्ययन

आंकड़े के गुणात्मक विश्लेषण से विद्यालय की कार्यविधियां और उसके भागीदारों के संप्रेक्ष्यों की आंतरिक दृष्टि का पता लगाने में मदद मिली। इस अध्ययन के निष्कर्ष से मीरांबिका के बच्चों के बारे में एक व्यापक दृष्टि उभरकर सामने आती है। विद्यालय के विभिन्न पक्षों के साथ संबंधित विवरणों और व्याख्याओं की संगति के प्रयास किए गए हैं। इस दौरान किए गए प्रेक्षणों को ध्यान में रखकर रिपोर्ट को पुनः संयोजित और संशोधित किया जा रहा है।

भारत में मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुसंधान : एक गहन अध्ययन

इस परियोजना का उद्देश्य जर्नलों, शोध सारांशों और विभागीय रिपोर्टों आदि में उपलब्ध इस क्षेत्र के भारतीय अध्ययनों का समष्टिगत और व्यष्टिगत अध्ययन करना है। 400 अनुसंधानों का आँकड़ा उपलब्ध है। परियोजना की रूपरेखा के अनुसार निर्धारित चरों के आधार पर आँकड़ों का सारणीकरण प्रस्तावित किया जा चुका है। विषयवस्तु का विश्लेषण किया जा रहा है। इसके निष्कर्षों से भारत के मार्गदर्शन के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों के महत्वपूर्ण पक्ष उभर कर सामने आएंगे। इससे इस क्षेत्र के सैद्धांतिक, व्यावहारिक और पुनः अनुसंधान कार्य के लिए नए मार्ग दिखाई पड़ेंगे।

भारत में शैक्षिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में शोध प्रवृत्ति और मौलिकता : जर्नलों में प्रकाशित आलेखों और रिपोर्टों का विश्लेषण

इस अध्ययन का उद्देश्य विगत 15 वर्षों के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की प्रवृत्ति का पता लगाने और ढाँचागत विशेषताओं, लेखकीय मानदंड, विधि और विषयों के केंद्र बिंदु तथा शैक्षिक मनोविज्ञान में संस्थाओं के योगदान के संदर्भ में विश्लेषण करने के लिए जर्नलों में प्रकाशित आलेखों और अनुसंधान रिपोर्टों की जाँच पड़ताल करना था। इस अध्ययन के अंतर्गत विश्लेषण के लिए इंडियन साइक्लोजिकल एब्सट्रैक्ट्स (1980-90) और इंडियन साइक्लोजिकल एब्सट्रैक्ट्स एण्ड रिव्यू (1994-95) में दिए गए आलेख-सारांशों को शामिल किया गया। उपर्युक्त अवधि के दौरान ऊपर दी गई पत्रिकाओं में प्रकाशित 1090 अध्ययनों के साराशों में से 641 आलेख (पूर्ण पाठ्य सामग्री सहित) विश्लेषण के लिए एकत्र किए गए। यह अध्ययन पूरा कर लिया गया है और इसकी रिपोर्ट का पहला प्रारूप तैयार है।

विकास

प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान में एक अनुकरणीय पाठ्यचर्या का विकास

प्रारंभिक स्तर के अध्यापक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से एन.सी.ई.आर.टी. ने अध्यापक शिक्षा के शिक्षा मनोविज्ञान की पाठ्यचर्या के विकास का कार्य शुरू किया है। इसके लिए प्रारंभिक स्तर पर जो कार्य अब तक किए गए हैं वे निम्नलिखित हैं—साहित्य की समीक्षा (पश्चिमी और भारतीय), अध्यापकों (सेवारत) के प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त विचारों का विश्लेषण, शैक्षिक मनोविज्ञान की पाठ्यचर्या के बारे में विशेषज्ञों की राय (कार्यशाला और पत्राचार द्वारा), प्रश्नावली और अनुक्रियात्मक चर्चा के माध्यम से प्राप्त अध्यापक प्रशिक्षकों के विचारों का विश्लेषण, मौजूदा पाठ्यक्रमों की विषयवस्तु और प्रकृति का विश्लेषण, नवाचारी कार्यव्यवहारों से संबंधित संस्थानों की पहचान और दस्तावेज के प्रारंभिक भागों का प्रारूप तैयार करना आदि।

परामर्शकारी केस प्रबंधन : व्यावहारिक संदर्शिका का विकास

इस परियोजना का उद्देश्य परामर्श और मार्गदर्शन के स्नातकोत्तर

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पिछले पाँच वर्षों में सफलतापूर्वक निपटाए गए मामलों पर एक पुस्तक तैयार करना है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्यालयी छात्रों की समस्याओं को सुलझाने के कुछ परामर्शकारी सिद्धांतों, विधियों और प्रविधियों की उपयोगिता को दर्शाने के लिए परामर्श व्यावसायिकों हेतु मार्गनिर्देशन प्रदान करना है। पुस्तक में मामलों के समावेश के लिए केस पहचान करने हेतु लगभग 550 केसों के एक समूह की मार्गदर्शन विशेषज्ञों ने छानबीन और समीक्षा की। इनमें से 20 ऐसे केसों का चयन किया गया जो प्रायः छात्रों के सम्मुख आते हैं। इन केसों को शामिल करके संदर्शिका की पांडुलिपि को मुद्रण हेतु अंतिम रूप दिया जा रहा है। अवधारणा, कौशल और भारत में परामर्शदाताओं द्वारा प्रयोग में लाई जा रही विधियों और तकनीकों पर आधारित 4 सैद्धांतिक अध्याय अभी लिखे जा रहे हैं।

कक्षा में अध्यापकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न : संसाधन सामग्री का विकास

इस परियोजना कार्य का उद्देश्य अध्यापन कौशल के रूप में प्रश्नों के प्रयोग में अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों को अपने कौशल में और अधिक सक्षम और सशक्त बनाना है। कक्षा में मौजूदा प्रश्न पूछने के कार्यव्यवहारों से संबंधित शोध प्रवृत्तियों और प्रारंभिक स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षकों की कक्षा में प्रश्न पूछने के प्रति समझ की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए आँकड़े का विश्लेषण किया गया। इन उपर्युक्त पक्षों पर एक सामग्री तैयार की गई है। इसका संशोधन और पुनः संयोजन किया जा रहा है। इसके बाद अध्यापकों के प्रश्न पूछने के कौशल पर एक अनुकरणीय सामग्री का विकास किया जाएगा।

+2 स्तर पर मनोविज्ञान पाठ्यचर्या

हाल ही में +2 स्तर की अनुकरणीय मनोविज्ञान पाठ्यचर्या की समीक्षा का कार्य शुरू किया गया है। इसके प्रथम चरण में विभिन्न बोर्डों में +2 स्तर पर लागू मनोविज्ञान की पाठ्यचर्या का विश्लेषण किया जा रहा है। इसके बाद शीघ्र ही मनोविज्ञान के विद्यालय अध्यापकों और छात्रों के एक प्रतिदर्श के माध्यम से आवश्यकता मूल्यांकन सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। उपर्युक्त कार्यों और विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर +2 स्तर के लिए आदर्श मनोविज्ञान पाठ्यचर्या का विकास किया जाएगा।

राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण लाइब्रेरी (एन.एल.ई.पी.टी.)

राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण लाइब्रेरी में नए परीक्षणों को शामिल करके इसके संवर्धन का कार्य निरंतर जारी है। लक्ष्य समूह/आबादी की उपयुक्तता और मानकीकरण के महत्वपूर्ण मानदंडों के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा परीक्षणों की समीक्षा की गई। 20 नए परीक्षण लाइब्रेरी में शामिल किए गए। लाइब्रेरी में शामिल करने के लिए मनोविज्ञान की उपलब्ध परीक्षण सूची से 6 विदेशी परीक्षणों का चयन किया गया।

भारत में मूल्य/मनोवृत्ति/रुचि मापन की पुस्तिका

इस पुस्तिका में तीन क्षेत्रों–मूल्य, मनोवृत्ति और रुचि से संबंधित भारतीय परीक्षणों की समीक्षाएं शामिल हैं। समीक्षाओं का संपादन करके मुद्रण हेतु अंतिम पाँडुलिपि तैयार कर दी गई है। इसे प्रकाशन के लिए भेजना है।

भारत में योग्यता मापन की पुस्तिका

इस पुस्तिका की पाँडुलिपि तैयार कर ली गई है। इसमें 45 योग्यता परीक्षणों की 90 समीक्षाएँ शामिल हैं। वर्ष 1999-2000 में इन समीक्षाओं का संपादन करके इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

कैरियर सूचना कक्ष

इस सूचना कक्ष में परामर्श और निर्देशन के पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम के संकाय और प्रशिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विभिन्न स्रोतों से एकत्रित विविध प्रकार की कैरियर सूचना सामग्री रखी जाती है। समीक्षाधीन वर्ष में नवीनतम प्रकाशित सूचना सामग्री प्राप्त हुई। कैरियर सूचना और मार्गदर्शन से संबंधित मुद्दों पर कुछ संगठनों और मार्गदर्शन कार्मिकों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गईं। दिल्ली के कुछ विद्यालयों और संगठनों में सामग्री प्रदर्शन के जरिए कैरियर सम्मेलन और सूचना प्रदर्शनियाँ आयोजित करने में मदद की गई। अनेक व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से और पत्राचार के माध्यम से सूचना और मार्गदर्शनकारी सेवाएँ प्रदान की गईं।

मार्गदर्शन प्रयोगशाला

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मार्गदर्शन कार्यक्रमों, मार्गदर्शन के क्षेत्र में कार्मिकों के अभिविन्यास कार्यक्रम और एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित मार्गदर्शन और परामर्श में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के संकाय और प्रशिक्षकों को समर्थनकारी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अपेक्षित सामग्री का संग्रह और विकास करना है।

प्रशिक्षण

मार्गदर्शन और परामर्श में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम : 1998-99

इस नौ महीने के मार्गदर्शन और परामर्श पी.जी. डिप्लोमा का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों सहित केंद्र और राज्य स्तरों पर शैक्षिक संस्थानों में कार्य करने के लिए व्यावसायिक परामर्शदाता तैयार

करना है। 1998-99 में 16 राज्यों—बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से 28 प्रशिक्षणार्थियों ने पाठ्यक्रम पूरा किया। पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय दौरे, अतिथि व्याख्यान, शैक्षिक दौरे और प्रायोगिक प्रदर्शन कार्यो आदि के अलावा सघन सैद्धांतिक और प्रायोगिक कार्य शामिल थे।

डाइट कार्मिकों के लिए अध्यापन-अधिगम मनोविज्ञान में संवर्धन पाठ्यक्रम

आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, केरल, असम, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश के डाइट में शैक्षिक मनोविज्ञान पढ़ाने वाले 47 अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए 10 दिन का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मॉड्यूलों के शिक्षण के अलावा क्षेत्रीय दौरे कराए गए और ऑडियो/वीडियो माध्यम से संबंधित कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

परामर्शकारी सेवाएँ

एन.सी.ई.आर.टी. ने शैक्षिक मनोविज्ञान और मार्गदर्शन तथा परामर्श के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संगठनों और गैर सरकारी संगठनों जैसे होराइजन, लोधी एस्टेट, संपर्क, जी.एम. मोदी अस्पताल, साकेत का एक परामर्शकारी एजेंसी, डी.पी.एस. मारुतिकुंज, हरियाणा, विमहंस, सहज इंटरनेशनल स्कूल, धर्मशाला, एस.वी.पी., नेशनल पुलिस अकादमी, हैदराबाद, माउंट कार्मेल स्कूल, नई दिल्ली, माडल शैक्षिक शोध संस्थान (एम.आई.ई.आर.) नई दिल्ली और इग्नो को परामर्शकारी सेवाएँ और संसाधन समर्थन प्रदान किए।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. कैरियर डवलपमेंट इन इंडियाः थियरी, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट (विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि. नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित और वितरित)
2. बिल्डिंग पर्सनल एण्ड कैरियर कांससनेस इन गर्ल्स (विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि. नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित और वितरित)
3. हैंडबुक ऑफ पर्सनालिटी मैनेजमेंट इन इंडिया (एन.सी.ई. आर.टी. प्रकाशन)
4. रिपोर्ट ऑफ दि नेशनल कांफ्रेंस ऑफ स्टेट लेवल की गाइडेंस पर्सनल (मिमियोग्राफ)
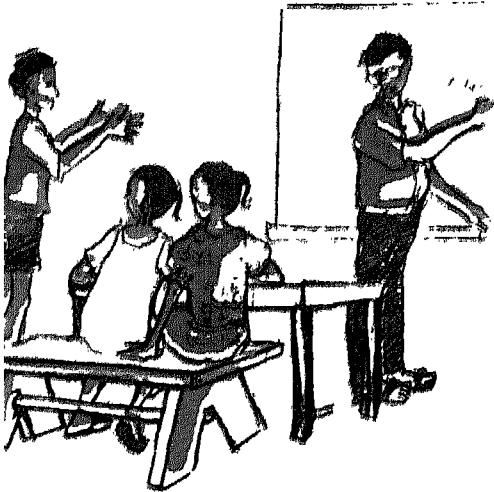
अध्याय / ३

अध्यापक शिक्षा

विद्यालयी शिक्षा के सुधार में अध्यापक शिक्षा एक पाठ्यचर्यात्मक आगत है। इस क्षेत्र के कार्यक्रम और कार्यकलाप सामान्यतया जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) और प्राथमिक अध्यापकों के विशेष अभिविन्यास के लिए सॉप्ट के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित राज्यों में क्षमता विकसित करने, अध्यापक शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), शिक्षा में उच्च अध्ययन संस्थानों (आई.ए.एस.ई.) तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों को शैक्षिक समर्थन देने पर केंद्रित है।

विद्यालयी शिक्षा के सुधार में अध्यापक शिक्षा एक पाठ्यचर्यात्मक आगत है। इस क्षेत्र के कार्यक्रम और कार्यकलाप सामान्यतया जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) और प्राथमिक अध्यापकों के विशेष अभिविन्यास के लिए साफ्ट के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित राज्यों में क्षमता विकसित करने, अध्यापक शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.), शिक्षा में उच्च अध्ययन संस्थानों (आई.ए.एस.ई.) तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों को शैक्षिक समर्थन देने पर केंद्रित है। अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए, एन.सी.ई.आर.टी. के मुख्य घटक राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के अंतर्गत अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.), नई दिल्ली और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, भुवनेश्वर, भोपाल, मैसूर और शिलांग अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संबंधी कार्यों में संलग्न हैं।

प्रत्येक आर.आई.ई. अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले राज्यों/संघीय क्षेत्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं (सेवारत और सेवापूर्व शिक्षा) को पूरा करती हैं। वे विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के लिए क्षेत्रीय संस्थानों के रूप में कार्य करती हैं और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की नीतियों के कार्यान्वयन और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में अपेक्षित सहायता भी करते हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा संघीय क्षेत्र चंडीगढ़ की अध्यापक शिक्षा और शैक्षिक आवश्यकताओं का ध्यान रखता है। आर.आई.ई. भोपाल अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले राज्यों–गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और संघीय क्षेत्र दादरा और नागर हवेली तथा दमन दीव की शैक्षिक आवश्यकताएँ पूरी करता है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल राज्यों और संघीय क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आर.आई.ई. भुवनेश्वर के अंतर्गत आते हैं। आँध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्यों और संघीय क्षेत्रों लक्षद्वीप और पांडिचेरी आर.आई.ई. मैसूर में हैं। उत्तर पूर्वी राज्यों–असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक नया क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान शिलांग में स्थापित किया गया है। यह संस्थान अभी संस्थानीकरण की प्रक्रिया में है इसलिए उन राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताएँ अभी आर.आई.ई. भुवनेश्वर पूरी करता है।

अनुसंधान

प्राथमिक स्तर पर बड़े आकार की कक्षाओं में अनुदेशी कार्य व्यवहार और कक्षा प्रबंधन

बड़े आकार की कक्षाओं में अध्यापकों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रचलित अनुदेशी और प्रबंधनकारी कार्यनीतियों और अध्यापकों के सामने जाने वाली विशेष बाधाओं का अध्ययन करने के लिए

प्रस्तुत अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन कक्षा-3-4 तक सीमित था और दिल्ली के निम्न आर्थिक सामाजिक आबादी वाले मुख्यतः पुनर्वास और झुग्गी-झोपड़ी कालोनियों में स्थित 18 दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में किया गया जहाँ एक कक्षाकक्ष में विद्यार्थियों की संख्या 60-80 होती है। इस अध्ययन के लिए गुणात्मक शोध तकनीकों, जैसे कक्षा-कक्ष प्रेक्षण, अर्ध संयोजित साक्षात्कारों और समूह चर्चा के माध्यम से आँकड़ा एकत्र किया गया है। अध्ययन से पता चलता है कि अनेक प्रकार की बाधाओं के बावजूद अध्यापक बड़े आकार की कक्षाओं को संभालने में विविध नवाचारी अनुदेशी और प्रबंधन की कार्यनीतियाँ अपना रहे हैं। वास्तव में ये कार्यनीतियाँ मौजूदा व्यवस्था में स्वतः बनी हैं अतः बड़े आकार की कक्षाओं का प्रबंधन करने के लिए एक तत्काल कदम के रूप में अनुदेशी कार्यनीतियों का एक पैकेज तैयार किया जाए और उसका प्रचार-प्रसार किया जाए। इसकी प्रासंगिक बाधाओं को दूर करने के लिए व्यवस्थागत कार्यनीतियों को मजबूत बनाने के लिए एक एकीकृत मॉडल का सुझाव भी दिया गया है। बड़े आकार की कक्षाओं में एकीकृत विधि के कार्यान्वयन के लिए प्रणालीगत विधि की आवश्यकता है।

प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की कार्यदिशाएँ

इस अध्ययन के अंतर्गत हरियाणा और मध्य प्रदेश के नगरीय और ग्रामीण ढाँचे में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की कार्यदशाओं का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के हल हरियाणा के 20 प्राथमिक विद्यालयों और मध्य प्रदेश के 20 प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया था। प्रत्येक राज्य के दो जिलों से ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों से समान संख्या में विद्यालयों का चयन किया गया। निम्न और उच्च साक्षरता प्रतिशत के आधार पर हरियाणा के अम्बाला और सिरसा तथा मध्य प्रदेश के राजगढ़ और भोपाल जिलों को चुना गया। इस अध्ययन में अध्यापकों के प्रमुख चार कार्य दशाओं—विद्यालय की सामान्य विशेषताएँ, विद्यालय भवन की सुविधाएँ, अनुदेशी सामग्री, अध्यापकों का सामान्य विवरण और कार्य की दशाओं को शामिल किया गया। अध्ययन के लिए आँकड़ा संग्रहण का कार्य निम्नांकित उपकरणों के माध्यम से किया गया—विद्यालय सूचना प्रश्न सूची, अध्यापक कार्य दशा प्रश्नावली/अध्यापक व्यवसायिक जिज्ञासा मापक, अध्यापकों की साक्षात्कार प्रश्न सूची, डी.पी.ई.ओ. की साक्षात्कार प्रश्नसूची और प्रेक्षण सूची। अध्ययन से पता चलता है कि अधिकांश अपनी नौकरी से संतुष्ट हैं। अधिकांश अध्यापक मानते हैं कि उनके विद्यालय का माहौल संज्ञानात्मक और पठन-पाठन के योग्य है।

नगरीय विद्यालयों की तुलना में ग्रामीण विद्यालयों में भौतिक सुविधाएँ संतोषजनक नहीं हैं। इस अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि ग्रामीण इलाके के विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं की दशाओं में सुधार करने की जरूरत है। हरियाणा और मध्य प्रदेश की रिपोर्टें तैयार हैं।

दिल्ली की स्वायत्त एस.सी.ई.आर.टी. का केस अध्ययन

इस विभाग ने कार्य प्रभाविता बढ़ाने में स्वायत्तता के प्रभाव का पता लगाने के लिए दिल्ली की स्वायत्त एस.सी.ई.आर.टी. का अध्ययन किया। यह अध्ययन एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा अपने कार्यक्रमों, कार्यकलापों, योजना, नीतिगत परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में प्रकाशित दस्तावेजों के विश्लेषण पर आधारित है। एस.सी.ई.आर.टी. के कार्यकलापों, को समझने के लिए उसके निदेशक और संकाय सदस्यों के साक्षात्कार के लिए गए और उनसे चर्चाएँ कीं।

एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. की स्थिति

यह अध्ययन निम्नांकित उद्देश्यों से किया गया— (1) विभागीय ढाँचा, भौतिक सुविधाएँ, स्टाफ विवरण, कार्य योजना और कार्यान्वयन के संदर्भ में एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. की मौजूदा स्थिति का पता लगाना (2) इन संस्थानों के सुचारू रूप से कार्यकलापों के संचालन में बाधा डालने वाले कारकों की जानकारी करना, (3) इन बाधाओं को निष्प्रभावित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाने के सुझाव देना। इन सभी राज्य स्तरीय शीर्षस्थ संस्थानों से सूचनाएँ एकत्र करने के लिए तीन उपकरण— एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. प्रश्नावली, एस.सी.ई.आर.टी./एस. आई.ई. सूचना सूची और अध्यापक प्रशिक्षण सूचना सूची विकसित किए गए।

अध्यापक प्रशिक्षकों द्वारा नवाचार : एक सर्वेक्षण

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य 1993-94 से 1997-98 के दौरान "अध्यापक शिक्षा में नवाचारी प्रयोग और कार्य व्यवहार" कार्यक्रम के अंतर्गत पुरस्कार के लिए चुने गए अध्यापक प्रशिक्षकों के नवाचारी आलेखों का विश्लेषण करना और उनकी प्रवृत्ति का अध्ययन करना था। इन पुरस्कृत आलेखों के सारांशों का निर्धारित ढांचे के तहत विश्लेषण किया गया और प्रवृत्ति मूलक रिपोर्ट तैयार की गई।

डाइट की योजना का कार्य संचालन : एक सर्वेक्षण

डाइट को अपनी भूमिका प्रभावकारी ढंग से निभाने में मदद के उद्देश्य से अपेक्षित कदम के सुझाव देने की दृष्टि से डाइट की मौजूदा स्थिति और कार्यकलापों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन जारी है। इसके लिए तीन अध्ययन उपकरण—डाइट प्रश्नावली, अध्यापक सूचना बैंक और साक्षात्कार सूची तैयार किए गए और डाइट संस्थानों से आँकड़ा एकत्र करने में इनका प्रयोग किया गया।

चुनिंदा नवाचारी अध्यापकों का केस अध्ययन

एन.सी.ई.आर.टी. नवाचारी अध्यापकों को नवाचारों के लिए पुरस्कृत करने के उद्देश्य से एक अखिल भारतीय अध्यापक शिक्षा प्रतियोगिता आयोजित करती है। नवाचारी प्रक्रिया और नवाचारी अध्यापकों को नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने वाले कारकों को समझने के लिए एक अध्ययन किया गया। नवाचारी अध्यापकों के मनोवैज्ञानिक मानदंडों और अभिप्रेरणादायी कारकों की पहचान कर ली गई है। नवाचारी प्रक्रिया के बारे में यह पता लगाने के लिए क्या यह प्राकृतिक है या वाह्य कारकों से अभिप्रेरित है, इसके लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का प्रयोग किया गया और संस्थानों के मानव संसाधन विकास के परिवेश का अध्ययन किया गया। आँकड़ा विश्लेषण से पता चला कि नवाचारी अध्यापकों को मानव संसाधन विकास के लिए अनुकूल और अच्छा परिवेश और वातावरण प्राप्त है। अध्यापकों ने यह स्वीकार किया कि नवाचार करने में स्वस्थ मानव संसाधन विकास परिवेश, और कार्य की स्वायत्तता से बहुत सहायता मिली। अध्यापकों की स्वाभाविक सृजनात्मकता ने नवाचारों में योगदान किया। अध्यापकों की नवाचारी दक्षता से संबंधित अन्य वैयक्तिक कारक थे– अनुभव का खुलापन, ज्ञान का उच्च स्तर, अंतर्मुखी मगर प्रभावशाली स्वभाव और अच्छी बौद्धिक जिज्ञासा। अध्ययन की रिपोर्ट तैयार है।

विकास

भारत में अध्यापक शिक्षा के पचास वर्ष : मूल्यांकन और भावी परिप्रेक्ष्य

अध्यापक शिक्षा के विकास की प्रवृत्ति और मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से इस परियोजना अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं: सेवा पूर्व अध्यापक शिक्षा के विभिन्न प्रकारों और स्तरों के ऐतिहासिक विकास का विश्लेषण करना (2) सेवारत शिक्षा के ऐतिहासिक विकास का विश्लेषण करना (3) आजादी के बाद शुरू किए गए नवाचारी कार्यक्रमों और कार्यान्वित कार्यक्रमों की समीक्षा करना (4) अध्यापक शिक्षा के पुनर्गठन की केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत स्थापित अध्यापक शिक्षा संस्थानों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करना और (5) अध्यापक शिक्षा के विकास में विभिन्न संस्थानों और संगठनों की भूमिकाओं की समीक्षा करना। इस परियोजना अध्ययन के विस्तार और इसकी संचालन की रूप रेखा तय करने के लिए विशेषज्ञों के एक समूह के साथ परामर्शकारी दल की एक बैठक आयोजित की गई। अध्यापक शिक्षा के एकीकृत विषयों सहित विभिन्न घटों को लेकर 11 अध्यायों के विषयों की अंतिम रूप से पहचान की गई। विशेषज्ञ दल और एन.सी.ई.आर.टी. से चुनिंदा लेखकों की पहचान कर ली गई है। अध्याय लिखने का कार्य जारी है।

अध्यापक मूल्यांकन की सहभागिता और आँकड़ा आधारित प्रणाली के विकास का ढाँचा

एन.सी.ई.आर.टी. ने सहभागिता और आँकड़ा आधारित अध्यापक मूल्यांकन की प्रणाली का विकास किया है। इसमें सैद्धांतिक पृष्ठभूमि के साथ भारत और विदेशों में प्रयोग की जा रही मूल्यांकन प्रणालियों की आलोचनात्मक समीक्षा भी शामिल है। के.वी.एस, एन.डी.एम.सी. दिल्ली नगर निगम तथा सरदार पटेल विद्यालय द्वारा प्रयोग की जा रही ए.सी.आर. का विश्लेषण किया गया है। इस ढांचे में अध्यापक का आत्म मूल्यांकन और प्रत्येक अध्यापक के शैक्षिक और सह पाठ्यचर्यात्मक गतिविधियों तथा योगदानों के बारे में एकत्रित आंकड़े के आधार पर प्रधानाचार्य के मूल्यांकन को भी शामिल किया जाता है। इस ढांचे के अंतर्गत यह भी सुझाव है कि एक मूल्यांकन साक्षात्कार भी इसमें शामिल किया जाए ताकि जिस अध्यापक का मूल्यांकन किया जा रहा है उसे अपने महत्वपूर्ण योगदानों को प्रस्तुत करने का मौका मिल सके। इस अध्ययन से संबंधित उपकरणों का दो कार्यशालाओं में विकास करके और उनमें संशोधन करके अंतिम रूप दिया गया। इन उपकरणों में शामिल हैं—(1) अध्यापक आत्म मूल्यांकन प्रश्नावली, (2) समीक्षा प्राधिकारी की टिप्पणियां (3) अध्यापकों के रिकार्ड का रख रखाव करने के लिए प्रधानाध्यापक की डायरी (4) मूल्यांकन साक्षात्कार के लिए मार्गदर्शन।

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा के लिए स्व अधिगम अनुदेशी सामग्री

एन.सी.ई.आर.टी. ने इग्नो के साथ मिलकर प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्व अधिगम अनुदेशी सामग्री का विकास किया। इस अनुदेशी सामग्री में अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में मौजूदा विकास और कार्य व्यवहार जैसे – बड़े आकार की कक्षाओं में अध्यापन, सहकारी अधिगम विधियाँ और अध्यापन के बाल केंद्रित और खेल-खेल में अध्यापन विधि सम्मिलित हैं। इस सामग्री में सतत व्यापक मूल्यांकन, पाठयोजना, अधिगम का मनोविज्ञान आदि भी शामिल है। आरंभ में यह डिप्लोमा कार्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों जहाँ अधिकांश संख्या में अप्रशिक्षित अध्यापक हैं, के सेवारत अध्यापकों के लिए दूरवर्ती शिक्षा माध्यम के रूप में शुरू किया जाएगा।

प्रशिक्षण

प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम

प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम (सॉप्ट) एक केंद्र प्रायोजित योजना है। प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के लक्ष्य की प्रगति की कार्यनीति के एक भाग के रूप में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से

इस कार्यक्रम की रूप रेखा बनाई गई है। इस योजना का मुख्य केंद्र विंदु प्राथमिक विद्यालयों को आवंटित आपरेशन ब्लैकबोर्ड सामग्री के उपयोग के लिए अध्यापकों में कार्यक्षमता का विकास करना और उन्हें बालकेंद्रित अध्यापन अधिगम विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य एम. एल. एल. की राष्ट्रीय रिपोर्ट में विशेष रूप से उल्लेखित क्षमताओं का विकास करना भी है। साप्ट योजना प्रति वर्ष 4.5 लाख अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी। राज्यों और संघीय क्षेत्रों में इस योजना के कार्यान्वयन को सुसाध्य बनाने की जिम्मेदारी एन.सी.ई.आर.टी. को दी गई है। इस दिशा में एन.सी.ई.आर.टी. ने प्रशिक्षण की रूप रेखा तैयार की और प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयोग के लिए प्रशिक्षण पैकेज और ऑडियो-वीडियो सामग्री विकसित की। इसके लिए तीन स्तरों का प्रशिक्षण मॉडल विकसित किया गया जिसके अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. ने राज्य स्तर के मुख्य व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रशिक्षित मुख्य व्यक्ति अपने राज्य में जिला स्तर पर संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रशिक्षित संसाधन व्यक्तियों को राज्य में प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण का मुख्य दायित्व सौंपा गया।

1998-99 में असम, केरल, कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए राज्य की मुख्य एजेंसियों को साप्ट योजना के तहत धनराशि प्रदान की गई। कुछ राज्यों ने पूर्व वर्षों में दी गई धन राशि में से बची हुई धनराशि से साप्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। एन.सी.ई.आर.टी. ने विभिन्न राज्यों में संचालित साप्ट कार्यक्रमों को अकादमिक समर्थन और उनकी निगरानी का दायित्व भी अपने ऊपर लिया है। साप्ट कार्यक्रम की निगरानी के एक भाग के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान और क्षेत्र सलाहकार ने अपने क्षेत्राधिकारों में आने वाले राज्यों और संघीय क्षेत्रों को आवश्यक समर्थन दिए और प्रशिक्षण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तत्काल मार्गदर्शन सेवा भी प्रदान की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव अध्ययन भी आयोजित किया गया। इस योजना के 1993-94 में आरंभ के बाद अब तक कुल 13 लाख अध्यापक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।

अनुक्रियात्मक टेलीविजन (आई.पी.टी.टी. : आई.टी.वी) के माध्यम से सेवारत प्राथमिक अध्यापकों का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय कार्रवाई योजना के अंतर्गत देशभर में प्रशिक्षण साफ्टवेयर के रूप में प्रयोग के पहले इसे पायलट परियोजना के रूप में प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण साफ्टवेयर का पूर्व परीक्षण मध्य प्रदेश और गुजरात में किया जा रहा है। इस परियोजना का पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन एन.सी.ई.आर.टी. कर रही है। इस परियोजना के सहयोगी संगठन—शिक्षा विभाग और उसके स्वायत्त संगठन, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार, यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार परिसंघ को विशेष जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य स्तरीय मुख्य अभिकरण हैं—एम.पी. एस.सी.ई.आर.टी., मध्य प्रदेश और जी.सी.आर.टी., गुजरात। एन.सी.ई.आर.टी. अकादमिक समर्थन देने के अलावा परियोजना का समन्वयन, निगरानी और मूल्यांकन का कार्य भी देख रही है। इस परियोजना के अंतर्गत गुजरात के छः जिले और 62 प्रखंड तथा मध्य प्रदेश के 10 जिले और 124 प्रखंड हैं। इसके लिए 20 अधिगम केंद्र हैं। इनमें 12 केंद्र मध्य प्रदेश में हैं और 6 गुजरात में हैं। इस परियोजना के लाभार्थी हैं—अध्यापक, अध्यापक प्रशिक्षक और शिक्षा पर्यवेक्षक। अनुक्रियात्मक गुणवत्ता में सुधार के लिए कंप्यूटर समर्थन प्रणाली के तहत इस प्रौद्योगिकी की दो तरफा ऑडियो और वीडियो माध्यम प्रयोग किए जाते हैं। एन.सी.ई.आर.टी. ने भी अपने संस्थान में डिजीटल अपलिंक अर्थ स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है ताकि प्राथमिक स्तर के अधिकांश अध्यापक प्रशिक्षक सीधे प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकें। इसके लाभार्थियों में शामिल हैं एस.सी.ई.आर.टी. और डाइट के संकाय वी.ई.सी. अध्यापक और विद्यालय शिक्षा से संबद्ध अन्य कार्मिक।

पूर्वोत्तर राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी. संकाय के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

पूर्वोत्तर राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. संकाय के लिए एन.ई.आर.आई.ई., शिलांग में 15-19 फरवरी 1999 के दौरान पाँच दिवसीय एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस क्षेत्र में विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित उभरती प्रवृत्तियों और मुद्दों के बारे में भागीदारों को अवगत कराना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवारत प्रशिक्षण की विधि, पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास, क्रियात्मक अनुसंधान और मूल्यांकन कार्यनीतियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। एन.सी.ई.आर.टी. की अनुदेशी सामग्री में प्रारंभिक शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के विषय, पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा के सरोकार और मुद्दे, पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री का विकास, सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना, आयोजन, निगरानी और मूल्यांकन और कक्षा अध्यापन के लिए क्रियात्मक अनुसंधान की तकनीकें और उनके निहितार्थ सम्मिलित थे।

सी.टी.ई. के लिए गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

शांतिनिकेतन में पूर्वी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों और शिक्षा विभाग के संकाय के लिए गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य

भागीदारों को शैक्षिक अनुसंधान में गुणात्मक अनुसंधान विधियों की आवश्यकता और प्रयोग के बारे में जानकारी देना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव जाति वर्णन, केस अध्ययन, साक्षात्कार और परिघटनात्मक विधियों जैसी गुणात्मक अनुसंधान तकनीकों पर भागीदारों से चर्चा की गई। भागीदारों को पठन सामग्री भी प्रदान की गई। भागीदारों ने कुछ विशेष अनुसंधानों के लिए योजनाएँ भी बनाई।

विस्तार

अध्यापक शिक्षा और विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार : अखिल भारतीय प्रतियोगिता

अध्यापक प्रशिक्षकों और विद्यालय अध्यापकों में नव प्रयोगों, अनुसंधानों और नवाचारी कार्य व्यवहारों की भावना और जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. हर साल अध्यापक शिक्षा में नवाचार और विद्यालय शिक्षा में नवाचार नाम से दो अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। इन प्रतियोगिताओं के लिए अध्यापक प्रशिक्षकों और विद्यालय अध्यापकों से आलेख आमंत्रित किए जाते हैं और एन.सी.ई.आर.टी. पुरस्कार के लिए विशेषज्ञों के पैनल से आलेखों का मूल्यांकन किया जाता है। 1998-99 में 15 राज्यों—आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से 71 आलेख प्राप्त हुए। इनमें से 27 आलेख राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुने गए। इन पुरस्कृत आलेखों में से 19 आलेख प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा से और 8 माध्यमिक अध्यापक शिक्षा से संबंधित थे। पुरस्कार के लिए चुने गए आलेखों के लेखक अध्यापकों के लिए एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें लेखकों के साथ उनके नवाचारों पर चर्चा की गई।

एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्र सलाहकारों की वार्षिक बैठक

राज्यों की आवश्यकताओं और विकास से संबंधित मुद्दों और राज्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति में क्षेत्र सलाहकारों की भूमिकाओं पर चर्चा करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में क्षेत्र सलाहकारों की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 11 राज्यों के क्षेत्र सलाहकारों ने हिस्सा लिया। पूर्वोत्तर राज्यों की आवश्यकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई और कार्रवाई के लिए कार्यनीति प्रस्तावित की गई।

रिपोर्टें और प्रकाशन

1. सेल्फ इंस्ट्रक्शनल मैटेरियल फॉर टीचर एजुकेटर्स जिल्द 2 (1998) मुद्रित
2. सेल्फ इंस्ट्रक्शनल मैटेरियल फॉर टीचर एजुकेटर्स जिल्द 3 (1999) (फोटो प्रति)
3. ए स्टडी ऑफ वर्किंग कंडीशंस ऑफ प्राइमरी स्कूल्स टीचर्स इन हरियाणा (1998) (फोटो प्रति)
4. ए स्टडी ऑफ वर्किंग कंडीशंस ऑफ प्राइमरी स्कूल्स टीचर्स इन मध्य प्रदेश (1998) (फोटो प्रति)
5. एस.सी.ई.आर.टी. : देयर रोल इन दि कांटेक्स्ट ऑफ लेटेस्ट डवलपमेंट्स इन एजुकेशन, 1998 (फोटो प्रति)
6. रिपोर्ट ऑफ दि एनुअल कांफ्रेंस ऑफ डाइरेक्टर्स ऑफ एस.सी.ई.आर.टी./एस.आई.ई. (फोटो प्रति)
7. एसेसिंग प्राइमरी टीचर्स ट्रेनिंग नीड्स सेल्फ लर्निंग पैकेज फॉर ट्रेनर्स एण्ड डाटा कलेक्शन टूल्स (फोटो प्रति)
8. आईडेंटिफिकेशन ऑफ ट्रेनिंग नीड्स ऑफ प्राइमरी टीचर्स—ए स्टडी (फोटो प्रति)
9. एप्रेसिंग क्वालिटी ऑफ ट्रेनिंग—सेल्फ लर्निंग पैकेज फॉर ट्रेनर्स एण्ड डेटा कलेक्शन टूल्स (फोटो प्रति)
10. अप्रेजल ऑफ ट्रेनिंग क्वालिटी—ए स्टडी (फोटो प्रति)
11. स्ट्रेंगथनिंग ऑफ बी.आर.सी. (फोटा प्रति)
12. मॉनिटरिंग एण्ड इवैल्युएशन ऑफ इन-सर्विस ट्रेनिंग ऑफ प्राइमरी टीचर्स (फोटो प्रति)
13. एन.सी.ई.आर.टी., स्पेशल ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर प्राइमरी स्कूल टीचर्स थ्रो इंटरएक्टिव टेलिविजन, रिपोर्ट ऑफ टेलि-साप्ट प्रोग्राम 1998 (मिमियोग्राफ)
14. क्वालिटी इंप्रूवमेंट प्रोग्राम फॉर आश्रम स्कूल्सः ए केस स्टडी (फोटो प्रति)

अध्यापक शिक्षा को क्षेत्र स्तरीय योगदान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर ने अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में 1998-99 में निम्नांकित कार्य आरंभ किए :

सेवा पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रमुख सरोकारों में सेवापूर्व नवाचारी अध्यापक शिक्षा का विकास और संचालन भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। इस कार्य के अंतर्गत एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों में विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम और प्रारंभिक शिक्षा में विशेषीकरण के साथ एक वर्ष का एम.एड. पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। 1998-99 में आर.आई.ई. के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 1270 छात्रों ने दाखिला लिया। बी.एससी., बी.एड/बी.एससी.एड. के पाठ्यक्रमों में मुख्य बल गुणवत्ता पर दिया जाता है अर्थात् विषयवस्तु, अध्यापन अधिगम प्रक्रिया, शिक्षाशास्त्र और पाठ्यचर्यात्मक कार्यकलापों में

पूर्णतः पारंगत अच्छा अध्यापक तैयार करने पर खास जोर दिया जाता है।

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के एक भाग के रूप में राज्यों के विभिन्न संस्थानों विशेषकर डाइट/एस.सी.ई.आर.टी. की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से 1995-96 में एक वर्ष का एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। यह अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में एक वर्ष का एक एकीकृत और नवाचारी पाठ्यक्रम है जिसमें प्राथमिक शिक्षा के सरोकारों तथा मुद्दों और शोध आधारित आगतों पर पर्याप्त बल दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम के साथ-साथ अध्यापक प्रशिक्षणार्थी प्रारंभिक शिक्षा के प्राथमिकता वाले विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अनुसंधान अध्ययन भी संचालित करते हैं।

2 वर्ष के विज्ञान और मानविकी के बी.एड. (माध्यमिक) पाठ्यक्रम में विस्तृत पाठ्यविवरण कार्यशालाओं में विकसित किए गए। यह पाठ्यक्रम 1999-2000 से आरंभ हो सकता है।

क्षेत्रीय अनुसंधान संगोष्ठियाँ

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों ने प्राथमिक स्तर पर अधिगम आयोजन, सामुदायिक भागीदारी और विद्यालय प्रभाविता के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य पर क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया।

इन संगोष्ठियों के उप-विषय थे—बहुस्तरीय स्थितियों में अधिगम का आयोजन, बहु-सांस्कृतिक कक्षाओं में अधिगम की कार्यनीतियों, बड़े आकार की कक्षाओं में अधिगम का प्रबंधन, विद्यालय परिवेश, विद्यालय योजना और प्रबंधन। इन संगोष्ठियों में चुने गए आलेखों को 15-18 जुलाई 1998 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर ने डाइट संकाय और के.आर.पी. के लिए निम्नांकित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए : (1) सामाजिक अध्ययन में अवधारणा मूलक अध्यापन, (2) मातृभाषा (हिंदी) में कौशल विकास के लिए कार्यकलाप आधारित अध्यापन, (3) उर्दू भाषा प्रवीणता का अध्यापन (4) विज्ञान का अध्यापन (5) विषय और विधि की दृष्टि से गणित का अध्यापन, (6) द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण (7) अनुदेशन का मनोविज्ञान (8) जिला स्तरीय योजना और प्रबंधन और (9) क्रियात्मक अनुसंधान। विद्यालय प्रधानाचार्यों और सहयोगी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षिक योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अभिविन्यास किया गया। +2 स्तर पर निम्नांकित विषयों—(1) लेखा विज्ञान (2) गणित (3) अर्थशास्त्र, (4) भूगोल, (5) अंग्रेजी (6) भौतिक विज्ञान (7) जीव विज्ञान और (8) रसायन विज्ञान के अध्यापकों के लिए सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। माध्यमिक स्तर के अध्यापकों को विद्युत, कृषि और बढ़ईगिरी के क्षेत्रों—एस.यू.पी.डब्ल्यू. के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रशिक्षण दिया गया। आर.आई.ई. अजमेर ने व्यावसायिक लेखा विज्ञान के लिए अध्यापक संदर्शिका, इतिहास के लिए प्रशिक्षण पैकेज, विज्ञान में प्रश्नपत्रों के चयन हेतु डिजाइन की रूपरेखा और भाषा तथा गणित में दक्षताओं के मूल्यांकन के लिए उपकरणों का भी विकास किया। प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण पर विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान भी आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने (1) डाइट कार्मिकों के लिए प्रयोजनमूलक सांख्यिकी और अनुसंधान प्रविधि पर (2) एस.सी.ई.आर.टी. संकाय के लिए कंप्यूटर शिक्षा पर (3) सी.टी.ई./आई.ए.एस.ई. संकाय के लिए मार्गदर्शन और परामर्श (4) सी.टी.ई. आई.ए.एस.ई. के संकाय के लिए अनुसंधान प्रविधि पर चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा के. वी. एस. के अध्यापकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाई गई और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। आर. आई. ई. भोपाल ने निम्नांकित विषयों पर प्रशिक्षण पैकेज तैयार किए : (1) आई.ए.एस.ई. और सी.टी.ई. के संकाय के लिए प्रबंधन ओर पर्यवेक्षण, (2) डाइट के प्रस्तावों और जी.सी.ई.आर.टी. के संकाय के लिए विषय परिचय (3) गुजरात के डाइट और पी.टी.सी. के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी शिक्षण (4) +2 स्तर पर इतिहास शिक्षण की कार्यनीतियाँ, और (5) +2 स्तर पर वाणिज्य और लेखाशास्त्र के अंतर्गत निदानात्मक परीक्षण के मदों का विकास भी किया। पश्चिमी क्षेत्र (महाराष्ट्र और गोवा) में संस्थान द्वारा आयोजित सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव विश्लेषण पर एक अध्ययन किया जा रहा है। इस अध्ययन के लिए आवश्यक उपकरणों का विकास किया जा चुका है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर ने 26 मई से 9 जून 1998 तक रेलवे बोर्ड के विद्यालयों में कार्यरत 48 पी.जी.टी. (राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्थान ने +2 स्तर के जीव विज्ञान और विषय विशिष्ट कौशलों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण विधि का विकास किया और कठिन अवधारणाओं की पहचान करके विभिन्न अवधारणाओं के लिए अनुकरणीय/आदर्श सामग्री का विकास किया। माध्यमिक स्तर के लिए अवधारणा संप्राप्ति कार्य कौशल/क्षमता विकास की कार्यनीतियों को केंद्र में रखकर 20 आदर्श पाठयोजनाएँ तैयार की गईं। माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी शिक्षण हेतु प्रशिक्षण की विधि के विकास और परीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत संस्थान ने अंतरित प्रशिक्षण कार्यविधियों के साथ प्रतिदर्शी प्रशिक्षण योजनाएं बनाईं।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर ने डाइट संकाय के लिए निम्नांकित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए :

(1) शैक्षिक आँकड़ा प्रक्रियन में कंप्यूटर की उपयोगिता के बारे में जानकारी और (2) पुस्तकालय अनुरक्षण। आंध्र प्रदेश के जूनियर कालेजों के रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और गणित के प्रवक्ताओं के लिए विषय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान ने क्रियात्मक और प्रायोगिक अनुसंधान, माध्यमिक स्तर पर भूगोल और +2 स्तर पर जीव विज्ञान के शिक्षण हेतु अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पैकेजों का विकास किया। आंध्र प्रदेश के कक्षा 9 स्तर के गणित की पाठ्यपुस्तक पर आधारित एक अध्यापक संदर्शिका का विकास किया गया। एक परियोजना अध्ययन—"प्रारंभिक स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए उपलब्ध विशेषज्ञों की सूची और प्रशिक्षण की रूपरेखा का विकास" पूरा होने वाला है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिलांग ने डी.टी.ई.ई. द्वारा शिलांग पूर्वोत्तर राज्यों के एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. संकाय सदस्यों के लिए विषय परिचय कार्यक्रम आयोजित किया। सी.आई.ई.टी. के माध्यम से कोहिमा में नागालैंड के एस.सी.ई.आर.टी./डाइट संकाय के लिए शैक्षिक प्रसारण हेतु रेडियो और टी.वी. कार्यक्रमों के निर्माण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। आई.आर.टी. और इग्नो के सहयोग से शिलांग में प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा विषय पर अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. ने पूर्वोत्तर में मुख्य कार्मिकों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए इटानगर में ग्रामीण विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर क्षेत्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

डी.ई.एम.ई. द्वारा एज़ावल में मिजोरम विद्यालय शिक्षा बोर्ड के विज्ञान और गणित के पी.जी.टी. अध्यापकों के लिए प्रश्नपत्र निर्माण और मूल्यांकन पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इन सभी विषयों के लिए 700 प्रश्न तैयार किए गए और प्रत्येक विषय के दो संतुलित प्रश्नपत्र विकसित किए गए।

1998-99 में आर.आई.ई. में पाठ्यक्रमवार नामांकन

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	अजमेर	भोपाल	भुवनेश्वर	मैसूर
1.	बी.एससी.बी.एड.				
	1 वर्ष	79	87	98	77
	2 वर्ष	75	84	71	68
	3 वर्ष	59	76	87	48
	4 वर्ष	68	68	69	61
2.	एम.एड. (प्रारं)	20	19	32	24
	योग	301	334	357	278

1998-99 में आर.आई.ई. में परीक्षाफल (उत्तीर्ण प्रतिशत)

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	अजमेर	भोपाल	भुवनेश्वर	मैसूर
1.	बी.एससी.बी.एड./ बी.एससी.एड.				
	1 वर्ष	76.2	94.1	91.1	
	2. वर्ष	93.3	100	78.2	
	3. वर्ष	95.6	98.5	97.1+	
	4 वर्ष	96.4	100	94.8	94.4
2.	बी.ए.बी.एड/ बी.ए.एड. 4 वर्ष		100	100	100
3.	एम.एड. (प्रारंभिक)	100	100	89.3	100

डी. एम. विद्यालय

डी. एम. विद्यालय आर.आई.ई. के अभिन्न अंग हैं। ये संस्थान की प्रयोगशालाएँ हैं जहाँ विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के नवाचारी प्रयोगों का परीक्षण किया जाता है। आर.आई.ई. के सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित अध्यापक विद्यार्थी इन विद्यालयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं। पिछले चार वर्षों से डी. एम. विद्यालयों के प्राथमिक स्तर के अध्यापक क्रियात्मक अनुसंधान के अंतर्गत दक्षता आधारित शिक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। वे बच्चों के अधिगम संबंधी आवश्यकताएँ, कक्षा कक्ष आँकड़ों के आधार पर शिक्षण और निदानात्मक कार्यनीतियों की योजना बनाते हैं। डी. एम. विद्यालय सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली से संबद्ध हैं और कक्षा 1 से 12 तक की शिक्षा प्रदान करते हैं। इनमें शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। ये विद्यालय मार्गदर्शन और परामर्शकारी सेवाएँ भी प्रदान करते हैं और इनमें +2 स्तर पर अलग प्रकार के व्यावसायिक पाठ्यक्रम हैं।

1998-99 में डी. एम. विद्यालयों के कक्षावार नामांकन

कक्षा	अजमेर	भोपाल	भुवनेश्वर	मैसूर
1	30	69	64	69
2	30	70	64	70
3	31	70	72	70
4	30	67	78	72
5	32	73	72	70
6	58	86	76	72
7	55	67	119	70
8	59	68	122	70
9	64	66	126	70
10	37	63	117	68
11	85	73	95	38
12	26	67	91	47
योग	537	839	1096	786

1998-99 में डी. एम. विद्यालयों के परीक्षाफल (उत्तीर्ण प्रतिशत)

कक्षा	अजमेर	भोपाल	भुवनेश्वर	मैसूर
10	88.3	97	96.1	87
12 (विज्ञान)	94.7	81	100	91
12 (कला)	-	100	-	-
12 (वाणिज्य)	100	100	95.8	-
12 (व्यावसायिक)	-	100	66.66	-
12 (मानविकी)	91.6	-	46.1	83

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

आर.आई.ई. अजमेर

1. रीजनल सेमिनार ऑन डवलिपिंग वैल्यूज इन स्कूल चिल्ड्रेन थ्रो को-करीकुलर एक्टिविटीज (फोटो प्रति)
2. ट्रेनिंग पैकेज फॉर टीचिंग हिस्ट्री एट +2 लेवल (फोटो प्रति)
3. ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर केमिस्ट्री टीचर्स एट +2 लेवल फॉर पंजाब एण्ड चंडीगढ़ (फोटो प्रति)
4. कांसेप्ट ओरिएंटेड टीचिंग इन सोशल स्टडीज एट अपर प्राइमरी लेवलः ट्रेनिंग ऑफ की रिसोर्स पर्सस (फोटो प्रति)
5. वैल्यू एजुकेशन इन नार्दर्न स्टेट्स
6. माड्यूल्स ऑफ फैब्रिकेशन ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स एण्ड दियर एनालिटिकल यूसेज इन केमिस्ट्री एट +2 लेवल (फोटो प्रति)
7. ट्रेनिंग ऑफ एस.आई.ई. डाइट फैकल्टीज ऑफ जम्मू एण्ड कश्मीर एण्ड उत्तर प्रदेश ऑन दि मेथडोलोजीज इन एक्शन रिसर्च (फोटो प्रति)
8. ट्रेनिंग पैकेज इन मैथेमेटिक्स एट अपर प्राइमरी लेवल (फोटो प्रति)
9. रिपोर्ट्स ऑफ ओरिएंटेशन ऑफ टीचर्स टीचिंग एण्ड सीनियर सेकेंडरी लेवल इन न्यू ट्रेंड्स ऑफ टीचिंग फिजिक्स (फोटो प्रति)
10. ट्रेनिंग पैकेज इन उर्दू एट अपर प्राइमरी लेवल (फोटो प्रति)
11. ऑन कांसेप्ट एटेनमेंट मॉडल डवलपमेंट ऑफ इंस्ट्रक्शनल मैटेरियल एण्ड ट्रेनिंग इन सेलेक्टेड टापिक्स ऑफ इकानमिक्स एट +2 लेवल (फोटो प्रति)
12. टीचर्स गाइड इन वोकेशनल एकांउटेंसी (फोटो प्रति)
13. ट्रेनिंग ऑफ टीचर्स ऑन प्रैक्टिकल्स इन ज्योग्राफी एट सीनियर सेकेंडरी लेवल (फोटो प्रति)
14. इंस्ट्रक्शनल मैटेरियल फॉर टीचिंग एकाउंटेंसी (फोटो प्रति)
15. इफेक्टिव इंप्लिमेंटेशन ऑफ एस.यू.पी.डब्ल्यू. एक्टिविटीज एट सेकेंडरी लेवल इन दि एरियाज ऑफ एग्रीकल्चर, बुडवर्क एण्ड इलेक्ट्रीसिटी (फोटो प्रति)
16. दक्षता आधारित मूल्यांकन उपकरण (कक्षा 1 और 2) फोटो प्रति
17. एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट एट डिस्ट्रिक्ट लेवल (फोटो प्रति)
18. ट्रेनिंग पैकेज फॉर ब्ल्यू प्रिंट डिजाइन एण्ड सेटिंग ऑफ क्वेश्चन पेपर्स इन साइंस फॉर अपर प्राइमरी स्कूल्स इन हरियाणा (फोटो प्रति)
19. माध्यमिक स्तर के एस.सी./एस.टी. विद्यार्थियों के लिए गणित में निदानात्मक परिकलन एवं उपचारात्मक शिक्षण।

आर. आई. ई. भोपाल

1. रिसर्च मेथोडोलोजी एण्ड फंक्शनल स्टेटिस्टिक्स (फोटो प्रति)
2. नेशनल सेमिनार ऑन साइंस एण्ड मैथेमेटिक्स एजुकेशन
3. हैंडबुक ऑफ गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग
4. हैंड बुक ऑफ रिसर्च मैथोडोलोजी (सी.टी.ई. एण्ड आई.ए. एस.ई. फैकल्टी) (फोटो प्रति)
5. इंस्ट्रक्शनल मैटेरियल फॉर टीचर्स ऑन दि न्यू टेकनीक्स एण्ड एप्रोचेज ऑफ टीचिंग उर्दू एट सेकेंडरी लेवल, मध्य प्रदेश (फोटो प्रति)
6. मैनेजमेंट एण्ड सुपरविजन अंडर आई.ए.एस.ई. एण्ड सी.टी. ई. (फोटो प्रति)
7. डायग्नोस्टिक टेस्टिंग फॉर रिमेडियल टीचिंग इन एकाउटेंसी (फोटो प्रति)
8. डायग्नोस्टिक टेस्टिंग फॉर रिमेडियल टीचिंग इन आर्गेनाइजेशन ऑफ कामर्स (फोटो प्रति)
9. स्ट्रेटेजी फॉर दि डवलपमेंट ऑफ इसेंशियल स्किल्स ऑफ केमिस्ट्री प्रैक्टिकल्स इन दि टीचर्स ऑफ सीनियर सेकेंडरी लेवल (फोटो प्रति)
10. इनोवेटिव एक्सेपेरिमेंट्स एण्ड स्किल्स इन फिजिक्स (+2 लेवल) फोटो प्रति
11. माड्यूल्स यूजिंग प्रोब्लम सोल्विंग एज ए टेकनीक फॉर फोस्टरिंग मीनिंगफुल लर्निंग ऑफ साइंस एट सेकेंडरी लेवल
12. डवलपमेंट ऑफ ट्रेनिंग पैकेज इन टीचिंग स्ट्रेटेजीस इन हिस्ट्री एट +2 लेवल (फोटो प्रति)
13. प्रोजेक्ट प्रपोजल्स इन कामर्स सब्जेक्ट (फोटो प्रति)
14. डवलपमेंट ऑफ एट-वीक सर्टिफिकेट कोर्स स्ट्रक्चर इन कंप्यूटर एजुकेशन (फोटो प्रति)
15. डवलपमेंट ऑफ करीकुलम फॉर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बायोलोजी/मैथेमैटिक्स/फिजिक्स एजुकेशन एट सीनियर सेकेंडरी स्टेज (फोटो प्रति)
16. इंपैक्ट एनालिसिस ऑफ इन-सर्विस प्रोग्राम (फोटो प्रति)।

आर. आई. ई. भुवनेश्वर

1. रिपोर्ट ऑफ रिव्यू ऑफ मैथमेटिक्स टेक्स्ट बुक्स ऑफ क्लासेज 1 और 2 ऑफ उड़ीसा एण्ड डवलपमेंट ऑफ एक्जेम्पलर मैटेरियल (फोटो प्रति)
2. डवलपमेंट ऑफ स्ट्रेटेजीज फॉर कांसेप्ट सेंटर्ड टीचिंग एण्ड सब्जेक्ट स्पेसिफिक स्किल्स एक्विजीशन इन केमिस्ट्री एट +2 (फोटो प्रति)

आर. आई. ई. मैसूर

1. कांटेंट इनरीचमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम इन मैथेमेटिक्स फॉर जूनियर कालेज लेक्चरर्स ऑफ ए पी.एस.वी.आर.ई.आई. सोसायटी, हैदराबाद (फोटो प्रति)
2. कांटेंट इनरीचमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम इन फिजिक्स फॉर जूनियर कालेज लेक्चरर्स ऑफ ए पी.एस.वी.आर.ई.आई. सोसायटी, हैदराबाद (फोटो प्रति)
3. कांटेंट इनरीचमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम इन केमिस्ट्री फॉर जूनियर कालेज लेक्चरर्स ऑफ ए पी.एस.वी.आर.ई.आई. सोसायटी, हैदराबाद (फोटो प्रति)
4. इफैक्ट ऑफ साप्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन दि क्लासरूम प्रेक्टिसेज ऑफ टीचर्स–ए स्टडी इन आंध्र प्रदेश (फोटो प्रति)
5. इफैक्ट ऑफ साप्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन दि क्लासरूम प्रेक्टिसेज ऑफ टीचर्स–ए स्टडी इन आंध्र प्रदेश (फोटो प्रति)
6. आईडेंटिफिकेशन ऑफ इसेंशियल कंपिटेंसीज फॉर प्राइमरी टीचर्स (फोटो प्रति)

व्यावसायिक शिक्षा

पंडित सुन्दर लाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) भोपाल, एन.सी.ई.आर.टी. की एक प्रमुख घटक है जो व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की एक शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था है। औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रणालियों के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा और कार्य अनुभव के क्षेत्र में पूर्ण संसाधन संस्थान के रूप में कार्य करना इसका प्रमुख सरोकार है।

विद्यालयी शिक्षा के सभी चरणों पर कार्य शिक्षा में सुधार करना एन.सी.ई.आर.टी. का एक प्रमुख सरोकार रहा है। पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) भोपाल एन.सी.ई.आर.टी. का एक घटक है और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की एक शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था है। पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. के महत्वपूर्ण कार्यों में सम्मिलित हैं: भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.), राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों को व्यावसायिक शिक्षा और कार्यानुभव कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बारे में सलाह देना और अपेक्षित मदद करना, विभिन्न स्तरों—राष्ट्रीय, राज्यीय, जिला और संस्था स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के लिए व्यापक प्रबंधन प्रणाली की स्थापना को बढ़ावा देना, उनके पर्यवेक्षण करना और मार्गदर्शन करना, औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों प्रणालियों के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा और कार्य अनुभव के क्षेत्र में पूर्ण संसाधन संस्थान के रूप में कार्य करना, व्यावसायिक शिक्षा के औपचारिक और अनौपचारिक प्रणाली में पाठ्यचर्या विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना, उनका मार्गदर्शन करना, सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करना, अनुसंधान, निगरानी और मूल्यांकन करना तथा राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करना, व्यावसायिक शिक्षा की राष्ट्रीय प्रणाली में मानदंडों की एकरूपता को बनाए रखना और सभी स्तरों पर अध्ययन व्यवसायों सहित व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता और स्तर बनाए रखना, देश भर में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों के व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, व्यावसायिक शिक्षा और कार्य अनुभव तथा संबंधित और सहायक क्षेत्रों में शोध और अन्य अध्ययनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना, गुणवत्ता के मानदंड को ध्यान में रखते हुए प्रमाणपत्रों की समतुल्यता स्थापित करना और व्यावसायिक संस्थानों तथा कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना, संबंधित और अन्य संगठनों के स्वैच्छिक सहयोग के आधार पर व्यावसायिक सूचना प्रणाली और सेवाओं के राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को बढ़ावा देना तथा सूचनाओं के प्रभावशाली प्रसार को सुगम बनाना और व्यावसायिक शिक्षा तथा मानव संसाधन विकास के अंतर्राष्ट्रीय पहलुओं का सतत ध्यान रखना।

अनुसंधान

तमिलनाडु के लिए सी.एस.एस. के अंतर्गत वी.ई.पी. के कार्यान्वयन का सीधे प्रभाव क्षेत्र में अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में कार्यक्रम की कमजोरी और उसकी शक्ति तथा सफलता के पक्षों का मूल्यांकन किया गया और राज्य में सुधार के कदम उठाने के लिए निदानात्मक सुझाव और सिफारिशें प्रस्तुत की गईं।

व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में आयोजित निम्नांकित परियोजना अध्ययन जारी हैं:

- कुछ राज्यों में सामान्य बेसिक पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन
- भारत में व्यापार और वाणिज्य आधारित पाठ्यक्रमों के
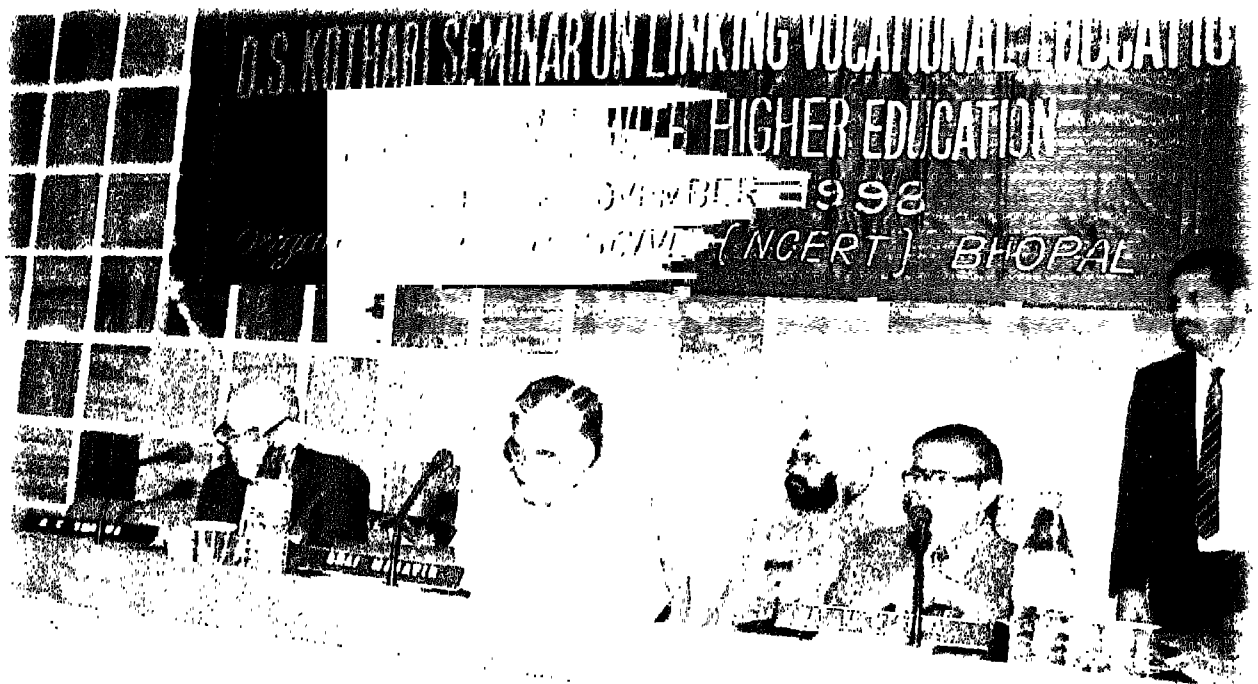
व्यावसायिक शिक्षा के उत्तीर्ण उम्मीदवारों की स्थिति का अध्ययन
- ग्रामीण तथा नगरीय समाजों में लड़कियों की वृत्तिक आकाँक्षाएँ और व्यावसायिक शिक्षा
- माध्यमिक व्यावसायिक विद्यालयों में उद्योग-विद्यालय के बीच संबंध की स्थापना-क्रियात्मक अनुसंधान
- चुनिंदा राज्यों में व्यावसायिक पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के मानदण्ड और गुणवत्ता का तुलनात्मक अध्ययन
- कृषि में व्यावसायिक अध्यापन अधिगम की स्थिति और प्रभाविता का तुलनात्मक अध्ययन
- महाराष्ट्र के कुछ व्यावसायिक संस्थानों के विद्यालय-उद्योग संबंध पर केस अध्ययन
- पंजाब में व्यावसायिक शिक्षा के छात्रों के कार्यनिष्पादन पर ओ.जे.टी. का प्रभाव
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में गृह विज्ञान के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का महत्व
- +2 स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल के विकास में अध्यापक की भूमिका

विकास

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या का विकास और संशोधन

मछली प्रजनन प्रौद्योगिकी, बीमा और साफ्टवेयर अनुप्रयोग की पाठ्यचर्या में संशोधन किए गए। दूर संचार प्रौद्योगिकी, पी. सी. एसेंबली और हार्डवेयर रखरखाव, यातायात सेवा अनुरक्षण, कृषि व्यापार, बायो-मेडिकल उपकरण अनुरक्षण तकनीशियन, और कंप्यूटर एसेंबली और रखरखाव पर नई व्यावसायिक शिक्षा की पाठ्यचर्या विकसित की गई। समीक्षाधीन वर्ष में व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श पर एक पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण माड्यूल, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श पर एक पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण माड्यूल, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक पाठ्यचर्या के साथ पर्यावरणजन्य घटकों के एकीकरण पर पाठ्यचर्या की एक परिशिष्ट, फसल उत्पाद और भवन निर्माण में राष्ट्रीय व्यावसायिक योग्यता की रूपरेखा का भी विकास किया गया।

व्यावसायिक और पूर्व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास

सिरामिक कार्य के नवसाक्षरों के लिए पूर्व व्यावसायिक शिक्षा की अनुदेशी सामग्री विकसित की गई और संबंधित राज्यों को भेजी गई। आयुर्विज्ञान प्रयोगशाला तकनीशियन पाठ्यक्रम की अनुदेशी सामग्री में संशोधन किया गया। छः व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से संबंधित 15 पुस्तकें/पांडुलिपियाँ विभिन्न राज्यों को भेजी गईं। व्यावसायिक शिक्षा पर 5 अनुदेशी सामग्री और पूर्व व्यावसायिक शिक्षा पर 3 पांडुलिपियाँ प्रकाशन के लिए भेजी गईं।

प्रशिक्षण

अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यावसायिक विद्यालयों के अनुशिक्षण में सुधार के लिए सेरीकल्चर, लेखा और लेखा परीक्षा, विपणन और विक्रेतावृत्ति, व्यापारिक वस्त्र डिजाइन और विपणन, उद्यम विकास और व्यावसायिक विद्यालयों में उत्पादन सहित प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना पर 7 अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 135 व्यावसायिक अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें से 5 अध्यापक एस.सी. वर्ग और 4 एस.टी. वर्ग के थे।

मुख्य कार्यकर्ताओं के लिए अल्पावधि का प्रशिक्षण

महाराष्ट्र और गुजरात के मुख्य कार्यकर्ताओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से संबंधित संकल्पनात्मक स्पष्टीकरण हेतु अल्पावधि का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा पर सात अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। ऐसा एक कार्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों के अध्यापकों के लिए आयोजित किया गया जिसमें 18 अध्यापकों को प्रशिक्षित

किया गया विशेषरूप से गोवा के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय थे–कृषि, गृह विज्ञान, व्यापार और वाणिज्य और अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी। इन कार्यक्रमों में 210 अध्यापक शामिल हुए। आंध्र प्रदेश में विकलांग व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैंगलोर में कर्नाटक के व्यावसायिक शिक्षा के मुख्य कार्यकर्ताओं के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 37 मुख्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विस्तार

राष्ट्रीय संगोष्ठी/बैठकें

समीक्षाधीन वर्ष में 8 राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ और बैठकें आयोजित की गईं जिनमें विषय थे : (1) उद्यान विज्ञान व्यावसायिक पाठ्यचर्या की लोकप्रियता (2) खाद्यपदार्थ संरक्षण और प्रक्रियन का नेटवर्क और जागरूकता (3) यातायात क्षेत्र (4) कार्य अनुभव/एस.यू.पी.डब्ल्यू. (5) +2 स्तर की व्यावसायिक शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा का संबंध (6) महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की बाधाओं का उन्मूलन (7) विकलांग व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा, (8) +2 स्तर की कृषि व्यावसायिक शिक्षा का उच्च कृषि शिक्षा के साथ संयोजन।

आजादी की स्वर्ण जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ

आजादी की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी शृंखला के अंतर्गत पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्र में 4 क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गई। प्रत्येक क्षेत्र में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इन क्षेत्रीय संगोष्ठियों में कुल 207 भागीदार शामिल हुए। इन संगोष्ठियों के मुख्य उद्देश्य थेः (1) आदिवासियों और दस्तकारों की आवश्यकताओं को विशेषरूप से ध्यान में रखते हुए ग्रामीण आवादी के सशक्तिकरण में व्यावसायिक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देना, ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों प्रणालियों में मौजूदा व्यावसायिक शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना (2) ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से विकास कार्यक्रम के बारे में विभिन्न एजेंसियों और व्यक्तियों के विचार और राय जानना और (3) गांवों में कार्य के नये अवसरों के द्वारा छात्रों को आर्थिक और बोद्धिक दृष्टि संतुष्ट करने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की संभावनाओं की पहचान करना।

व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार

व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यावसायिक शिक्षा के प्रति समर्पित व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने और अन्य दूसरों के बीच उनकी प्रतिष्ठित पहचान के लिए पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई. हर साल पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करता है। यह कार्यक्रम 5 जुलाई को संस्थान के स्थापना दिवस के दिन आयोजित किया जाता है। पुरस्कृत व्यक्तियों को पुरस्कारस्वरूप स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र और नकद राशि से भी सम्मानित किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष में आयोजित पुरस्कार समारोह में गणमान्य शिक्षाविदों, प्रशासकों और 46 पुरस्कार विजेताओं सहित 250 अतिथि भी शामिल हुए। इस अवसर पर निम्नांकित कार्यक्षेत्रों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए :

- सर्वोत्तम परीक्षाफल पुरस्कार (प्रत्येक राज्य से दो-राज्य में उच्च माध्यमिक परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर)
- सर्वोत्तम व्यावसायिक अध्यापक पुरस्कार (प्रत्येक राज्य से एक)
- सर्वोत्तम संस्था पुरस्कार (प्रत्येक राज्य से एक)
- सर्वोत्तम विद्यालय उद्योग संयोजन पुरस्कार (प्रत्येक राज्य से एक)

प्रदर्शनियाँ

व्यावसायिक शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। संस्थान के स्थापना दिवस पर, रवींद्र भवन, भोपाल में; प्रशासनिक अकादमी भोपाल में +2 स्तर पर की व्यावसायिक शिक्षा का उच्च शिक्षा से संयोजन पर आयोजित डी. एस. कोठारी संगोष्ठी के अवसर पर; पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल और एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठियों के दौरान चार प्रदर्शनियाँ आयोजित की गई। इन प्रदर्शनियों में व्यावसायिक शिक्षा पर विभिन्न सामग्री जैसे – दक्षता आधारित व्यावसायिक पाठ्यचर्या, अनुदेशी सामग्री, मार्गदर्शिका, विभिन्न पाठ्यक्रमों की रिपोर्टें और प्रचार फोल्डर प्रदर्शित किए गए।

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. के प्रयोगशाला विद्यालयों के लिए वृत्तिक सम्मेलन

भोपाल और निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थित पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. के 4 प्रयोगशाला विद्यालयों के लिए 14 वृत्तिक सम्मेलन आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे–कक्षा 10 के विद्यार्थियों को उनके अपने विद्यालयों और आस-पास के विद्यालयों में चलाए जा रहे व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों और विविध व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देना, (2) व्यावसायिक शिक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आगे के कैरियर की योजना बनाने में मदद करना और (3) व्यावसायिक शिक्षा की योजना के वास्तविक प्रशासन और संचालन में प्रधानाचार्यो और अध्यापकों की सहायता करना। सम्मेलनों में पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई. संकाय सदस्योंका एक दल–प्रत्येक शाखा से एक सदस्य, और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों ने वांछित सहयोग प्रदान किए। प्रत्येक विद्यालय में संस्थान के प्रकाशनों की

प्रदर्शनियाँ भी लगाई गईं। पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. द्वारा विकसित व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम पर पुस्तिकाएँ और पर्चे वितरित किए गए।

त्रैमासिक बुलेटिन का प्रकाशन

व्यावसायिक शिक्षा पर त्रैमासिक बुलेटिन का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। बुलेटिन की प्रतियाँ मुख्य कार्यकर्ताओं सहित 4000 विद्यालयों को भेजी जाती हैं। समीक्षाधीन वर्ष में 2 अंक प्रकाशित किए गए और 2 अंक मुद्रणाधीन थे।

परामर्शकारी सेवाएँ

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार को तीन मुख्य क्षेत्रों—गृहविज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, कृषि और सामान्य केंद्रिक घटकों से संबंधित व्यावसायिक कौशल, प्रशिक्षण के 15 माड्यूलों के विकास में मदद की गई।

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. ने विशेष व्यावसायिक विद्यालयों की स्थापना, उत्पादन सहित प्रशिक्षण केंद्र (पी.टी.सी.) की स्थापना और संबंधित व्यावसायिक पाठ्यचर्या के संशोधन में अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और असम को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान कीं।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

सामान्य प्रकाशन

1. क्वार्टरली बुलेटिन—वोकेशनल एजुकेशन—वर्ष 5 अंक 1 व 2 अप्रैल और जून-जून और जुलाई-सितंबर 1998 (मुद्रित) वर्ष 5 अंक 3 और 4 अक्तूबर-दिसंबर 1998 और जनवरी-मार्च 1999
2. फंक्शन एण्ड एक्टिविटीज ऑफ पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. (मुद्रित)।
3. जॉब आपोर्च्यूनिटीज आफ्टर हायर सेकेंडरी वोकेशनल एजुकेशन (मुद्रित)
4. वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशनः पर्सपेक्टिव्स फॉर दि न्यू मिलेनियम—दि चेलेंज (मुद्रित)
5. सर्वे रिपोर्ट—वोकेशनल एजुकेशन प्रोग्राम फॉर दि डिसेबल्ड एण्ड डायरेक्टरी ऑफ दि इंस्टीट्यूशन/आर्गेनाइजेशंस ऑफरिंग वोकेशनल एजुकेशन फॉर दि डिसेबल्ड (मुद्रित)
6. आपकी और आपके कदमों की दूरी सिर्फ एक कदम (हिंदी) पोस्टर
7. देयर इज ए न्यू होल-वर्ल्ड बियांड दि सेट ट्रेक्स-पोस्टर (मुद्रित)

व्यावसायिक पाठ्यचर्या

1. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन सेरीकल्चर (मुद्रित)
2. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन प्लांट प्रोटेक्शन (मुद्रित)
3. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन वाटरशेड मेनेजमेंट (मुद्रित)
4. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन सीड प्रोडक्शन टेक्नोलाजी (मुद्रित)
5. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन डेयरी टेक्नोलाजी (मुद्रित)
6. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन रिपेयर एण्ड मेंटिनेंस, रिवाइंडिंग एण्ड इंस्टालेशन ऑफ इलेक्ट्रिक मोटर (मुद्रित)
7. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन इलेक्ट्रानिक टेक्नालाजी (मुद्रित)
8. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन कंप्यूटर टेक्नीक्स (मुद्रित)
9. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन रूरल एनर्जी मैनेजमेंट (मुद्रित)
10. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन बैंकिंग (मुद्रित)
11. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन रूरल इंफर्मेटिक्स मैनेजमेंट (मुद्रित)
12. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन इंस्टीट्यूशनल हाउस कीपिंग (मुद्रित)
13. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन बेकरी एण्ड कानफेक्शनरी (मुद्रित)
14. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन फूड प्रीजर्वेशन एण्ड प्रोसेसिंग (मुद्रित)
15. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन क्रेच एण्ड प्री स्कूल मैनेजमेंट (मुद्रित)
16. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन कैटरिंग एण्ड रेस्टारेंट मैनेजमेंट (मुद्रित)
17. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन कामर्शियल गार्मेंट डिजाइनिंग एण्ड मार्केटिंग (मुद्रित)
18. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन लाइब्रेरी एण्ड इंफार्मेशन साइंस (मुद्रित)
19. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन एकाउंटिंग एण्ड ऑडिटिंग (मुद्रित)
20. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन इंटर्नशिप डवलपमेंट (मुद्रित)
21. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन टेलिकम्युनिकेशन टेक्नालोजी (फोटो प्रति)
22. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन बायोमेडिकल एक्विपमेंट मेंटिनेंस टेक्नीशियन (फोटो प्रति)
23. करीकुलम एडेनडम ऑन इन्वायरन्मेंटल एजुकेशन फॉर एग्रीकल्चर-बेस्ड वोकेशनल कोर्सिस (फोटो प्रति)

24. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन फिश प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी (फोटो प्रति)
25. कंपीटेंसी बेस्ड वोकेशनल करीकुलम ऑन साफ्टवेयर एप्लिकेशंस (फोटो प्रति)
26. ए फ्रेम वर्क ऑन नेशनल वोकेशनल क्वालिफिकेशन ऑन बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन (फोटो प्रति)
27. करीकुलम एडेनडम ऑन इनवायरनमेंटल एजुकेशन फॉर इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालाजी-बेस्ड वोकेशनल कोर्सेस (फोटो प्रति)

अनुदेशी सामग्री का विकास

व्यावसायिक शिक्षा

1. वेजिटेबल प्रोडक्शन–प्रैक्टिकल मैनुअल–कक्षा 11 मुद्रित
2. मिल्क प्रोसेसिंग–प्रैक्टिकल मैनुअल (मुद्रित)
3. डेयरी प्रोडक्शन एण्ड क्वालिटी ऑफ मिल्क–टेक्स्टबुक कक्षा-11 (मुद्रित)
4. मैटेरियल एप्लिकेशन–टेक्स्टबुक कक्षा-11
5. आफिस प्रोसीजर एण्ड प्रैक्टिस–टेक्स्टबुक कक्षा-11
6. टाइपराइटिंग कक्षा 11 (मुद्रित)
7. इन्वायरनमेंट एण्ड डवलपमेंट–टेक्स्टबुक +2 स्तर के विद्यार्थियों के लिए (जी.एफ.सी. के अंतर्गत) (4)
8. जेनेटिक वोकेशनल कोर्सेस कक्षा 12–सिद्धांत (मुद्रित)
9. मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीसियन वोकेशनल कोर्स (फोटो प्रति)
10. फ्लोरीकल्चर एण्ड लैंडस्केपिंग–टेक्स्टबुक कक्षा 12 (फोटो प्रति)
11. फ्लोरीकल्चर एण्ड लैंडस्केपिंग–प्रैक्टिकल मैन्युअल कक्षा-12
12. एक्वाकल्चर-II टेक्स्टबुक–कक्षा-12
13. एक्वाकल्चर-II प्रैक्टिकल मैन्युअल–कक्षा-12
14. फिश ब्रीडिंग एण्ड सीड प्रोडक्शन–टेक्स्टबुक कक्षा-12
15. सप्लिमेंट रीवरिन एण्ड रिजर्वायर फिशरीज–प्रैक्टिकल कक्षा-11
16. कंप्यूटर एप्लिकेशंस इन ब्यूजीनेस–टेक्स्टबुक–कक्षा-11
17. ब्यूजीनेस कम्यूनिकेशन एण्ड स्टेटिस्टिक्स–टेक्स्टबुक कक्षा-11 (फोटो प्रति)
18. ब्यूजीनेस कम्यूनिकेशन एण्ड स्टेटिस्टिक्स–प्रैक्टिकल मैनुअल कक्षा-11 (फोटो प्रति)
19. एलिमेंट्स ऑफ कॉस्ट एकाउंटिंग–टेक्स्टबुक कक्षा-12 (फोटो प्रति)
20. ऑडिटिंग–टेक्स्टबुक कक्षा-12 (फोटो प्रति)
21. ऑडिटिंग–प्रैक्टिकल मैनुअल कक्षा-12 (फोटो प्रति)
22. एडवांस्ड एप्पैरेल डिजाइनिंग–टेक्स्टबुक कक्षा-12 (फोटो प्रति)

पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा

23. रिपेयर एण्ड मेंटिनेंस ऑफ टिलेज एण्ड सोविंग इक्वीपमेंट (मुद्रित)
24. रिपेयर एण्ड मेंटिनेंस ऑफ पावर थ्रेशर (मुद्रित)
25. रिपेयर एण्ड मेंटिनेंस ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन इक्वीपमेंट (मुद्रित)
26. बंबू क्राफ्ट (हिंदी) (मुद्रित)
27. बटिक (मुद्रित)
28. टाई एण्ड डाई (मुद्रित)
29. डॉल मेकिंग (हिंदी) (मुद्रित)

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. का एक प्रमुख घटक है जिसका प्रमुख सरोकार दृश्य श्रव्य कार्यक्रमों, 16 एम.एम. फिल्मों और अन्य अधिगम सामग्री, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में कार्मिकों को प्रशिक्षण, मीडिया नियोजन, आलेख लेखन, कार्यक्रम निर्माण, तकनीकी प्रचालन और वीडियोग्राफी तथा वीडियो और पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा आदि के छात्रों के दीर्घकालिक संयोजन आधारित प्रशिक्षण सहित कार्मिकों को शैक्षिक प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने से है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक शीर्षस्थ संस्थान के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. के एक मुख्य संस्थान केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्यों का मुख्य सरोकार दृश्य-श्रव्य कार्यक्रमों, 16 एम.एम. फिल्मों और अन्य अधिगम सामग्री, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में कार्मिकों को प्रशिक्षण, मीडिया नियोजन, आलेख लेखन, कार्यक्रम निर्माण, तकनीकी प्रचालन और वीडियोग्राफी तथा वीडियो और पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा आदि के छात्रों के दीर्घकालिक संयोजन आधारित प्रशिक्षण सहित कार्मिकों को शैक्षिक प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने से है।

शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम

1998-99 में 85 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के आलेख तैयार किए गए और उनका निर्माण किया गया। इन कार्यक्रमों के विषय थे—विज्ञान, गणित, भाषा, सामाजिक विज्ञान, और बच्चों तथा अध्यापकों के लिए ललित कला। इन कार्यक्रमों में आई.यू.सी.ए.ए. पुणे के सहयोग से 'एक्सप्लोरिंग दि यूनिवर्स' पर 11 शृंखला का एक कार्यक्रम कृषि और पशुपालन पर कार्यक्रम, लोक जुंबिश परिषद्, जयपुर के साथ कम लागत की शिक्षण सामग्री और प्रख्यात कथक नृत्यांगना सुश्री उमा शर्मा को शामिल करके अभिनव कला के क्षेत्र में *कथक परिचय* जैसे कार्यक्रम भी शामिल थे। ई.टी.वी. के कार्यक्रमों के अलावा छोटी अवधि की 29 शैक्षिक वीडियो फिल्मों की विषय-वस्तु और स्वरूप की परिकल्पना की गई और इनमें निर्माण की योजना बनाई गई और अंततः उनका निर्माण किया गया। इनमें से चार वीडियो फिल्में माता-पिता की अभिप्रेरणा पर आधारित थीं। कुछ ई.टी.वी. कार्यक्रम सूक्ष्म सांविधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकारों को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करते हैं। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों को प्रसारित करने के लिए समय सारणी निर्धारित की गई।

शैक्षिक श्रव्य कार्यक्रम

"राग रस बरसे" शीर्षक के अंतर्गत संगीत शिक्षा पर 10 श्रव्य कार्यक्रम बनाए गए। प्रत्येक कार्यक्रम 10 मिनट का है। ये 10 रागों के सरगम के बारे में हैं। ये कार्यक्रम पंडित विष्णु प्रसाद भाथकंडे द्वारा रचित संगीत साहित्य पर आधारित हैं। इन कार्यक्रमों के निर्माण में आकाशवाणी और दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग ने परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान कीं।

शैक्षिक फिल्में

दो फिल्मों – (1) अबोड ऑफ गॉड्स (2) लैंड ऑफ बैरियर्स का निर्माण किया गया। उनके हिंदी रूपांतरण (1) देवभूमि और (2) वीर भूमि भी तैयार किए गए।

सी.आई.ई.टी. स्टूडियो में 'कथक परिचय' की शूटिंग

शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम और श्रव्य कार्यक्रमों का प्रसारण

तरंग

सी.आई.ई.टी. प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों और अध्यापकों के लिए "तरंग" शीर्षक से शैक्षिक उपग्रह दूरदर्शन सेवा के अंतर्गत अपना कार्यक्रम प्रसारित कर रही है। इस कार्यक्रम का प्रसारण डी.डी.-1 चैनल पर उपलब्ध है। अप्रैल 1998 से इसकी प्रसारण अवधि में वृद्धि की गई है और यह आधा घंटे के बजाए 1 घंटे 15 मिनट का है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रसारित होता हैं।

मौजूदा प्रसारण में शामिल हैं:

वर्ग	*कार्यक्रमों की संख्या*	*बारंबारता संख्या*
प्राथमिक	179	38
माध्यमिक	132	34
अध्यापक	162	20
योग	473	92

इन कार्यक्रमों के बारे में नियमित पत्र दर्शकों से प्राप्त होते हैं। इन पत्रों से कार्यक्रम के बारे में टिप्पणियाँ और विषयवस्तु संबंधी जानकारी और स्पष्टीकरण की जिज्ञासा व्यक्त की गई होती है। अतः "पत्रों के उत्तर" शीर्षक के नियमित मासिक कार्यक्रम के माध्यम से दर्शकों के पत्रों के उत्तर दिए जाते हैं और दर्शकों की जिज्ञासाओं की पूर्ति की जाती है। कार्यक्रमों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। प्रसारण पूर्व सत्र में साप्ताहिक निगरानी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

उमंग

हम "तरंग" की तरह साप्ताहिक शैक्षिक रेडियो/ऑडियो कार्यक्रम भी प्रसारित करते हैं। इस कार्यक्रम का शीर्षक "उमंग" है। यह आकाशवाणी के 10 केंद्रों—इलाहाबाद, भोपाल, दिल्ली, इंदौर, जयपुर, लखनऊ, पटना, रोहतक और शिमला से प्रसारित होता है। यह 10 मिनट का साप्ताहिक कार्यक्रम है जो 8-14 वर्ष के बच्चों के लिए है।

प्रशिक्षण और संयोजन/संलग्नता

सी.आई.ई.टी. कार्यक्रमों के निर्माण, उपकरण रख-रखाव, कैमरा और अन्य उपकरण संचालन, संपादन आदि के विशेष प्रशिक्षण सहित शैक्षिक प्रौद्योगिकी सभी कार्यों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। डाइट और एस.आई.ई.टी. के कार्मिकों के अलावा वीडियोग्राफी, पत्रकारिता और वीडियो कार्यक्रम के पी.जी. डिप्लोमा के छात्र संबद्धता के आधार पर नियमित प्रशिक्षणार्थी हैं। सी.आई.ई.टी. ने 5 एस.आई.ई.टी. वाले राज्यों (आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, उड़ीसा और उत्तर प्रदेश) के भागीदारों के लिए शैक्षिक रेडियो/ऑडियो कार्यक्रमों के आलेख लेखन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। एस.वी. राजकीय पॉलीटेकनीक, भोपाल के तीन वर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 18 सप्ताह का एक सघन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किया गया। समीक्षाधीन वर्ष में डाइट और आई.ए.एस.ई./सी.टी.ई. और शिक्षा विभागों के माध्यमिक स्तर के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में और एस.आई.ई.टी. के संकाय सदस्यों के लिए मूल्यांकन पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए।

"सॉप्ट के लिए माध्यम समर्थन" के अंतर्गत पंजाबी, बंगाली, मलयालम और मणिपुरी में कार्यक्रम की डबिंग, बच्चों के लिए चरित्र चल चित्रों और कार्टून फिल्मों के विकास और व्यावसायिक यंत्रों जैसे—कृषि विज्ञान, गृह विज्ञान, आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्थशास्त्र और व्यापार अध्ययन के ई.सी.वी. कार्यक्रमों के संक्षिप्त रूपांतरण, डाइट और एस.सी.ई.आर.टी. के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आधारित शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर और उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए गणित के ई.टी.वी. ट्यूटोरियल कार्यक्रमों में संशोधन/संवर्धन तथा कक्षा 11 के लिए कार्यक्रम सारसंक्षेप के विकास पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। प्राथमिक विद्यालय-अध्यापकों की कक्षा कक्ष समस्याओं पर इंदौर आकाशवाणी केंद्र में आयोजित होने वाले 3 दिवसीय ऑडियो कांफ्रेंसिंग की मदद के लिए 18 मार्च, 1999 को डाइट संकाय, संस्था प्रमुखों और दूसरे कार्मिकों को अभिविन्यास प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम 22-24 मार्च, 1999 को सीधे प्रसारित किया गया। इसके विशेषज्ञ पैनल में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर डाइट के विशेषज्ञों के साथ सी.आई.ई.टी. के संकाय सदस्य भी थे। इस कार्यक्रम में 11 केंद्रों के माध्यम से 200 प्राथमिक विद्यालय अध्यापक शामिल हुए।

पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति के एक पी.जी. छात्र के लिए 7 जून से 14 जुलाई, 1998 तक संबद्धता आधारित प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के दो छात्र 6 माह के प्रशिक्षण के लिए संबद्ध किए गए थे। यह प्रशिक्षण उनके डिप्लोमा के लिए आवश्यक था। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने 6 वीडियो कार्यक्रम और एक चरित्र आधारित एनीमेशन वीडियो कार्यक्रम तैयार किए।

अनुसंधान और मूल्यांकन

सी.आई.ई.टी. के शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम 'तरंग' की मॉनीटरिंग रिपोर्ट "टेलिकास्ट एट प्राइमरी लेवल" तैयार की गई। कक्षा-6

स्तर पर मापन की अवधारणा के अध्यापन पर अनुक्रियात्मक वीडियो कार्यक्रमों का मूल्यांकन अध्ययन किया गया।

विस्तार और विकास

सी.आई.ई.टी. के कंप्यूटर कक्ष में मल्टी-मीडिया सुविधा युक्त 10 कंप्यूटर हैं। इसकी स्थापना फरवरी-मार्च 1998 में हुई मगर बहुत कम समय में इस कक्ष ने वीडियो कार्यक्रमों का आँकड़ा आधार, सी.आई.ई.टी. के कार्मिकों का आँकड़ा आधार, सी.आई.ई.टी. की वेब साइट और कक्षा 6 के विज्ञान के लिए अनुदेशी मल्टीमीडिया सामग्री का विकास कर लिया है। इसके अलावा यह कक्ष सी.आई.ई.टी. के लिए वर्ड प्रक्रियन, आँकड़ा प्रक्रियन, ग्राफिक्स, ई-मेल और इंटरनेट की सुविधाएँ भी प्रदान करता है।

सी.आई.ई.टी. के केंद्रीय फिल्म लाइब्रेरी संस्थान ने संकाय सदस्यों सहित अपने सदस्यों की फिल्म प्रदर्शन और शोध हेतु 2050 फिल्में जारी कीं। बच्चों, शोधकर्ताओं और स्थानीय शैक्षिक संस्थानों के लिए अनेक फिल्म शो प्रदर्शित किए गए। 70 फिल्मों का आँकड़ा आधार तैयार किया जा चुका है। एस.आई.ई.टी., सी.आई.ई.टी., डाइट और एन.आई.ई. के विभिन्न विभागों ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संदर्भ प्रयोजनों हेतु ऑडियो-वीडियो लाइब्रेरी का व्यापक रूप से प्रयोग कियाँ।

राष्ट्रीय श्रव्य-दृश्य समारोह

सी.आई.ई.टी. ने 28-30 नवंबर, 1998 के दौरान एस.आई.ई.टी. हैदराबाद में तीन-दिवसीय राष्ट्रीय श्रव्य-दृश्य समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में सभी छः एस.आई.ई.टी.—आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, सी.आई.ई.टी. और राष्ट्रीय खुला विद्यालय ने भाग लिया। सी.आई.ई.टी. ने मुख्य शील्ड सहित निम्नांकित वर्गों में पुरस्कार प्राप्त किए:

5-8 वर्षः *आओ सीखें पहाड़ा*
सर्वोत्तम प्रस्तुति : श्रीमती अनीता मल्होत्रा
सर्वोत्तम निदेशक : श्रीमती अनीता मल्होत्रा
सर्वोत्तम आलेख : श्री पी.डी. खट्टर

9-11 वर्षः *सही जगह पर*
सर्वोत्तम प्रस्तुति : श्रीमती अनीता गुप्ता
सर्वोत्तम निदेशक : श्रीमती अनीता गुप्ता
सर्वोत्तम एनीमेशन कला : श्रीमती अनीता गुप्ता

माध्यमिकः *ऊर्जा ग्राम की सैर*
द्वितीय सर्वोत्तम प्रस्तुति : सुश्री उषा नरूला
श्रव्य कार्यक्रम : निर्जीव सजीव
सर्वोत्तम प्रस्तुति : श्री पी.डी. खट्टर

सी.आई.ई.टी.-एस.आई.ई.टी. समन्वयन

सी.आई.ई.टी. नई दिल्ली में सी.आई.ई.टी.-एस.आई.ई.टी. समन्वयन समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में सभी साइट संस्थानों मा.सं.वि.मं. के ई.टी. ब्यूरो के प्रतिनिधियों और सी.आई.ई.टी. के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने एस.आई.ई.टी. और सी.आई.ई.टी. की स्थिति रिपोर्टें प्रस्तुत कीं जिनमें प्रस्तुति, शोध, अध्ययन, प्रसारण और दूरदर्शन प्रसारण, उपकरण और सुविधाएँ, बजट का उपयोग, भर्ती और संस्थानों के कामकाज में आने वाली बाधाओं से संबंधित ब्यौरे शामिल थे। मा.सं.वि.मं. के प्रतिनिधियों के साथ वित्तीय और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की गई। मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने कुछ मुद्दों का यथास्थान समाधान किया और बाकी मुद्दों और समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन दिए। कार्यक्रम निर्माण, उपयोग और उपकरणों से संबंधित मुद्दों पर सी.आई.ई.टी. संकाय सदस्यों तथा तकनीकी स्टाफ के साथ चर्चा की गई। अनुभवों का परस्पर आदान-प्रदान किया गया और अगले वर्ष की कार्यनीतियाँ और योजनाएँ तैयार की गईं।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी को क्षेत्रीय सहयोग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल ने मध्य प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी के सहयोग से जुलाई 1998 माह में प्रारंभिक स्तर पर रेडियो आलेख लेखन पर एक कार्यशाला आयेजित की।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्री

1. रिपोर्ट ऑन नीड एसेसमेंट ऑफ एजुकेशनल मीडिया प्रोग्राम्स फॉर अपर प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रन एण्ड टीचर्स (फोटो प्रति)
2. मीडिया सपोर्ट ऑन सॉप्ट, सभी भाषाओं में रूपांतरित (फोटो प्रति)
3. इंस्ट्रक्शनल मैटीरियल फॉर दि यूजर्स ऑफ वन पैकेज ऑफ मैथ प्रोग्राम्स फॉर प्राइमरी स्कूल (मुद्रित)

अध्याय / 16

कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता

एन.सी.ई.आर.टी. अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों में आधुनिक प्रौद्योगिकीय सहायता/मीडिया के प्रयोग के लिए कंप्यूटर शिक्षा संबंधी मुद्दों और समस्याओं तथा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर निरंतर ध्यान दे रही है। प्रशासनिक स्टाफ के ऑफिस के कामकाज में कंप्यूटर प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 17 दिसंबर, 1998 को परिषद् के कंप्यूटर केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया।
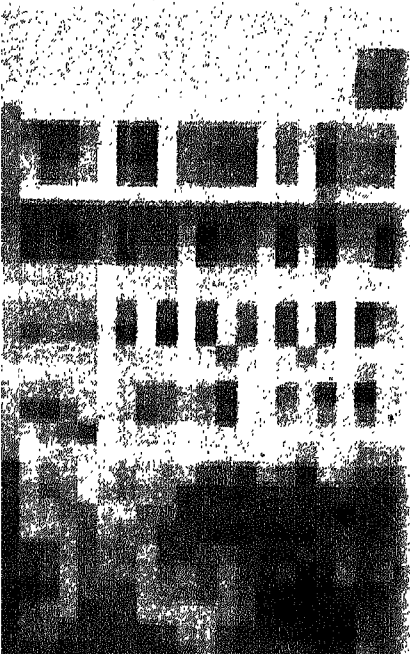
एन.सी.ई.आर.टी. अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों में आधुनिक प्रौद्योगिकीय सहायता/मीडिया के प्रयोग के लिए कंप्यूटर शिक्षा संबंधी मुद्दों और समस्याओं तथा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर निरंतर ध्यान दे रही है। कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नांकित कार्यकलापों पर बल दिया जाता है: एन.सी.ई.आर.टी. संकाय को सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल और कंप्यूटर संसाधन केंद्र (सी.आर.सी.) तथा अपने विभागों, दोनों में सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाओं के अधिकतम उपयोग करने में मदद करना, परिसर में आई.टी. सूचना प्रौद्योगिकी और संचार सुविधाओं का विस्तार करना जिसमें सम्मिलित हैं: संगणक और आकलन की सुविधाएँ और सी.आर.सी. में टी.सी.पी./आई.पी. की सुविधाएँ तथा फैक्स से संदेश भेजने और प्राप्त करने के साधन, परिषद् के वेबसाइट को संवर्धित करना और विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक संसाधन के रूप में वेबसाइट विकसित करने के लिए अपेक्षित महत्वपूर्ण योगदान हेतु तैयारी करना संकाय के सदस्यों ने व्यक्तिगत स्तर पर शुरू किए गए अपने परियोजना अध्ययनों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके लिए वे पूरे वर्ष प्रयासरत रहे। शैक्षिक स्टाफ के लिए आई.टी. साक्षरता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशासनिक स्टाफ के ऑफिस के कामकाज में कंप्यूटर प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। (कंप्यूटर पर हिंदी शब्द साधन प्रशिक्षण) डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 17 दिसंबर, 1998 को परिषद् के कंप्यूटर केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया। विभिन्न प्रकार के विज्ञान किटों का उत्पादन जारी रहा। विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण भी जारी रहा। टी.टी.आई. के छात्र अध्ययन के लिए कार्यशाला के दौरे भी किए। ये सब प्रौद्योगिकीय सहायता के क्षेत्र की प्रमुख गतिविधियाँ थीं।

कंप्यूटर शिक्षा

विकास

नाभिकीय रसायनशास्त्र पर एक कंप्यूटर सहायक अनुदेशी पैकेज का प्रायोगिक प्रारूप विकसित किया गया। यह कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उपलब्ध है। इसकी संदर्शिका भी मिमियोग्राफ के रूप में तैयार की गई है। सुप्रसिद्ध पियाजिसयन के कुछ कार्यों के अनुकरण में एक कंप्यूटर कार्यक्रम और संबंधित संदर्शिका का विकास किया गया। यह पैकेज छोटे बच्चों की संज्ञानात्मक दक्षताओं की पहचान के लिए एक उपचारात्मक उपकरण के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। कंप्यूटर पाठ्यक्रम के तीन मॉड्यूलों—पाईथागोरस प्रमेय, हाइड्रोकार्बन और रसायनिक गतिकी का विकास किया गया। मॉड्यूल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उपलब्ध हैं। इस सामग्री के परीक्षण और प्रचार-प्रसार
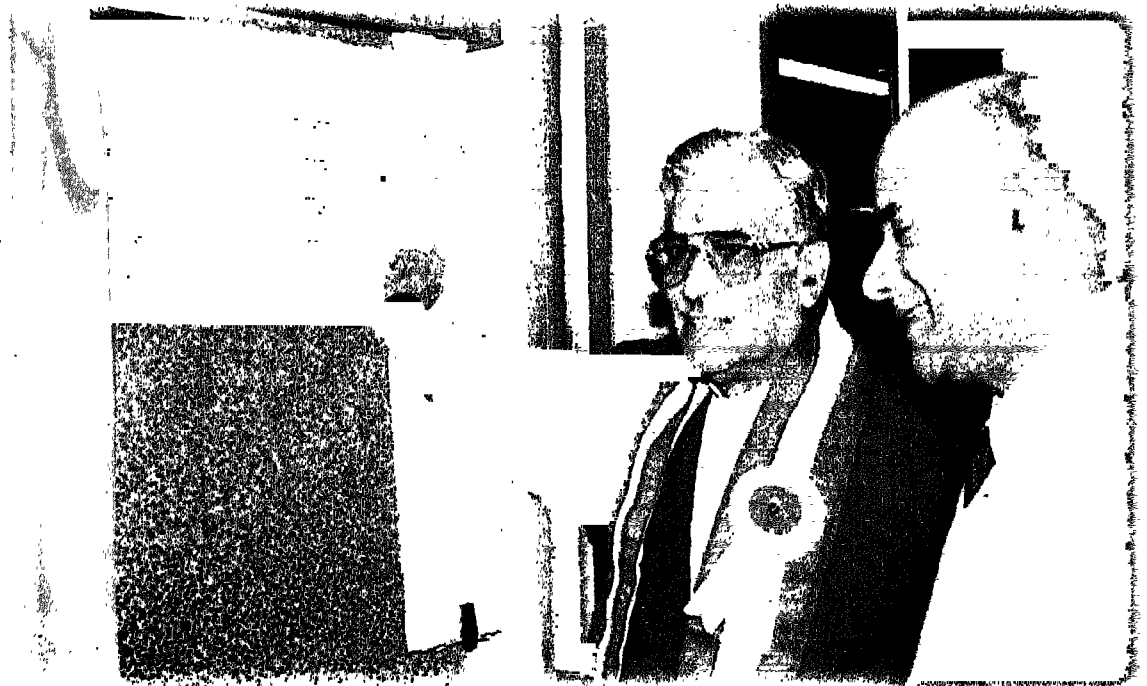
मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा कंप्यूटर संसाधन केंद्र का उद्घाटन

के लिए जरूरी उपकरण और कार्यनीति का विकास करना आवश्यक है।

एक पुस्तिका "इंटरनेट एन एजुकेशनल टूल" निकाली गई। इस पुस्तिका का विकास परिषद् में किया गया था और दो दिवसीय कार्यशाला में अध्यापकों ने इसका मूल्यांकन किया था। इस पुस्तिका के मिमियोग्राफ टिप्पणी एवं सुझाव के लिए अनेक व्यक्तियों के पास भेजे गए थे। एन.सी.ई.आर.टी. स्टाफ को आई.टी. साक्षरता में स्वयं प्रशिक्षण के लिए 5 प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए। ये सभी मॉड्यूल मिमियोग्राम के रूप में हैं।

प्रशिक्षण और विस्तार

कंप्यूटर संसाधन केंद्र में नए महत्वपूर्ण आई.टी. संसाधन शामिल किए गए। प्रयोक्ताओं की बढ़ती माँग पर अतिरिक्त दो टी.सी. पी./आई.पी. लाइनें ली गईं। कंप्यूटर केंद्र में इंटरनेट की तीन सीधी लाइनें उपलब्ध हैं। सी.आर.सी. के प्रयोक्ताओं को अपने ई-मेल नंबर खोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सी.आर.सी. में एन.आई.ई. के शैक्षिक और प्रशासनिक स्टाफ के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान यह महसूस हुआ कि पूर्व निर्धारित समय में औपचारिक प्रशिक्षण की अपेक्षा पूरे साल अनौपचारिक रूप से कार्य अभ्यास और प्रशिक्षण अधिगम प्रभावकारी होगा। एन.सी.ई.आर.टी. के जर्नलों के दो अंकों का नेट वर्जन विकसित किया गया और इससे परिषद् के वेबसाइट को अद्यतन बनाया गया।

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालवीय नगर के विद्यार्थियों के दो बैचों को कंप्यूटर के बारे में जानकारी दी गई। ये विद्यार्थी व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए परिषद् के कार्यालय में आए थे।

अनुसंधान मार्गदर्शन

जामिया मिलिया इस्लामिया में सॉफ्टवेयर सिस्टम में मास्टर डिग्री के एक भाग के रूप में पुस्तकालय सूचना प्रणाली पर लघुशोध प्रबंध तैयार करने के लिए परिषद् के संकाय के मार्गदर्शन में कार्य करने के लिए दो छात्र संबद्ध किए गए थे। इकबाल अहमद और मिशबाह आलम नामक छात्रों ने परिषद् के पुस्तकालय और प्रलेखन प्रभाग के जर्नल और पुस्तक वितरण विभागों में सुधार के लिए कार्यक्रम विकसित किए। इनके परियोजना लघुशोध प्रबंध और कंप्यूटर प्रोग्राम परिषद् के पुस्तकालय और प्रलेखन एकक में उपलब्ध हैं।

प्रौद्योगिकीय सहायता

विकास

1998-99 में 500 प्राथमिक विज्ञान किट, 50 एकीकृत विज्ञान किट और 260 छोटे टूल किट तैयार किए गए। प्राथमिक विज्ञान किट की संशोधित और परिष्कृत संदर्शिका को सी.आर.सी. में उपलब्ध डी.टी.पी. पर तैयार किया गया। यह नई संदर्शिका प्राथमिक विज्ञान किट के साथ उपलब्ध है। किट के साथ यह संदर्शिका भी राज्यों को भेजी जाती है।

प्रशिक्षण

आई.टी.आई., मालवीय नगर, शाहदरा, जहांगीरपुरी और निजामुद्दीन (सभी दिल्ली में स्थित हैं) के विद्यार्थियों के दल तकनीकी अध्ययन दौरे पर एन.सी.ई.आर.टी. कार्यशाला में आए। इन संस्थानों के कई विद्यार्थियों ने प्रशिक्षु के रूप में कर्मशाला में कार्य किया। इसके अलावा विभिन्न ट्रेडों के विद्यार्थी स्वैच्छिक प्रशिक्षण के लिए कर्मशाला में आए। आई.टी.आई., खिचड़ीपुर के विद्यार्थियों के लिए प्लास्टिक प्रक्रमण प्रौद्योगिकी पर 15 दिन का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

1998-99 में प्रकाशित रिपोर्टें और सामग्री

1. आई.टी. लिटरेसी मॉड्यूल्स
   (1) विन्डो 95 (2) वर्ड 97
   (3) एक्सेल 97 (4) एसेस 97
   (5) ई-मेल (फोटो प्रति)
2. दि इंटरनेट : एन एजुकेशनल टूल (फोटो प्रति)
3. कोसवेटा (मॉड्यूल्स) (मैग्नेटिक डिस्क)
   (1) पाईथागोरस थियरम
   (2) हाइड्रोकार्बन
   (3) केमिकल काइनेटिक्स
4. ए सी.ए.आई. पैकेज ऑन न्यूक्लियर केमिस्ट्री (मैग्नेटिक डिस्क)
5. पियाजिसयन टास्क (कंप्यूटर अनुकरण) (मैग्नेटिक डिस्क/ फोटो प्रति संदर्शिका)
6. मैनुअल फॉर प्राइमरी साइंस किट (संशोधित) फोटो प्रति

अध्याय/17

विशेष कार्यक्रम

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) 1994 में शुरू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यालय शिक्षा की सुलभता और प्रतिधारण में सुधार अधिगम संप्राप्ति में संवृद्धि और सामाजिक तथा लैंगिक असमानताओं को निम्न स्तर पर लाने के लिए विद्यालय त्याग की दर में कमी लाने में राज्य सरकारों का सहयोग करना है। डी.पी.ई.पी. का उद्देश्य केवल प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण ही नहीं है बल्कि प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार का सार्वजनीकरण भी है।

(क) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी) 1994 में शुरू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यालय शिक्षा की सुलभता और प्रतिधारण में सुधार अधिगम संप्राप्ति में संवृद्धि और सामाजिक तथा लैंगिक असमानताओं को निम्न स्तर पर लाने के लिए विद्यालय त्याग की दर में कमी लाने में राज्य सरकारों का सहयोग करना है। डी.पी.ई.पी. का उद्देश्य केवल प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण ही नहीं है बल्कि प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार का सार्वजनीकरण भी है।

देश भर में डी.पी.ई.पी. कार्यक्रमों और कार्यकलापों में योगदान देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. में निम्नलिखित संसाधन समूहों की स्थापना की गई है :

1. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संसाधन समूह (एन.सी.आर.जी.)
2. राष्ट्रीय अनुसंधान संसाधन समूह (एन.आर.आर.जी.)
3. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन समूह (एन.टी.आर.जी.)

अक्तूबर 1996 में शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राज्य परियोजना कार्यालयों और निदेशक, एडसिल आदि के बीच संपर्क स्थापित करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. में डी. पी.ई.पी. केंद्रिक संसाधन समूह (डी.पी.ई.पी.सी.आर.जी.) गठित किया गया।

आधार रेखा और मध्यावधि मूल्यांकन सर्वेक्षण

डी.पी.ई.पी. केंद्रित संसाधन दल के महत्वपूर्ण दायित्वों में से एक था—आधार रेखा निर्धारण सर्वेक्षण (बी.ए.एस.) और माध्यावधि निर्धारण सर्वेक्षण (एम.ए.एस.) का संचालन। समूह ने बी.ए.एस. और एम.ए.एस. के संचालन के लिए अनुसंधान की डिजाइन के विकास और अनुसंधान उपकरणों में संशोधन के कार्य शुरू किए। प्रशिक्षण और विस्तार के स्तर पर बी.ए.एस. के संचालन के लिए राजस्थान में राज्य स्तर के मुख्य प्रशिक्षकों के लिए 10 दिन का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यों के मूल्यांकन अध्ययनों की रिपोर्टों में एकरूपता और संगति स्थापित करने के उद्देश्य से डी.पी.ई.पी.सी.आर., एन.सी.ई.आर. टी. में चरण 1 के 7 डी.पी.ई.पी. राज्यों के मुख्य अन्वेषकों के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। एम.ए.एस. की अंतिम रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया और "मिड-टर्म एसेसमेंट सर्वे—एन एप्रेजल ऑफ स्टूडेंट्स एचीवमेंट, शीर्षक से एक दस्तावेज प्रकाशित किया गया। इस दस्तावेज में मध्यावधि सुधार के संकेतक दिए गए हैं जो डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत भावी योजना निर्माण के कार्यबिंदु स्थापित करते हैं।

अनुसंधान

प्राथमिक स्तर पर अधिगम संयोजन, सामुदायिक भागीदारी और विद्यालय प्रभाविता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

चौथी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 जुलाई, 1998 के दौरान आयोजित की गई। इस संगोष्ठी की पूर्व तैयारी के रूप में अप्रैल-मई 1998 के दौरान क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों—अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में 4 क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। इन क्षेत्रीय संगोष्ठियों के लिए प्राप्त 253 प्रविष्टियों में से भारतीय लेखकों के 70 आलेखों को प्रस्तुति के लिए चुना गया। अंत में निर्णायक दल द्वारा पाँच निर्धारित बिंदुओं के आधार पर प्रस्तुति मूल्यांकन के पश्चात् अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुतिकरण के लिए 23 आलेख चुने गए। इनके अलावा सत्रों के बाद की प्रस्तुति के लिए तीन आलेखों का चयन किया गया। इस संगोष्ठी हेतु भारतीय लेखकों के अलावा 17 विदेशी भागीदारों के आलेख भी प्राप्त हुए थे। एक विशेषज्ञ दल ने इन आलेखों की समीक्षा की और संगोष्ठी में प्रस्तुति के लिए केवल सात आलेखों का चयन किया। ये सात लेखक यू.के., नीदरलैंड, लेसेथो और बंगलादेश से थे। इस संगोष्ठी में 31 आलेख प्रस्तुत किए गए। 2 लेखक संगोष्ठी में नहीं शामिल हो सके। संगोष्ठियों के निष्कर्षों का आधारभूत स्तर तक प्रचार-प्रसार करने के लिए *सजेस्टेड एक्शन प्वाइंट्स बेस्ड ऑन स्टडीज प्रजेंटेड ड्यूरिंग इंटरनेशनल सेमिनार आर्गेनाइज्ड बाई एन.सी.ई.आर.टी. इन 1995-1996 एण्ड 1997* शीर्षक से रिपोर्टें निकाली गईं। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेखों और संगोष्ठी की कार्यवाही को इसकी रिपोर्ट में शामिल किया गया।

प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान अध्ययन

एन.सी.ई.आर.टी. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों सहित अपने संघटक संस्थानों/विभागों में डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन करती रही है। 1998-99 में इसके क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों ने निम्नांकित परियोजना अनुसंधान पूरे किए :

1. डी.पी.ई.पी. विद्यालयों में पाठ्यचर्या कार्य संपादन की प्रासंगिकता (आर.आई.ई., अजमेर)
2. प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण प्रक्रिया के प्रभावी कार्यान्वयन की बाधाएँ (आर.आई.ई., अजमेर)
3. कक्षा 2 के आदिवासी बच्चों द्वारा जोड़ की कार्यविधियों का प्रयोग (आर.आई.ई., भोपाल)
4. उड़ीसा के प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की क्षमता पर डी.पी.ई.पी. के प्रवास के संदर्भ में शैक्षिक नवाचार पर प्रशिक्षण का प्रभाव (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर)
5. आंध्र प्रदेश के डी.पी.ई.पी. जिलों में अध्यापकों के कक्षा अध्यापन और विद्यार्थियों की अधिगम संप्राप्ति पर राज्य

संसाधन समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर)

क्रियात्मक अनुसंधान के लिए क्षमता निर्माण

विद्यालय अध्यापकों, मुख्य अध्यापकों, बी.आर.सी/सी.आर.सी संयोजकों, डाइट संकाय और जिला स्तर के अन्य डी.पी.ई.पी. कार्मिकों में क्रियात्मक अनुसंधान करने की अपेक्षित क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसंधान संसाधन समूह ने डी.पी.ई.पी. राज्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित कीं। यद्यपि प्रशिक्षण में मुख्य बल क्रियात्मक अनुसंधान विधि पर था फिर भी इसके पाठ्यक्रम में व्यावहारिक अनुसंधान की दूसरी तकनीकों को भी शामिल किया गया। प्रशिक्षण कार्यशालाओं के दौरान भागीदारों ने समूह के रूप में कार्य किया और क्रियात्मक अनुसंधान के प्रस्ताव विकसित किए। कार्यशालाओं की रिपोर्टो का भागीदारों, अन्य डी.पी.ई.पी. राज्यों के प्राधिकारियों, डी.पी.ई.पी. ब्यूरो, एम.एच.आर.डी. और एडसिल लिमिटेड के बीच व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया गया। 1998-99 में क्रियात्मक अनुसंधान विधि पर हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और गुजरात में प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ

बहुकक्षीय अध्यापन-अधिगम के लिए संसाधन समर्थन

ग्रामीण क्षेत्रों में दो या तीन अध्यापकों वाले छोटे प्राथमिक विद्यालयों के कार्य निष्पादन में सुधार के लिए कार्ययोजना और कार्यनीति विकसित करने के उद्देश्य से क्रियात्मक अनुसंधान अध्ययन परियोजना शुरू की गई। यह परियोजना उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में प्रत्येक के एक प्रखंड के 4 संघटनों में शुरू की गई। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर, भोपाल, मैसूर और मुख्यालय में डी.पी.एस.ई.ई. ने परियोजना कार्य का संयोजन किया। इस परियोजना अध्ययन के अंतर्गत निम्नांकित कार्य पूरे किए गए :

- चयनित संघटनों और नियंत्रण प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाने वाले तुलनीय विद्यालयों में बेंच मार्क परीक्षण किया गया।
- सभी 4 राज्यों में बहु कक्षा स्तर पर अध्यापन अधिगम कार्य निष्पादन के लिए अध्यापक समर्थन सामग्री का विकास।
- महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में सी.आर.सी. कार्मिकों का प्रशिक्षण।

भाषा और गणित में निदानात्मक परीक्षण के बिंदु

प्राथमिक कक्षाओं के गणित और भाषा में विद्यार्थियों के विकास की स्थिति का पता लगाने और उनकी अधिगम संबंधी कठिनाइयों तथा दक्षता और कमजोरियों के क्षेत्रों की पहचान करने के उद्देश्य से निदानात्मक परीक्षण के बिन्दु विकसित किए गए। अध्यापक, अध्यापक प्रशिक्षक शैक्षिक योजनाकार और विद्यार्थियों की अधिगम संप्राप्ति में सुधार के लिए प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एजेंसियाँ इन परीक्षण बिंदुओं का उपयोग कर सकती हैं।

डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत तैयार पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन

डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत केरल और मध्य प्रदेश में विकसित की गई प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन किया गया ताकि इन राज्यों द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं में उनके कार्य निष्पादनों तथा कक्षा कक्षों के स्तरों पर गुणवत्ता में वास्तविक संवृद्धि में उनकी प्रभावकारी क्षमता का मूल्यांकन करके रिपोर्ट तैयार की जा सके। यह अध्ययन पूरा हो गया है। इसकी रिपोर्ट डी.पी.ई.पी. ब्यूरो, एम.एच.आर.डी. को प्रस्तुत कर दी गई है।

कक्षाओं की प्रक्रियाएँ और विद्यालय के प्रतिफल

इस अध्ययन में पूरे शैक्षिक सत्र में कालिक प्रतिदर्श के आधार पर चुने गए विभिन्न प्रकार के विद्यालयों का सूक्ष्म प्रेक्षण शामिल है। इसमें अध्ययन के लिए चुने गए विद्यालयों में प्रत्येक का शैक्षिक कार्यक्रम के तीन विभिन्न बिंदुओं पर एक सप्ताह तक प्रेक्षण करने का प्रस्ताव था। इस अध्ययन में आंध्र प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। इस अध्ययन में जो विधि अपनाई गई है वह मानव विज्ञान/मानवजातीय प्रकृति की है जिसे आमतौर पर सूक्ष्म गुणात्मक केस अध्ययन में प्रयोग किया जाता है। इस अध्ययन के लिए समीक्षाधीन वर्ष में जो कार्य किए गए वे इस प्रकार हैं: कक्षा कक्षों का प्रेक्षण, अध्यापकों के सघन साक्षात्कार, प्रत्येक विद्यालय में कक्षा कक्ष की एक दिन की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकार्डिंग और अधिगम संप्राप्ति परीक्षण का संचालन। "दि प्राइमरी इयर्स–टुवर्ड्स ए करीकुलम फ्रेमवर्क" नामक दस्तावेज के दोनों भागों के प्रारूप पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (अजमेर, भोपाल, मैसूर, भुवनेश्वर) में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ताकि प्रत्येक संस्थान के संकाय की चर्चाओं के प्रकाश में इनमें अपेक्षित संशोधन किया जा सके।

प्रशिक्षण

सेवारत नवाचारी प्रशिक्षण कार्य व्यवहार का केस अध्ययन

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, टी.आई.एफ.आर, मुंबई द्वारा

आयोजित सेवारत नवाचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभाविता का मूल्यांकन करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने एक अध्ययन किया। इस नवाचारी प्रशिक्षण कार्य में अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यों के रूप में विद्यालयों के दौरे, संगोष्ठियाँ और बुलेटिनों की तैयारी आदि भी सम्मिलित है। यह महाराष्ट्र के आश्रम विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्यापकों की अध्यापन प्रक्रिया के व्यावसायिक विकास और संवृद्धि के उद्देश्य से आवश्यकता आधारित दो वर्षीय सघन और व्यापक सेवारत प्रशिक्षण है। इस प्रशिक्षण योजना का मूल्यांकन करने के लिए कार्य किए गए, वास्तविक प्रशिक्षण कार्य व्यवहार का प्रेक्षण किया गया, आँकड़ों का संकलन किया गया तथा प्रशिक्षण के बारे में अध्यापकों की राय जानने के लिए उनके साक्षात्कार लिए गए। मूल्यांकन से पता चला कि अनेक विशेषताओं से युक्त यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही लागत प्रभाव और विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए, अधिक प्रभावकारी सेवारत प्रशिक्षण था।

प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं का निर्धारण

प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. ने अनेक तकनीक और उपकरण विकसित किए। इन उपकरणों में सम्मिलित हैं : (1) गणित, भाषा (हिंदी) और पर्यावरण अध्ययन भाग-1 और 2 में निदानात्मक परीक्षण, (2) प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारक प्रश्नावली (3) अध्यापक के कार्य व्यवहार के लिए कक्षा कक्षों के प्रेक्षण की कार्यसूची (4) प्राथमिक अध्यापकों के समूह साक्षात्कार के आयोजन के लिए मार्गदर्शन/परीक्षणों और उपकरणों के विकास और उपयोग के लिए एक स्वअधिगम मॉड्यूल विकसित किया गया और डी.पी.ई.पी. प्रशिक्षण संयोजकों से इस पर चर्चा की गई। प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण की विषय-वस्तु और शिक्षाशास्त्रीय आवश्यकताओं में सम्मिलित हैं—बालकेंद्रित अधिगम विधियों का प्रयोग, स्थानीय उपलब्ध सामग्री से कम लागत की शिक्षण सामग्री का विकास और उपयोग, एम.एल.एल. सतत् और व्यापक मूल्यांकन तथा विषय विशेष अध्यापन विधि।

अकादमिक समर्थन के लिए प्रखंड और संघटन संसाधन केंद्रों का अंगीकरण

डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम को अधिक प्रभावकारी बनाने के लिए प्रखंड स्तर और संघटन स्तर पर उप जिला ढाँचा बनाए गए। "अकादमिक समर्थन प्रदान करने के लिए सी.आर.सी. और बी.आर.सी. का अंगीकरण" पर एक अध्ययन संचालित किया गया ताकि उनके कार्यकलापों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपेक्षित कार्यनीतियों का विकास किया जा सके। कक्षा कक्षों में विद्यार्थियों और अध्यापकों के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा विद्यालय दौरे, मासिक बैठकें और सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रूप में बी.आर.सी. और सी.आर.सी. के जरिए शैक्षिक समर्थनकारी आगतें प्रदान की गई। शैक्षिक परिवर्तनकारी सहायता प्रदान करने के लिए हिसार जिले के हांसी को बी.आर.सी. के लिए चुना गया। मार्गदर्शी बिंदु विकसित किए गए और बी.आर.सी. और सी.आर.सी. के प्रभावकारी कार्यकलाप के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन परिवर्तनगामी कार्यों के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए विषय केंद्रित समूह चर्चा का प्रयोग किया गया। अध्यापकों और अन्य दूसरों की राय से सेवारत कार्यक्रम की विषय-वस्तु और प्रक्रिया में भारी परिवर्तन किया गया है। सी.आर.सी. स्तर की मासिक बैठकों के आयोजनों में मार्गदर्शी बिंदुओं को लागू किया गया है। प्राथमिक विद्यालयों की अधिगम संप्राप्ति को बढ़ाने में मासिक परीक्षाएँ एक महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध हुई हैं।

प्राथमिक अध्यापकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण की गुणवत्ता

प्राथमिक अध्यापकों की सक्षमता निर्माण के लिए डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपलब्ध करवाई गई विभिन्न आगतों की पर्याप्तता के मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली समस्याओं को पहचानने, प्रतिभागियों की बोधात्मकता को जानने तथा हिसार जिले के बी.आर.सी. 1 तथा 2 से नमूने के तौर पर चुने गए 127 प्रतिभागी अध्यापकों द्वारा प्राप्त किए गए ज्ञान के संबंध में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन आयोजित किया गया। जानकारी के लिए आँकड़ों को एकत्र करने हेतु प्रतिभागी बोधगम्यता पैमाना, प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रेक्षण अनुसूची सामूहिक चर्चा का केंद्र बिन्दु, संसाधन व्यक्तियों के लिए साक्षात्कार अनुसूची तथा अध्यापकों के लिए संप्राप्ति परीक्षण का प्रयोग किया गया।

इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि प्रशिक्षण शिविरों में भौतिक सुविधाएँ अपर्याप्त थीं। कार्यक्रम के दौरान उपलब्ध तकनीकी सहायकों जैसे प्रोजेक्टर, टी.वी. तथा वीडियो का प्रयोग शायद ही किया गया हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रशिक्षण सामग्री की आपूर्ति की गई। अधिकतर अध्यापकों के विचार से पाठ्यक्रम की सामग्री एक हद तक व्यापक थी तथा गणित में अधिक संवर्धन सामग्री (क्षेत्र कोष्ठक, ऐकिक विधि, समय तथा कार्य, समय तथा दूरी आदि) की आवश्यकता है। सामान्य जानकारी के क्षेत्र में अध्यापकों को कार्यक्रम से लाभ हुआ। प्रशिक्षण द्वारा चर्चा के अधिकाधिक अवसर, अध्यापन सहायकों का प्रयोग तथा आनंदकारी अधिगम भी उपलब्ध करवाया गया। आर.आई.ई. भोपाल ने प्राथमिक अध्यापकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण की मानीटरिंग तथा मूल्यांकन पर राज्यों के

कार्मिकों के लिए पाँच दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा

अक्तूबर 1998 के दौरान आयोजित समीक्षा बैठक में अनुसूचित जाति के बच्चों तथा जनजातीय बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उड़ीसा राज्य को गैर जनजातीय अध्यापकों के बदलते व्यवहार, जनजातीय भाषा प्रशिक्षण तथा साओरा भाषा की पाठ्यपुस्तक—इराई फॉर क्लास-1 तैयार करने के लिए संसाधन सहायता उपलब्ध करवाई गई।

आन्ध्र प्रदेश को आगामी छह महीनों की संयुक्त कार्रवाई योजना को अंतिम रूप देने, गुजरात को एक वर्ष के लिए प्रत्येक जिले हेतु कार्रवाई योजना की रूपरेखा बनाने तथा राज्य दल के लिए अनुकूल योजनाएं बनाने और महाराष्ट्र को जिला स्तर की योजनाओं में संशोधन करने के लिए भी संसाधन सहायता उपलब्ध करवाई गई।

उत्तर प्रदेश तथा बिहार के डी.पी.ई.पी. जिलों में "अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे संस्थानों की आवश्यकताओं की पहचान और अध्ययन" नामक परियोजना आरंभ की गई तथा इन संस्थानों की आवश्यकताओं के निर्धारण के लिए साधनों का एक सैट तैयार किया गया। "जनजातीय बच्चों द्वारा गणित शिक्षण—एक विषयी अध्ययन" पर एक अनुसंधान अध्ययन भी प्रगति पर है।

1998-99 के दौरान प्रकाशित रिपोर्टें तथा अन्य सामग्री

1. टीचर एम्पावरमेंट एण्ड स्कूल इफेक्टिवनेस एट प्राइमरी स्टेज (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 1997 पर पूर्ण आलेखों का समेकित रूप) (मुद्रित)
2. रिवाइज्ड शैडयूल फॉर दि कंडक्ट ऑफ एसेसमेंट सर्वे इन डी.पी.ई.पी. स्टेट्स (अनुलिपि)
3. मिड-टर्म एसेसमेंट सर्वे—एन एप्रेसल ऑफ स्टूडेंट्स एचीवमेंट (मुद्रित)
4. फ्रेमवर्क ऑफ एनालिसिस ऑफ दि डाटा ऑफ एसेसमेंट सर्वे (अनुलिपि)
5. कोडिंग स्कीम फॉर डाटा एन्ट्री फॉर डी.पी.ई.पी. एसेसमेंट सर्वे (अनुलिपि)
6. हैण्डबुक ऑफ टीचिंग-लर्निंग मैटीरियल—एडोप्शन ऑफ ब्लॉक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर फॉर एकेडमिक सपोर्ट (टंकित)
7. एडॉप्शन ऑफ ब्लॉक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट (टंकित)
8. हैण्डबुक ऑन टीचर सपोर्ट मैन्युअल फॉर इन्नोवेशन इन मल्टीग्रेड स्कूल्स ऑफ विजय नगर, आं.प्र. (टंकित)
9. क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम फॉर आश्रम स्कूल्ज : केस स्टडी (होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, मुंबई द्वारा आयोजित) (टंकित)
10. एसेसिंग प्राइमरी टीचर्स ट्रेनिंग, नीड्स-सेल्फ लर्निंग पैकेज फॉर ट्रेनर्स (टंकित)
11. आइडेंटिफिकेशन ऑफ ट्रेनिंग नीड्स ऑफ प्राइमरी टीचर्स—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी (टंकित)
12. एडॉप्शन ऑफ ब्लाक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी कंडक्टिड इन हरियाणा (टंकित)
13. एडॉप्शन ऑफ ब्लाक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी कंडक्टिड इन हिमाचल प्रदेश (टंकित)
14. एडॉप्शन ऑफ ब्लाक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी कंडक्टिड इन मध्य प्रदेश (टंकित)
15. एडाप्शन ऑफ ब्लॉक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी कंडक्टिड इन उड़ीसा (टंकित)
16. एडॉप्शन ऑफ ब्लॉक एण्ड क्लस्टर रिसोर्स सेन्टर्स फॉर एकेडमिक सपोर्ट—रिपोर्ट ऑफ दि स्टडी कंडक्टिड इन तमिलनाडु (टंकित)
17. क्वालिटी ऑफ प्राइमरी टीचर्स इन इनसर्विस ट्रेनिंग—ए केस स्टडी ऑफ टू ब्लॉक्स इन हिसार डिस्ट्रिक्ट ऑफ हरियाणा (टंकित)

(ख) राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.)

एन.पी.ई.पी. की परियोजना का चौथा चरण इसके नए नाम "पॉपुलेशन एण्ड डवलपमेंट एजूकेशन इन स्कूल्स" (विद्यालयों में जनसंख्या तथा विकास शिक्षा) के अंतर्गत आरंभ किया गया। राष्ट्रीय परियोजना प्रलेख तथा गोवा सहित 30 राज्यों/संघीय क्षेत्रों के लिए परियोजना प्रलेखों को इस चरण में अंतिम रूप दिया गया। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (एन.ओ.एस.), केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस.), नवोदय विद्यालय समिति (एन.वी.एस.), तथा छह राज्य विद्यालय, शिक्षा बोर्डों ने भी पहली बार अपनी परियोजनाओं के प्रलेख तैयार किए। 1998-99 के दौरान आयोजित कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं :

विकास

किशोरावस्था शिक्षा पर आधारभूत सामग्री के एक पैकेज को अंतिम

रूप दिया गया तथा यह मुद्रणाधीन है। इसमें (1) किशोरावस्था शिक्षा पर सामान्य रूपरेखा (2) किशोरावस्था शिक्षाः ज्ञान का आधार (3) किशोरावस्थाः प्रश्न तथा उत्तर (4) विद्यार्थी कार्यकलाप तथा किशोरावस्था शिक्षा-वयस्कों की भूमिका शामिल है।

इस परियोजना को कार्यान्वित करने वाले विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों को यह पैकेज अनुकूलन/अभिग्रहण तथा अपने-अपने राज्यों की भाषाओं में अनुवाद करने के लिए परिचालित भी किया गया।

राज्य परियोजना कार्मिकों तथा राज्य संसाधन व्यक्तियों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर एक प्रशिक्षण पैकेज को अंतिम रूप दिया गया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उसका उपयोग किया गया। श्रम मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के संस्थानों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर अनुदेशक पुस्तिका, जनसंख्या शिक्षा पर पाठ्यविवरण, पोस्टरों तथा ट्रांसपेरेंसी का एक सैट तैयार किया गया। इस सामग्री का प्रयोग आई.टी.आई. संस्थानों में जनसंख्या शिक्षा के अध्यापन के लिए किया जाएगा। पॉपुलेशन एजूकेशन बुलेटिन के दो अंक प्रकाशित किए गए और उनका प्रचार-प्रसार किया गया।

प्रशिक्षण

राज्य परियोजना कार्मिकों के लिए विद्यालयों में जनसंख्या और विकास शिक्षा में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 14 राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी. तथा राज्य बोर्डों से आए 29 परियोजना कार्मिकों ने भाग लिया। दिसम्बर 1998 के अंतिम भाग में राजस्थान में अंतर्राज्यीय दौरे का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विस्तार

मई तथा अगस्त 1998 की अवधि के बीच "जनरेशंस लिविंग टुगेदर" नामक विषय पर अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार विजेताओं का चयन अगस्त 1998 में जजों के एक पैनल द्वारा किया गया। सभी पाँच वर्गों से चुनी गई प्रत्येक प्रविष्टि को न्यूयार्क भेजा गया। यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

अनुसंधान

जनसंख्या और विकास से संबंधित विषयों पर विद्यार्थियों की बोधगम्यता का पोस्टरों के माध्यम से मूल्यांकन अध्ययन किया गया। 1992 से 97 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिताओं के अंतर्गत प्राप्त सभी पोस्टरों में से नमूने के तौर पर 1000 पोस्टरों का विश्लेषण किया गया। इसकी रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया है।

कार्यान्वयन की मॉनीटरिंग (अनुवीक्षण)

एन.सी.ई.आर.टी. के एन.पी.ई.पी. दल के सदस्यों ने इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के अनुवीक्षण के लिए राज्यों/संघीय क्षेत्रों का दौरा किया।

1999 के लिए कार्य योजनाएँ तथा बजट आंकलन तैयार करने के लिए परियोजना प्रगति समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। यू.एन.एफ.पी.ए., यू.जी.सी. प्रौढ़ शिक्षा विभाग तथा विभिन्न अन्य संगठनों को सहयोग प्रदान किया गया। डी.एल.डी.आई.में स्थापित जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन केन्द्र नियमित रूप से सामग्री एकत्रित और प्रचारित करता रहा।

जनसंख्या शिक्षा को क्षेत्रीय स्तर पर योगदान (आगते)

आर.आई.ई. अजमेर ने जनसंख्या शिक्षा सप्ताह मनाया जिसके अंतर्गत जनसंख्या शिक्षा से संबंधित विषयों पर निबंध लेखन, वाद-विवाद तथा पेंटिंग और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। 17 जुलाई, 1998 को आर.आई.ई./डी.एम.एस. के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि उन्हें विद्यमान पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा को शामिल करने में सुविधा हो सके। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में "सामाजिक-आर्थिक संबंधों तथा सांस्कृतिक परिवर्तनों और जननक्षमता व्यवहारों" पर एक अध्ययन किया गया और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। आर.आई.ई. भोपाल ने किशोरावस्था शिक्षा (ए.ई.) सामग्री की प्रभावोत्पादकता पर एक अध्ययन सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस सामग्री का क्षेत्रीय परीक्षण किया गया। इसे अंतिम रूप दिया गया, मुद्रित किया गया और व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया गया। इस संस्थान ने व्याख्यान माला, अंतर विद्यालयी पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताएँ इत्यादि का आयोजन करके विश्व जनसंख्या दिवस भी मनाया।

आर.आई.ई. भुवनेश्वर ने भी अगस्त 1998 के दौरान जनसंख्या शिक्षा सप्ताह मनाया तथा निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, चित्रकला तथा पेंटिंग व प्रदर्शनी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने जैसे विविध कार्यकलाप किए। भुवनेश्वर के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आर.आई.ई. मैसूर द्वारा आयोजित एन.पी.ई.पी. कार्यकलापों में शामिल थीं : किशोरावस्था शिक्षा में आवश्यकता निर्धारण अध्ययन के लिए 9 संसाधन व्यक्ति/जनसंख्या शिक्षा की पुनर्संकल्पना पर आयोजित संगोष्ठी में एस.सी.ई.आर.टी. के 35 संकाय सदस्यों, राज्य बोर्डों, क्षेत्र के दक्षिणी राज्यों के पाठ्यपुस्तक ब्यूरो आदि ने भाग लिया तथा जनसंख्या और विकास शिक्षा पर आयोजित संगोष्ठी में आई.ए.एस.ई., सी.टी.ई. तथा डी.आई.ई.टी. के 12 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

88 1998-99 के दौरान प्रकाशित रिपोर्टें तथा अन्य सामग्री

1. न्यूजलेटर–पॉपुलेशन एजुकेशन बुलेटिन जुलाई 1998-जनवरी 1999
2. पॉपुलेशन एजुकेशन-क्वश्चन बैंक (प्राथमिक स्तर) (अनुलिपि)
3. पॉपुलेशन एजुकेशन-क्वश्चन बैंक (माध्यमिक स्तर) (अनुलिपि)
4. गाइडलाइन्स फॉर कोकरिकुलर एक्टीविटीज, इन पॉपुलेशन एजुकेशन (अनुलिपि)
5. किशोरावस्था (मुद्रित)
6. जनसंख्या शिक्षा अधिगम सामग्री (मुद्रित)
7. रीजनल सेमिनार ऑन पॉपुलेशन एण्ड डवलपमेंट एजुकेशन (टंकित)
8. इन्स्ट्रक्टर हैण्डबुक ऑन पॉपुलेशन एजुकेशन फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (अनुलिपि)

प्रतिभा की पहचान और प्रोत्साहन

एन.सी.ई.आर.टी. अपनी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.एस.) योजना के अंतर्गत, अ.जा./अ.जनजाति के लिए 70 छात्रवृत्तियों सहित छात्रों को प्रतिवर्ष 750 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। इस योजना का उद्देश्य कक्षा 10 के अन्त में मेधावी छात्रों की पहचान करना और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपनी प्रतिभाओं का विकास कर सकें और अपनी रुचि के विषय में उन्नति करते हुए देश के विकास में सहायक हो सकें।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना

एन.सी.ई.आर.टी. अपनी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.एस.) योजना के अंतर्गत, अ.जा./अ.ज. जाति के लिए 70 छात्रवृत्तियों सहित छात्रों को प्रतिवर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है। इस योजना का उद्देश्य कक्षा 10 के अन्त में मेधावी छात्रों की पहचान करना और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपनी प्रतिभाओं का विकास कर सकें और अपनी रुचि के विषय में उन्नति करते हुए देश के विकास में सहायक हो सकें।

एन.टी.एस. के अंतर्गत पुरस्कार का चयन दो चरणों में किया जाता है। प्रथम चरण में राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के द्वारा प्रायः अक्तूबर और दिसम्बर के बीच लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। इस परीक्षा के आधार पर निर्धारित संख्या में चुने छात्रों को एन.सी.ई.आर.टी. के अंतर्गत दूसरे स्तर की परीक्षा के लिए संस्तुत किया जाता है। द्वितीय स्तर की चयन परीक्षा में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दोनों ही सम्मिलित हैं। एन.सी.ई.आर.टी. इन छात्रों को न केवल छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है, बल्कि देश के प्रमुख संस्थानों की सहायता और सहयोग से छात्रों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए उपयुक्त ग्रीष्मावकाश संस्थानों की व्यवस्था भी करती है।

वर्ष 1998-99 के दौरान दी गई एन.टी.एस. छात्रवृत्तियों की संख्या

क्रमांक	*राज्य/संघीय क्षेत्र*	*आबंटित कोटा*	*दूसरे स्तर की परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या*	*पुरस्कृत छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य वर्ग)*	*अ.जा./अ.ज.जा. वर्गों को दी गई छात्रवृत्तियाँ*
1.	आन्ध्र प्रदेश	185	172	23	03
2.	अरुणाचल प्रदेश	25	24	-	03
3.	असम	90	89	06	01
4.	बिहार	175	172	65	08
5.	दिल्ली	50	48	27	03
6.	गोवा	25	24	04	-
7.	गुजरात	170	126	04	01
8.	हरियाणा	55	54	26	02
9.	हिमाचल प्रदेश	35	35	04	02
10.	जम्मू और कश्मीर	25	25	-	-
11.	कर्नाटक	170	164	50	04
12.	केरल	185	183	39	05
13.	मध्य प्रदेश	205	193	32	02
14.	महाराष्ट्र	380	378	138	12
15.	मणिपुर	25	23	01	02
16.	मेघालय	25	24	-	01
17.	मिजोरम	25	21	-	-
18.	नागालैंड	25	22	-	-
19.	उड़ीसा	155	151	33	01
20.	पंजाब	85	82	24	01
21.	राजस्थान	105	105	38	03
22.	सिक्किम	25	23	-	-
23.	तमिलनाडु	255	236	43	04

वर्ष 1998-99 के दौरान दी गई एन.टी.एस. छात्रवृत्तियों की संख्या

क्रमांक	राज्य/संघीय क्षेत्र	आबंटित कोटा	दूसरे स्तर की परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या	पुरस्कृत छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य वर्ग)	अ.जा./अ.ज.जा. वर्गों को दी गई छात्रवृत्तियाँ
24.	त्रिपुरा	25	19	-	01
25.	उत्तर प्रदेश	420	399	67	02
26.	पश्चिम बंगाल	250	235	46	07
27.	अंडमान निकोबार द्वीप समूह	10	6	01	-
28.	चण्डीगढ़	10	10	09	-
29.	दादरा और नगर हवेली	10	-	-	-
30.	दमन और दीव	10	-	-	-
31.	लक्षदीप	10	-	-	-
32.	पाण्डिचेरी	10	10	-	-
		3,255	**3,059**	**680**	**70**

वर्ष 1998-99 के दौरान पुरस्कृत कुल विद्यार्थियों की संख्या

वरिष्ठ माध्यमिक स्तर

कक्षा-11 750 — 1500

कक्षा-12 750

अवर स्नातक स्तर के अंतर्गत

विज्ञान	141
सामाजिक विज्ञान	75
इंजीनियरिंग/बी. टैक.	1748
मेडीसिन (चिकित्सा)	787

स्नातकोत्तर स्तर के अंतर्गत

विज्ञान	32
सामाजिक विज्ञान	6
इंजीनियरिंग/एम. टैक.	3
मेडीसिन	8
प्रबन्धन	19
पीएच. डी.	5
कुल	**4324**

वर्ष 1998-99 के दौरान व्यय

1. छात्रवृत्तियों का वितरण	85,00,000
2. एन.टी.एस. परीक्षा का आयोजन	7,97,932
कुल	**92,97,932**

वर्ष 1998-99 के दौरान प्रकाशित रिपोर्टें तथा अन्य सामग्री

1. ए फॉलोअप स्टडी ऑफ एन.टी.एस.–ईयर 1987-90 (फोटो प्रतिलिपि)
2. इम्प्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल टेलेंट सर्च स्कीम (फोटो प्रतिलिपि)
3. एन एप्रेसल ऑफ नेशनल टेलेंट सर्च एग्जामिनेशन (फोटो प्रतिलिपि)
4. परफार्मेंस लेवल ऑफ स्टडीज एट स्टेट एण्ड नेशनल लेवल एग्जामिनेशन इन दि एन.टी.एस. (फोटो प्रतिलिपि)

विद्यालय शिक्षा में अनुसंधान और गुणात्मक सुधार के लिए अनुसंधान पर आधारित नीतिगत परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देना एन.सी.ई.आर.टी. का महत्वपूर्ण सरोकार है। अनुसंधान में लगे एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों के अतिरिक्त परिषद् की एक स्थायी समिति के रूप में कार्यरत शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विद्यालय और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्रों में शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने और उसे सहायता देने के लिए उत्प्रेरक का कार्य भी करती है।

विद्यालय-शिक्षा में अनुसंधान और गुणात्मक सुधार के लिए अनुसंधान पर आधारित नीतिगत परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देना एन. सी.ई.आर.टी. का महत्वपूर्ण सरोकार है। इस क्षेत्र में मुख्य कार्यों में शामिल हैं : (1) सांस्थानिक अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ करना (2) शिक्षा, विशेषकर विद्यालय से संबंधित पहलुओं पर अनुसंधान के निष्कर्षों और उनके पुनर्निर्देशन तथा शिक्षा प्रणाली पर उनके प्रभावों को संबंधित कार्यकर्ताओं के लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों को उपलब्ध करवाना। एन. सी.ई.आर.टी. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) के अतंर्गत अनुसंधान पर राष्ट्रीय घटक को भी संचालित करती है। अनुसंधान में लगे एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों के अतिरिक्त परिषद् की एक स्थायी समिति के रूप में कार्यरत शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विद्यालय और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्रों में शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने और उसे सहायता देने के लिए उत्प्रेरक का कार्य भी करती है। एरिक के सदस्यों में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के शिक्षा तथा उसमें संबद्ध विषयों के प्रख्यात अनुसंधानकर्ता तथा एस. आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. के प्रतिनिधि शामिल हैं।

भारतीय शैक्षिक अनुसंधान का सर्वेक्षण और शैक्षिक सारांश

शैक्षिक अनुसंधान का सर्वेक्षण करना एन.सी.ई.आर.टी. के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। शैक्षिक अनुसंधान के पाँचवें सर्वेक्षण, 1988 से 1992 की अवधि में भारतीय विश्वविद्यालयों के उत्कृष्ट पीएच. डी. और एम. फिल शोध प्रबंधों के सार संक्षेप प्रस्तुत किए गए हैं। इस सर्वेक्षण में 1800 से अधिक सार संक्षेप हैं जिनका 38 क्षेत्रों में वर्गीकरण किया गया है। 1997 में प्रकाशित प्रथम खण्ड में प्रकृतिमूलक रिपोर्ट है। दूसरे खंड में 1998-99 के दौरान जारी अनुसंधानों के सार संक्षेप शामिल हैं जो शीघ्र ही प्रकाशित किए जाएँगे।

1996 से एक अर्धवार्षिक अनुसंधान पत्रिका ''इंडियन एजुकेशनल एब्सट्रेक्ट'' का प्रकाशन आरंभ किया गया है ताकि अनुसंधान अध्ययन के पूरे होने और उसके विस्तृत प्रचार-प्रसार के मध्य समयांतराल को कम किया जा सके। वर्ष 1998-99 के दौरान इंडियन एजुकेशनल एब्सट्रेक्ट दो अंक (भाग-5 तथा भाग 6) प्रकाशित हो चुके हैं।

एरिक द्वारा सहायताप्राप्त अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 1998-99 के दौरान एरिक से सहायता प्राप्त 6 अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी हुईं। 4 अनुसंधान बंद कर दिए गए तथा 6 परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है :

Indian Educational Abstracts

July 1998

(क) वर्ष 1998-99 के दौरान पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

1. विशेष शिक्षा आवश्यकताओं की घटनाएँ

डा. सिन्थिया पांडियन
मद्रास विश्वविद्यालय

इस अध्ययन के उद्देश्य हैं : (1) चार प्रमुख शीर्षों अर्थात् अधिगम आवश्यकताओं, व्यावहारिक आवश्यकताओं, स्वास्थ्य आवश्यकताओं तथा स्व अनुवीक्षण आवश्यकताओं, के अंतर्गत बच्चों की विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं (एस.ई.एन.) का मूल्यांकन करना (2) बच्चों की विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं तथा विद्यालय और घर की भूमिका के बीच अंतर्संबंधों का अध्ययन करना। यादृच्छिक नमूना परीक्षण तकनीक के आधार पर मूल्यांकन के लिए कुल 750 बच्चों को चुना गया। अध्ययन से यह परिणाम निकला कि (1) चारों आवश्यकताओं में से अधिगम आवश्यकता शेष तीन व्यवहार, स्वास्थ्य तथा स्व अनुवीक्षण की अपेक्षा सर्वाधिकतम है। (2) विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं का उक्त सभी चारों आवश्यकताओं तथा विद्यालय शिक्षा के आठों आयामों अर्थात् अध्यापक का व्यवहार, शैक्षिक सुविधाएँ, विद्यालय की स्थिति, भौतिक वातावरण, संसाधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, जल आपूर्ति तथा गंदगी फेंकना और शौचालय सुविधाओं, के बीच महत्वपूर्ण संबंध है। (3) सभी आवश्यकताएँ मुख्य रूप से घरेलू घटक, अर्थात् सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति घरेलू दशा, माता की प्रवृत्ति आदि से संबद्ध हैं तथा (4) केवल 7% अभिभावक ऐसे हैं जो अपने बच्चों के विद्यालय में नियमित रूप से जाते हैं और संबंधित अध्यापकों से मिलते हैं। वे अभिभावक या तो संपन्न बच्चों के होते हैं या फिर ऐसे बच्चों के होते हैं जिनकी प्रगति के लिए अत्यधिक विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं (एस.ई.एन.) की आवश्यकता होती है। इस अध्ययन से वह अंतराल स्पष्ट हो जाता है जो एक सामान्य विद्यालय में एस.ई.एन. के संबंध में किसी के अवबोधन तथा उन्हें कैसे पूरा किया जाए, के बीच विद्यमान है। इससे सामान्य विद्यालयों में एस. ई.एन. प्रदान करने की नीति की आवश्यकता की ओर ध्यान जाता है। इसमें इस बात पर बल दिया गया है कि बच्चों को विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा इसके लिए घर तथा विद्यालय, दोनों के एक से योगदान के लिए अध्यापकों, अभिभावकों, विद्यालय व्यवस्था तथा गैर सरकारी संगठनों को शामिल किए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

2. कंप्यूटर का प्रयोग करते हुए वर्गीकरण तार्किकता के विकास का अध्ययन

डा. एस.सी. जैन
आर.आई.ई., अजमेर

इस अध्ययन में दो पैकेज तैयार किए गए और उन्हें फ्लापी डिस्क में सुरक्षित करके रखा गया। पहला पैकेज (टी.आर.एन. वी.ए.एस.) सोचने की गति को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण से संबद्ध है तथा दूसरा पैकेज (टी.एस.टी.वी.ए.एस.) वर्गीकरण तार्किकता के परीक्षण से संबंधित है।

प्रशिक्षण पैकेज में विभिन्न कठिन स्तरों के 30 कार्यकलाप शामिल हैं तथा परीक्षण पैकेज में वर्गीकरण कौशल के 12 वर्गों के 12 कार्यकलाप शामिल हैं। इन कार्यकलापों का प्रस्तुतीकरण फ्रेम के रूप में किया गया है, एक समय में स्क्रीन पर एक ही फ्रेम दिखाई देता है। बच्चे को कंप्यूटर से भलीभाँति परिचित करवाने तथा वह किस प्रकार से प्रश्नोत्तर करे एक उदाहरण का उपयोग किया गया है जिसमें सभी संभावनाओं का ध्यान रखा गया है। प्रत्येक फ्रेम के साथ अनुदेशों को बहुत स्पष्टता और सुगमता के साथ दर्शाया गया है ताकि आसानी से आगे बढ़ा जा सके। प्रत्येक व्यक्ति का कार्यकलाप के अनुसार उत्तर एक फ्लॉपी में सुरक्षित रखा गया है जिसे तुरंत या भविष्य में कभी भी सुधारा जा सकता है। इन पैकेजों को प्रयुक्त करने के सभी चरणों को मैन्युअल में स्पष्ट किया गया है।

3. प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन का एक अंतःविषयी उपागम

श्रीमती के. राजलक्ष्मी,
तादेपल्लीगुड़म (आंध्र प्रदेश)

इस अध्ययन को बहुविषयी उपागम को लागू करने का परीक्षण करने के लिए प्रयोग के रूप में आरंभ किया गया। यह बाल केन्द्रित अधिगम के उद्देश्य से एक नवाचार था। इस अध्ययन में जो अधिगम सामग्री प्रयुक्त की गई उसमें विद्यार्थी कार्यकलाप पुस्तक तथा अध्यापक संदर्शिका शामिल थी। नमूने के अंतर्गत कक्षा के 40 विद्यार्थियों को दो समूहों, अर्थात् प्रायोगिक और नियंत्रण प्रत्येक 20-20 बच्चे, में बाँटा गया। पूर्ण शैक्षिक वर्ष के लिए यह अध्ययन चलाया गया। इस अध्ययन के परिणामों ने यह दर्शाया कि कक्षा एक में इस कार्यनीति ने सफलतापूर्वक कार्य किया। यही पद्धति अगले शैक्षिक वर्ष में कक्षा 2 के लिए भी अपनाई गई तथा सफल पाई गई यद्यपि एक परिपूर्ण प्रयोग का परीक्षण नहीं किया गया। कक्षा 3 तथा 4 में केवल विज्ञान और सामाजिक विज्ञान को एक साथ जोड़ा जा सकता था। इसमें अंग्रेजी, गणित तथा क्षेत्रीय भाषा को अलग रखा गया। यद्यपि गणित तथा अंग्रेजी को पर्यावरणीय नेटवर्क में शामिल किया जा सकता है, फिर भी बहुत कुछ अलग से भी पढ़ाना पड़ता है। सामान्य ज्ञान, कला तथा शिल्प, सुलेखन अभ्यास आदि को पर्यावरण नेटवर्क में कार्यकलाप के रूप में सम्मिलित किया जा सकता है। इससे एक हद तक पुस्तकों का बोझ कम होगा।

4. मध्य प्रदेश में आश्रम विद्यालयों का मूल्यांकन : एक अध्ययन

डा. खेमराज शर्मा
आर.आई.ई., भोपाल

यह परियोजना मध्य प्रदेश के आश्रम विद्यालयों की आधारभूत

दार्शनिकता, वर्तमान स्थिति तथा कार्य और शैक्षिक तथा सामाजिक वातावरण का अध्ययन करने और उनको प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए कार्यनीतियां सुझाने के लिए आयोजित की गई। 10 जनजातीय जिलों–राजागढ़, भांडला, छिंदवाड़ा, सरगूजा, शहदोल, बैतुल, वस्तर, खांडवा, धार तथा खडगांव से यादृच्छिक आधार पर 50 आश्रम विद्यालयों को नमूने के तौर पर लिया गया। इस अध्ययन के अंतर्गत जिन भौतिक पक्षों का मूल्यांकन किया गया उनमें आश्रम का भवन, सफाई, विद्यालय भवन, प्रकाश व्यवस्था बागबगीचा (किचन गार्डन), खेल तथा सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए खेल का मैदान, पुस्तकालय तथा वाचनालय भोजन व्यवस्था फर्नीचर तथा अन्य संबंधित सहायक वस्तुएँ शामिल हैं। इस अध्ययन के मानवीय पहलुओं में शिक्षा से संबंधित अध्यापकों की समस्याएँ, आश्रम सुविधाओं का उपयोग, प्रवेश शर्तों में जड़ता, शैक्षिक सुविधाओं का उपयोग, विद्यालय छोड़ने की दर, छात्रावास में सहवासियो की संख्या, आश्रम विद्यालयों का निरीक्षण और पर्यवेक्षण, पाठ्यचर्या, शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भ, पक्षपात तथा बोली की समस्याएँ, शामिल हैं। शैक्षिक पक्ष में अध्यापक तथा विद्यार्थियों की शैक्षिक संप्राप्ति सम्मिलित है। इस अध्ययन ने आश्रम विद्यालयों को प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

5. *उड़ीसा में आश्रम विद्यालयों और सामान्य विद्यालयों में अनु. जा./अ. ज. जाति तथा सामान्य वर्ग के छात्रों के व्यक्तित्व और उनकी शैक्षिक संप्राप्ति का तुलनात्मक अध्ययन*

डा. बी.सी. मिश्रा
बालासौर

चौदह व्यक्तित्व घटकों (पी.एफ.) तथा शैक्षिक संप्राप्ति पर पड़ने वाले विद्यालय तथा जाति के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए, आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा गैर आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों, अनु.जा. तथा अ.ज.जा. के विद्यार्थियों के बीच तथा गैर अ.जा./अ.ज.जा. वाले उच्च संप्राप्ति वाले तथा निम्न संप्राप्ति वाले विद्यार्थियों तथा उच्च निम्न संप्राप्ति के बीच 14 व्यक्तित्व घटकों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। व्यक्तित्व और संप्राप्ति पर पड़ने वाले विद्यालय तथा जाति के अनुक्रियात्मक प्रभाव का भी अध्ययन किया गया। नमूने के तौर पर अध्ययन में 400 विद्यार्थियों, 200 आश्रम तथा 200 गैर आश्रम विद्यालयों से जिनमें से 60 अ.जा., 80 अ.ज. जाति तथा 60 गैर अ.जा./अ.ज.जा (सामान्य) विद्यार्थियों को 10 आश्रम विद्यालयों से शामिल किया गया था। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, विद्यालय वातावरण की भौतिक परीक्षा, साक्षात्कार अनुसूची तथा विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए गए अंकों का परीक्षण किया गया तथा आँकड़ों का संख्यात्मक और गुणात्मक दोनों आधारों पर विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन के माध्यम से विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों को इस अध्ययन के आधार पर मिली विसंगतियों से परिचित करवाने का प्रयास भी किया गया।

6. *हाईस्कूल के विद्यार्थियों में वृत्तिक चयन का मानसिक सामाजिक सहसंबंध*

डा. जी. मोहन कुमार
बैंगलूर

हाईस्कूल के विद्यार्थियों के बीच वृत्तिक चयन के मानसिक सामाजिक सहसंबंधों का अध्ययन 9 परीक्षणों, भौतिक स्थिति, पैमाने तथा अनुसूची आदि की सहायता से किया गया। नमूने के तौर पर बैंगलूर के उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्रों से कक्षा 10 के 150 लड़कों तथा लड़कियों को शामिल किया गया। प्राप्त किए गए आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण, अर्थात् एनोवा, वर्गाकार परीक्षण तथा बहु प्रतिपालन विश्लेषण किया गया। इसके द्वारा जो परिणाम उपलब्ध हुए उनसे यह ज्ञात हुआ कि वृत्तिका चयन का स्तर, लैंगिक भूमिका अभिविन्यास, शैक्षिक रुचि, विषय का लिंग, क्षेत्र तथा पात्र की शैक्षिक योग्यता पी.यू.सी. होना सभी जीवनवृत्ति का चयन को प्रभावित करने वाले मानसिक सामाजिक सहसंबंध थे।

(ख) बंद की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

निम्नलिखित चार परियोजनाएं बंद कर दी गईं :

क्रमांक	*अध्ययन का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
1.	कक्षा 4 के गणित में न्यूनतम अधिगम स्तर को प्राप्त करने में असफल छात्रों हेतु मानसिक सामाजिक उत्तरदायी घटकों का पता लगाना	डा. के.एन. मिश्रा, आर.आई.ई., भुवनेश्वर
2.	11 से 19 वर्ष की आयु के दृष्टिहीन बच्चों के लिए उपयुक्त स्पर्श बुद्धि (मौखिक और अमौखिक) परीक्षण का विकास और मानकीकरण	डा. सुनीता शर्मा, अलीगढ़ (उ.प्र.)
3.	नवाचार शिक्षण सामग्री का अनौपचारिक शिक्षा शिक्षकों की प्रगति पर प्रभाव	श्री निकुंज प्रकाश नारायण, पटना (बिहार)
4.	प्रारंभिक विद्यालयों मे बधिर बच्चों की विशेष आवश्यकताएँ	डा. एस.सी. बेहरा, बालासोर

क्रमांक	अध्ययन का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
(ग)	***वर्ष 1998-99 के दौरान जारी अनुसंधान अध्ययन***	
1.	माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्यापन के लिए प्रौद्योगिकी सोसायटी "एस.टी.एस." माध्यम का विकास और चुनिंदा विद्यालयों में इसकी प्रभाविता का परीक्षण	प्रो. एस.सी. बैनर्जी एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
2.	विभिन्न राज्यों में सामान्य आधारभूत पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन	डा. डी.पी. सिंह पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
3.	माध्यमिक व्यावसायिक विद्यालयों में विद्यालय उद्योग संयोजन की स्थापना	डा. सौरभ प्रकाश पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
4.	भारत में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर आधारित व्यापार और वाणिज्य में व्यावसायिक प्रवेश का स्थितिपरक अध्ययन	डा. ए. पालनीवल पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
5.	शहरी और ग्रामीण समुदायों में लड़कियों की वृत्तिक महत्वाकांक्षा बनाम व्यावसायिक शिक्षा	डा. सुश्री पूनम अग्रवाल पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल
6.	दक्षिण क्षेत्रों में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों द्वारा अपेक्षित विषयों और विद्यार्थी-अध्यापकों द्वारा चुने गए विषयों तथा अध्यापक शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले विषयों का अध्ययन	डा. के. दोराईस्वामी आर.आई.ई., मैसूर
7.	बुद्धिमत्ता की संकल्पनात्मकता एवं संस्कृति	डा. ए. के. श्रीवास्तव डी.ई.आर.पी.पी. एन.सी.ई.आर.टी.
8.	राज्यों में व्यावसायिक मार्गदर्शन का दिशा-निर्देश सर्वेक्षण	डा. (श्रीमती) के. माथुर पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल
9.	उड़ीसा के जनजातीय बच्चों के विज्ञान अधिगम पर मानसिक सामाजिक घटकों का प्रभाव	डा. (श्रीमती) एस. महापात्रा आर.आई.ई., भुवनेश्वर
10.	प्रारंभिक स्तर पर (कक्षा 6,7,8) के विज्ञान शिक्षण में एकीकृत कार्यविधि मॉडल का विकास	डा. एम.के. सत्पथी आर.आई.ई., भुवनेश्वर
11.	उड़ीसा के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की संप्राप्ति को प्रभावित करने वाले घटकों का अध्ययन	डा. वी.एन. पांडा आर.आई.ई., भुवनेश्वर
12.	प्राथमिक स्तर के अध्यापक शिक्षकों हेतु उपलब्ध सक्षमता की रूपरेखा और प्रशिक्षण योजना का विकास	डा. वी.डी. भट्ट आर.आई.ई., मैसूर
13.	चुनिंदा राज्यों में व्यावसायिक और अनुदेशी सामग्री की गुणवत्ता और मानदण्ड का तुलनात्मक मूल्यांकन	डा. जी. भार्गव पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
14.	हिन्दी और उड़िया में भाषिक क्षमता परीक्षणों का विकास और मानकीकरण	डा. ताप्ती दत्ता आर.आई.ई., भुवनेश्वर
15.	प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की पहचान और दोहन	डा. अंजुम सिबिया डी.ई.पी.एफ.ई.

क्रमांक	अध्ययन का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
16.	महिलाओं की आर्थिक सशक्तता पर गृह-विज्ञान व्यावसायिक पाठ्यक्रम का महत्व	डा. पिंकी खन्ना पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
17.	10+2 स्तर के विद्यार्थियों में कौशलों के विकास में शिक्षक व्यवस्था की भूमिका	डा. वी.के. जैन पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
18.	महाराष्ट्र के व्यावसायिक संस्थानों में विद्यालय उद्योग संबंधी (एस.आई.एल.) का विषयी अध्ययन	डा. असफा एम. यासीन पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
19.	कृषि में व्यावसायिक अध्यापन शिक्षण की स्थिति तथा प्रभाविता का तुलनात्मक अध्ययन	डा. वी.एस. मल्होत्रा पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
20.	पंजाब राज्य में कार्य के साथ-साथ प्रशिक्षण के कार्यान्वयन और इसके व्यावसायिक विद्यार्थियों पर प्रभाव का अध्ययन	डा. ब्रजयन्ती देवी पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल
21.	भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के नवोदय विद्यालयों के कार्यकलापों और प्रबंधन का मूल्यांकन	डा. पी.पी. गोकुलनाथन शिलांग
22.	शैक्षिक रूप से पिछड़े बच्चों के सुधारात्मक अध्ययन और गृह-कार्य व्यवहारों से संबद्ध अभिभावक परीक्षण एवं परीक्षण तकनीकों का व्यावहारिक विश्लेषण और परिमार्जन	डा. एस.एस. कौशिक वाराणसी
23.	वाराणसी में मेडीकल विद्यालय के छात्रों की वैज्ञानिक प्रकृति का अध्ययन	प्रो. वी.के. दुबे वाराणसी
24.	भारत में विद्यालयी अध्यापकों के वृत्तिक विकास के लिए कार्यरत नवाचारी संस्थाएं और उनके कार्यक्रम	प्रो. मोहम्मद मियां नई दिल्ली
25.	शिक्षा महाविद्यालयों के परीक्षण संबंधी परिणामों पर पड़ने वाले मुख्य सांस्थानिक और अनुदेशी चरों के प्रभावों का अध्ययन	डा. अरुण के. गुप्ता जम्मू
26.	बिहार में एकीकृत शिक्षा प्रणाली विकलांग छात्रों की सामंजस्यता का अध्ययन	डा. शशि प्रभा पटना
27.	उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नवयुवकों में नशीली दवाइयों का दुरुपयोग और उनकी स्वाभाविक भावनाओं में हेर-फेर करके नशीली दवाइयों के व्यसन को रोकने के लिए कुछ तकनीकों के अनुप्रयोग का एक पार्श्वचित्र	डा. (श्रीमती) एस. बैनर्जी वाराणसी
28.	विशेष शिक्षा अध्यापकों के कार्य निष्पादन की भूमिका	डा. जी.एल. रेड्डी करायकुडी
29.	अध्यापिकाओं में उत्प्रेरणा का कम होना	डा. (श्रीमती) एन. मिश्रा लखनऊ
30.	दृष्टिहीन बच्चों में मापन से संबंधित संकल्पनाओं का विकास	डा. देबजानी सेनगुप्ता कलकत्ता

क्रमांक	अध्ययन का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
31.	उत्तर प्रदेश में माध्यमिक स्तर पर प्राणी विज्ञान की शिक्षा में स्थानीय संसाधनों का प्रभाव	डा. जी.एस. पालीवाल गढ़वाल (उ.प्र.)
32.	हाईस्कूल स्तर पर बधिर बच्चों में पठन कौशल विकसित करने के लिए कार्यनीतियाँ	डा. वी. विमला देवी तिरुपति
33.	भारतीय विद्यालयों में अध्यापकों से अपेक्षाएं—उनकी अध्यापन प्रक्रिया और छात्रों के परिणामों पर प्रभाव	डा. एन.सी. ढोंडियाल अल्मोड़ा (उ.प्र.)
34.	महिला महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों छात्रों के प्रयोग के वृत्ति परिपक्वता सूची का विकास	डा. (श्रीमती) अ. शुक्ला लखनऊ
35.	ग्रामीण समुदाय के लिए महिला शिक्षा कार्यक्रमों में महिला स्वास्थ्य कार्मिकों की भागीदारी की संभावना का अध्ययन	डा. (श्रीमती) पी. माथुर दिल्ली
36.	6-8, वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर घरेलू वातावरण का प्रभाव	डा. सुधा भोगले बैंगलूर
37.	अध्यापकों के उत्प्रेरणात्मक संलक्षणों पर कार्य अनुभव का प्रभाव	डा. उमा रंजन हैदराबाद
38.	दृष्टिहीन बच्चों के लिए हस्त कार्य प्रशिक्षण की जरूरतें	डा. एम. इतियेराह दिल्ली
39.	आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों में आश्रम विद्यालयों के प्रकार्यों पर अध्ययन	डा. पी.एस. रेड्डी तिरुपति
40.	शैशवकालीन अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों का मूल्यांकन और परिप्रेक्ष्यों की सुझाव योजनाएँ	श्री एस.पी. मल्होत्रा कुरुक्षेत्र
41.	उड़ीसा में अलौकिक सदृशमूलक भाषा की खोज : इसके भाषा वैज्ञानिक संज्ञानात्मक और शैक्षिक निहितार्थ	डा. नंदिता बाबू भुवनेश्वर
42.	प्राथमिक स्तर के बच्चों में पठन संबंधी अक्षमता और संज्ञानात्मक सूचना प्रक्रिया	डा. एम.के. पाणी उड़ीसा
43.	विद्यालयी बच्चों में शैक्षिक कार्य निष्पादन के एकीकृत मध्यस्थता के प्रभाव का अध्ययन	डा. अर्चना डोगरा नई दिल्ली
44.	बोर्ड परीक्षा में छात्रों की शैक्षिक संप्राप्ति का मूल्यांकन और सोलो टेक्सोनॉमी का तुलनात्मक अध्ययन	डा. रंजीत बसु कलकत्ता
45.	परंपरागत समाज में गणितीय अवधारणाओं की पहचान पर आधरित गणित में शिक्षण कार्यप्रणाली का विकास	डा. एन.सी. घोष कलकत्ता
46.	ग्रामीण क्षेत्रों में चुनिंदा भौतिकी अवधारणाओं के प्रदर्शनात्मक शिक्षण के प्रभावकारी मॉडलों का विकास	डा. जी.एस. रॉय कटक
47.	छात्रों की पारिवारिक समस्याओं, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, साक्षरता केंद्रों में प्राप्त भौतिक सुविधाएँ साक्षरता कार्यक्रम के संगठनात्मक और अनुदेशी पहलू का समीक्षात्मक अध्ययन तथा उनका बंगाल में महिला छात्राओं की साक्षरता प्राप्ति से संबंध	डा. एस. चक्रवर्ती कलकत्ता
48.	आंध्र प्रदेश में चेंचू आदिवासी जनजातीय समूह में बाल शिक्षा की समस्याएं	डा. जी. ऐश्वर्या जिला रांगा रेड्डी

क्रमांक	अध्ययन का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
49.	कक्षा-8 में दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी के अधिगम और परीक्षण के संदर्भ में कम्प्यूटर द्वारा भाषा अधिगम की प्रभाविता	डा. एम. बालासुब्रमण्यण कोयम्बटूर
50.	दृष्टिहीन छात्रों हेतु भौतिक और जीवविज्ञान पर शिक्षण अधिगम सामग्री को तैयार करने का प्रयास	डा. देबाशीश पाल पश्चिम बंगाल
51.	शिक्षण की कार्यनीतियां, अध्यापकीय सुधार और विद्यालय का कार्य निष्पादन	डा. (सुश्री) वी.एस. रेड्डी हैदराबाद
52.	सूचना प्रक्रियन माध्यम द्वारा भौतिकी की कठिनाइयों को हल करने की योग्यता का विकास	डा. एस. मोहन करायकुडी
53.	बच्चों में भाषा अक्षमता को कम करने के लिए अनेक उपचारात्मक कार्यनीतियों की तुलना	डा. (श्रीमती) तेहल कोहली चण्डीगढ़
54.	जनजातीय और गैर-जनजातीय किशोरों की व्यावसायिक आकांक्षा, मूल्य और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के मध्य संबंध	श्रीमती एस. कुमावत उदयपुर
55.	उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के विशेष संदर्भ में प्रेरक योजनाओं का बालिका शिक्षा पर प्रभाव	डा. जी.डी. भट्ट दिल्ली
56.	किशोरावस्था में आत्महत्या उद्भावना की मनोवृत्तियां	प्रो. वी.वी. उपमन्यु चण्डीगढ़

प्रकाशन अनुदान

एरिक की आंशिक सहायता से प्रकाशित पीएच. डी. शोध प्रबंध :

क्रमांक	शीर्षक	लेखक का नाम
1.	कम्पेरेटिव फिलॉसफीज ऑफ एच. बर्गसन एण्ड जे. कृष्णामूर्ति	डा. (श्रीमती) अरुंधती सरदेसाई पुणे
2.	नैतिकता के लिए शिक्षा	डा. आर.आर. सिंह भरतपुर

एरिक द्वारा प्रायोजित अनुसंधान पर संगोष्ठी

एरिक द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति तथा अनुवीक्षण के लिए एरिक द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययनों के संबंध में पाँचवीं संगोष्ठी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर में 25-28 अप्रैल, 1998 तक आयोजित की गई।

एरिक द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययनों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को निर्धारित करने के संबंध में तथा 30वीं एरिक बैठक की सिफारिशों की अनुवर्ती कार्रवाई की सूचना देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में 9.6.98 और 2.9.98 को बैठकें आयोजित की गईं।

अनुसंधान पत्रिकाएँ

एन.सी.ई.आर.टी. शैक्षिक अनुसंधान की तीन पत्रिकाएँ प्रकाशित कर रही हैं। ये पत्रिकाएँ हैं : (1) जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन

(जे.आई.ई.) (2) भारतीय आधुनिक शिक्षा (बी.ए.एस.) और इंडियन एजुकेशनल रिव्यू (आई.ई.आर.)। इंडियन एजुकेशनल रिव्यू अर्धवार्षिक पत्रिका है जिसमें अनुसंधान लेख शामिल किए गए हैं। जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन तथा भारतीय आधुनिक शिक्षा क्रमशः अंग्रेजी और हिन्दी की त्रैमासिक पत्रिकाएँ हैं। दोनों पत्रिकाओं का मुख्य उद्देश्य अध्यापकों, अध्यापक-प्रशिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों और अनुसंधानकर्ताओं के नवाचारी विचारों के प्रचार-प्रसार को प्रकाशित करके लाभदायक और निरंतर परिसंवाद के लिए एक खुला मंच प्रदान करना है। ये पत्रिकाएं पाठकों को शिक्षा में नवीनतम प्रगति से अवगत करवाने के साथ-साथ विद्यालयी शिक्षा के सभी पक्षों पर नवीनतम विचारों का प्रचार-प्रसार करती हैं।

छठा अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण (ए.आई.ई.एस.)

छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के आँकड़ों को अध्यापक सूचना रूप (टी.आई.एफ.) तथा विद्यालय सूचना रूप-2 (एस.आई. एफ.) में विश्लेषित और सारणीबद्ध किया गया। सर्वेक्षण के आँकड़ों पर आधारित मुख्य रिपोर्ट का आलेख पूर्ण किया गया।

दिसम्बर 1998 में "छठे ए.आई.ई.एस. के आँकड़ों के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यनीति की तैयारी" नामक परियोजना पर कार्य आरंभ किया गया जिसके अंतर्गत सॉफ्टवेयर के विकास के लिए मापदंड निर्धारकों की पहचान के लिए विशेषज्ञों की बैठक बुलाई गई। मापदंडों के एक सैट के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया गया और इसकी सटीकता का परीक्षण किया जा रहा है। छठे ए.आई.ई.एस. के आधारभूत आँकड़ों का अंतिम संस्करण एन.आई.सी. से प्राप्त करना शेष है। छठे ए.आई.ई.एस. के कार्यान्वयन की विशेषताओं तथा कमियों की समीक्षा करने के लिए सलाहकार समिति की एक बैठक आयोजित की गई।

जिन आई.ई.एस./आई.एस.एस. तथा राज्यों और जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए नीपा द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया गया उनका भी छठे ए.आई.ई.एस. के नियोजन और आयोजन के संबंध में अभिविन्यास किया गया।

शिक्षा में नमूना सर्वेक्षण के लिए राज्यवार नमूना डिजाइन तैयार करने के उद्देश्य से अध्ययन की योजना बनाने के संबंध में मुद्दे सुलझाने के लिए विशेषज्ञों की एक बैठक आयोजित की गई। नमूना डिजाइन के पहले अनुरूपण के लिए मापदंडों की गणना करने हेतु एक राज्य के आँकड़ों की फाइलें क्रमबद्ध की गई। "प्राथमिक स्तर पर एकल आयुवार नामांकन के आंकलन" की परियोजना के अंतर्गत राज्य में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए, नमूनों का चयन किया गया तथा आयुवार नामांकन के आंकलन के लिए प्रश्नावली तैयार की गई।

वर्ष 1998-99 के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गए

1. स्कूल्स एण्ड फिजिकल फेसीलिटीज (वॉल्युम-2) (मुद्रित)
2. टीचर्स इन स्कूल्स (वॉल्युम-3) (मुद्रित)
3. एनरोलमेंट इन स्कूल्स (वॉल्युम-4) (मुद्रित)
4. एजुकेशनल इनपुट्स एण्ड फेसीलिटीज इन स्कूल्स (वॉल्युम-5) (मुद्रित)
5. एजवाइज एनरोलमेंट, रिपीटर्स, इन्सेन्टिव स्कीम्स इन स्कूल्स (वॉल्युम-6) (मुद्रित)
6. टीचर क्वालिफिकेशन एण्ड देयर सर्विस कंडीशन्स (वॉल्युम-7) (मुद्रित)
7. सलेक्टिड स्टेटिस्टिक्स (मुद्रित)
8. एजुकेशन प्रोफाइल बेस्ड ऑन दि डाटा ऑफ सिक्स्थ ए. आई.ई.एस. (मुद्रित)

कंप्यूटर संसाधन केन्द्र (सी.आर.सी.)

एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय में स्थापित कंप्यूटर संसाधन केंद्र एन. सी.ई.आर.टी. संघटकों की परियोजनाओं के सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। वर्ष 1998-99 के दौरान इस केन्द्र ने एन.आई.ई. की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के आँकड़ों का विश्लेषण किया, कुछ राज्यों के लिए, एच.एल.एस. विश्लेषण का प्रयोग करते हुए, डी.पी.ई.पी. के आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया। एन.टी.एस. परीक्षा तथा आर.आई.ई., अजमेर के डी.एम. विद्यालय की कक्षा 1 में प्रवेश के लिए परिणामों का प्रक्रियन किया। डी.ओ.एस. एनवायरनमेंट के अंतर्गत 17 अगस्त से 4 सितम्बर, 1998 तक एस.पी.एस.एस. का उपयोग करते हुए संख्यात्मक अनुसंधान विधियों में एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। एन.सी.ई.आर.टी. के होम पेज में इंटरनेट पर कुछ चुनिंदा आँकड़े प्रेषित किए गए। एच.टी.एम. एल. फार्मेट में राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के आँकड़ों के सारणीयन तथा डी.बी.एफ. फार्मेट में आधारभूत आँकड़ों को सभी राज्यों के लिए सी.डी. रोम्स पर सुगमता से पहुंचाने के लिए स्टोर किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सी.ई.पी.) के प्रबंधनों को कार्यान्वित करने वाली भारत सरकार की एक एजेंसी की तरह कार्य करती है। एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में यूनेस्को/एपिड/यू.एन.डी.पी. इत्यादि द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं और कार्यक्रमों को भी लागू करती है तथा विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए विदेशी शिष्टमंडलों और विशेषज्ञों हेतु कार्यक्रम आयोजित करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सी.ई.पी.) के प्रबंधनों को कार्यान्वित करने वाली भारत सरकार की एक एजेंसी की तरह कार्य करती है। एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में यूनेस्को/एपिड/यू.एन.डी.पी. इत्यादि द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं और कार्यक्रमों को भी लागू करती है तथा विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए विदेशी शिष्टमंडलों और विशेषज्ञों हेतु कार्यक्रम आयोजित करती है। यह यूनेस्को, यू.एन.डी.पी. यूनीसेफ आदि के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विचार-विमर्श, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में प्रतिभागिता के लिए अपने संकाय सदस्यों को प्रायोजित करती है। एन.सी.ई. आर.टी. अन्य बातों के साथ-साथ विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के लिए अल्पकालीन सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। यह विभिन्न देशों, संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को भारत में विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के संबंध में सूचनाएँ भी उपलब्ध कराती है।

द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम

विभिन्न देशों के साथ भारत सरकार के द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कार्यान्वयन के अंतर्गत इटली, इराक, लाओस, रोमानिया, यूगांडा, वियतनाम तथा इथियोपिया को शैक्षिक सामग्री/सूचनाओं की आपूर्ति की गई। संघीय जर्मन गणराज्य की सरकार की विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक रिपोर्ट, सामग्री प्रलेख आदि प्राप्त हुए। सांस्कृतिक आदान-प्रदान (सी.ई.पी.) कार्यक्रमों के अंतर्गत प्राप्त सामग्री को एन.सी.ई.आर.टी. के पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.) के अंतर्राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र में प्रदर्शित किया गया।

एन.सी.ई.आर.टी. में विदेशी आगन्तुक

वर्ष 1998-99 के दौरान विभिन्न देशों के निम्नलिखित शिक्षाविद विशेषज्ञ शिष्टमंडल एन.सी.ई.आर.टी. में पधारे :

- युगांडा गणराज्य के शिक्षा मंत्री कर्नल डा. जोसफ कारेमेरा की अध्यक्षता में एक शिष्टमंडल ने 21 मई, 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक तथा डी.ई.एस.एम. और डी.ई.एस.एस.एच. के विभागाध्यक्षों द्वारा विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया तथा एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों तथा एन.आई.ई. के विभागों व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के कार्यों तथा कार्यकलापों के संबंध में चर्चा की गई।
- 24 जून, 1998 को बंगलादेश का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आया। इस प्रतिनिधिमंडल ने डी.ई.एस.डी.पी. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ छठे अखिल भारतीय शिक्षा सर्वेक्षण की राष्ट्रीय सारणी खंड-1, "ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा सुविधाओं" तथा राष्ट्रीय सारणी खंड-2, "विद्यालय तथा भौतिक सुविधाएँ तथा शैक्षिक रूपरेखा" पर विचार-विमर्श किया।
- मालदीव के शिक्षामंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने एन.सी.ई.आर.टी. का 7 अगस्त, 1998 को दौरा किया। एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक, अध्यक्ष डी.ई.एस.एम. तथा अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच. सहित एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। शिष्टमंडल ने प्रकाशन प्रभाग तथा सी.आई.ई.टी. का भी दौरा किया।
- नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक नियोजन और प्रशासन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विकासशील देशों के शिक्षा अधिकारियों के एक दल ने 23.2.99 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया और एन.आई.ई. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।
- टोकियो साकी गेयी यूनिवर्सिटी, जापान के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हिडीकी साचीबिया ने 3 सितम्बर, 1998 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर का दौरा किया और संकाय सदस्यों से बातचीत की तथा जापान में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया।
- राष्ट्रमंडल सचिवालय के लिए कार्यरत गणित शिक्षक मिस मैरी हैरिस ने "जनरल सेंस्टिविटी इन मैथमेटिक्स टेक्सटबुक्स

चीन का शिष्टमंडल एन.सी.ई.आर.टी. के दौरे पर

इन इण्डिया" नामक अध्ययन के संबंध में एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया तथा एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों, दिल्ली तथा हरियाणा के एस.सी.ई.आर.टी. तथा दिल्ली व हरियाणा के 4 विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों से व्यक्तिगत संपर्क कर विचार-विमर्श किया।

- यूनेस्को/ए.एस.पी. सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत ओस्लो, नार्वे के नेदरुड़ विदेरगंडे के कार्यक्रम समन्वयक मि. वियोर्न स्किवेन्सन के नेतृत्व में चौदह विद्यार्थियों तथा तीन अध्यापकों के एक दल ने 7 से 11 जनवरी, 1999 को आर.आई.ई. भुवनेश्वर का दौरा किया।
- हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान के ग्रेज्युएट स्कूल फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट एण्ड कोऑपरेशन के प्रो. योशिनोरो ताबाला ने 18 दिसंबर, 1998 को आर.आई.ई., मैसूर का दौरा किया।
- यूनेस्को, नई दिल्ली के अनुरोध पर मालदीव गणराज्य, माले के शिक्षा संस्थान के एक प्रयोगशाला सहायक को नवंबर-दिसंबर 1998 के दौरान आर.आई.ई., मैसूर में 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा आस्ट्रेलियाई ए.आई.डी. द्वारा संचालित भारत आस्ट्रेलियाई प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत मेलबॉर्न यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के दो विशेषज्ञों के एक दल ने 14 से 18 सितंबर, 1998 तक प्रशिक्षण सह-निर्धारण कार्यशाला में भाग लेने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया।
- अंतर्राष्ट्रीय विशेष शिक्षा संस्थान के प्रस्ताव के प्रारूप को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूनेस्को तथा एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 9 फरवरी, 1999 को सार्क देशों के यूनेस्को विशेषज्ञों तथा यूनेस्को की विशेष शिक्षा इकाई की प्रमुख मिस लीना सालेह ने भाग लिया। संपूर्ण देश के विशेष शिक्षा विशेषज्ञों तथा एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त यूनेस्को के निदेशक, मा.सं.वि. मंत्रालय के संयुक्त सचिव तथा निदेशक व्यावसायिक शिक्षा ने भी कार्यशाला में भाग लिया।
- बंगलादेश के अनौपचारिक शिक्षा विशेषज्ञों के एक दल ने, जिसमें गैर सरकारी संगठन तथा सरकारी अधिकारी भी शामिल थे, एन.जी.ओ. "बटरफ्लाई" के माध्यम से एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। इन विशेषज्ञों को भारत में अनौपचारिक शिक्षा की स्थिति तथा इस क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। इन विशेषज्ञों को भारत में अनौपचारिक शिक्षा की स्थिति तथा इस क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यकलापों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

रवांडा के शिक्षा मंत्री एन.सी.ई.आर.टी. के दौरे पर

- रवांडा के किगाली इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी एण्ड मैनेजमेंट के रेक्टर, प्रो. एम्ब कदम्बा तथा वाइस रेक्टर डा. जे.वी. बुटेरा ने 22 मई, 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। उन्होंने एन.सी.ई.आर.टी. की विज्ञान किटों में विशेष रुचि ली तथा अपने साथ प्राथमिक विज्ञान किट, एकीकृत विज्ञान किट तथा मिनी टूल किट के नमूने भी ले गए।
- एसिड प्रमुख, यूनेस्को, बैंकाक के डा. रूपर्ट मेक्लीन ने 21 अप्रैल, 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया और डी.टी.ई.ई. के संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया।
- जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर जिस हिसाको अकाई को अगस्त 1998 से जुलाई 1999 तक एक वर्ष की अवधि के लिए डी.टी.ई.ई. के साथ अनुसंधान अध्येता के रूप में संबद्ध किया गया उन्होंने भारत में कुछ चुने हुए राज्यों की डी.आई.ई.टी. का दौरा किया। इन विशेषज्ञों को भारत में अनौपचारिक शिक्षा की स्थिति तथा इस क्षेत्र में एन.सी.ई.आर.टी. संस्थानों की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया।
- यूगांडा उच्चायोग की काउंसलर (एजुकेशन एण्ड काउंसलर) मिस मार्गरेट के. नस्वेमू ने दिसम्बर 1998 में एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया तथा भारत में अध्यापक प्रशिक्षण/अध्यापक शिक्षा से संबद्ध मामलों पर चर्चा की।
- प्रो. हिडेओ शिमाडा, प्रोफेसर ऑफ मैथेमेटिक्स, होकियादो टोकाई यूनिवर्सिटी, मिनामी-कु, मिनामीसावा, सापोरो, जापान ने 29 दिसंबर, 1998 को डी.ई.एस.एम. का दौरा किया

तथा उसी दिन "व्हाट इज फिन्सलर ज्योमेट्री" विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

- आस्ट्रेलियाई गणित अध्यापक एसोसिएशन आस्ट्रेलिया के रिसोर्स डवलपमेंट एण्ड मार्केटिंग के निदेशक डा. जेफ बॉक्सटर ने 28-30 अक्तूबर, 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया और गणित शिक्षण में इलैक्ट्रॉनिक यंत्रों (केलकुलेटर तथा कंप्यूटर) के प्रयोग के संबंध में डी.ई.एस.एम. संकाय के साथ विचार-विमर्श किया। डा. बॉक्सटर ने गणित की पाठ्यचर्या के संबंध में डी.ई.एस.एम. संकाय सदस्यों के साथ अपने आस्ट्रेलियाई अनुभवों को भी बांटा।
- मी यूनिवर्सिटी जापान के विज्ञान शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सेइजी काकीहारा ने 19-20 अगस्त, 1998 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया तथा साइंस एजुकेशन इन जापान पर वक्तव्य दिया। डा. काकीहारा ने अध्यापक शिक्षा और विज्ञान शिक्षा से संबद्ध विषयों पर डी.टी.ई.ई. तथा डी.ई.एस.एम. संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श भी किया।

एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रतिभागिता

- एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक प्रो. ए. के. शर्मा ने एन.सी.ई.आर.टी. को "एक्सीलैंस इन एजुकेशन एण्ड आउटस्टेंडिंग सर्विस टू एसिड" के संबंध में प्रदान किए गए यूनेस्को एसिड पुरस्कार को ग्रहण करने के लिए 10-13 नवंबर, 1998 तक बैंकाक का दौरा किया।
- एन.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त निदेशक प्रो. ए. एन. माहेश्वरी ने 24 से 27 फरवरी, 1999 तक बैंकाक में रिन्युएबल एनर्जी एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग पर वरिष्ठ अधिकारियों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रो. ए. एन. माहेश्वरी, संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. ने मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया में 21वीं सदी में एशिया प्रशान्त क्षेत्र के लिए यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में 28 मार्च से 5 अप्रैल, 1999 तक भाग लिया।
- प्रो. ए. के. मिश्रा, संयुक्त निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल ने यूनेस्को, पेरिस में 30 नवंबर से 4 दिसंबर, 1998 तक "एक्सपर्ट ड्राफ्टिंग ग्रुप मीटिंग" में भाग लिया। इस समूह ने यूनेस्को द्वारा तैयार किए गए प्रारूप प्रलेख की समीक्षा की तथा टी.वी.ई. के भावी विकास के लिए अपनी सिफारिशें दीं।
- प्रो. अर्जुन देव, अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच. ने ऐकरे, घाना में 7 से 10 दिसंबर, 1998 तक आयोजित मानव अधिकारों पर राष्ट्रमंडल सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रो. पूरन चंद, अध्यक्ष, आई.आर.डी. ने 14 जुलाई से 16 अगस्त, 1998 तक ढाका, बंगलादेश का दौरा किया। उन्होंने बंगलादेश के अधिकारियों के लिए एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की कार्यनीतियों पर चर्चा की।
- डी.ई.एस.एस.एच. की प्रोफेसर (श्रीमती) सविता सिन्हा तथा प्रो. श्रीमती इंदिरा अर्जुन देव ने 3 से 8 अक्तूबर, 1998 तक शारजाह में तथा 11 से 16 अक्तूबर, 1998 तक मस्कट में सी.बी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालयों के लिए सामाजिक विज्ञान में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए।
- डा. के.के. वशिष्ठ, प्रोफेसर शिक्षा, आर.आई.ई., मैसूर ने 26 फरवरी से 12 मार्च, 1999 तक मालदीव गणराज्य माले में यूनेस्को द्वारा प्रायोजित मूल्यांकन पर कार्यशाला में परामर्शदाता के रूप में भाग लिया।
- श्री पी.के. मिश्रा, रीडर, आर.आई.ई., भुवनेश्वर के नेतृत्व में आर.आई.ई. तथा डी.एम. विद्यालय के विद्यार्थियों तथा दो संकाय सदस्यों के एक दल ने यूनेस्को/ए.एस.पी. सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 12-26 अक्तूबर, 1998 तक नार्वे का दौरा किया। इस दल ने नोबल पीस फाउंडेशन ओस्लो सहित शैक्षिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक संगठनों से सार्थक विचार-विमर्श किया।
- प्रो. उषा नायर, अध्यक्ष, डी.डब्ल्यू.एस. ने ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं तथा सुविधावंचित वर्गों की प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने की यूनेस्को की नवाचारी पायलट परियोजना के अंतर्गत यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय बैंकाक के संयुक्त अध्ययन दल के सदस्य के रूप में वियतनाम तथा चीन में जातीय अल्पसंख्यक वर्गों की आवश्यकताओं वाले प्राथमिक विद्यालयों का मई 1998 में दौरा किया।
- प्रो. उषा नायर, अध्यक्ष, डी.डब्ल्यू.एस. ने भाषा, साक्षरता तथा प्राथमिक शिक्षा पर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन में नवंबर 1998 में लाहौर, पाकिस्तान में देश की ओर से अपने विचार प्रस्तुत किए।
- डी.डब्ल्यू.एस. की अध्यक्ष, प्रोफेसर उषा नायर 'स्टार वूमेन ऑफ द ईयर 1998' का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कराची गईं। यह पुरस्कार उन्हें पाकिस्तान में कराची स्थित स्टार गर्ल्स एण्ड वूमेन फाउन्डेशन की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।
- श्री सुधीर कुमार सक्सेना, टी.वी. प्रोड्यूसर सी.आई.ई.टी. ने कोरिया इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (के.ओ.आई.सी.ए.) द्वारा दिनांक 15.10.98 से 21.11.98 तक सियोल में आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लिया।

हिन्दी के प्रयोग के प्रोत्साहन

राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा बहुत से कदम उठाए गए हैं। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशानुसार राजभाषा विषयों के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा बहुत से उपाय किए गए हैं।

इसके कार्यकलापों का मुख्य केन्द्र प्रशासनिक और शैक्षिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा बहुत से कदम उठाए गए। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों, निर्देशों और राजभाषा विषयों के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा बहुत से उपाय किए गए। इसके कार्यकलापों का मुख्य केन्द्र एन.सी.ई.आर.टी. प्रशासनिक और शैक्षिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना और प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध करवाना है। इस उद्देश्य से हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा संकल्पनात्मक साहित्य तैयार किए गए। एन.सी.ई.आर.टी. के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, भावी योजनाएँ तैयार की गईं और एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति का निरीक्षण किया गया और त्रैमासिक प्रगति का मूल्यांकन किया गया।

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए साहित्य

हिन्दी के प्रयोग में अधिकाधिक सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से एन.सी.ई.आर.टी. के हिन्दी प्रकोष्ठ ने "राजभाषा एक नजर में" नामक पुस्तिका प्रकाशित की। राजभाषा नीति, नियम तथा अधिनियम, कार्यालय के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में राजभाषा के प्रयोग के संबंध में निर्देश तथा वर्तमान वर्ष के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा जारी लक्ष्यों को संक्षिप्त रूप से इस पुस्तिका में शामिल किया गया है। अगस्त 1998 में प्रकाशित इस पुस्तिका की प्रतियाँ परिषद् सचिवालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों तथा परिषद् मुख्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों, प्रभागों तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों और क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों के अधिकारियों व कर्मचारियों को तुरंत संदर्भ के लिए वितरित की गई।

हिन्दी पखवाड़ा

1-14 सितम्बर, 1998 तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस पखवाड़ा के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं :

- हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता
- हिन्दी टिप्पण व प्रारूपण प्रतियोगिता
- हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
- हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
- हिन्दी कविता प्रतियोगिता
- हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता

इन प्रतियोगिताओं में 72 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया जिनमें से 29 व्यक्तियों को विजेता घोषित किया गया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पुरस्कृत विजेताओं को क्रमशः रु. 400/- रु. 300/- की धनराशि के नकद पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। हिन्दी पखवाड़े के दौरान राजभाषा विभाग से हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विभिन्न पोस्टर व चार्ट मँगवाकर परिषद् के विभिन्न संघटकों/विभागों/ अनुभागों को भिजवाए गए। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी सप्ताह/पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

हिन्दी टंकण व आशुलिपि प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यांत्रिक व तकनीकी सुविधाएँ उपलब्ध करवाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 1 जुलाई, 1998 से 6 अक्तूबर, 1998 तक हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 9 व्यक्तियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 17 अगस्त से 6 अक्तूबर, 1998 तक 12 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

हिन्दी अनुवाद कार्य

परिषद् के विभिन्न संघटकों/विभागों/अनुभागों आदि से प्राप्त प्रशासनिक कागज पत्रों का अनुवाद करने में हिन्दी प्रकोष्ठ
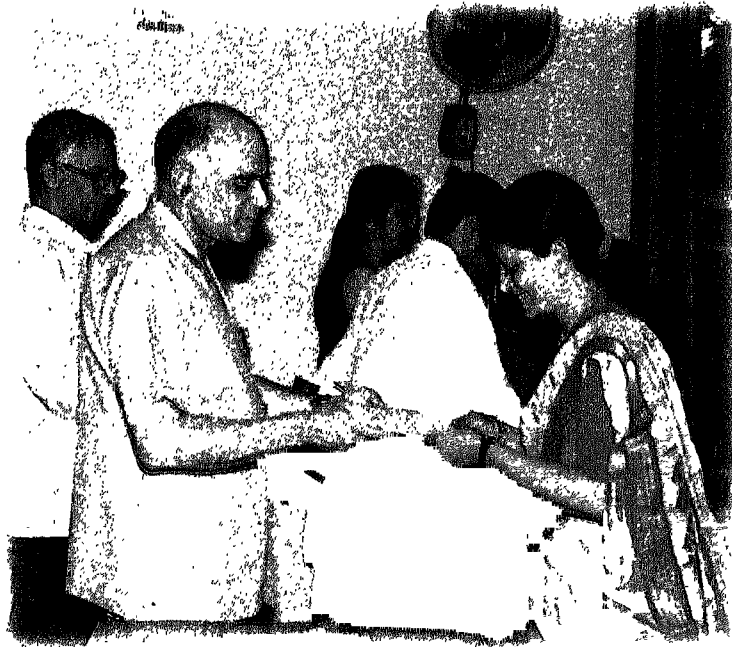
हिन्दी पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण समारोह

सहायता करता रहा है। राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी प्रतिवेदनों जैसे कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यालय आदेश, प्रशासनिक व लेखा संबंधी अन्य रिपोर्ट आदि का हिन्दी अनुवाद किया गया।

मॉनीटरिंग और कार्यान्वयन

हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ावा देने और राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने के लिए वर्ष 1998-99 के दौरान एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें आयोजित की गईं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा भी अपने-अपने संस्थानों में इस प्रकार की बैठकों का आयोजन किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कार्यों की निगरानी और प्रगति का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार करने के अलावा हिन्दी प्रकोष्ठ ने परिषद् के विभिन्न विभागों/अनुभागों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान प्रकाशन प्रभाग, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग तथा लेखा शाखा का निरीक्षण व दौरा किया गया तथा राजभाषा के प्रयोग से संबंधित उनकी कठिनाइयों के निराकरण के लिए विभिन्न प्रकार के सुझाव दिए गए। मा.सं.वि. मंत्रालय के निदेशक (राजभाषा) ने परिषद् मुख्यालय में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा की तथा परिषद् में राजभाषा के कार्यान्वयन की स्थिति पर संतोष प्रकट किया।

परिशिष्ट

एन.सी.ई.आर.टी. की समितियाँ वर्ष 1998-99

महा समिति

कार्यकारिणी समिति

वित्त समिति

स्थापना समिति

भवन एवं निर्माण समिति

कार्यक्रम सलाहकार समिति

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समिति

सी.आई.ई.टी. का संस्थान सलाहकार बोर्ड

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. का संस्थान सलाहकार बोर्ड

आर.आई.ई., अजमेर की प्रबंध समिति

आर.आई.ई., भुवनेश्वर की प्रबंध समिति

आर.आई.ई., मैसूर की प्रबंध समिति

एन.आई.ई., के विभागों के विभागीय सलाहकार बोर्ड (डी.ए.बी.)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

महा समिति

मंत्री
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
पदेन
अध्यक्ष

1. डॉ. मुरली मनोहर जोशी
केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली 110001

अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
पदेन

2. प्रो. (कु.) अरमैती देसाई
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली 110002

सचिव
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
पदेन

3. श्री पी. आर. दास गुप्ता
सचिव
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली 110001

भारत सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालय के चार उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक)

4.1 प्रो. के. एम. पाठक
उपकुलपति
तेजपुर विश्वविद्यालय
तेजपुर, सोनितपुर
असम 784001

2. श्रीमती पद्मा रामचन्द्रन
उपकुलपति
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय
बड़ोदरा
गुजरात 390002

3. प्रो. सी. एल. कुंडू
उपकुलपति
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
समर हिल, शिमला 171005

4. प्रो. आर. राममूर्ति
उपकुलपति
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय
तिरुपति 517502, आन्ध्र प्रदेश

5. प्रत्येक राज्य सरकार और विधानसभा से युक्त संघशासित क्षेत्र का एक-एक प्रतिनिधि जो राज्य/संघशासित क्षेत्र का शिक्षामंत्री (अथवा उसका प्रतिनिधि)	5.1 विद्यालय शिक्षा मंत्री आंध्र प्रदेश सरकार ए.पी. सचिवालय भवन हैदराबाद 500022
	2. विद्यालय शिक्षा मंत्री अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर 791111
	3. विद्यालय शिक्षा मंत्री असम सरकार, जनता भवन दिसपुर (असम) 781006
	4. विद्यालय शिक्षा मंत्री बिहार सरकार नया सचिवालय भवन पटना 800015
	5. विद्यालय शिक्षा मंत्री गोवा सरकार, गोवा सविचालय पणजी 403001
	6. विद्यालय शिक्षा मंत्री गुजरात सरकार ब्लाक नं. 1 सचिवालय गांधी नगर 382010
	7. विद्यालय शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार हरियाणा सिविल सचिवालय चण्डीगढ़ 160001
	8. विद्यालय शिक्षा मंत्री हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला 171002
	9. विद्यालय शिक्षा मंत्री जम्मू और कश्मीर सरकार श्रीनगर 180001
	10. विद्यालय शिक्षा मंत्री कर्नाटक सरकार, विधान सौंध बैंगलूर 560001

11. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    केरल सरकार
    अशोक नंथनकोडे
    तिरुअनंतपुरम 695001

12. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    मध्य प्रदेश सरकार
    भोपाल 462001

13. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    महाराष्ट्र सरकार मंत्रालय
    मेन मुंबई 400032

14. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    मणिपुर सरकार
    मणिपुर सचिवालय
    इंफाल 759001

15. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    मेघालय सरकार
    मेघालय सचिवालय
    शिलांग 793001

16. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    नागालैंड सरकार
    कोहिमा 797001

17. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    मिजोरम सरकार
    आइजोल 796001

18. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    उड़ीसा सरकार, उड़ीसा सचिवालय
    भुवनेश्वर 751001

19. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    पंजाब सरकार
    चण्डीगढ़ 160017

20. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    राजस्थान सरकार
    सरकारी सचिवालय
    जयपुर 302001

21. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    सिक्किम सरकार
    सिक्किम सचिवालय
    ताशिलिंग गंगटोक 737101

22. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    तमिलनाडु सरकार
    फोर्ट सेंट जार्ज
    चेन्नई 600009

23. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    त्रिपुरा सरकार
    सिविल सचिवालय
    अगरतला 799001

24. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    पश्चिम बंगाल सरकार
    राइटर्स बिल्डिंग
    कलकत्ता 700001

25. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    उत्तर प्रदेश सरकार
    लखनऊ 226001

26. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
    दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय
    दिल्ली 110054

27. विद्यालय शिक्षा मंत्री
    पांडिचेरी सरकार
    विधानसभा सचिवालय
    विक्टर सिमोनल स्ट्रीट
    पांडिचेरी 605001

6. कार्यकारिणी समिति के वे सदस्य जो ऊपर दी गई सूची में सम्मिलित नहीं हैं।

6.1 सुश्री उमा भारती
    शिक्षा राज्य मंत्री
    मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
    शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

2. शिक्षा उपमंत्री
    मानव संसाधन विकास मंत्रालय
    शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001

3. प्रो. ए.के. शर्मा
   निदेशक
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016

4. प्रो. जे.एस. राजपूत
   अध्यक्ष
   राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
   सी 2/10, सफदरजंग विकास क्षेत्र
   श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016

5. प्रो. जे.वी. नारलीकर
   खगोलशास्त्र तथा खगोल भौतिकीय
   अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र
   पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

6. श्रीमती विषलक्षी एच.
   सहायक मिस्ट्रेस
   सर्वोदय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय
   जयानगर, शिमोगा जिला
   कर्नाटक 577201

7. श्रीमती विभा पार्थसारथी
   प्रधानाध्यापक
   सरदार पटेल विद्यालय, लोधी एस्टेट
   नई दिल्ली 110003

8. प्रो. ए.एन. माहेश्वरी
   संयुक्त निदेशक
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016

9. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी.
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016

10. डा. अरुण के. मिश्र
    संयुक्त निदेशक
    पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
    (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., एन.सी.ई.आर.टी.)
    131, जोन-2, एम.पी. नगर
    भोपाल 462011

11. डा. डी.के. भट्टाचार्यजी
    प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    भुवनेश्वर 750007

12. डा. पी.एच.एस. राव
    संयुक्त शिक्षा सलाहकार (शिक्षा विभाग)
    मानव संसाधन विकास मंत्रालय
    शास्त्री भवन
    नई दिल्ली 110001

13. श्री सुधीर नाथ
    वित्तीय सलाहकार
    एन.सी.ई.आर.टी., शिक्षा विभाग
    मा.सं.वि. मंत्रालय
    शास्त्री भवन
    नई दिल्ली 110001

7. (क) अध्यक्ष
   केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली, पदेन

7.1 श्री बी.पी. खंडेलवाल
    अध्यक्ष
    केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
    शिक्षा केन्द्र
    2 कम्युनिटी सेंटर, प्रीत विहार
    दिल्ली 110092

(ख) आयुक्त
   केन्द्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली, पदेन

2. आयुक्त
   केन्द्रीय विद्यालय संगठन
   18 इंस्टीट्यूशनल एरिया
   शहीद जीत सिंह मार्ग
   नई दिल्ली 110016

(ग) निदेशक
   केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो नई दिल्ली, पदेन

3. निदेशक
   केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो
   (सी.जी.एच.एस.)
   स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
   कोटला रोड
   नई दिल्ली 110002

(घ) उप महानिदेशक
   प्रभारी, कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
   कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली
   पदेन

4. उप महानिदेशक
   प्रभारी, कृषि शिक्षा
   भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
   कृषि मंत्रालय
   डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड
   नई दिल्ली 110001

(ङ) प्रतिनिधि
शिक्षा प्रभाग, योजना आयोग
नई दिल्ली, पदेन

5. शिक्षा सलाहकार
योजना आयोग, योजना भवन
संसद मार्ग
नई दिल्ली 110001

8. भारत सरकार द्वारा मनोनीत छः व्यक्ति
(जिनमें कम से कम चार विद्यालय अध्यापक हों)

8.1 श्री के.आर. सिद्दप्पा
सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक
डी/2 विद्यालय नगर
दावणगेरे 577005
कर्नाटक

2. श्री जे.एस. भण्डारी
प्रधानाध्यापक
केन्द्रीय विद्यालय
पी.ओ. न्यू फारेस्ट
देहरादून 248006
उत्तर प्रदेश

3. श्री जे.बी. हेगाड़ी
प्रधानाचार्य
दिल्ली कन्नड़ व.मा. विद्यालय
लोधी एस्टेट
नई दिल्ली 110003

4. श्री ओ. रंगरेड्डी
प्रधानाचार्य
जवाहर नवोदय विद्यालय
वलसपल्ले मदनपल्ले (पोस्ट)
चित्तूर जिला 517325
आन्ध्र प्रदेश

5. डा. एम.एन. कुलकर्णी
आई 302,
अंसल लेक व्यू अपार्टमेंट
श्यामला हिल्स
भोपाल 462013

6. प्रो. जयालक्ष्मी
जया भवन
पोरूवाजी, पो.ओ. सस्तामकोट्टा
कोवलम 690520
केरल

विशेष आमंत्रित

सचिव
भारतीय स्कूल प्रमाण-पत्र, परीक्षा परिषद्
प्रगति हाउस, तीसरी मंजिल
47 नेहरू प्लेस
नई दिल्ली 110019

संयोजक

(1) श्री पी.एन.चावला
कार्यवाहक सचिव
एन.सी.ई.आर.टी.
नई दिल्ली 110016
(14.7.98 तक)

(2) श्री बिमल जुल्का
सचिव
एन.सी.ई.आर.टी.
नई दिल्ली 110016
(15.7.98 से)

कार्यकारिणी समिति

परिषद् के अध्यक्ष जो कार्यकारिणी के पदेन अध्यक्ष होंगे	1. डॉ. मुरली मनोहर जोशी मानव संसाधन विकास मंत्री एवं अध्यक्ष एन.सी.ई.आर.टी., शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री जो कार्यकारिणी के पदेन उपाध्यक्ष होंगे	2. सुश्री उमा भारती शिक्षा राज्य मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली 110001
परिषद् के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत शिक्षा उपमंत्री	—
परिषद् के निदेशक	3. डा. ए.के. शर्मा निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय पदेन	4. श्री पी.आर. दासगुप्ता सचिव, भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पदेन	5. डा. (कु.) अरमैती देसाई अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग वहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली 110002
अध्यक्ष द्वारा मनोनीत स्कूल शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद् (जिनमें से दो स्कूल के अध्यापक हों)	6. प्रो. जे.एस. राजपूत अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् सी-2/10, सफदरजंग विकास क्षेत्र श्री अरविंद मार्ग नई दिल्ली 110016
	7. प्रो. जे.वी. नारलीकर खगोलशास्त्र तथा खगोलभौतिकीय अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र पुणे

8. श्रीमती विपलक्षी एच.
   सहायक मिस्ट्रेस
   सर्वोदय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय
   जयानगर
   शिमोगा जिला
   कर्नाटक 577201

9. श्रीमती विभा पार्थसारथी
   प्रधानाध्यापक
   सरदार पटेल विद्यालय
   लोधी एस्टेट
   नई दिल्ली 110003

परिषद् के संयुक्त निदेशक

10. डा. ए.एन. माहेश्वरी
    संयुक्त निदेशक
    एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016

अध्यक्ष द्वारा मनोनीत परिषद् के संकाय के तीन सदस्य, जिनमें कम से कम दो सदस्य, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्षों के स्तर के हों

11. प्रो. अरुण के. मिश्र
    संयुक्त निदेशक
    पंडित सुंदरलाल शर्मा
    केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
    131, जोन-2
    एम.पी. नगर
    भोपाल 462011

12. प्रो. पी.के. भट्टाचार्य
    संयुक्त निदेशक
    केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान
    एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016

13. डा. डी.के. भट्टाचार्यजी
    प्राचार्य
    क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    भुवनेश्वर 750007

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

14. डा. पी.एच.एस. राव
    संयुक्त शिक्षा सलाहकार (विद्यालय शिक्षा)
    शिक्षा विभाग
    मानव संसाधन विकास मंत्रालय
    शास्त्री भवन
    नई दिल्ली 110001

वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार होगा	15. श्री सुधीर नाथ वित्तीय सलाहकार एन.सी.ई.आर.टी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
सचिव एन.सी.ई.आर.टी. संयोजक	16. (1) श्री पी.एन. चावला कार्यवाहक सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (14.7.98 तक) (2) श्री विमल जुल्का सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (15.7.98 से)

वित्त समिति

निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. पदेन	1. प्रो. ए.के. शर्मा निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
वित्तीय सलाहकार पदेन	2. श्री सुधीर नाथ वित्तीय सलाहकार एन.सी.ई.आर.टी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय	3. डा. पी.एच.एस. राव संयुक्त शिक्षा सलाहकार (विद्यालय शिक्षा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
	4. श्री अनिल सिन्हा संयुक्त शिक्षा सलाहकार कृषि मंत्रालय, कृषि भवन नई दिल्ली 110001
	5. श्री बी.पी. खंडेलवाल अध्यक्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शिक्षा केन्द्र, 2-कम्युनिटी सेंटर प्रीत विहार, दिल्ली 110092
सचिव एन.सी.ई.आर.टी. सदस्य-संयोजक	6. (1) श्री पी.एन. चावला कार्यवाहक सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (14.7.98 तक) (2) श्री बिमल जुल्का सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (15.7.98 से)

स्थापना समिति

1. निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. अध्यक्ष	1. डा. ए.के. शर्मा निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
2. संयुक्त निदेशक एन.सी.ई.आर.टी.	2. प्रो. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
3. परिषद् के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार का नामिती	3. डा. पी.एच.एस. राव संयुक्त शिक्षा सलाहकार (विद्यालय शिक्षा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
4. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत चार शिक्षाविद् जिनमें से कम से कम एक वैज्ञानिक हो	4. प्रो. सी.एल. आनन्द पूर्व उपकुलपति अरुणाचल प्रदेश विश्वविद्यालय विजिटिंग प्रोफेसर पंजाब विश्वविद्यालय एफ-87, विकासपुरी नई दिल्ली 110018
	5. प्रो. पी. वेंकटरमय्या उपकुलपति कुवेम्पु विश्वविद्यालय, ज्ञान सहेद्री शंकरघटा, जिला शिमोगा 577115 (कर्नाटक)
	6. डा. एस.एस. सालगांवकर निदेशक भारतीय शिक्षा संस्थान 128/2 जे.पी. नायक मार्ग कोथर्ड, पुणे 411029
	7. कु. नरगिस पंचपकंसन प्रोफेसर, शिक्षा विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय 33 छात्रा मार्ग, दिल्ली 110007

अध्यक्ष द्वारा मनोनीत क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान से एक प्रतिनिधि	8. प्रो. डी.के. भट्टाचार्यजी प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर 751007
अध्यक्ष द्वारा मनोनीत राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (नई दिल्ली) से एक प्रतिनिधि	9. प्रो. श्रीमती ऊषा नायर अध्यक्ष महिला अध्ययन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
परिषद् के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक नियमित स्टॉफ, प्रत्येक में से एक-एक प्रतिनिधि जिनका चयन परिशिष्ट में इस संबंध में निर्धारित विनियम के अनुसार किया गया हो।	10. (1) डा. एस.के. यादव रीडर डी.टी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (29.7.98 तक) (2) श्री विनोद चंद्र विमोथी टी.जी.टी. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर (30.7.98 से) 11. श्री वेद प्रकाश वैयक्तिक सहायक, डी.ई.एस.एम. एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
वित्तीय सलाहाकर (एन.सी.ई.आर.टी.)	12. श्री सुधीर नाथ वित्तीय सलाहाकर, एन.सी.ई.आर.टी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
सचिव एन.सी.ई.आर.टी. सदस्य-संयोजक	13. (1) श्री पी.एन. चावला कार्यवाहक सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (14.7.98 तक) (2) श्री बिमल जुल्का सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (15.7.98 से)

भवन एवं निर्माण समिति

पद	सदस्य
निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. अध्यक्ष, पदेन	1. डा. ए.के. शर्मा निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
संयुक्त निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. उपाध्यक्ष, पदेन	2. प्रो. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016
मुख्य अभियंता सी.पी.डब्ल्यू.डी. या उनका प्रतिनिधि	3. श्री आर.एस. सागर मुख्य अभियंता सी.पी.डब्ल्यू.डी., एन.डी.जेड-3 सेवा भवन, आर.के. पुरम नई दिल्ली 110022
वित्त मंत्रालय (निर्माण) का एक प्रतिनिधि	4. श्री डी.सी. भट्ट सहायक वित्त सलाहकार (निर्माण) शहरी विकास मंत्रालय निर्माण भवन नई दिल्ली 110001
एन.सी.ई.आर.टी. परामर्शदाता वास्तुकार	5. श्री दीनानाथ वरिष्ठ वास्तुकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. सेवा भवन, आर.के. पुरम नई दिल्ली 110022
परिषद् के वित्तीय सलाहकार या उनका प्रतिनिधि	6. श्री सुधीर नाथ वित्तीय सलाहकार एन.सी.ई.आर.टी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001
मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि	7. श्री पी.एच.एस राव संयुक्त शिक्षा सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली 110001

एक स्थायी सिविल इंजीनियर (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	8. श्री के.के. गुलाटी वास्तुकार व अभियन्ता सी-2 सी, पाकेट-2 फ्लैट सं. 9, जनकपुरी, नई दिल्ली 110058
एक स्थायी विद्युत अभियंता (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	9. श्री एस. एन. गीरोत्रा आवासीय अभियंता (विद्युत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हौज खास नई दिल्ली 110016
कार्यकारी समिति का एक सदस्य (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	10. प्रो. जे.एस. राजपूत अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् सी-2/10 सफदरजंग विकास क्षेत्र श्री अरविंद मार्ग नई दिल्ली 110016
सचिव एन.सी.ई.आर.टी. सदस्य-सचिव	11. (1) श्री पी.एन. चावला कार्यवाहक सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (14.7.98 तक) (2) श्री विमल जुल्का सचिव एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली 110016 (15.7.98 से)

कार्यक्रम सलाहकार समिति

1. निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *अध्यक्ष*
2. संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *उपाध्यक्ष*
3. संयुक्त निदेशक, पंडित सुंदरलाल शर्मा
   केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
   (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.)
   भोपाल 462 011
4. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी
   संस्थान (सी.आई.ई.टी.)
   नई दिल्ली 110016
5. डा. ए.के. सचेती, प्रोफेसर, पंडित सुंदरलाल शर्मा
   केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
   भोपाल 462 011
6. प्रो. ए.सी. बनर्जी, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी
   संस्थान (सी.आई.ई.टी.), एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
7. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग
   (डी.ई.एस.एस.एच.), एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
8. प्रो. आर.के. दीक्षित, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग
   (डी.ई.एस.एस.एच.)
   नई दिल्ली 110016
9. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
   (डी.ई.एस.एम.), एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
10. प्रो. आर.एन. माथुर, प्रोफेसर
    विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)
    एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
11. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग
    (डी.ई.पी.एफ.ई.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
12. प्रो. आशा भटनागर
    शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग
    (डी.ई.पी.एफ.ई.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
13. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग
    (डी.पी.एस.ई.ई.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016

14. डा. वी.पी. गुप्ता, रीडर
    विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
15. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा एवं वैकल्पिक शिक्षण विभाग
    (डी.ई.एन.एफ.ए.एस.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
16. डा. (श्रीमती) शुक्ला भट्टाचार्य
    अनौपचारिक शिक्षा एवं वैकल्पिक शिक्षण विभाग (डी.ई.एन.एफ.ए.एस.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
17. अध्यक्ष, शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग (डी.ई.एम.ई.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
18. डा. अवतार सिंह, रीडर, शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग
    (डी.ई.एम.ई.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
19. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.), एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016
20. प्रो. वी.के. रैना, प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
21. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
22. श्रीमती सुषमा जयरथ, रीडर, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
23. अध्यक्ष, पुस्तकालय प्रलेखन एवं सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
24. अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
25. अध्यक्ष, कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग (डी.सी.ई.टी.ए.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
26. डा. (श्रीमती) कमलेश मित्तल, रीडर
    कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
27. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग (आई.आर.डी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
28. अध्यक्ष, योजना, प्रोग्रामिंग अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.),
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
29. डा. जे.पी. मित्तल, रीडर
    योजना प्रोग्रामिंग अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
30. अध्यक्ष, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डी.ई.जी.एस.एन.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
31. डा. (श्रीमती) जनक वर्मा रीडर, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डी.ई.जी.एस.एन.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016

32. अध्यक्ष, शैक्षिक अनुसंधान और नीतिगत संदर्श विभाग (डी.ई.आर.पी.पी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
33. प्रो. सतवीर सिंह, सदस्य सचिव, एरिक
    शैक्षिक अनुसंधान और नीतिगत संदर्श विभाग (डी.ई.आर.पी.पी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
34. अध्यक्ष, शैक्षिक सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.ई.एस.डी.पी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
35. श्री एस.सी. मित्तल, रीडर
    शैक्षिक सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रमण विभाग (डी.ई.एस.डी.पी.)
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
36. अध्यक्ष, डी.पी.ई.पी., कोर संसाधन दल
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
37. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, राजस्थान 305 004
38. डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर 305 004
39. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल 462 013
40. डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल 462 013
41. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर 751 007
42. डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर 751 007
43. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर 570006
44. डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर 570006
45. विशेष कार्य अधिकारी, उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    शिलाँग 793 003
46. मुख्य लेखाधिकारी एवं आंतरिक वित्तीय सलाहकार
    एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016
47. क्षेत्र सलाहकार, एन.सी.ई.आर.टी., 260 पटेल नगर
    तालाब टिल्लु, लेन सं. 1, जम्मू 180002
48. क्षेत्र सलाहकार, एन.सी.ई.आर.टी., 128/2 कोथरूड कर्वे रोड, पुणे 411 029
49. क्षेत्र सलाहकार, एन.सी.ई.आर.टी., सं. 64, 4 एवेन्यू अशोक नगर, चेन्नई 600083
50. क्षेत्र सलाहकार, एन.सी.ई.आर.टी., बर्नांचल पो.ओ. बामुनीमैदान, गुवाहाटी 781 001
51. जनसंपर्क अधिकारी, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016

अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित सदस्य

52. प्रो. वीना मिस्त्री, प्रो. उप-कुलपति, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा
53. प्रो. के.आर. शिवान्ना, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
54. प्रो. एम.एन. कर्णा, समाजशास्त्र विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय
    मयूर भंज कांप्लेक्स, नांगथामाई, शिलांग 793014
55. प्रो. एम. मुनीम्मा, उप-कुलपति, गुलबर्गा विश्वविद्यालय
    जवानागोगा गुलबर्गा, कर्नाटक 585016
56. डा. अरविंद कुमार, निदेशक, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
    टी.आई.एफ.आर., वी.एन. पुआर मार्ग, मानखुर्द, मुंबई 400088
57. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), असम, गुवाहाटी

58. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), मणिपुर, इम्फाल
59. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), 25/3, बालीगंज, सर्कुलर रोड कलकत्ता 700019, पश्चिम बंगाल
60. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), पंजाब, सेक्टर 17 ए, चंडीगढ़
61. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), केरल, तिरुअनंतपुरम
62. सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 110016 — *संयोजक*

एन.सी.ई.आर.टी. से

डीन (अनुसंधान) और अध्यक्ष	प्रो. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. डीन (अनुसंधान)
डीन (शैक्षिक)	प्रो. अर्जुन देव डीन (शैक्षिक) और अध्यक्ष डी.ई.एस.एस.एच.
डीन (समन्वय)	प्रो. एम.एस. खापर्डे डीन (समन्वय) तथा अध्यक्ष डी.ई.आर.पी.पी.
एन.सी.ई.आर.टी. के सभी संघटकों के अध्यक्ष	1. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान 2. संयुक्त निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल 3. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर 4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल 5. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर 6. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर 7. विशेष कार्य अधिकारी, उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिलांग
निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित एस.सी.ई.आर.टी. के दो व्यक्ति	1. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, महाराष्ट्र, 708 आर.डी. कामथेकर मार्ग, सदा-शिव पथ, पुणे 411 030 2. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् जे.बी.टी.सी. परिसर, निशात गंज लखनऊ 228 007
विशेषज्ञ/शिक्षाविद्/अनुसंधान अध्येता अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों अथवा अन्य उपयुक्त एजेंसियों से आठ व्यक्ति	(1) प्रो. सुश्री वीना आर. मिस्त्री पूर्व प्रो. उप-कुलपति, एम.एस. बड़ोदा विश्वविद्यालय, बी-5 संख्या 3, सी.एस. पटेल एन्क्लेव प्रतापगंज, बड़ोदरा (2) डा. बी.पी. खण्डेलवाल अध्यक्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, शिक्षा केन्द्र 2 सामुदायिक केन्द्र, प्रीत विहार नई दिल्ली 110092 (3) प्रो. सरोजिनी बी. शिन्त्री पूर्व डीन, कर्नाटक विश्वविद्यालय बासवेश्वर भवन, राम नगर धारवाड़ 580001

(4) प्रो. के.डी. ब्रूटा
मनोविज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली 110007

(5) प्रो. डी.के. समन्तरे
एन-1, 62-ए, आई.आर.सी.
गांव भुवनेश्वर
उड़ीसा 751 015

(6) डा. (सुश्री) विनय भारद्वाज
रीडर, भारतीय महिला कालेज
लिंक रोड, नई दिल्ली 110005

(7) डा. नीलम "नीलकमल"
रीडर अंग्रेजी विभाग
एम.डी.डी.एच. कालेज
बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर
बिहार विश्वविद्यालय
मुजफ्फरपुर, बिहार 842 001

(8) प्रो. शमीम हनफी
उर्दू विभाग
जामिया मिलिया इस्लामिया
नई दिल्ली 110025

स्थाई/विशेष आमंत्रित
(निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित)

1. संयुक्त सचिव (विद्यालय)
   या
   संयुक्त शिक्षा सलाहकार, शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली 110001
2. प्रो. वी.के. रैना
   अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग
   (डी.टी.ई.ई.)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
3. प्रो. आर.एन. माथुर
   विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
   (डी.ई.एस.एम.) एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
4. प्रो. (श्रीमती) एस. सिन्हा
   सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग
   (डी.ई.एस.एस.एच.)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016

5. प्रो. (श्रीमती) आशा भटनागर
   शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग
   (डी.ई.पी.एफ.ई.)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
6. प्रो. यू. मलिक
   कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग
   (डी.सी.ई.टी.ए.)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
7. प्रो. ए.के. सचेती
   पंडित सुन्दरलाल शर्मा
   केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
   (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.)
   131, जोन-2 एम.पी. नगर
   भोपाल 462 011
8. प्रो. जी.के. लहरी
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   पुष्कर मार्ग
   अजमेर 305 004
9. प्रो. एम.सेन गुप्ता
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स
   भोपाल 462 011
10. प्रो. के.के. वशिष्ठ, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    मैसूर 570006
11. प्रो. ए.एल.एन. शर्मा
    क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    भुवनेश्वर 751 007
12. प्रो. सतवीर सिंह
    सदस्य सचिव (एरिक)
    डी.ई.आर.पी.पी.
    एन.सी.ई.आर.टी.

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समिति

1. डीन (शैक्षिक), एन.सी.ई.आर.टी. *अध्यक्ष*
2. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)
3. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक शिक्षण विभाग (डी.ई.एन.एफ.ए.एस.)
4. अध्यक्ष, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डी.ई.जी.एस.एन.)
5. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)
6. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)
7. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)
8. अध्यक्ष, कंप्यूटर शिक्षा और प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग (डी.सी.ई.टी.ए.)
9. अध्यक्ष, शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग (डी.ई.एम.ई.)
10. अध्यक्ष, शैक्षिक सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.ई.एस.डी.पी.)
11. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.)
12. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग (डी.ई.पी.एफ.ई.)
13. अध्यक्ष, शैक्षिक अनुसंधान और नीतिगत संदर्श विभाग (डी.ई.आर.पी.पी.)
14. अध्यक्ष, पुस्तकालय प्रलेखन एवं सूचना प्रभाग (डी.एल.डी.आई.)
15. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग (आई.आर.डी.)
16. अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग (पी.डी.)
17. अध्यक्ष, योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.)
18. प्रोफेसर एम. सावरीन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)
19. प्रोफेसर एम. चन्द्रा, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)
20. श्री वी.एस. श्रीवास्तव, रीडर शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग (डी.ई.एम.ई.)
21. डा. (श्रीमती) दलजीत गुप्ता, रीडर विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)

22. प्रो. ए. भटनागर
    शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग
    (डी.ई.पी.एफ.ई.)
23. प्रो. वी.के. रैना
    अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग
    (डी.टी.ई.ई.)

बाहरी सदस्य

24. डा. पी.एन. दवे
    76, क्षितिज, प्रीतम सोसाइटी-1
    भरूच 292 002 (गुजरात)
25. प्रो. एच.वाई. मोहन राम
    38/4, प्रॉबिन मार्ग
    दिल्ली 110007
26. प्रो. बी.पी. खंडेलवाल
    अध्यक्ष
    सी.बी.एस.ई.
    प्रीत विहार, नई दिल्ली 110092
27. डा. सुदेश नांगिया
    सामाजिक विज्ञान विद्यालय
    जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
    नई दिल्ली 110067
28. श्री पी.के. भौमिक
    निदेशक
    राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, गेट नं. 1
    प्रगति मैदान, नई दिल्ली

सी.आई.ई.टी. का संस्थान सलाहकार बोर्ड

1. संयुक्त निदेशक *अध्यक्ष*
   केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान
2. डा. हरमेश लाल
   रीडर
   सी.आई.ई.टी.
3. डा. आर.एल. फुटेला
   रीडर
   सी.आई.ई.टी.
4. डा. राजा राम शर्मा
   रीडर
   सी.आई.ई.टी.
5. श्री एम. ब्रह्माजी
   अधीक्षक अभियन्ता
   सी.आई.ई.टी.
6. एन.आई.ई. के सभी विभागों के अध्यक्ष
7. महानिदेशक
   दूरदर्शन
   नई दिल्ली 110001
8. प्रो. के.एल. कुमार
   अध्यक्ष
   शिक्षा प्रौद्योगिकी केन्द्र
   आई.आई.टी. '
   नई दिल्ली 110016
9. प्रो. हबीव किदवई
   निदेशक
   एम.सी.आर.सी.
   जामिया मिलिया
   नई दिल्ली
10. श्री बी.एस. भाटिया
    निदेशक
    डी.ई.सी.यू.
    आई.एस.आर.ओ.
    अहमदाबाद
11. श्री किरन कार्तिक
    डिसकवरी चेनल
    नई दिल्ली

पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. का संस्थान सलाहकार बोर्ड

1. संयुक्त निदेशक
   पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
   भोपाल — *अध्यक्ष*
2. डीन (अकादमिक एवं अनुसंधान)
   पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
   भोपाल
3. पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.,
   भोपाल के सभी प्रभागों के अध्यक्ष (6)
4. पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
   के प्रत्येक प्रभाग का एक सदस्य
5. व्यावसायिक शिक्षा से संबद्ध नौ राज्यों से
   निदेशक स्तर के प्रतिनिधि (चक्रानुक्रम)
   (गुजरात, गोवा, तमिलनाडु, उड़ीसा,
   हरियाणा, मणिपुर, पश्चिम बंगाल,
   आन्ध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश)
6. राज्य शिक्षा संस्थान के एक प्राचार्य (चक्रानुक्रम)
   प्रो. एस.टी.सी.वी.जी. आचार्युलु
   आर.आई.ई.
   मैसूर
7. डा. पी.एन. मिश्रा
   निदेशक
   उद्यम विकास संस्थान
   मध्य प्रदेश
   भोपाल
8. श्री एस.पी.एस. राठोर
   निदेशक
   क्षेत्रीय उद्यम प्रशिक्षण बोर्ड (डब्ल्यू.आर.)
   ए.टी.आई. परिसर
   वी.एन. पूर्व मार्ग
   एस.आई.ओ.एन.
   मुम्बई 400012
9. डा. ए.एन. शुक्ला
   सहायक महानिदेशक (के.वी.आर.)
   अनुसंधान भवन (आई.सी.ए.आर.)
   भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
   नई दिल्ली 110012
10. डा. अनिल गुप्ता
    प्रोफेसर
    भारतीय प्रबंध संस्थान
    अहमदाबाद (गुजरात) 380015

11. डा.वी.के. बंसल
प्रो. एवं अध्यक्ष
विद्युत अभियांत्रिक विभाग
जय नारायाण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर 342011
12. डा. ए.के. भार्गव
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रेडियोलोजी विभाग
आयुर्विज्ञान महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
गुरु तेग बहादुर अस्पताल
दिल्ली 110095
13. कुमारी एम.एस. ऊषा
डीन
गृहविज्ञान महाविद्यालय
गोविन्द वल्लभ पंत
कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर 263145
14. अध्यक्ष
राष्ट्रीय खुला विद्यालय
नई दिल्ली
15. अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
नई दिल्ली
16. अध्यक्ष
बिहार इंटरमीडिएट शिक्षा परिषद्
किदवई पुरा
पटना 800001
17. अध्यक्ष
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
सी-2/10, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110016
18. सचिव
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
राजस्थान
अजमेर
19. श्री शेखर एच. भादसवले
फिश फार्मर
सागुना वाग
पो.ऑ. निराल
जिला-रायगढ़
महाराष्ट्र 410101

20. डा. शिव प्रसाद
    माइक्रो प्लांट लि.
    407, डालमिया चैम्बर्स
    29, न्यू मैरीन लेन
    मुंबई
21. टी.टी.टी.आई. से
    एक प्राचार्य
    (चक्रानुक्रम पर)
22. एफ.आई.सी.सी.आई. का
    एक प्रतिनिधि

1. *क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर की प्रबंध समिति*

1. उप-कुलपति — *अध्यक्ष*
   एम.डी.एस. विश्वविद्यालय
   अजमेर
2. प्राचार्य — *उपाध्यक्ष*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   अजमेर

क्षेत्र में प्रत्येक राज्य और संघ शासित क्षेत्र के
शिक्षा विभाग का एक नामिती :

3. श्रीमती विद्यावती
   पी.ई.एस. (1)
   निदेशक
   राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
   प्रशिक्षण परिपद्, पंजाब
   चंडीगढ़
4. निदेशक
   माध्यमिक शिक्षा
   हरियाणा
   चण्डीगढ़
5. निदेशक
   राज्य शिक्षा संस्थान
   सेक्टर-32
   चण्डीगढ़ प्रशासन चण्डीगढ़
6. शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)
   हिमाचल प्रदेश सरकार
   शिमला 171001
7. श्री एन.एस. टोलिया
   अपर शिक्षा निदेशक (विद्यालय)
   शिक्षा निदेशालय
   राप्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
   दिल्ली सरकार
   पुराना सचिवालय
   दिल्ली 110054
8. डा. (श्रीमती) एन.बी. बछिवाल
   प्राचार्य
   आई.ए.एस.ई.
   भीरहल रोड
   अजमेर 305001

अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित दो विशेषज्ञ

9. श्रीमती एस. संधीर
   निदेशक
   एस.सी.ई.आर.टी.
   गुड़गांव (हरियाणा)
10. डा. शरदचन्द्र पुरोहित
   निदेशक
   एस.सी.ई.आर.टी.
   उदयपुर 313001

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के दो विभागाध्यक्ष

11. विभागाध्यक्ष
   शिक्षा विभाग
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   अजमेर
12. विभागाध्यक्ष
   विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   अजमेर

(क) निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. के एक नामितीः

13. डीन (सी)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
   उन विश्वविद्यालयों से अन्य सदस्य जिनसे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान संबद्ध हैं
14. प्रो. एम.एल. छीपा
   एम.डी.एच. विश्वविद्यालय
   अजमेर
15. प्रशासन अधिकारी — *सचिव*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   अजमेर
16. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — *विशेष आमंत्रित*

2. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की प्रबंध समिति

1. उप-कुलपति — *अध्यक्ष*
   बरकतुल्ला विश्वविद्यालय
   भोपाल
2. प्राचार्य — *उपाध्यक्ष*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भोपाल

क्षेत्र के प्रत्येक राज्य और संघ शासित क्षेत्र के शिक्षा विभाग का एक नामितीः

3. श्री सुमित बोस
   सचिव
   शिक्षा विभाग
   भोपाल
4. श्री एम.वी. जोशी
   निदेशक
   राज्य शिक्षा संस्थान
   गोवा
5. श्री आर.के. चौधरी
   निदेशक
   एस.सी.ई.आर.टी.
   अहमदाबाद
   गुजरात
6. निदेशक
   एस.सी.ई.आर.टी.
   पुणे
   महाराष्ट्र
7. सचिव (शिक्षा)
   दादर और नगर हवेली
   संघ शासित क्षेत्र, शिक्षा विभाग
   सिल्वासा
8. सहायक शिक्षा निदेशक
   संघ शासित क्षेत्र, दमन और दीव

अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित दो विशेषज्ञः

9. प्रो. वी.जी. भिडे
   पूर्व उप-कुलपति
   पुणे विश्वविद्यालय, भौतिकी विभाग
   पुणे 411 007
10. प्रो. (श्रीमती) स्नेहाबेन जोशी
   प्रशासन और प्रबंधन विभाग
   शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय
   एम.एस. विश्वविद्यालय
   बड़ोदरा

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के दो अध्यक्षः

11. विभागाध्यक्ष
   शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भोपाल
12. विभागाध्यक्ष
   विज्ञान और गणित विभाग
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भोपाल

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. का एक नामितीः

13. डीन (सी)
    एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016

उन विश्वविद्यालयों के अन्य सदस्य जिनसे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान संबद्ध हैं :

14. डा. एच.के. गोस्वामी
    प्रोफेसर, आनुवंशिक एवं विभागाध्यक्ष
    विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग
    बरकतुल्ला विश्वविद्यालय
    भोपाल
15. डा. एस.के. कुलश्रेष्ठ
    प्राचार्य
    राजकीय हमीदिया महाविद्यालय
    भोपाल
16. प्रशासन अधिकारी — *सचिव*
    क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    भोपाल
17. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — *विशेष आमंत्रित*

3. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर की प्रबन्ध समिति

1. उप-कुलपति — *अध्यक्ष*
   उत्कल विश्वविद्यालय
   भुवनेश्वर
2. प्राचार्य — *उपाध्यक्ष*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भुवनेश्वर

क्षेत्र में सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्र के शिक्षा विभागों का एक नामितीः

3. श्री बी.सी. स्वेन,
   संयुक्त सचिव, शिक्षा विभाग
   उड़ीसा सरकार, उड़ीसा सचिवालय
   भुवनेश्वर
4. श्री एस. सोम
   संयुक्त सचिव
   विद्यालय शिक्षा विभाग, विकास भवन
   (पांचवां तल) सॉल्ट लेक
   कलकत्ता
5. निदेशक
   एस.सी.ई.आर.टी.
   महेन्द्रू पटना
   बिहार

6. श्री एन.दास
   शिक्षा निदेशक
   ए और एन प्रशासन
   पोर्ट ब्लेयर

अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित दो विशेषज्ञ :

7. प्रो. डी.एन. राय
   विश्वभारती
   शांति निकेतन
   जिला बिरभूम
   पश्चिम बंगाल
8. श्री प्रवन्त सामन्तराय
   35, मीना बाग
   नई दिल्ली 110011

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों से दो अध्यक्षः

9. विभागाध्यक्ष
   शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भुवनेश्वर
10. विभागाध्यक्ष
    विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
    क्षेत्रीय शिक्षा संस्थन
    भुवनेश्वर

एन.सी.ई.आर.टी. का एक नामितीः

11. डीन (सी)
    एन.सी.ई.आर.टी.
    नई दिल्ली 110016

उन विश्वविद्यालयों से अन्य सदस्य जिनसे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान संबद्ध हैः

12. डा. डी.सी. मिश्रा
    सेवानिवृत्त डी.पी.आई.
    जगन्नाथ लेन
    बादामगढ़ी
    कटक
13. प्रशासन अधिकारी — *सचिव*
    क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
    भोपाल
14. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — *विशेष आमंत्रित*

4. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर की प्रबंध समिति

1. उपकुलपति — *अध्यक्ष*
   मैसूर विश्वविद्यालय
   मैसूर
2. प्राचार्य — *उपाध्यक्ष*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   मैसूर

क्षेत्र में राज्यों और संघ शासित क्षेत्र के शिक्षा विभागों का एक नामितीः

3. श्री वी. कृष्णमाचार्युलु
   निदेशक
   राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
   एस.सी.ई.आर.टी.
   आंध्र प्रदेश सरकार
   आलिया भवन
   लाल बहादुर स्टेडियम के सामने
   हैदरावाद 500001
4. निदेशक
   डी.एस.ई.आर.टी.
   वी.पी. वाडिया रोड
   बसावनगुडी
   बैंगलूर 560004
5. श्री के. जयकुमार
   सरकार के सचिच
   सामान्य शिक्षा विभाग
   केरल सरकार
   तिरुअनन्तपुरम 695001
6. निदेशक
   डी.टी.ई.आर.टी.
   कॉलेज रोड
   चेन्नई 600006
7. श्री एस. हेमाचन्द्रन,
   सचिव (शिक्षा)
   सह-शिक्षा निदेशक
   पांडिचेरी सरकार
   पांडिचेरी 605001
8. श्री पी.वी. मुथुकोया
   शिक्षा अधिकारी
   शिक्षा निदेशालय
   लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र
   लक्षद्वीप प्रशासन
   कवर्ट्टि (वाया) कोचिन

अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित दो विशेषज्ञः

9. डा. मल्लादी श्री रामामूर्ति
   प्रो. एवं डीन
   शिक्षा संकाय
   उस्मानिया विश्वविद्यालय
   हैदराबाद
10. डा. जी. श्रीवरूडरप्पा
   पूर्व डीन
   शिक्षा संकाय, कर्नाटक विश्वविद्यालय
   वीरभद्र हाऊसिंग बोर्ड, कालोनी रोड
   आर.टी. नगर
   पो.ऑ. आदित्य नगर
   बैंगलूर 560032

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नामित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के दो अध्यक्षः

11. अध्यक्ष
   शिक्षा विभाग
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   मैसूर
12. अध्यक्ष
   विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   मैसूर

निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. का नामितीः

13. डीन (सी)
   एन.सी.ई.आर.टी.
   नई दिल्ली 110016
14. प्रशासन अधिकारी — *सचिव*
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
   भोपाल
15. क्षेत्र का क्षेत्रीय सलाहकार — *विशेष आमंत्रित*

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.), एन.सी.ई.आर.टी. के विभागों के विभागीय सलाहकार बोर्ड (डी.ए.बी.)

1. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग
2. डा. (श्रीमती) दलजीत गुप्ता
   रीडर
   डी.पी.एस.ई.ई.
3. डा. जी.सी. उपाध्याय
   लैक्चरर
   डी.पी.एस.ई.ई.
4. अध्यक्ष
   डी.ई.एन.एफ.ए.एस.
   एन.सी.ई.आर.टी.
5. अध्यक्ष
   डी.ई.जी.एस.एन.
   एन.सी.ई.आर.टी.
6. अध्यक्ष
   डी.डब्ल्यू. एस.
   एन.सी.ई.आर.टी.
   अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
   एन.सी.ई.आर.टी.
8. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एम.
   एन.सी.ई.आर.टी.
9. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एस.एच.
   एन.सी.ई.आर.टी.
10. अध्यक्ष
    डी.ई.पी.एफ.ई.
    एन.सी.ई.आर.टी.
11. अध्यक्ष
    डी.ई.एम.ई.
    एन.सी.ई.आर.टी.
12. संयुक्त निदेशक
    सी.आई.ई.टी.
    का नामिती

13. श्रीमती अनीता रामफल
    एकलव्य, ई-1/208
    अरेरा कालोनी
    भोपाल 462016
14. सुश्री आदर्श शर्मा
    निपसेड
    एशियाड विलेज रोड
    नई दिल्ली
15. प्रो. श्याम मेनन
    निदेशक, विद्यालय शिक्षा
    आई.जी.एन.ओ.यू.
    मैदानगढ़ी
    नई दिल्ली 110030
16. श्रीमती जाकिया कुरियन
    संयुक्त निदेशक
    सेंटर फॉर लर्निग रिसोर्सिस
    8, दक्कन कॉलिज रोड
    बी.पी. अपार्टमेन्ट के पीछे
    भेरवाड़ा, पुणे 411001
17. सुश्री राधिका हर्जबरगर
    ऋषि वैली

2. अनौपचारिक शिक्षा और वैकल्पिक शिक्षण विभाग (डी.ई.एन.एफ.ए.एस.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.ई.एन.एफ.ए.एस.
2. प्रो. (श्रीमती) एस. भट्टाचार्य
   डी.ई.एन.एफ.ए.एस.
3. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
4. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
5. अध्यक्ष
   डी.डब्ल्यू.एस.
6. अध्यक्ष
   डी.ई.जी.एस.एन.
7. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
8. डा. एस.एन. सिन्हा
   निदेशक
   सामाजिक नीति अनुसंधान संस्थान
   इंस्टीट्यूशनल एरिया
   ई-42, सैक्टर 13, मालवीय नगर
   जयपुर 302017

9. डा. पी.एन. दवे
76 क्षितिज, प्रीतम सोसायटी-1
भरूच 392002
गुजरात
10. श्री रोहित धनकर
समन्वयक
दिगान्तर, गांव टोड़ी
रामजानीपुरा, पो.ऑ. जगतपुर
जयपुर 302017
11. डा. सुमन कारनदिकर
भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान
जे.पी. नायक पथ
कार्वे रोड, 128/2 कोथर्ड
पुणे 411029
12. श्री जी. मणीरत्नम
आर.ए.एस.एस.
तिरुपति

3. विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग (डी.ई.जी.एस.एन.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
डी.ई.जी.एस.एन.
2. डा. (श्रीमती) जनक वर्मा
रीडर
डी.ई.जी.एस.एन.
3. अध्यक्ष
डी.पी.एस.ई.ई.
4. अध्यक्ष
डी.टी.ई.ई.
5. अध्यक्ष
डी.ई.एन.एफ.ए.एस.
6. अध्यक्ष
डी.ई.एस.एस.एच.
7. अध्यक्ष
डी.ई.पी.एफ.ई.
8. अध्यक्ष
डी.सी.ई.टी.ए.
9. संयुक्त निदेशक
सी.आई.ई.टी. का नामिती
10. डा. वीणा मिस्त्री
डीन
मानव संसाधन विकास विभाग
एम.एस. विश्वविद्यालय
वड़ोदरा 390002

11. डा. एम.एन.जी. मणी
    निदेशक, संसाधन और विकास केन्द्र
    श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय
    कोयम्बटूर 641020
12. प्रो. सेईद हामिद
    सचिव
    हमदर्द एजुकेशन सोसायटी
    तालिमकद, संगम बिहार
    नई दिल्ली 110062
13. प्रो. फ्रांसिस एक्का
    निदेशक
    सी.आई.आई.एल.
    मानसगंगोत्री
    मैसूर 570006
14. प्रो. नन्दूराम
    जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
    नई दिल्ली 110067

4. महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.डब्ल्यू.एस.
2. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एम.
3. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
5. अध्यक्ष
   डी.ई.पी.एफ.ई.
6. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष
   डी.ई.एन.एफ.ए.एस.
8. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
9. श्रीमती विभा पार्थसारथी
   प्रधानाचार्य
   सरदार पटेल विद्यालय
   नई दिल्ली
10. प्रो. करूणा चानना
    जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
    नई दिल्ली 110067

11. प्रो. सरोजिनी बिसारिया
    ए-59/1 एस.एफ.एस.
    डी.डी.ए. फ्लेट्स
    साकेत
    नई दिल्ली 110017
12. डा. सुनन्दा इनामदार
    संयुक्त निदेशक
    एम.एस.सी.ई.आर.टी.
    1034, सदाशिव पथ
    पुणे (महाराष्ट्र)
13. डा. शारदा जैन
    संधान
    जयपुर

5. सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)

1. अध्यक्ष *संयोजक*
   डी.ई.एस.एस.एच.
2. डा. एम. साबरीन
   प्रोफेसर
   डी.ई.एस.एस.एच.
3. डा. (श्रीमती) एस.बी.यादव
   रीडर
   डी.ई.एस.एस.एच.
4. सुश्री सुप्ता दास
   लेक्चरर
   डी.ई.एस.एस.एच.
5. डा. (श्रीमती) मीनू नन्दराजोग
   लेक्चरर
   डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष
   डी.ई.एम.ई.
8. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एम.
9. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
10. अध्यक्ष
    डी.डब्ल्यू. एस.
11. अध्यक्ष
    प्रकाशन प्रभाग
12. संयुक्त निदेशक
    सी.आई.ई.टी. का नामिती

13. डा. डी.एन. झा
    इतिहास विभाग
    दिल्ली विश्वविद्यालय
    दिल्ली 110007
14. डा. एस.आर. किदवई
    भाषा विद्यालय
    जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
    नई दिल्ली
15. डा. महाबीर सरन जैन
    निदेशक
    केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
    आगरा (उ. प्र.)
16. डा. आर.के. वहल
    पूर्व-निदेशक
    एस.आई.ई.
    चण्डीगढ़
17. डा. सुदेश नांगिया
    सामाजिक विज्ञान विद्यालय
    जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
    नई दिल्ली 110067

6. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.ई.एस.एम.
2. प्रो. आर.एन. माथुर
   प्रोफेसर
   डी.ई.एस.एम.
3. प्रो. एम. चन्द्रा
   प्रोफेसर
   डी.ई.एस.एम.
4. प्रो. एस.सी. दास
   डी.ई.एस.एम.
5. डा. के.बी. गुप्ता
   रीडर
   डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष
   डी.ई.एम.ई.
7. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.डी.पी.
8. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
9. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.

10. अध्यक्ष
    डी.ई.एस.एस.एच.
11. अध्यक्ष
    प्रकाशन प्रभाग
12. संयुक्त निदेशक
    सी.आई.ई.टी. का नामिती
13. प्रो. एल.एस. कोठारी
    71 वैशाली, पीतमपुरा
    दिल्ली 110034
14. डा. एन.के. सहगल
    संयुक्त सलाहकार और अध्यक्ष
    राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद्
    डी.एस.डी.
    न्यू महरौली रोड
    नई दिल्ली
15. प्रो. रमेश कपूर
    डिपार्टमेंट ऑफ कैमिस्ट्री एण्ड
    सैन्टर फॉर एडवांन्स स्टडीज इन कैमिस्ट्री
    पंजाब विश्वविद्यालय
    चण्डीगढ़ 160014
16. प्रो. बी.वी. कृष्णामूर्ति
    एन.बी.एच.एम.
    दिल्ली
17. प्रो. एच.वाई. मोहन राम
    वनस्पति विभाग
    दिल्ली विश्वविद्यालय
    दिल्ली 110007

7. शैक्षिक मापन और मूल्यांकन विभाग (डी.ई.एम.ई.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.ई.एम.ई.
2. श्री वी.एस. श्रीवास्तव
   रीडर
   डी.ई.एम.ई.
3. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
6. अध्यक्ष
   डी.ई.एन.एफ.ए.एस.

7. अध्यक्ष
   डी.डब्ल्यू.एस.
8. अध्यक्ष
   नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ
9. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
10. श्री एच.के. गुयान
    अध्यक्ष
    असम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिषद्
    बमुनी मैदान
    गुवाहाटी (असम)
11. प्रो. वी.पी. खण्डेलवाल
    अध्यक्ष
    सी.बी.एस.ई.
    प्रीत विहार
    नई दिल्ली 110092
12. प्रो. वाई. पी. अग्रवाल
    शिक्षा संकाय
    कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
    कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
13. डा. जैकब थारू
    केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान
    हैदराबाद
    (आंध्र प्रदेश)
14. प्रो. एम.बी मैनन
    निदेशक
    राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय
    नई दिल्ली

8. शैक्षिक सर्वेक्षण और आंकडा प्रक्रमण विभाग (डी.ई.एस.डी.पी.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.ई.एस.डी.पी.
2. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
3. अध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
4. अध्यक्ष
   डी.ई.पी.एफ.ई.
5. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष
   डी.डब्ल्यू.एस

7. अध्यक्ष
   डी.ई.आर.पी.पी.
8. अध्यक्ष
   डी.ई.एम.ई.
9. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
10. डा. पदम सिंह
    निदेशक
    आई.आर.एम.एस.
    आई.सी.एम.आर.
    नई दिल्ली 110029
11. डा. ए.के. निगम
    निदेशक
    अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान
    लखनऊ
12. श्री बी.वी. राव
    तकनीकी निदेशक
    राष्ट्रीय सूचना केन्द्र
    सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स
    ए ब्लॉक, लोधी रोड
    नई दिल्ली
13. प्रो. एम.एस. यादव
    शिक्षा उच्च अध्ययन केन्द्र
    एम.एस. विश्वविद्यालय
    बड़ोदा
14. डा. के.एस. नटराजन
    संयुक्त निदेशक
    पॉपुलेशन फाउन्डेशन ऑफ इण्डिया
    तारा क्रिसेंट बी/28
    सांस्थानिक क्षेत्र
    नई दिल्ली 110016

9. अध्यापक शिक्षा और विस्तार विभाग (डी.टी.ई.ई.)

1. अध्यक्ष — *संयोजक*
   डी.टी.ई.ई.
2. प्रो. वी.के. रैना
   प्रोफेसर
   डी.टी.ई.ई.
3. डा. के.एम. गुप्ता
   रीडर
   डी.टी.ई.ई.
4. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एम.

5. अध्यक्ष
   डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष
   डी.सी.ई.टी.ए.
7. अध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
8. अध्यक्ष
   डी.ई.एम.ई.
9. अध्यक्ष
   डी.ई.आर.पी.पी.
10. अध्यक्ष
    डी.डब्ल्यू.एस.
11. अध्यक्ष
    डी.ई.जी.एस.एन.
12. अध्यक्ष
    डी.ई.एस.डी.पी.
13. संयुक्त निदेशक
    सी.आई.ई.टी. का नामिती
14. प्रो. वी.के. सभरवाल
    डीन
    शिक्षा संकाय
    दिल्ली विश्वविद्यालय
    दिल्ली 110007
15. प्रो. लोकेश कौल
    डीन
    शिक्षा संकाय
    हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
    शिमला
16. प्रो. (सुश्री) सुदेश गाखर
    डीन
    शिक्षा संकाय, पंजाव विश्वविद्यालय
    चण्डीगढ़
17. प्रो. के.के. शर्मा
    अध्यक्ष एवं डीन
    शिक्षा विभाग
    एन.एच.ई.डब्ल्यू. कैम्पस
    कोहिमा
    नागालैंड
18. प्रो. बी.के. पासी
    उपाध्यक्ष
    राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
    नई दिल्ली

10. शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा आधार विभाग (डी.ई.पी.एफ.ई.)

1. अध्यक्ष
   डी.ई.पी.एफ.ई — *संयोजक*
2. प्रो. ए. भटनागर
   डी.ई.पी.एफ.ई.
3. डा. एन. गुप्ता
   रीडर
   डी.ई.पी.एफ.ई.
4. विभागाध्यक्ष
   डी.पी.एस.ई.ई.
6. विभागाध्यक्ष
   डी.टी.ई.ई.
7. विभागाध्यक्ष
   डी.ई.जी.एस.एन.
8. विभागाध्यक्ष
   डी.ई.आर.पी.पी.
9. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
10. प्रोफेसर ए.के. सेन
    मनोविज्ञान विभाग
    दिल्ली विश्वविद्यालय
    दिल्ली 110007
11. प्रो. जनक पाण्डे
    मनोविज्ञान विभाग
    इलाहाबाद विश्वविद्यालय
    इलाहाबाद 211 002
12. प्रो. वी.एन. पुहान
    मनोविज्ञान विभाग
    उत्कल विश्वविद्यालय
    भुवनेश्वर 751 004
13. डा. (श्रीमती) अदीति घोष
    मनोविज्ञान विभाग
    यूनीवर्सिटी कालेज ऑफ साइंस
    कलकत्ता विश्वविद्यालय
    92, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड
    कलकत्ता 700009
14. प्रो. जे.एन. जोशी
    पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

11. कंप्यूटर शिक्षा एवं प्रौद्योगिकीय सहायता विभाग

1. विभागाध्यक्ष, डी.सी.ई.टी.ए. — *संयोजक*
2. डा. (श्रीमती) के. मित्तल, रीडर, डी.सी.ई.टी.ए.

3. विभागाध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
4. विभागाध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
5. विभागाध्यक्ष, डी.ई.एम.ई.
6. विभागाध्यक्ष, डी.ई.जी.एस.एन.
7. संयुक्त निदेशक
   सी.आई.ई.टी. का नामिती
8. प्रो. एन.के. तिवारी
   मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
   हौजखास
   नई दिल्ली 110016
9. श्री पी.के. भौमिक
   निदेशक
   राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र
   प्रगति मैदान
   गेट नं. 1 के समीप
   नई दिल्ली
10. डा. वाई.के. शर्मा
   वरिष्ठ तकनीकी निदेशक
   राष्ट्रीय सूचना केन्द्र
   सी.जी.ओ. काम्पलेक्स
   लोधी रोड
   नई दिल्ली 110003
11. प्रो. एम. राधाकृष्णन
   तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान
   चंडीगढ़
12. प्रो. जे.आर. इजाक
   एन.आई.आई.टी. (लि.)
   8, बालाजी एस्टेट
   कालकाजी एक्सटेंशंन
   नई दिल्ली 110019

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

(क) परिषद् मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1. निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *अध्यक्ष*
2. संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *उपाध्यक्ष*
3. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी.
4. सचिव, एन.सी.ई.आर.टी.
5. संयुक्त सचिव, एन.सी.ई.आर.टी.
6. सभी विभागों/प्रभागों के अध्यक्ष
7. सभी उप-सचिव
8. मुख्य लेखा अधिकारी
9. सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी
10. जनसंपर्क अधिकारी
11. निदेशक राजभाषा
    मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
12. निदेशक (कार्यान्वयन) राजभापा विभाग, गृह मंत्रालय
    नई दिल्ली
13. प्रोफेसर एवं प्रभारी अधिकारी (हिंदी प्रकोष्ठ) — *सदस्य सचिव*
14. हिंदी अधिकारी

(ख) परिषद् की राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1. निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *अध्यक्ष*
2. संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. — *उपाध्यक्ष*
3. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी.
4. संयुक्त निदेशक
    पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
5. सचिव, एन.सी.ई.आर.टी.
6. संयुक्त सचिव एन.सी.ई.आर.टी.
7. सभी विभागाध्यक्ष/प्रभागाध्यक्ष
8. सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के प्राचार्य
9. विशेष कार्य अधिकारी (ओ.एस.डी.)
    उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिलांग
10. सभी क्षेत्रीय सलाहकार
11. सभी उप सचिव
12. मुख्य लेखा अधिकारी
13. सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी
14. जनसम्पर्क अधिकारी
15. प्रोफेसर एवं प्रभारी अधिकारी (हिंदी प्रकोष्ठ) — *सदस्य सचिव*
16. हिंदी अधिकारी

स्वीकृत स्टाफ की स्थिति

31.3.99 को एन.सी.ई.आर.टी. में वर्गवार स्वीकृत स्टाफ की स्थिति

क्र. सं.	सूचना स्रोत	शैक्षिक संकाय			गैर शैक्षिक (सचिवालयी)			गैर शैक्षिक (तकनीकी)			ग्रुप डी	योग
		ए.	बी.	सी.	ए.	बी.	सी.	ए.	बी.	सी.		
1.	परिषद् मुख्यालय	199	01	02	23	200	291	45	47	146	285	1239
2.	सी.आई.ई.टी.	25	-	-	03	23	33	30	34	74	24	246
3.	आर.आई.ई., अजमेर	57	24	35	01	10	37	04	03	41	85	297
4.	आर.आई.ई., भोपाल	57	24	42	01	11	35	03	03	32	86	294
5.	आर.आई.ई., भुवनेश्वर	68	27	55	01	11	35	04	04	44	92	341
6.	आर.आई.ई., मैसूर	68	19	44	01	10	37	05	04	36	75	299
7.	आर.आई.ई., शिलांग	24	-	-	-	01	02	-	-	01	02	30
8.	क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय	25	-	-	-	26	17	-	-	13	26	107
9.	आर.पी.डी.सी.	-	-	-	-	-	15	06	06	06	06	39
10.	पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल	35	-	-	04	05	12	05	01	15	05	82
	कुल	558	95	178	34	297	514	102	102	408	686	2974

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

वर्ष 1998-99 का प्राप्ति और भुगतान का लेखा

प्राप्तियां	*राशि रु.*	*रु.*	*भुगतान*	*राशि रु.*	*रु.*
आरंभिक बकाया			**बजट खर्च**		
नकद बकाया और बैंक में जमा	32,06,24,739		*अधिकारियों का वेतन*		
मार्गस्थ निधि	56,07,485	32,62,32,224	गैर योजना	12,66,02,453	12,87,98,893
			योजना	21,96,440	
मानव संसाधन विकास मंत्रालय से			प्रतिष्ठान वेतन		
बजट खर्च के लिए अनुदान प्राप्त					
गैर योजना	28,30,00,000		गैर योजना	13,11,75,183	
योजना	6,00,00,000	3,43,00,000	योजना	10,83,932	13,22,59,115
विशेष परियोजनाओं से संबंधित			*भत्ते तथा मानदेय*		
अनुदान		16,49,19,932	गैर योजना	10,32,51,506	
(अनुसूची "एच")			योजना	44,62,853	10,77,14,359
			यात्रा भत्ता		
			गैर योजना	28,07,003	
			योजना	4,26,526	32,33,529
परिषद् की प्राप्तियां (खंड 5)					
परिषद् भवनों का किराया	32,71,926		*अन्य प्रभार*		
ऋण और अग्रिमों पर ब्याज	26,74,771		गैर योजना	5,97,96,506	
सावधि जमा पर ब्याज	1,65,89,123		योजना	17,09,854	6,15,06,360
भविष्य निधि निवेश पर ब्याज	4,80,96,562		*छात्रवृत्तियां और*		
अधिक भुगतान की वसूली	18,38,567		*अध्येतावृत्तियां*		
विज्ञान किटों की बिक्री	3,64,856		गैर योजना	3,26,226	
शुल्क और प्रभार	31,35,719		योजना	-	3,26,226
पुस्तकों और पत्रिकाओं की बिक्री	38,67,39,025		**कार्यक्रम**		
छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	2,63,717		गैर योजना	19,54,69,893	
			योजना	1,89,52,569	21,44,22,462
			उपकरण और फर्नीचर		
			गैर योजना	27,99,931	
			योजना	29,22,973	57,22,904
			भूमि और भवन		
			गैर योजना	1,79,57,550	
			योजना	1,81,57,584	3,61,15,134
सी.जी.एच.एस.	7,90,708		विशिष्ट परियोजनाओं में संबंधित		
(केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा योजना)					
विविध प्राप्तियां	1,40,04,568	47,77,69,542	भुगतान (अनुसूची एच)	12,04,90,522	12,04,90,522

प्राप्तियां	राशि रु.	रु.	भुगतान	राशि रु.	रु.
			विविध भुगतान (खंड-2)		
			परिषद् भवन का किराया	26,43,890	
			सी.जी.एच.एस.	23,54,997	
			पेंशन अंशदान	4,18,014	
			अंशदान भविष्य निधि		
			ब्याज और परिषद् का अंश	11,65,037	
			सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज	2,96,49,415	
			पेंशन और डी.सी.आर.जी.	9,70,54,639	
			लेखा परीक्षा फीस	4,94,560	
			विज्ञापन	5,95,644	
			जमा लिंक बीमा योजना	2,93,636	
			विविध/अदृष्ट	36,149	13,47,05,981

ऋण जमा और प्रेषण

प्राप्तियां	राशि रु.	रु.	भुगतान	राशि रु.	रु.
ऋण और अग्रिम (ब्याज सहित)			**ऋण और अग्रिम (ब्याज सहित)**		
खंड 4(3) (1) के अंतर्गत			मोटरकार/स्कूटर	19,65,120	
मोटरकार/स्कूटर	17,14,951		अन्य वाहन (साइकिल)	1,21,800	
अन्य वाहन (साइकिल)	82,827		गृह निर्माण अग्रिम	36,21,878	
गृह निर्माण अग्रिम	31,17,992		पंखा अग्रिम	30,000	57,38,798
पंखा अग्रिम	22,255	49,38,025			
खंड 4(3) (2) ब्याज रहित			विभागीय अग्रिम		
विभागीय अग्रिम खंड 4(5)			स्थायी अग्रिम	6,400	
स्थायी अग्रिम	15,877		विविध अग्रिम (-)	3,59,475	
कार्यक्रम/विविध अग्रिम	13,49,150	13,65,027	कार्यक्रम/विविध अग्रिम	13,19,728	9,66,653
			ऋण		
			सामान्य भविष्य निधि		6,87,47,402
			अंशदायी भविष्य निधि		7,89,364
खंड 4(1) ऋण					
सामान्य भविष्य निधि	9,15,20,873		भविष्य निधि		
सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज	2,96,49,415	12,11,70,288	(दीर्घकालीन) निवेश	3,78,59,600	
अंशदायी भविष्य निधि	18,02,538		परिषद् से निवेश	56,54,97,252	60,33,56,852
ब्याज और परिषद् का अंश	11,65,037	29,67,575	(अल्पकालीन)		
			बयाना राशि और प्रतिभूति जमा	31,65,114	
			अवधान राशि	41,230	
			अन्य	5,92,716	
			अन्य जमा (विज्ञान किट)	3,84,504	41,83,564

प्राप्तियां	राशि रु.	रु.	भुगतान	राशि रु.	रु.
निवेश			*प्रेषित धन*		
(खंड 4(4))			सा.भ.नि./अं.भ.नि.	5,44,989	
भविष्य निधि	30,00,000		डाक जीवन बीमा/जीवन बीमा निगम	2,09,383	
दीर्घकालीन निवेश	.		जी.एल.आई.एस.	21,98,199	
अल्पकालीन निवेश	57,45,80,000	57,75,80,000	आयकर	1,28,99,059	
जमा (खंड 4(2))			मृत्यु राहत निधि	5,45,255	
बयाना राशि और प्रतिभूति जमा	71,48,540		टी.सी.एस.	7,98,813	
अवधान राशि	1,20,237		विविध	34,74,846	
अन्य	8,94,331		उपकार्यालय प्रेषण	39,19,86,313	
अन्य जमा (विज्ञान किट)	29,57,509	1,11,20,617	प्रधानमंत्री राहत कोष	1,735	
			आवधिक प्रेषण	29,29,90,242	
			बिक्रीकर	52,142	70,57,00,976
प्रेषित धन (खंड 4(7))			अंतशेष		
सा.भ.नि./अं.भ.नि.	5,29,125		रोकड़ बकाया तथा बैंक में	39,48,39,490	
डाक जीवन बीमा/जीवन बीमा निगम	2,67,163		(अनुसूची सी)		
जी.एल.आई.एस.	25,58,725		मार्गस्थ निधि	65,40,516	40,13,80,006
आयकर	1,27,91,505				
मृत्यु राहत निधि	3,16,694				
टी.सी.एस.	8,06,363				
विविध	34,95,670				
उप कार्यालय प्रेषण	39,12,18,350				
आवधिक प्रेषण	29,29,90,242				
प्रधानमंत्री राहत कोश	2,385				
विक्री कर	19,648	70,50,95,870			
	कुल योग	2,73,61,59,100			2,73,61,59,100

मुख्य लेखा अधिकारी
एन.सी.ई.आर.टी.
नई दिल्ली 110016

सचिव
एन.सी.ई.आर.टी.
नई दिल्ली 110016

1998-99 के दौरान निकाले गए प्रकाशन

क्रम सं. *शीर्षक*

पहली कक्षा

1. वाल भारती भाग-1
2. लैट अस लर्न इंग्लिश वुक-1
3. लैट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-1

दूसरी कक्षा

4. लैट अस लर्न इंग्लिश वुक-2
5. लैट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-2

तीसरी कक्षा

6. बाल भारती भाग-3
7. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3
8. लैट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-3
9. आओ गणित सीखें पुस्तक-3
10. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-1
11. परिवेश अन्वेषण भाग-1
12. वी एण्ड अवर कंट्री

चौथी कक्षा

13. अभ्यास पुस्तिका वाल भारती भाग-4
14. इंग्लिश रीडर बुक-1
15. लैट अस लर्न मैथेमैटिक्स वुक-4
16. हमारा देश भारत

पांचवीं कक्षा

17. बाल भारती भाग-5
18. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5
19. स्वस्ति भाग-1
20. इंग्लिश रीडर बुक-2
21. वर्क वुक फॉर इंग्लिश वुक-2
22. लैट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-5
23. आओ गणित सीखें पुस्तक-5
24. अवर कंट्री एण्ड दि वर्ल्ड
25. हमारा देश और संसार
26. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-3
27. परिवेश अन्वेषण भाग-3

छठी कक्षा

28. सरस भारती भाग-1
29. संक्षिप्त रामायण (हिन्दी में पूरक पठन)
30. स्वस्ति भाग-2
31. अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-2
32. इंग्लिश रीडर बुक-3
33. वर्क बुक फॉर इंग्लिश रीडर बुक-3
34. रीड फॉर प्लेजर भाग-1 (इंग्लिश सप्लीमेंटरी रीडर फॉर क्लास-6)
35. मैथेमैटिक्स बुक-1
36. प्रौब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स
37. गणित पुस्तक-1
38. एन्शियन्ट इंडिया
39. प्राचीन भारत
40. लैंड्स एण्ड पीपुल पार्ट-1
41. देश और उनके निवासी भाग-1
42. अवर सिविक लाइफ
43. हमारा नागरिक जीवन
44. साइंस बुक-1
45. विज्ञान पुस्तक-1
46. हिन्दी व्याकरण और रचना

सातवीं कक्षा

47. सरस भारती भाग-2 (नई पुस्तक)
48. नया जीवन
49. स्वस्ति भाग-3
50. इंग्लिश रीडर बुक-4
51. रीडर फॉर प्लेजर-4 (इंग्लिश सप्लीमेन्टरी रीडर फॉर क्लास-7)
52. मैथेमैटिक्स बुक-2 पार्ट-1
53. मैथेमैटिक्स बुक-2 पार्ट-2
54. गणित पुस्तक 2 भाग-1
55. गणित पुस्तक 2 भाग-2
56. हाउ वी गवर्न अवरसेल्व्स
57. हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
58. मैडिवियल इंडिया
59. मध्यकालीन भारत
60. साइंस बुक-2
61. विज्ञान पुस्तक-2
62. प्रोब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स
63. लैंड्स एण्ड पीपुल पार्ट-2

आठवीं कक्षा

64. त्रिविधा
65. इंग्लिश रीडर बुक-5

66. मैथेमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1
67. मैथेमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2
68. गणित पुस्तक-3 भाग-1
69. अवर कण्ट्री टुडे–प्रोब्लम्स चैलेंज
70. मॉडर्न इण्डिया
71. लैंड्स एण्ड पीपुल पार्ट-3
72. साइंस बुक-3

नवीं कक्षा

73. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर-1 इंग्लिश रीडर (बी कोर्स)
74. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर-1 वर्कबुक टू इंग्लिश रीडर (बी कोर्स)
75. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर-1 सप्लीमेंटरी रीडर (बी कोर्स)
76. स्वाति भाग-1
77. पराग भाग-1
78. विज्ञान भाग-2
79. मैथेमैटिक्स
80. प्रोब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स
81. गणित भाग-1
82. गणित भाग-2
83. अंडरस्टैंडिंग एनवायरनमेंट
84. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना
85. मानसी भाग-2
86. हमारी अर्थव्यवस्था : एक परिचय
87. अवर इकोनामीः एन इंट्रोडक्शन

दसवीं कक्षा

88. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर-2 इंग्लिश रीडर (बी कोर्स)
89. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर-2 इंग्लिश सप्लीमेंट्री रीडर (बी कोर्स)
90. स्वाति भाग-2
91. पराग भाग-2
92. साइंस
93. विज्ञान भाग-2
94. प्रोब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स
95. इंडिया : कांस्टीट्यूशन एण्ड गवर्नमेंट
96. भारत : संविधान और सरकार

ग्यारहवीं कक्षा

97. नीहारिका भाग-1
98. पल्लव भाग-1
99. मंदाकिनी भाग-1
100. प्रवाल भाग-1
101. साहित्य का स्वरूप

102. आइ एम दि पीपुल (इंग्लिश सप्लीमेंटरी रीडर)
103. स्टोरीज प्लेज एंड टेल्स ऑफ एडवंचर (इंग्लिश सप्लीमेंटरी रीडर)
104. फाइव वन एक्ट प्लेज
105. संस्कृत साहित्य परिचय
106. रंगमंचिका
107. ऑरगेन्स ऑफ गवर्नमेंट : ए टेक्स्टबुक इन पॉलिटिकल साइंस
108. सरकार के अंग : राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक
109. प्रिंसीपिल्स ऑफ ज्योग्राफी भाग-1
110. प्रिंसीपिल्स ऑफ ज्योग्राफी भाग-2
111. भूगोल के सिद्धान्त भाग-2
112. समाजशास्त्र : एक परिचय
113. मेडिवियल इंडिया
114. मध्यकालीन भारत
115. एलीमेंट्री स्टेटिस्टिक्स
116. अंडरस्टेंडिंग साइकोलोजी ऑफ ह्यूमन बिहेवियर
117. एकाउंटिंग बुक-1
118. एकाउंटिंग बुक-2
119. बिजनेस स्टडीज
120. व्यवसाय अध्ययन
121. फिजिक्स पार्ट-1
122. फिजिक्स पार्ट-2
123. भौतिकी भाग-1
124. भौतिकी भाग-2
125. कैमिस्ट्री पार्ट-1
126. कैमिस्ट्री पार्ट-2
127. रसायन विज्ञान भाग-1
128. रसायन विज्ञान भाग-2
129. बायोलोजी पार्ट-2
130. जीव विज्ञान भाग-1
131. मानव व्यवहार का मनोविज्ञान
132. सोसाइटी स्टेट एण्ड गवर्नमेंट
133. समाज राज्य और सरकार
134. इवोल्यूशन ऑफ दि इंडियन इकोनामी
135. भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास
136. भूगोल में क्षेत्रीय कार्य एवं प्रयोगशाला प्रविधियां
137. मैथेमैटिक्स पार्ट-1
138. मैथेमैटिक्स पार्ट-2
139. मैथेमैटिक्स पार्ट-3
140. गणित भाग-2
141. गणित भाग-3

बारहवीं कक्षा

142. व्याकरण सौरभम
143. निहारिका भाग-2
144. मंदाकिनी भाग-2
145. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
146. दि वैब ऑफ अवर लाइफ
147. डियर टू ऑल दि म्यूतीस
148. बायोलोजी पार्ट-1
149. बायोलोजी पार्ट-2
150. कैमिस्ट्री पार्ट-2
151. राजनीति विज्ञान की प्रमुख अवधारणाएं
152. मॉडर्न इंडिया
153. इण्डिया : जनरल ज्योग्राफी
154. भारत : सामान्य भूगोल
155. इण्डिया रिसोर्सेस एण्ड रीजनल डेवलपमेंट
156. एकाउंटिंग बुक-1
157. एकाउंटिंग बुक-2 फाइनेंशियल सिस्टम एनालेसिस
158. नेशनल इनकम एकाउंटिंग
159. राष्ट्रीय आय लेखा पद्धति
160. एन इंट्रोडक्शन टू इकॉनोमिक थ्योरी
161. आर्थिक सिद्धान्त का परिचय
162. इंडियन सोसाइटी
163. भारतीय समाज
164. साइकॉलोजी फॉर बैटर लिविंग
165. बिजनेस स्टडीज : फैक्टरी आर्गेनाइजेशन
166. कॉस्ट एकाउंटिंग
167. बेहतर जीवन के लिए मनोविज्ञान
168. मैथेमैटिक्स पार्ट-1
169. मैथेमैटिक्स पार्ट-3
170. कंटेंप्रेरी वर्ल्ड हिस्ट्री पार्ट-1
171. समकालीन विश्व इतिहास भाग-2
172. फिजिक्स पार्ट-1
173. फिजिक्स पार्ट-2
174. बिजनेस स्टडीज पार्ट-1
175. बिजनेस स्टडीज पार्ट-2

उर्दू पाठ्यपुस्तकें

पहली कक्षा

176. आओ हिसाब सीखें बुक-1
177. उर्दू की नई किताब

दूसरी कक्षा

178. आओ हिसाव सीखें बुक-2
179. उर्दू की नई किताब

तीसरी कक्षा

180. हम और हमारा देश
181. गिर्द-ओ-पेश का मुताला बुक-1
182. उर्दू की नई किताब

चौथी कक्षा

183. हमारा मुल्क हिन्दुस्तान
184. गिर्द-ओ-पेश का मुताला बुक-2
185. आओ हिसाब सीखें बुक-4
186. उर्दू की नई किताब

पांचवीं कक्षा

187. हमारा मुल्क और दुनिया
188. गिर्द-ओ-पेश का मुताला बुक-3
189. आओ हिसाब सीखें बुक-5 पार्ट-1
190. आओ हिसाब सीखें बुक-5 पार्ट-2
191. उर्दू की नई किताब

छठी कक्षा

192. हिसाब बुक-1
193. साइंस बुक-1
194. क़दीम हिंदुस्तान
195. हमारी शहरी जिंदगी
196. उर्दू की नई किताब

सातवीं कक्षा

197. हिसाब बुक 2 पार्ट-1
198. हिसाब बुक 2 पार्ट-2
199. अहदे वोस्ता का हिन्दुस्तान
200. हम अपनी सरकार कैसे चलाते हैं
201. मुमालिक और उनके बाशिंदे पार्ट-2
202. उर्दू की नई किताव

आठवीं कक्षा

203. हिसाब बुक 3 पार्ट-2
204. मुमालिक और उनके बाशिन्दे पार्ट-3

नवीं कक्षा

205. तहजीब की कहानी वोल-1

दसवीं कक्षा

206. हिन्दुस्तान का माशी जुगराफिया
207. उर्दू की नई किताब

ग्यारहवीं कक्षा

बारहवीं कक्षा

208. उर्दू कवात फॉर सैकेन्डरी एण्ड सीनियर सैकेन्डरी स्टेज

नवोदय विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें

छठी कक्षा

209. माई फैमिली एण्ड फ्रेंड्स
210. वर्क बुक फॉर माई फैमिली एण्ड फ्रेंड्स
211. सप्लीमेंटरी रीडर फॉर माई फेमिली एण्ड फ्रेंड्स
212. हमारी हिन्दी भाग-1
213. अभ्यास पुस्तिका-हमारी हिंदी भाग-1

सातवीं कक्षा

214. माई स्माल वर्ल्ड
215. वर्क बुक फॉर माई स्माल वर्ल्ड
216. सप्लीमेंटरी रीडर फॉर माई स्माल वर्ल्ड
217. हमारी हिन्दी भाग-2
218. अभ्यास पुस्तिका-हमारी हिंदी भाग-2

आठवीं कक्षा

219. रीडिंग इज फन
220. दि वर्ल्ड अराउंड मी
221. वर्क बुक फॉर दि वर्ल्ड अराउंड मी
222. हमारी हिन्दी भाग-3
223. लो विजन चिल्ड्रन : ए गाइड फॉर प्राइमरी स्कूल टीचर्स
224. ए हैण्डबुक ऑफ पर्सनेलिटी मेजरमेंट इन इंडिया

व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तकें

225. फंडामेंटल्स ऑफ हॉर्टीकल्चर (प्रेक्टिकल मैन्युअल) क्लास-11
226. हार्टीकल्चर--वेजिटेबल प्रॉडक्शन (प्रेक्टिकल मैन्युअल) क्लास 11
227. डेयरी मैनेजमेंट (पाठ्यपुस्तक) क्लास-11
228. डेयरी प्रोडक्शन एण्ड क्वालिटी ऑफ मिल्क क्लास 11 (पाठ्यपुस्तक)
229. डेयरी इंजीनियरिंग क्लास 11
230. इंट्रोडक्शन टू कंप्यूटर एप्लीकेशन क्लास 12
231. ऑफिस प्रोसीजर एण्ड प्रेक्टिस पार्ट-1
232. रूरल इंजीनियरिंग टैकनीक-मेटीरियल एप्लीकेशन क्लास 11 (पेपर-1)
233. बाटिक इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रेक्टिकल मैन्युअल फॉर क्लासिज 9-10
234. रिपेयर एण्ड मैन्टेनेन्स ऑफ प्लान्ट-प्रोटेक्शन इक्विपमेंट्स इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रेक्टिकल मैन्युअल फॉर क्लासिज 9-10
235. रिपेयर एण्ड मैन्टेनेन्स ऑफ पावर प्रेशर इंस्ट्रक्शनल-कम-प्रेक्टिकल मैन्युअल फॉर क्लासिज 9-10
236. टाई एण्ड डाई क्लासिज 9-10 फॉर प्री वोकेशनल कोर्स
237. गुड़िया निर्माण
238. बांस कला

अरुणाचल प्रदेश के लिए पाठ्यपुस्तकें

239. अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-1
240. अरुण भारती भाग-2
241. अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-3
242. अरुण भारती भाग-4
243. अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-4
244. अरुण भारती भाग-5
245. अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-5
246. न्यू डॉन रीडर-1 फॉर क्लास-1
247. वर्क बुक फॉर न्यू डॉन रीडर-1 फॉर क्लास-1
248. सप्लीमेंटरी रीडर फॉर न्यू डॉन रीडर-1 फॉर क्लास-2
249. न्यू डॉन रीडर-2 फॉर क्लास-2
250. वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर-2 फॉर क्लास-2
251. वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर-3 फॉर क्लास-3

पूरक पुस्तकें

252. तारों की जीवन गाथाएं
253. नापो तो सच पता चले
254. ब्रह्माण्ड का रहस्य
255. तहरीक-ए-आजादी में आजाद हिन्दुस्तान का तसब्बुर

अनुसंधान अध्ययन तथा मोनोग्राफ

256. डी.पी.ई.पी. कोर रिसर्च ग्रुप फोल्डर
257. रिपोर्ट ऑफ नेशनल वर्कशाप ऑन एजूकेशन ऑफ पीपुल विद डिसेबिलिटीज इंप्लीमेंटेशन ऑफ पर्सन विद डिजेबिलिटीज एक्स 1995
258. इंटोरिस रिपोर्ट ऑफ द कमेटी सेट अप बाई दि गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया, आपरेशनलाइजेशन ऑफ दि सजेशन्स टू टीच फंडामेंटल ड्यूटीज टू दि सिटिजन ऑफ दि कंट्री
259. वोकेशनल एजूकेशन प्रोग्राम (रिपोर्ट ऑफ वर्किंग ग्रुप)
260. करीकुलम एण्ड सैलेबी फॉर एम.एड. (एलीमेंट्री एजूकेशन प्रोग्राम)
261. मातृभाषा हिन्दी शिक्षण
262. सैल्फ लर्निंग मैटीरियल फॉर टीचर एजूकेशन वोल्यूम-1
263. सैल्फ लर्निग मैटीरियल फॉर टीचर एजूकेशन वोल्यूम-2
264. सिक्स्थ आल इंडिया एजूकेशनल सर्वे वोल्यूम-6 (नेशनल टेबल्स) (ऐज वाइज एनरोलमेंट रिपीटर (इनसेंटिव स्कीम्ज इन स्कूल्ज)
265. वोकेशनल एजूकेशनल प्रोग्राम (रिपोर्ट ऑफ वर्किंग ग्रुप) पुनर्मुद्रण
266. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे (नेशनल टेबल्ज) वोल्यूम-7 क्वालिफिकेशन एज सर्विस केंडिडेचर ऑफ टीचर
267. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे (नेशनल टेबल्ज) वोल्यूम-4
268. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे (नेशनल टेबल्ज) वोल्यूम-1
269. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे (नेशनल टेबल्ज) वोल्यूम-5
270. हैण्डबुक फॉर पर्सनेलिटी मेजरमेंट इन इण्डिया
271. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशनल सर्वे (टीचर्स इन स्कूल्ज) वोल्यूम-3
272. सिक्स्थ आल इण्डिया एजूकेशन सर्वे (नेशनल टेबल्ज) वोल्यूम-2
273. टीचर एम्पावरमेंट एण्ड स्कूल इफैक्टिवनैस एट प्राइमरी स्टेज (इंटरनेशनल पर्सपैक्टिव)

274. चाइल्ड डेवलपमेंट–दि इंडियन पर्सपेक्टिव
275. एन्वल रिपोर्ट 1997-98 एन.सी.ई.आर.टी.
276. वार्षिक रिपोर्ट 1997-98 एन.सी.ई.आर.टी.
277. राजभाषा एक नजर में
278. एन.सी.ई.आर.टी. ट्रेनिंग प्रोग्राम (फोल्डर ऑन पी.पी.एम.ई.डी.)
279. इंडियन एजूकेशनल एब्सट्रेक्ट्स जुलाई 1998
280. एन.सी.ई.आर.टी. एन्वल एकाउन्ट 1996-97
281. एन.सी.ई.आर.टी. का वार्षिक लेखा 1996-97
282. क्वश्चनेयर इन टीचिंग लर्निंग मैटीरियल फॉर एन.एफ.ई. चिल्ड्रन एट प्राइमरी स्टेज वालंटरी एजेंसीज
283. इंटरनेशनल सेमिनार ऑन रिसर्चिस इन स्कूल इफैक्टिवनेस जुलाई 14-16, 1998 (फोल्डर)
284. जवाहरलाल नेहरू नेशनल साइंस एग्जीबीशन फॉर चिल्ड्रन 1998 (अमृतसर) फोल्डर इन इंग्लिश
285. जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी-1998 (अमृतसर) हिन्दी में पुस्तिका
286. जवाहरलाल नेहरू नेशनल साइंस एग्जीवीशन फॉर चिल्ड्रन- 1998 (अमृतसर) फोल्डर इन पंजाबी
287. जवाहरलाल नेहरू नेशनल साइंस एग्जीवीशन फॉर चिल्ड्रन 1998 सर्टिफिकेट
288. जवाहरलाल नेहरू नेशनल साइंस एग्जीवीशन फॉर चिल्ड्रन 1998 (अमृतसर) लिस्ट ऑफ एग्जीबिट्स (द्विभाषी)
289. जवाहरलाल नेहरू नेशनल साइंस एग्जीवीशन फॉर चिल्ड्रन-1998 (अमृतसर) स्ट्रक्चर एण्ड वर्किंग ऑफ साइंस मॉडल (द्विभाषी)

शैक्षिक पत्रिकाएं

290. इंडियन एजूकेशनल रिव्यू (दो अंक)
291. स्कूल साइंस (दो अंक)
292. दि प्राइमरी टीचर्स (दो अंक)
293. प्राइमरी शिक्षक (चार अंक)
294. जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन (दो अंक)
295. भारतीय आधुनिक शिक्षा (दो अंक)

एन.सी.ई.आर.टी. न्यूजलैटर/शैक्षिक दर्पण

296. एन.सी.ई.आर.टी. न्यूजलैटर (एक अंक)
297. शैक्षिक दर्पण (एक अंक)

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के क्षेत्रीय उत्पादन व वितरण केन्द्र

केन्द्रों के नाम	राज्य/संघीय
क्षेत्रीय उत्पादन एवं वितरण केन्द्र प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी. मार्फत नवजीवन ट्रस्ट, पो.ऑ. नवजीवन, अहमदाबाद 380014 दूरभाषः 405446	गुजरात, मध्य प्रदेश महाराष्ट्र और गोवा
क्षेत्रीय उत्पादन एवं वितरण केन्द्र प्रकाशन प्रभाग एन.सी.ई.आर.टी. 108,100 फीटरोड होस्कारेहल्ली एक्सटेंशन बनाशंकरी 3 स्टेज, बैंगलूर 560085 दूरभाष : 6692740	तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, लक्षद्वीप मिनीकाय और अमिन दीवी द्वीप समूह
क्षेत्रीय उत्पादन एवं वितरण केन्द्र प्रकाशन प्रभाग एन.सी.ई.आर.टी. 32, बी.टी. रोड सुखचर, 24 परगना कलकत्ता 743179 दूरभाषः 5530454	पश्चिम बंगाल बिहार, उड़ीसा उत्तर-पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश सिक्किम अंडमान और निकोबार दीप समूह

आंध्र प्रदेश

1. मै. गुप्ता ब्रदर्स बुक्स
मेन रोड, 47-13-10/1 द्वारका नगर
विशाखापटनम 530016
फोनः 554454, 547580
2. मै. हिमालय बुक डिपो
5-7-561, दरगाह यूसुफैन रोड
नामपल्ली बाजार, हैदराबाद 500001
फोनः 214879, 4612145
3. मै. सैन्ट्रल बुक शॉप
5-9-186, चापेल रोड
हैदराबाद 500001
फोन (का.) 3202980 (नि.) 4530111
4. मै. श्रीनिवास पेपर एण्ड स्टेशनरी मार्ट
डोर नं. 59-5-11/1
अशोक नगर
विजयवाड़ा 520010 (आ.प्र.)
फोनः (08812) 25826, 21648
5. मै. ज्योति बुक डिपो
30-15-138, दाबागार्डन
विशाखापटनम 530020
फोनः 546020, 541201
6. मै. अशोक बुक सेन्टर
मेरिस स्टेली कॉलेज के सामने
विजयबाग 520008
फोनः 476966, 472096

बिहार

7. मै. चिल्ड्रन बुक सेन्टर प्रा. लि.
मछुआ टोली
पटना 800004
फोन (का.) 650362 नि. 220460, 655048
8. मै. गुप्ता पुस्तक एजेंसी
प्लाट नं. सी-1, सैक्टर-9
बोकारो स्टील सिटी 827009
फोनः (का.) 46637
9. मै. गया प्रसाद खंडेलवाल
खंडेलवाल चौक, मेन रोड
हजारीबाग
फोनः 2287
10. मै. दुर्गा पुस्तक भण्डार
बाका बाजार, मोती झील
मुजफ्फरपुर 842001
11. मै. झा न्यूज एण्ड बुक केन्द्र
रसूलपुर जिलानी
मझोलिया रोड
मुजफ्फरपुर 842001
फोनः 242194
12. मै. प्रभात बुक डिपो
दीपक मार्किट
प्रथम तल
मोती झील
मुजफ्फरपुर 842001
13. मै. प्रोग्रेसिव बुक सेन्टर
जिला स्कूल
पानी टंकी, चौक रमना
मुजफ्फरपुर 842002
फोनः 243852
14. मै. ज्ञान गंगा डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.
बोरिंग रोड
पटना 800013
फोनः 263011, 261956
15. मै. पॉपुलर बुक स्टोर
पटना कॉलेज के सामने
पटना- 800004
फोनः (नि.) 54176
16. मै. सिन्हा ब्रदर्स
जहाजी कोठी कें निकट
कदम कुआँ, मेन रोड
पटना 800003
फोनः (का.) 667342 (नि.) 665025
17. मै. वर्मा प्रेस (पी. एण्ड डी.)
प्रथम तल
गोपाल मार्किट
नया टोला, पटना 800004
फोनः (का.) 663465 (नि.) 673696
18. मै. पुस्तक मंदिर
पुस्तक पथ, अपर बाजार
रांची 834001
फोनः (का.) 203273, 313248

19. मै. पुस्तक सदन
रामा पथ, पूर्वी पुल
रांची 834001
फोनः (का.) 307515, 204364
20. मै. आइडियल बुक स्टोर
रतन टाकीज के निकट
मेन रोड, रांची 834001
फोनः (का.) 3115223 (नि.) 203629
21. मै. श्री किताब घर
पुस्तक पथ, अपर बाजार
रांची 834001
फोनः 202714
22. मै. सुबोध ग्रंथमाला कार्यालय
पुस्तक पथ, अपर बाजार
रांची 834001
23. मै. भारती पुस्तक भण्डार
राम बाबू चौक
समस्तीपुर 848101
24. मै. ज्ञान भारती
कामधेनु काम्प्लेक्स
जोरा फाटक रोड
धनबाद 820001
फोनः (का.) 302969, 307933

चंडीगढ़

25. मै. मनचंदा ट्रैडर्स एण्ड सप्लायर्स
एस.सी.एफ. नं. 1, पो. बॉक्स नं. 705
चण्डीगढ़ 160019
फोनः (का.) 775216, 775768, 775769 (नि.) 560499
26. मै. मनचंदा डिपार्टमेंटल स्टोर
एस.सी.एफ.नं. 2, सैक्टर 19-सी
चण्डीगढ़ 160019
फोनः (का.) 775012

दिल्ली

27. मै. प्रकाश ब्रदर्स
46, भगत सिंह मार्किट
नई दिल्ली 110001
फोनः 3363685, 3362616
28. मै. जनता बुक डिपो प्रा. लि.
23, शहीद भगत सिंह मार्ग
नई दिल्ली 110001
फोनः 3363685, 3362985

29. मै. स्मिथ एण्ड स्पान पब्लिकेशंस
8/7 ज्वाला हेड़ी मार्किट
पश्चिम विहार, नई दिल्ली 110063
फोनः 5575381, 5583302
30. मै. मलिक बुक सैलर्स एण्ड स्टेशनर्स
2157/टी-2, सत्यम सिनेमा के सामने
पश्चिमी पटेल नगर
नई दिल्ली 110008
फोनः 5706082
31. मै. अशोक पब्लिशिंग हाउस
ए-1/659, सैक्टर-6, मेन रोड
रोहिणी, नई दिल्ली 110085
फोनः 7048160
32. मै. सत्यम स्टेशनर्स
दुकान सं. 7
सी.एस.ई.नं.-6
सेक्टर-7 रोहिणी
नई दिल्ली 110085
फोनः 7053220, 784556
33. मै. मल्होत्रा बुक डिपो
17/39 बी, पुरानी मार्किट तिलक नगर
नई दिल्ली 110018
फोनः 5439787, 5434956
34. मै. जी.बी.एस. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि.
एम.एस. हाउस
994/66 त्रिनगर
दिल्ली 110035
फोनः 7186836, 7195926
35. मै. जनता बुक डिपो
1521/2 वजीर नगर
पी.टी. कालेज के सामने
डिफेन्स कालोनी
नई दिल्ली 110003
फोनः (का.) 621791, 692352 (नि.) 6416656
36. मै. रोमिल पब्लिशर्स प्रा. लि.
ए-18, गली सं. 10
पूर्वी आजाद नगर
दिल्ली 110051
फोनः (का.) 2436849, 2211154 (नि.) 2421652
37. मै. राज पुस्तक भण्डार
54, सेन्ट्रल मार्किट लाजपत नगर
नई दिल्ली 110024
फोनः 6832627, 6849198

38. मै. चावला बुक डिपो
दुकान सं. 16
सैक्टर नं. 3, आर.के. पुरम
नई दिल्ली 110022
फोनः 6174783, 6174501, 6184849, 6174900

39. मै. नीड प्रकाशन प्रा. लि.
219, जमरुद्पुर
एन ब्लॉक के सामने
ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली 110048
फोनः 6443814, 6435460

40. मै. सचदेवा बुक डिपो
9/6081, मेन रोड
गांधी नगर, दिल्ली 110031
फोनः (का.) 2200299
(नि.) 2415144, 2468756

41. मै. गोपीराम एण्ड सन्स (बुकसेलर)
2619/20 सी-3, न्यू मार्किट
नई सड़क, दिल्ली 110006
फोनः 3253351, 3250632

42. मै. गीता पब्लिशिंग हाउस
टी-565, प्रगति कॉम्पलैक्स
ईदगाह चौक
दिल्ली 110006
फोनः 7775482, 7522668

43. मै. विश्व भारती प्रकाशन
4071, नई सड़क
दिल्ली 110006
फोनः (का.) 2916973 (नि.) 6833079, 6916718

44. मै. दीपक स्टेशनर्स
709/1, जी.टी. रोड
कबूल नगर, शाहदरा
दिल्ली 110032
फोनः 2285327, 2280956

45. मै. संजय ब्रदर्स
2590, नई सड़क
दिल्ली 110006
फोनः 3261916

46. मै. शिवदास एण्ड सन्स
9665, इसलाम गंज
लाइब्रेरी रोड, आजाद मार्किट
दिल्ली 110006
फोनः 7514886, 7777366, 3551616

47. मै. नेशनल बुक हाउस
8/18, कालकाजी एक्सटेंशन
नई दिल्ली 110019
फोनः 6232342, 6212711

48. मै. सुभाष ब्रदर्स
2606 नई सड़क
दिल्ली 110006
फोनः 3261011, 3283733

49. मै. राजेश पुस्तक भण्डार
4 ए/3, ज्वाला हेडी
पश्चिम बिहार
नई दिल्ली 110063
फोनः 5580992, 5584826

50. मै. सचदेवा पुस्तक भण्डार
9/6082-83, मेन रोड
गांधी नगर, थाने के पास
दिल्ली 110031
फोनः 2212172

51. मै. लाम्बा बुक डिपो
नं. 9, पुरानी मार्किट
तिलक नगर
नई दिल्ली 110018
फोनः 5190207, 5934577

गुजरात

52. मै. तुसार बुक डिपो
36-37, कैपिटल कामर्शियल सेन्टर
आश्रम रोड
अहमदाबाद 380009
फोनः 6587103, 6578741

53. मै. रॉयल स्टेशनर्स
सागर अपार्टमेंट
शॉप नं. 14
रामधाम के सामने
कालवाड़ रोड
राजकोट 360005
फोनः 582926

54. मै. शालिभद्र स्टेशनर्स
7, शान्ति सोसायटी
बॉम्बे गैराज के पीछे
शाही बाग
अहमदाबाद 380004
फोनः 5621748

हरियाणा

55. मै. फ्रेंड्स बुक सर्विस
    दूकान सं. 68
    2 एच पार्क
    एन.आई.टी.
    फरीदाबाद 121001
    फोनः 414292, 413040
56. मै. अरोड़ा ट्रेड लिंकर प्रा. लि.
    (अग्रवाल धर्मशाला के सामने)
    रेलवे रोड
    करनाल 132001
    फोनः (का.) 255805, 252205
    (नि.) 255305
57. मै. भगवती पेपर मार्ट
    पुरानी अनाज मण्डी
    रोहतक 124001
    फोनः (का) 25184 (नि.) 56184
58. मै. शर्मा ब्रदर्स
    बी.डी. हाई स्कूल के निकट
    अम्बाला कैंट 133001
    फोनः 640525
59. मै. चिल्ड्रन बुक डिपो
    4329, बी.डी. वरिष्ठ
    माध्यमिक विद्यालय के निकट
    अम्बाला कैन्ट 133001
    फोनः 642585
60. मै. दीपक बुक डिपो
    4269, हास्पिटल रोड
    अम्बाला कैंट 133001
    फोनः (का) 642076
    (नि.) 641706, 640706
61. मै. द्वारका प्रसाद एण्ड सन्स
    मोती बाजार
    हिसार 125001
    फोन (का.) 31657 (नि.) 36122
62. मै. नरेश बुक डिपो
    प्रताप चौक
    रोहतक 124001
    फोनः (का.) 75889 (नि.) 77052
63. मै. स्वामी किताब घर
    कच्चा बेरी रोड
    रोहतक 124001
    फोनः (का.) 45879 (नि.) 46886

जम्मू कश्मीर

64. मै. हरनाम दास दण्ड ब्रदर्स
    पक्का डांगा
    जम्मू तवी 180001
    फोनः (का.) 542175 (नि.) 574428
65. मै. साहित्य संगम
    कच्ची छावनी
    जम्मू तवी 180001
    फोनः (का.) 549049 (नि.) 548729
66. मै. गुप्ता बुक सेन्टर
    सम्राट होटल के निकट बस स्टैंड
    जम्मू तवी 180001
    फोनः (का.) 577046 (नि.) 534925
67. मै. जे.के. बुक हाउस
    रेजिडेन्सी रोड
    जम्मू तवी 180001
    फोनः 573560
68. मै. अली मोहम्मद एण्ड सन्स
    1, बुडाशाह होटल बिल्डिंग
    लाल चौक
    श्रीनगर 190001
    फोनः (का) 475973, 474539 (नि.) 474440
69. मै. अशोक बुक डिपो
    पुरानी मंडी
    जम्मू तवी 180001
    फोनः 542261, 573014 (नि.) 547321, 543344

कर्नाटक

70. मै. हेमा स्टोर
    नं. 1 तथा 2, बालाजी थिएटर
    वन्नरपेट, विवेकनगर
    बैंगलूर 560047
    फोनः 5575110
71. मै. भगवान कृष्णा ट्रेडर्स
    नं. 25, मामुलपेट
    बैंगलूर 560053
    फोनः 2872774
72. मै. सुभाष पब्लिशिंग हाउस
    नं. 116, 5वां मेन
    छठा क्रास
    (राम मंदिर बस स्टॉप के निकट)
    बैंगलूर 560053
    फोनः 6507309

केरल

73. मै. एकेडमिक बुक हाउस
    पुलीमूदू जंक्शन
    तिरुअनंतपुरम 695001 (केरल)
    फोनः (का.) 333349 (नि.) 331878
74. मै. टी.वी.एस. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
    टी.बी.एस. बिल्डिंग
    जी.एच. रोड
    कालिकट 673001
    फोनः (का.) 720085, 720086, 721025
    (नि.) 721160
75. मै. स्टर्लिंग ट्रेडिंग एण्ड एजेंसीज
    36/1079, जजिज एवेन्यू
    वैदियार लेन, कालोर
    कोच्चि 682017
76. मै. प्रोग्रेसिव करिकुलम मैनेजमेंट प्रा. लि.
    अम्मनकोविल रोड
    अरनाकुलम, कोच्चि 682035
    फोनः 354047, 374058, 374258, 361824
77. मै. एकेडमिक बुक हाउस
    39/817, चित्तौड़ रोड
    साउथ जंक्शन
    अरनाकुलम 682016
    फोनः 369613
78. मै. वी. पब्लिशर्स बुक स्टॉल
    सी.एम.एस. कॉलेज रोड
    कोट्टयम 686001
    फोनः (का.) 567470, 567471, 568645, 561472
    (नि.) 301184
79. मै. विद्यार्थी बुक एण्ड लाबेड्स
    सी.एम.एस. कालेज जंक्शन
    कोट्टयम 686001
    फोनः 561203, 567486
80. एस. एण्ड सी. स्टोर्स
    पी.बी. नं.1
    कुन्नमकुलम 680503
    (थिरसुर जिला)
    फोनः (का.) 522243 (नि.) 522383
81. मै. एच. एण्ड सी स्टोर्स
    डी.एच. रोड
    अरनाकुलम साउथ
    कोच्चि 682016
    फोनः 351563

मध्य प्रदेश

82. मै. पी.के. बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
    सदर बाजार कैन्ट
    जबलपुर 482001
    फोनः 320840
83. मै. सुशील प्रकाशन
    212, खजूरी बाजार
    इन्दौर 452002
    फोनः (का.) 535892, 282892 (नि.) 541901
84. मै. एम.पी. टेक्सटबुक कार्पोरेशन
    शिवाजी नगर
    भोपाल 462011
    फोनः 550727, 553094

महाराष्ट्र

85. मै. ए.एच. व्हीलर एण्ड कं. लि.
    25, आर.बी.एस.के. बोले रोड
    दादर (पश्चिम)
    मुंबई 400028
    फोनः 4370612, 4370467
86. मै. एस. चांद एण्ड कं. लि.
    3, गांधी सागर पूर्वी
    नागपुर 440002
    फोनः 723901
87. मै. कपूर स्टेशनरी मार्ट
    दूकान सं. 42
    आम्रपाली शापिंग आर्केड
    वसन्त बिहार
    पोखरण रोड-2 थाणे
    (प.) 400601
    फोनः 5330711, 5361053

उत्तर-पूर्वी राज्य

88. मै. बानी मंदिर
    रानी बाड़ी
    पान बाजार
    गुवाहाटी 781001 (असम)
    फोनः 520241 (नि.) 564488
89. मै. डोनी पोलो एन्टरप्राइजेज
    सी सैक्टर
    ईटानगर 791111
    अरुणाचल प्रदेश
    फोनः 212769, 212389

90. मै. युनाइटेड पब्लिशर्स
मेन रोड, पान बाजार
गुवाहाटी 781001 (असम)
फोनः (का.) 517059 (नि.) 546244
91. मै. न्यू कामर्शियल सेन्टर
थांगल बाजार
खोयाथोंग रोड
इम्फाल 795001 (मणिपुर)
फोन (नि.) 225964
92. मै. पेपर एण्ड स्टेशनर्स स्टोर्स
पाओन बाजार
इम्फाल 795001 (मणिपुर)
फोनः 221109
93. मै. लियानपुंगी बुक स्टोर्स
बड़ा बाजार
आइजोल 796001 (मिजोरम)
फोनः (का.) 329522 (नि.) 322855
94. मै. क्वालिटी स्टोर
नेशनल हाइवे
गंगटोक 737101 (सिक्किम)
फोनः 22992, 24358

उड़ीसा

95. मै. ज्ञान भारती
स्टेशन स्क्वेयर
50, खारावेलानगर
इकाई-3
भुवनेश्वर 751001
फोनः (का.) 508736 (नि.) 402664

पंजाब

96. मै. नीलम पब्लिशर्स
अद्दा खंडा
जालंधर 144008
फोनः (का.) 56899 (नि.) 57170
97. मै. मल्होत्रा बुक डिपो
रेलवे रोड
जालंधर शहर 144001
फोनः 57160, 58388, 59046
98. मै. हरबंस बुक डिपो
बुक्स मार्किट
लुधियाना
फोनः 726480, 720173
99. मै. सुमीत एजुकेशनल स्टोर्स
कॉलेज रोड
पठानकोट 145001
फोनः (का.) 21609 (नि.) 21809
100. मै. परवीन जनरल स्टोर
धोबी बाजार के पीछे
एस.एस.डी. मंदिर के सामने
भटिण्डा 151001
फोनः (का.) 256965 (नि.) 255965
101. मै. मित्तल बुक डिपो
मेन बाजार
मोंगा 142001
फोनः (का.) 21228 (नि.) 23151
102. मै. पेप्सू बुक डिपो
बुक्स मार्किट
पटियाला 147001
फोनः (का.) 214696, 74578 (नि.) 214331, 74605
103. मै. देशराज एण्ड सन्स
अरना बरना बाजार
पटियाला 147001
फोनः (का.) 216076, 304179 (नि.) 219172

राजस्थान

104. मै. एवरग्रीन बुक्स डिस्ट्रीब्यूटर्स
बी-7, फतेह सिंह मार्किट
आर.एस. पोस्ट आफिस के निकट
रेलवे स्टेशन
जयपुर 302006
फोनः (का.) 362395, 317234
105. मै. रमेश बुक डिपो
पब्लिशर्स एण्ड बुकसेलर्स
138, त्रिपोलिया बाजार
जयपुर 302003
फोनः (का.) 606492 (नि.) 43314
106. मै. एस.बी. बुक कंपनी
5-रास्ता थाथरन, चौड़ा रास्ता
जयपुर 302003
फोनः (का) 321819, 317889 (नि.) 606062
107. मै. सैनिक स्टेशनरी स्टोर
शॉप नं. 4
सेन्ट्रल मार्किट
खेतड़ी नगर 333504 (जिला-झुनझुनु)
फोनः 20123

108. मै. भण्डारी स्टेशनर्स
गमानपुरा, कोटा 324007
फोनः 327576

109. मै. मनोहर बुक डिपो
रेलवे स्टेशन रोड के पास
सदर बाजार
जयपुर 302006
फोनः (का.) 202903, 376486
(नि.) 516056, 510211

तमिलनाडु

110. मै. न्यू सेन्चुरी बुक हाउस प्रा. लि.
136, अन्नामलाई
चेन्नई 600002
फोनः 8549563, 8550664

111. मै. सेन्ट्रल बुक डिस्ट्रीव्यूटर्स
6, रामनाथन स्ट्रीट
चेन्नई 600017
फोनः 434336, 4342568

उत्तर प्रदेश

112. मै. आलोक प्रिंटर्स
14/188, हास्पिटल रोड
आगरा 282003
फोनः 364217, 261420

113. मै. एच.एम. पब्लिकेशन्स
12/62, सुई कटरा
हास्पिटल रोड
आगरा 282003
फोनः (का.) 263495 (नि.) 312880

114. मै. सरस्वती बुक डिपो
नौलखा बाजार
ग्वालियर रोड
आगरा कैन्ट 282001
फोनः 267220

115. मै. साहित्य भंडार
50 चाहचांद
इलाहाबाद 211003
फोनः 400787, 402072

116. मै. शक्ति बुक एजेंसी
राजपुर चुंगी
आगरा 282001
फोनः 331233

117. मै. उत्तम पुस्तक भंडार
1, अखाड़ा बाजार
देहरादून 248001
फोनः (का.) 624820 (नि.) 625645

118. मै. कमल प्रकाशन
153, पक्की मोरी
गाजियाबाद
फोनः 748051

119. मै. नवयुग बुक डिपो
12, दिल्ली गेट
गाजियाबाद
फोनः (का.) 733389 (नि.) 718711

120. मै. युनाइटेड लाइब्रेरी एण्ड बुक स्टॉल
युनाइटेड सिनेमा कंपखड़
सिनेमा रोड
,गोलघर
गोरखपुर
फोनः 344841, 341797

121. मै. गौरव पुस्तक भण्डार
208, हरजिन्दर नगर
कानपुर 208010
फोनः 403525, 451333

122. मै. गौतम ब्रदर्स
39/18, मेस्टन रोड
कानपुर 208001
फोनः (का.) 364601, 224194 (नि.) 256026

123. मै. आशा एजेन्सीज
दुकान सं. 3, गनी मार्किट
177/23, गुयेन रोड
अमीनाबाद
लखनऊ 226018
फोनः (का.) 221445 (नि.) 227036

124. मै. यूनिवर्सल बुक कंपनी
20, महात्मा गांधी मार्ग
इलाहाबाद 211001
फोनः 623467, 624953

125. मै. सरस्वती सदन
19, सुभाष मार्किट, बरेली
फोनः (का.) 474092 (नि.) 474042, 471142

126. मै. राजहंस पुस्तक भवन
सुभाष बाजार
मेरठ (उ.प्र.)
फोनः (का.) 7516738, 641791

127. मैं. अरुणोदय बुक सेन्टर
गुरु बाग
वाराणसी 221010
फोनः 320714, 361668

128. मैं. गुप्ता जनरल ट्रेडिंग कंपनी
करणघंटा, बुलानाला
वाराणसी 221001
फोनः (का.) 353017, 354582 (नि.) 344802

129. मैं. बनारस बुक कार्पोरेशन
यूनिवर्सिटी रोड, लंका
वाराणसी 221005
फोनः (का.) 311385 (नि.) 312316

130. मैं. विद्यार्थी केन्द्र
डी-45/3, लक्सा रोड
वाराणसी 221010
फोनः (का.) 320730 (नि.) 320709

131. मैं. नेशनल बुक स्टोर
डिसपेन्सरी रोड
देहरादून 248001
फोनः 659430 (नि.) 621470

132. मैं. चाचा बुक स्टोर
121, सदर बाजार
लखनऊ 226002
फोनः (0522) 480077, 481177

133. मैं. शर्मा स्टेशनरी बुक एण्ड सेन्ट्रल स्टोर
श्रीनगर, आलमबाग
लखनऊ 226005
फोनः (का.) 456851 (नि.) 454229

134. मैं. व्यापार सदन
177/25, महावीर मार्किट, ग्वाने रोड
लखनऊ 226002
फोनः (का.) 221771, 281423 (नि.) 373794

135. मैं. माही बुक पैलेस
विजय नगर
शंकर आश्रम के सामने
पूर्वी कचहरी रोड
मेरठ
फोनः 641791, 645415

136. मैं. नेशनल बुक डिपो
67, सुभाष बाजार
मेरठ
फोनः 27616

137. मैं. कैम्ब्रिज बुक डिपो
सिविल लाइन्स
रुड़की 247667
फोनः (का.) 72341
(नि.) 73892

पश्चिम बंगाल

138. मैं. देव साहित्य कुटीर प्रा. लि.
21, झामपूकर लेन
कलकत्ता 700009
फोनः 3504294, 3504295, 3507887

उर्दू प्रकाशनों के लिए वितरक

उर्दू अकादमी, दिल्ली (एन.सी.टी. ऑफ दिल्ली)
घंटा मस्जिद रोड
दरियागंज
नई दिल्ली 110002
फोनः 3276211, 3263448

नोट - उर्दू पुस्तकें एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 के प्रकाशन प्रभाग के विक्रय केन्द्र पर भी उपलब्ध हैं।